

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 73]  
No. 73]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 30, 1990/चैत्र 9, 1912  
NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 30, 1990/CHAITRA 9, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

निर्यात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. 19-ईटीसी (पीएन)/90

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1990

विषय :—अप्रैल, 1990—मार्च, 1993 के लिए आयात-  
निर्यात नीति (खण्ड-2)।

फाइल सं. 19-16-90-ई-2 :—उपर्युक्त विषय पर  
निर्यात नियंत्रण संशोधन आदेश सं. ई(सी)ओ. 1988/ए  
एम) 50 (दिनांक 30 मार्च, 1990 को ओर ध्यान दिलाया  
जाता है।

2. 1 अप्रैल 1990 से लागू होने वाली निर्यात  
लाइसेंसिंग नीति 31 मार्च, 1993 को समाप्त होने वाली  
3 वर्ष की अवधि के लिए है। ऊपर उल्लिखित अवधि  
के दौरान अपनाई जाने वाली नीति इस सार्वजनिक सूचना से  
संलग्न खण्ड-1, 2 और 3 में दर्शाई गई है। तथापि, सरकार  
को इस नीति में ऐसे संशोधन/परिवर्तन करने का अधिकार  
है जो उपर्युक्त अवधि के दौरान समय-समय पर लोक हित  
में आवश्यक हों। संशोधन आदि, यदि कोई किया जाएगा

तो पहले की भांति ही मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा समय-  
समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचनाओं/संशोधन आदेशों  
द्वारा अधिसूचित किया जाएगा। ऐसे संशोधन या परिवर्तन जब  
और जैसे अधिसूचित किए जाएंगे नीति पुस्तक के प्रावधान  
उन के अधीन होंगे।

3. जिन मदों का निर्यात या तो विनियंत्रण के आधार  
पर या खुले सामान्य लाइसेंस-3 के अंतर्गत अनुमेय था  
उनके सम्बन्ध में निषेधपूर्व (नियंत्रण पूर्व सहित) समझौतों  
पर आधारित निर्यात के लिए आवेदन-पत्र उक्त नीति के संगत  
प्रावधानों के अनुसार विचार करने के लिए मुख्यालय, मुख्य  
नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय, उद्योग भवन, नई  
दिल्ली को भेजे जाएं।

4. “गुणवत्ता” के आधार पर निर्यात के लिए अनुमेय  
मदों के सम्बन्ध में कोई भी व्यक्ति निर्यात के लिए आवश्यक  
अनुमति लेने से पूर्व वचनबद्धता नहीं करेगा। ऐसी मदों के  
सम्बन्ध में आवेदन पत्र मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का  
कार्यालय, नई दिल्ली को भेजे जाने चाहिए।

तेजेन्द्र खन्ना,  
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

## भाग 1

## निर्यात नियंत्रण

1. नीति और प्रक्रियाओं को सरल बनाने और युक्तिमय करने के लिए सरकार की स्पष्ट नीति के उद्देश्य के अनुरूप ही निर्यात लाइसेंसिंग नीति को इस बार फिर पूर्ण रूप से समीक्षा की गई है, पुनः संकलित तथा उत्तरी पुनःसंरचना की गई है। इस बार भी निर्यात नीति की निष्पत्ति एवं स्थिरता को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह नीति तीन वर्षों अर्थात् प्रथम श्रेणी, 1990 से 31 मार्च, 1993 तक वैध रहेगी। तथापि सरकार की यह अपेक्षा होगी कि वह नीति में ऐसे संशोधन/परिवर्तन कर सके जो उद्घाटन अवधि के दौरान समय-समय पर लोक हित में आवश्यक हो जाएं। यदि कोई संशोधन आदि किया जाएगा तो वह मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात द्वारा समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचनाओं/संशोधन आदेशों के माध्यम से अधिसूचित किया जाएगा। इस नीति पुस्तक के प्रावधान उन ऐसे अधिसूचित किए गए संशोधनों अथवा परिवर्तनों की शर्त के अधीन होंगे।

2. उद्देश्य:—सरकार का मूल उद्देश्य निर्यात को अधिकतम सीमा तक बढ़ाना है परन्तु यह इस प्रकार किया जाना है कि अपने देश में अनिवार्यतः अपेक्षित मंदों के अनियंत्रित निर्यात से अपने देश की आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। अतः निर्यात नियंत्रण उन सीमित मंदों की संख्या पर लागू किया जाता है जिनकी आपूर्ति स्थिति की यह मांग रहे कि देश के बृहत हित में उनके निर्यात को विनियमित किया जाना चाहिए।

3. क्षेत्र:—निर्यात पर नियंत्रण, निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1988 के प्रावधानों के अनुसार किया जाता है। यह अधिनियम वर्तमान प्रक्रिया पुस्तक में पुनः उद्धृत किया गया है।

4. निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1988 की अनुसूची-1 में सम्मिलित की गई जेडें ही नियंत्रण के अधीन हैं। ऐसे किसी भी मद का निर्यात तब तक नहीं किया जा सकता है जब तक कि सक्षम लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए वैध निर्यात लाइसेंस में उस मद का सम्मिलित न कर दिया गया हो। इस अनुसूची में किसी माल के सम्मिलित न होने पर उसका पोस्टलरत किसी निर्यात लाइसेंस के बिना तब तक किया जा सकता है जब तक कि उसका निर्यात किसी समय लागू अथवा कानून के अन्तर्गत नियंत्रित न कर दिया गया हो। उदाहरणार्थ पुरावशेषों का निर्यात पुरावशेष तथा बहुमूल्य कलाकृति अधिनियम, 1972 के अधीन नियंत्रित किया जाता है, जबकि कच्चा और चाय का निर्यात कच्चा बोर्ड, बंगलौर और चाय बोर्ड, कलकत्ता द्वारा क्रमशः भारतीय कच्चा अधिनियम, 1942 और चाय अधिनियम, 1953 के अधीन नियंत्रित है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा सोने, नारेन्सी नोट्स और सिक्कों का निर्यात विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम के अन्तर्गत नियंत्रित है। इसी प्रकार, कुछ अन्य पण्य वस्तुओं का निर्यात या तो निषेध कर दिया जाता है या विभिन्न अधिनियमों के अधीन नियंत्रित किया जाता है। ऐसे कुछ अधिनियमों की सूची भाग-III में दी गई है।

5. निर्यात (नियंत्रण) आदेश की व्याप्ति के अन्तर्गत आने वाली किसी मद का निर्यात तब तक नहीं किया जा सकता है जब तक कि उस मद के लिए लाइसेंस देने के लिए सक्षम लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए वैध लाइसेंस में वह मद शामिल न की गई हो परन्तु इसके होते हुए भी आदेश में व्यवस्था है कि कतिपय अपवादों और रिहायतों

के अनुसार कुछ परिस्थितियों में एवम् सीमित मात्रा में, लाइसेंस के बिना निर्यात किया जा सकता है।

6. खुले सामान्य लाइसेंस के तहत आयात किए गए माल का निर्यात इसी प्रकार नहीं कर दिया जाएगा। इसका निर्यात केवल मुख्य नियंत्रक आयात नियंत्रण, नई दिल्ली की विवेक अनुमति में किया जा सकेगा।

7. निर्यात विषय के किसी भी सम्बन्ध स्थान को किया जा सकता है लाइसेंस जारी करने के मामले में एक देश से दूसरे देश के बीच कोई भेदभाव नहीं किया जाता है। इसका अर्थ यह है कि विदेशी नेता जिन देश के वे रहते हैं उनको ध्यान में रखे बिना किसी निर्यात लाइसेंस के धारक व्यक्तियों से या खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत निर्यात करने के लिए पात्र व्यक्तियों से, बशर्ते कि खुले सामान्य लाइसेंस की शर्तें पूरी की जा रही हों, पण्य वस्तुओं की अपनी आवश्यकताओं को पूरी कर सकता है केवल दक्षिणी अफ्रीका संघ और फिजी इस सामान्य नियम के अपवाद हैं, क्योंकि इन देशों से व्यापार पर पूर्ण प्रतिबंध है। अतः इन देशों को निर्यात करने की कोई अनुमति नहीं है। तथापि, भारत और चीन के निम्न क्षेत्र के बीच वाईर ट्रेड (अर्थात् सामान्य व्यापार) की अनुमति नहीं दी जायेगी।

## लाइसेंस नीति

8. परिशिष्ट-1 में निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1988 और तदाधीन अनुसूचियाँ अन्तर्लिखित हैं। इसे भाग-2 में उद्धृत किया गया है।

निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1988 की प्रथम अनुसूची 1 में उन पण्य वस्तुओं को सूचीबद्ध किया गया है जो निर्यात नियंत्रण के अधीन हैं। इन मदों को दो सूचियों में विभाजित किया गया है। भाग-"क" नाम की प्रथम सूची में वे मदें हैं जिनके निर्यात की अनुमति नहीं है। भाग-"ख" नाम की द्वितीय अनुसूची में वे मदें हैं जिनका निर्यात कतिपय निरिष्ट शर्तों के अधीन है। भाग-"ख" की इन मदों को इनके लिए प्रयोज्य अलग-अलग नीति पर निर्भर रहते हुए चार सूचियों में सम्मिलित किया गया है।

अनुसूची-2 में निर्यात लाइसेंस देने के लिए सक्षम अधिकारियों की सूची दी गई है।

अनुसूची-3 में चार खुले सामान्य लाइसेंस और उन से सम्बद्ध शर्तें अन्तर्लिखित हैं।

9. भाग ख की सूची में वे मदें दी गई हैं जिनके निर्यात की अनुमति "गुण दोष" के आधार पर दी जाएगी। ऐसे निर्यातों के संबंध में अलग-अलग नियंत्रकों से प्राप्त आवेदन पत्रों पर केवल मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय, नई दिल्ली द्वारा ही विचार किया जाएगा। ऐसे आवेदनपत्रों को निर्यात लाइसेंस समिति के सम्मुख प्रस्तुत किया जाएगा जो कि मुख्यालय में मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली की अध्यक्षता में गठित की गयी है। इस समिति में वाणिज्य मंत्रालय और अन्य संबंध विभागों/मंत्रालयों के प्रतिनिधि होंगे। निर्यात का निर्णय गुण-दोष के आधार पर और प्रत्येक मामले के आधार पर किया जाएगा और इस निर्यात लाइसेंस समिति की सिफारिशों के आधार पर ही क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा लाइसेंस जारी किए जाएंगे।

10. भाग को ख सूची 2 में वे मदें दी गई हैं जिनका निर्यात सीमित सीलिंग के अन्तर्गत अनुमित है। सीलिंग में रखी गई मदें वे हैं जिनके निर्यात के लिए अनुमित सीमा या तो उत्पादन को कठिनाइयों अथवा संसाधित श्रमताओं की तगै के कारण प्रत्येक वर्ष में भिन्न-भिन्न होगी। सम्पूर्ण वर्ष को सालाना एक किस्त में रिलोज किया जाएगा। सीलिंग क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारियों के अधिकार में होगी।

11. भाग ख को सूची में वे मदें दी गई हैं जिनका निर्यात खुले सामान्य लाइसेंस-3 के अन्तर्गत उनमें संलग्न कनिष्ठ अन्य शर्तों के अधीन है। जो निर्यात करने वाले सामान्य लाइसेंस की शर्तों के अनुसार किए जाने हैं उनके मन्त्र या निर्यातकों को कोई निर्यात लाइसेंस प्राप्त करने के लिए लाइसेंस प्राधिकारियों से सम्पर्क करने की आवश्यकता नहीं होगी। किन्तु चार खुले सामान्य लाइसेंस प्रचलन में हैं जो कि निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1988 की अनुसूची-3 में हैं, और इस पुस्तक के भाग 2, परिशिष्ट-1 में पुनः उद्धृत किए गए हैं।

12. परिशिष्ट-5 में उन मदों की सूची दी गई है जिनका निर्यात विनिर्दिष्ट एजेंसियों के माध्यम से करणीय है। इन मदों के लिए निर्यातों को अनुमति केवल मन्त्रालय एजेंसी द्वारा ही दी जाएगी। जिस माता तक इन मदों के संबंध में निर्यात की अनुमति दी जा सकती है और उनमें संबंधित अन्य व्यक्तियों का निर्णय सरकार द्वारा समय-समय पर किया जाता है। अतः इन मदों में करणीय एजेंसिया का संवादन ऐसे निर्देशों के अधीन रहेगा जो कि सरकार द्वारा उक्तो दिए जाएंगे।

13. (1) यद्यपि प्रस्तुत नीति तीन वर्षों की अवधि के लिए है, परन्तु लाइसेंस देना वार्षिक आधार पर ही जारी रहेगा।

(2) इस नीति में जहां कहीं “वर्ष” अथवा “लाइसेंसिंग वर्ष” आया है, उनका अर्थ 1 अप्रैल से आरम्भ और 31 मार्च को समाप्त होने वाले “वित्तीय वर्ष” से माना जाएगा।

(3) मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात सार्वजनिक सूचना जारी करके किसी भी लाइसेंस अवधि या पण्यवस्तु के संबंध में निर्यात लाइसेंस जारी करने के लिए एक विशेष प्रक्रिया तैयार कर सकते हैं। ऐसे मामलों में नीति और प्रक्रिया के प्रावधान, जो भी निर्धारित किए जाएंगे, केवल उसी सीमा तक लागू होंगे जो सीमा ऐसी सार्वजनिक सूचना में निर्दिष्ट की जाएगी।

## 14. मुफ्त व्यापार नमूने

मुफ्त व्यापार नमूनों के निर्यात के बारे में निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1988 की अनुसूची-3 में खुले सामान्य लाइसेंस में दिशा दिया गया है।

## 15. परियोजना निर्यात

किसी भारतीय संविदाकार/उप-संविदाकार/परामर्शदात्री संगठन द्वारा विदेश में ली गयी परियोजना के संबंध में अपेक्षित निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1988 की अनुसूची-1 के भाग “क” या भाग “ख” में शामिल की गई किसी मद के निर्यात की अनुमति निर्यात के समय लागू निर्यात नीति को ध्यान में रखते हुए प्राणिय मंत्रालय की परियोजना समिति द्वारा जारी किए गए अनुमोदन/स्वीकृति पत्र के आधार पर दी जाएगी ऐसे अनुमोदन/स्वीकृति पत्र में परियोजना समिति द्वारा निर्यात के लिए अनुमोदित अलग-अलग मदों की मात्रा, विनिर्दिष्टकरणों और मूल्य के संबंध में ब्यौरे दिए जाएंगे। उक्त समिति से अनुमोदन/स्वीकृति पत्र प्रस्तुत करने पर क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा परियोजना के बारे में संविदाकार/उप-संविदाकार/परामर्शदात्री संगठन के नाम में निर्यात लाइसेंस जारी किए जाएंगे। निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1977 की

अनुसूची-1 के भाग “क” या भाग “ख” में न दी गई विदेश में परियोजना के लिए अपेक्षित मदों के निर्यात की अनुमति उपर्युक्त समिति से कोई प्रतिबन्ध अथवा अनुमति प्राप्त किए बिना विनियमित आधार पर दी जाएगी।

16. पोतलदान-पूर्व निरीक्षण और गुण नियंत्रक:—निर्यातक(कों) को पोतलदान के समय उन मदों के लिए निर्यात निरीक्षण एजेंसी से पोतलदान-पूर्व निरीक्षण/गुण नियंत्रण प्रमाणपत्र सीमाशुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करना होगा जो मद निर्यात (गुण नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 के अन्तर्गत आते हैं चाहे ऐसी शर्त निर्यात नीति में निर्धारित की गई हो अथवा नहीं।

जहां निर्यात (नियंत्रण) आदेश के अन्तर्गत आयातकों पाँचों ओर पोतों की सामग्री के निर्यात के लिए पादप आरक्षणता प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए मांग की जाए या कानूनी बाधता हो, वहां निर्यातक को, ऐसा प्रमाणपत्र कृषि मंत्रालय द्वारा अधिसूचित, प्राधिकृत प्राधिकारियों/संस्थाओं से प्राप्त करना होगा। ऐसे अधिकारियों/संस्थाओं की सूची इस पुस्तक के भाग-3 में दी गई है। किसी अन्य प्राधिकारी से ऐसे प्रमाणपत्र निर्यात के समय स्वीकार्य नहीं होंगे।

17. निर्यात लाइसेंस पर उन अन्य कानूनों का कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा जिनके अन्तर्गत माल या आवेदन/लाइसेंस जारी करने पर वे लागू हो सकते हैं। यह खुले सामान्य लाइसेंस पर निर्यात के लिए अनुमित माल पर भी लागू होता है। संबंधित प्रत्येक व्यक्ति, सभी अवसरों पर उस पर लागू मामले में, सभी अन्य कानूनों आदि का अनुपालन करने और करते रहने के आधार के अधीन है।

18. आयात और व्यापार (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 को प्रक्रिया पुस्तक 1990-93 में दोहराया गया है।

लागू निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1988 इस पुस्तक के भाग-2 परिशिष्ट-1 में दोहराया गया है।

निर्यातकों और संबंधित व्यक्तियों को अधिनियम और आदेशों में दिए गए प्रावधानों को सावधानीपूर्वक पढ़ना चाहिए, इसका कोई भी उल्लंघन कानून के अधीन दण्डनीय है।

केन्द्रीय सरकार अधिनियम के खण्ड-6 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधिनियम के खण्ड-5 के अन्तर्गत किसी भी दण्डनीय अपराध के संबंध में निम्नलिखित अधिकारियों को न्यायालय में लिखित शिकायत करने के लिए प्राधिकृत करती है:—

- (1) संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात,
- (2) उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात,
- (3) सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 के 52) के अधीन सीमाशुल्क समाहर्ता और सीमाशुल्क अधिकारी,
- (4) नियंत्रक, लौहा तथा इस्पात और उप-नियंत्रक, लौहा तथा इस्पात, और
- (5) केन्द्रीय जांच ब्यूरो के पुलिस अधीक्षक।

इसके अतिरिक्त, यथामंशोधित आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, तथा सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अन्तर्गत दण्ड दिया जा सकता है, निर्यात लाइसेंस को निरस्त किया जा सकता है तथा यथामंशोधित निर्यात, नियंत्रण आदेश, 1988 में विनिर्दिष्ट प्रावधानों के अन्तर्गत अन्यथा निष्प्रभावी किया जा सकता है।



19. जब तक अन्यथा रूप से इसमें न दिया गया हो, निर्यात के लिए लाइसेंस खुले सामान्य लाइसेंस सहित दक्षिण अफ्रीका संघ और फिजी को छोड़कर विश्व के किसी भी देश को निर्यात के लिए वैध होंगे।

20. निर्यात लाइसेंस/परमिट प्राप्त करने के लिए कोई शुल्क प्रभाव नहीं है।

21. वास्तविक निजी असबाब का निर्यात, निर्यात असबाब नियमों द्वारा नियंत्रित किया जाता है जो इस पुस्तक के भाग-3 में पुनः उद्धृत किए गये हैं।

22. डाक द्वारा निर्यात पोस्टल नोटिस सं. 13, दिनांक 3-12-1973 के अनुसार नियमित किए जाते हैं जिसको इस पुस्तक के भाग-3 में पुनः उद्धृत किया गया है।

23. जहाँ वर्तमान नीति और प्रक्रियाएँ वास्तविक कठिनाई उत्पन्न करती हों अथवा जहाँ वर्तमान नीति को कड़ाई से लागू करने से निर्यात पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वहाँ पर वर्तमान नीति और प्रक्रियाओं में ढील देने के मामलों पर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा विचार किया जा सकता है।

24. लकड़ी और इमारती लकड़ी को निर्यात नीति के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित परिभाषाएँ अपनाई जायेगी।

(1) "इमारती लकड़ी" का अर्थ है टूट सहित कूड़े, अपरिष्कृत वर्गीकरण या गोलाकार लकड़ी ;

(2) "टूट" का अर्थ है पेड़ का आधार और गिरने से पश्चात् भूमि में दबी हुई जड़ें ;

(3) "चिरी हुई इमारती लकड़ी" का अर्थ है, शहतीर, तख्ते, रीपर्स, कड़िया बाड़-खूटे या बल्लियाँ-ब्लैक्स, इमारती लकड़ी से, तैयार किए गए स्लीपर और कड़ियाँ चाहे सिझायी हुई हो या नहीं, गोलाकार या चौरस दशाओं में, भारतीय मानक विशिष्टकरण सं. 1707—1776 में यथा निर्धारित किसी भी तरीके से चिरी हुई हों।

(4) "परिष्कृत इमारती लकड़ी" का अर्थ उस इमारती लकड़ी से है जो कुंदों में और चिरी हुई सार्डिजों से मिला हो और उसमें:—

(क) विनीर अधिकतम मोटाई 6 मि. मी. प्लाईवुड कार्ड बोर्ड पाटिकल बोर्ड और फैंटरी में बने हुए इसी प्रकार के अन्य, उत्पाद (ख) फर्नीचर की मढ़ें दरवाजों और खिड़कियों के चोखटों, दरवाजों के हैंडल, संगीत के यंत्रों के लकड़ी के भाग सृजित या ठोकी हुई दशा में और 3 इंच की लंबाई और 1 इंच के व्यास तक के साइज के चन्दन की लकड़ी के चाकुओं के हैंडल और अन्य उपयोगिता या औद्योगिक मढ़ें शामिल है।

25. निर्यात से संबंधित मामलों और निर्यात नीति तथा प्रक्रिया संबंधी व्याख्या के मामलों में सम्बद्ध व्यक्ति आवश्यक सलाह के लिए मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली को लिख सकते हैं। किसी अन्य तरीके से या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा की गयी निर्यात नीति की व्याख्या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के लिए या कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं होगी।

26. निर्यात नियंत्रण के अन्तर्गत मढ़ों के सुलभ संदर्भ और पहचान को सुविधाजनक बनाने के लिए एक वर्ष क्रमानुसार सूचक भी उद्धृत किया गया है।

### निर्यात लाइसेंसिंग प्रक्रिया

27. निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1988 की अनुसूची एक के भाग "क" के अंतर्गत रखी गई मढ़ें निर्यात के लिए अनुमित नहीं हैं।

28. निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1988 की अनुसूची-1 के भाग ख में आने वाली मढ़ों को पुनः वर्गीकृत किया गया है।

### "गुण दोष" के आधार पर निर्यात के लिए मढ़ें

#### भाग ख की सूची-1

29. परिशिष्ट 3 अर्थात् "गुण दोष" के आधार पर रखी गई मढ़ों की सूची में आने वाली मढ़ों के लिए सभी प्रकार पूर्ण रूप से नए हुए आवेदन पत्र निर्धारित परिपत्र "ए-एक्स" में मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, उद्योग भवन, नई दिल्ली-11 को भेजे जाने चाहिए। ऐसे आवेदनों पर "गुण दोष" के आधार पर और एक मामले से दूसरे मामले के अनुसार मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की दृष्टिकोण से प्रतिनिधित्व जहाँसोत समिति द्वारा विचार किया जायेगा। इस समिति में विभिन्न संबंधित सरकारी विभागों से लिए गए प्रतिनिधि सम्मिलित होंगे। ऐसी मढ़ों का निर्यात उक्त समिति की सिफारिशों पर संबंधित क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारियों द्वारा जारी किये जाने वाले विशिष्ट लाइसेंसों के मढ़ें अनुमित किया जायेगा।

इन लाइसेंसों की वैधता जारी होने की तिथि से 6 महीने अथवा लाइसेंस वर्ष के 31 मार्च तक, इनमें जो भी पहले हो, के लिए होगी। पुनर्वर्गीकरण के लिए आवेदन पर केवल मुख्यालय, नई दिल्ली में निर्यात लाइसेंसिंग समिति द्वारा किया जाएगा।

"भाग ख की सूची 1 में प्रदर्शित मढ़ें "कुथ" (निजी भूमि में उपजाए गए कोस्टल लष्पा, सिन० सीसरिया लष्पा सी. बी. सी. एस्ट्रेथिया और जंगली किस्मों को छोड़कर इसके व्युत्पन्न) के निर्यात की यदि अनुमति दी जाएगी तो वह निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी:—

(1) सी आई टी ई एस प्रमाणपत्र,

(2) न्यूनतम निर्यात मूल्य,

(3) क्षेत्रीय उप निदेशक द्वारा लदान-पूर्व निरीक्षण,

(4) मुख्य वन्य जीव वर्डन/उपायुक्त या इनके द्वारा नामित व्यक्ति से उत्पत्ति सम्बन्धी प्रमाणपत्र।

भाग ख की सूची 1 में प्रदर्शित मढ़ें विशेषज्ञ चिड़ियों के यदि निर्यात की अनुमति दी जाए तो निर्यात अथवा वनों के सत्य-तथ्य निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगा:—

(1) राज्य के मुख्य वन्य जीव वर्डन से इस आशय का एक प्रमाणपत्र कि जिन चिड़ियों का निर्यात किया जा रहा है वे कैप्टिव चिड़ियों के स्टॉक से हैं।

(2) लदान-पूर्व निरीक्षण, और सी आई टी ई एस प्रमाणपत्र।

सीमित सीलिंग के अन्तर्गत रखी गई मढ़ें।

#### भाग ख की सूची-2

30. जो मढ़ें सीलिंग के अन्तर्गत रखी गई हैं उनके लिए निर्यात की अनुमति सीमाएं निर्यात प्रतिबंधों अथवा संसाधन क्षमता के प्रतिबंधों के कारण अलग-अलग वर्षों में दिए होंगे। सीलिंग का इन सीमाओं का प्रचालन क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा किया जाये। पूर्ण वर्ष के लिए सीलिंग एक किस्त में रिनीज की जायेगी।



**सीलिंग सीलिंग के तहत मदें प्राप्त करने के लिए क्रियाविधि**

31. निर्यात के लिए उपलब्ध सीलिंग की कुल मात्रा की घोषणा करते हुए सार्वजनिक सूचना/व्यापार सूचना जारी की जायेगी और उनमें यह भी निदिष्ट किया जायेगा कि ऐसे निर्यात पत्रों का निपटाने के प्रयोजन के लिए किस लाइसेंस कार्यालय को सीलिंग का आवंटन किया गया है।

(2) जिस लाइसेंस कार्यालय ने सीलिंग का आवंटन किया गया है वह संबंधित निर्यातकों को आवंटन के लिए उपलब्ध सीलिंग का ब्यापार निदिष्ट करते हुए व्यापार सूचना जारी करेगा।

(3) क्षेत्रीय निर्यातकों को लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा जारी की गई व्यापार सूचना के जारी होने की तिथि से 15 दिन का समय निर्यात आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के लिए दिया जायेगा।

आवेदन पत्रों में आवेदित मात्रा और निर्यात करने के लिए सहाय्य यूनिट कीमत निदिष्ट करते हुए सील बन्ध लिफाफों में प्रस्तुत दिये जायेगें। निर्यातकों को केवल एक आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की अनुमति होगी।

(4) निर्यात आवेदन पत्र के साथ निर्यातक को इस आशय का एक घोषणा पत्र दाखिल करना चाहिए कि उसने उसी लाइसेंस अवधि के दौरान अन्य लाइसेंस प्राधिकारी को उसी मद के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत नहीं किया है।

(5) व्यापार सूचना में क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारी सामान्यतः यह निदिष्ट करेगा कि माप की यूनिट क्या होनी चाहिए जिससे कि निर्यातक माप की सामान्य यूनिट में कीमत का उल्लेख समान रूप के करने में समर्थ हो सके।

(6) पात्र आयातक को कुल उपलब्ध सीलिंग के 10% के अधिक की अनुमति नहीं दी जायेगी लेकिन ये उस मामले में लागू नहीं होगी जिसमें सीलिंग लेने वाला कोई न हो।

(7) सभी आवेदन पत्रों पर एक साथ विचार किया जायेगा और सीलिंग का आवंटन आवेदन पत्रों में दी गयी उच्चतम इकाई मूल्य वसूली के आधार पर लिया जायेगा। यदि किसी कारण से सीलिंग आवेदन पत्र की कम संख्या या मांग की कमी के कारण आवंटन की तिथि को समाप्त नहीं होती है तो लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा आगे कोई व्यापार सूचना जारी नहीं की जायेगी परंतु आवेदन पत्र स्वीकार किये जायेंगे और पहले आर्थी पहले पाओं के आधार पर सीलिंग का आवंटन किया जायेगा।

32. सीलिंग की मदों के निर्यात के लिए इस प्रकार दिये गए निर्यात लाइसेंस जारी होने की तिथि या लाइसेंसिंग वर्ष के 31 मार्च, इनमें जो भी पहले हो, उसके छः महीनों की अवधि के लिए वैध होंगे।

33. सामान्यतः ऐसे मामलों में किसी पुनर्विचारण की अनुमति नहीं दी जाएगी लेकिन वास्तविक कठिनाई के मामले में लाइसेंस प्राधिकारी लाइसेंस की समाप्ति की तिथि तीन महीने के लिए या लाइसेंस वर्ष के 31 मार्च तक, इनमें जो भी पहले हो, के लिए केवल सीलिंग की मदों के लिए पुनर्विचारण देने के लिए विचार कर सकते हैं। जिस निर्यातक को सीलिंग का आवंटन किया गया है उसे यह प्रयत्न करना चाहिए कि वह पूर्ण मात्रा का निर्यात कर ले। लेकिन यदि निर्यातक उसकी आवंटित सीलिंग के कम से कम 90% का निर्यात करने में असफल रहता है तो लाइसेंस प्राधिकारी निर्यातक को उम्मीद मद के लिए आगे निर्यात लाइसेंस प्राप्त करने से वंचित करने के लिए कार्यवाही कर सकता है। लेकिन ऐसी कार्यवाही करने से पहले लाइसेंस प्राधिकारी निर्यातक

को सुनवाई का अवसर देंगे। निर्यात में 10% या इससे कम की कमी रहने पर लाइसेंस प्राधिकारी चूक की क्षमा कर सकते हैं, लेकिन निर्यात लाइसेंस क्षमति गुण दोष के आधार पर विवरण को क्षमा करने के लिए विचार कर सकती है। निर्यातक जिनमें सीलिंग की मद प्राप्त की है उसके लिये यह बाध्यकर है कि वह पोत लदान की तिथि से 15 दिनों के भीतर या लाइसेंस की समाप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर संबंधित लाइसेंस प्राधिकारी को अपन निर्यात का पूर्ण ब्योरा देते हुए एक रिपोर्ट प्रस्तुत करे। ऐसा न करने पर उसके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जा सकती है।

**सरणीबद्ध निर्यात**

34. निर्यात की विभिन्न मदों को केवल मनोनीत सरणीबद्ध अभिकरणों के माध्यम से ही निर्यात हेतु सरणीबद्ध किया गया है। ऐसी मदों एवं तत्संबंधी अभिकरणों की सूची भाग ख को सूची 4 एवं खुले सामान्य लाइसेंस-4 में दी गई है। इन मदों का निर्यात केवल संबंधित सरणीबद्ध अभिकरणों द्वारा ही अनुमित किया जायेगा। इन मदों के मामले में मात्रा जहां तक निर्यात अनुमित होगा तथा इससे संबंधित अन्य विवरण समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित किए जाएंगे। अतः इस संबंध में सरणीबद्ध अभिकरणों का प्रचालन सरकार द्वारा जारी आदेशों के अन्तर्गत ही होगा।

**खुला सामान्य लाइसेंस**

35. खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत आने वाली मदें इसकी वैधता तक उसमें निर्धारित सभी स्थानों की किसी लाइसेंसिंग औपचारिकता की पूरा किये बिना स्वतंत्र रूप से निर्यात की जा सकती हैं।

इस समय निम्नलिखित चार खुले सामान्य लाइसेंस प्रचलन में हैं:—

- (क) खुला सामान्य लाइसेंस सं. 1 भारत से जुड़े किसी ऐसे देश को भूतल से निर्यात करने के लिए लागू होता है तथा जो निर्यात (निर्यात) आदेश, 1988 की अनुसूची-1 में शामिल है तथा जिसका अपना कोई समुद्री तट नहीं है तथा जो कि पारसमन यातायात को नियंत्रित करने के लिए एक निर्धारित प्रक्रिया के अन्तर्गत आते हैं।
- (ख) खुला सामान्य लाइसेंस सं. 2 मुक्त व्यापार मूल नमूनों का निर्यात करने के लिए लागू होता है।
- (ग) खुला सामान्य लाइसेंस सं. 3 में निर्यात की जाने वाली उन मदों की सूची दी गई है जिन्हें प्रत्येक मद के सामने दी गई सभी शर्तों के पूरा करने पर निर्यात किया जा सकता है।
- (घ) खुला सामान्य लाइसेंस सं. 4 में निर्यात की जा सकने वाली उन मदों की सूची दी गई है जिन्हें प्रत्येक मद के सामने दी गई सरणीबद्ध एजेंसी द्वारा ही निर्यात किया जा सकता है।

**निषेध-पूर्व किए गए सौदे**

36. जब तक अन्यथा रूप से व्यवस्था नहीं की जाती, निषेध पूर्व (निर्यात पूर्व सहित) निम्नलिखित सौदों के लिए साधारणतः निर्यात नियंत्रण के उद्देश्य के लिए मान्यता दी जाएगी:—

- (क) जहां निर्यातक/निर्यात करने वाली फर्म के पक्ष में एक विशिष्ट निर्यात आदेश के मदों विदेशी खरीदार द्वारा परेषण के जहाज पर्यंत निःशुल्क मूल्य के 100 प्रतिशत के बराबर एक अपरि-वर्तनीय भाव पत्र खोला गया हो और निषेध/निर्यात की तिथि से पूर्व भारत में किसी अनुसूचित बैंक द्वारा स्वीकृत किया गया हो;

(ख) जहाँ पर अग्रिम धन प्राप्त कर लिया गया हो, बशर्ते कि—

- (1) एक निश्चित निर्यात आदेश के मद्दे अग्रिम धन प्राप्त किया गया हो और जो परेषण के जहाँ पर पर्यन्त निशुल्क मूल्य के 100 प्रतिशत के बराबर हों; और
- (2) ऐसा अग्रिम भुगतान निषेध की तिथि को अथवा इससे पूर्व विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी के माध्यम से प्राप्त कर लिया गया हो।

उपर्युक्त बातों के होते हुए भी सरकार उपर्युक्त प्रावधानों के अंतर्गत न माने जाने किसी अन्य दावे को भी सम्बन्धित कारणों के आधार पर निषेध-पूर्व सौदों के रूप में मान सकती है।

37. संबंधित व्यक्ति द्वारा निषेध-पूर्व/नियंत्रण-पूर्व सौदों/निर्यात-संविदाओं आदि की प्राप्ति या मार्बजति सूचना जारी होने की तिथि से 30 दिनों की अवधि के भीतर निषेध-पूर्व सौदों को पूर्ण करने के लिए सोधे हो मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय, नई दिल्ली को भेजी जानी चाहिए।

38. लेकिन साक्ष्य प्रस्तुत कर देने से संबंधित व्यक्ति को यह अधिकार नहीं मिल जायेगा कि वह निर्यात लाइसेंस या निर्यात की अनुमति अवश्य प्राप्त करेगा।

टिप्पणी:— प्रस्ताव किए जाने के बाद और दूसरी पार्टी द्वारा स्वीकृत हो जाने पर संविदा निर्णीत समझी जाएगी। अपस में स्वीकृत शर्तों के संबंध में यह सुस्पष्ट होना चाहिए अर्थात् यह निश्चित होना चाहिए कि इसके बाध्यकरण के संदर्भ में यह दोनों के लिए बाध्यकारी है।

39. जहाँ ऐसे साक्ष्य जैसा कि अपेक्षित है, तार/टेलीक्स सन्देश की प्रकृति के हैं जिसमें प्रस्ताव या संविदा की स्वीकृति के व्योरे हो, तो निषेध-पूर्व वचनबद्धता/निर्यात संविदा (या नियंत्रण से पूर्व की वचनबद्धता संविदा) को प्रमाणित करने वाले विश्वसनीय साक्ष्य के साथ, उपर्युक्त संदेश भेजने के तत्काल बाद सम्बद्ध लिफाफा जिस पर डाकघराने की मोहर लगी हो, के साथ संदेश की (पुष्टि करने वाली) डाक प्रति भी होनी चाहिए।

40. मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय में निषेध पूर्व सौदों के लिए आवेदन पत्रों पर निर्यात लाइसेंस समिति द्वारा विचार किया जाएगा। निर्यात लाइसेंस समिति के निर्णय पर निर्भर रहते हुए निषेध-पूर्व/नियंत्रण-पूर्व सौदे की मात्रा तक या उक्त समिति द्वारा जो मात्रा निश्चिन की जाए उस सीमा तक सम्बन्धित क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारी 90 दिनों की या इस से कम जो निश्चय की जाए उस अवधि अवधि के साथ निर्यात लाइसेंस जारी करेगा। ऐसा निर्यात निर्यात लाइसेंस में यथा निर्दिष्ट वैधता अवधि के भीतर निर्यात पूर्ण करेगा। अथवा स्वरूप मामलों में गुप्त वार्ताकरण के लिए आवेदनों पर मुख्यतः में निर्यात लाइसेंस समिति द्वारा विचार किया जाएगा।

### आवेदन पत्र का प्रपत्र

41. निर्यात लाइसेंसों के लिए आवेदनपत्र प्रस्तुत पुस्तक के भाग 6 में दिया गए अनुसूचक सम्बन्धित आवेदनों के साथ निर्धारित प्रपत्रों में भेज जाना है। आवेदक टाइट किए हुए/साइलर/प्रपत्र या मुद्रित अथवा निजी प्रपत्र प्रयोग कर सकते हैं।

### आवेदन पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले प्राधिकृत व्यक्ति

42. निर्यात लाइसेंस के लिए प्रस्तुत आवेदन पत्र स्वयं आवेदक द्वारा या उसके द्वारा नियुक्त/आपूर्ति और प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित।

होना चाहिए। आवेदन प्रपत्र/दस्तावेज/प्रपत्र में हस्ताक्षर करने वाले व्यक्ति की गैरी स्थिति या ऐसे कानूनी प्राधिकारी का दर्जा स्पष्ट रूप से दिया जाना चाहिए और इसके साथ उससे सम्बद्ध स्टैंडस के साथ कार्यालय की मोहर भी होनी चाहिए। अन्यथा, लाइसेंस प्राधिकारी ऐसे आवेदनपत्रों, दस्तावेजों या प्रपत्रों पर कोई ध्यान नहीं देगे।

### अपूर्ण आवेदन-पत्र

43. जो आवेदनपत्र (1) निर्धारित प्रपत्र में नहीं है,
- (2) जिनके साथ आवश्यक निर्यात दस्तावेज संलग्न नहीं है,
- (3) हस्ताक्षर करने वाले प्राधिकारी का व्योरा नहीं है, या
- (4) जो निर्धारित अन्तिम तिथि के बाद प्राप्त होते हैं,

उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जायेगा। आवेदकों से आशा की जाती है कि वे आवेदनपत्र के सभी कालम ठीक-ठीक एवं उचित तरीकों से भरेंगे। यह निश्चय करने के लिए कि सभी जरूरी पूर्ण हो गई हैं, बैकअप पर प्रदान की जाने वाली सहायता प्रक्रिया से सहायता ले सकते हैं।

### लाइसेंसों में संशोधन एवं परिवर्तन

44. लाइसेंसधारी द्वारा या किसी अन्य व्यक्ति के द्वारा मान के व्योरो में या प्रेषक या परेषता के नाम में और लाइसेंस की शर्तों एवं अर्धनियमों में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा। कोई भी प्राधिकृत परिवर्तन लाइसेंस को अशुभावी कर देगा और इसके अन्वाया अपराधी को दण्डनीय भी घोषित करेगा। संशोधन या परिवर्तन के लिए आवेदन-पत्र, लाइसेंस जारी करने वाले अधिकारी को भेजे जाने चाहिए।

### अधिकार क्षेत्र

45. भाग ख की सूची-1 में दी गई मदों के निर्यात के लिए आवेदन पत्र मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली को भेजे जाने चाहिए। भाग ख की सूची-2 में दी गई मदों के लिए आवेदन पत्र जिस पत्तन से निर्यात करना है उसको ध्यान में रखते हुए भाग-3 में उल्लिखित क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजे जाने चाहिए। उन पण्य वस्तुओं के सम्बन्ध में जिनके लिए निर्यात सीलिंग एक या अधिक विनिर्दिष्ट लाइसेंसिंग प्राधिकारियों के निपटान के लिए रखी गई हैं वहाँ इच्छुक निर्यातक ऐसे किसी भी लाइसेंसिंग प्राधिकारी के पास निर्यात के लिए आवेदन कर सकते हैं। ऐसे मामलों में प्रत्येक निर्यात आवेदन-पत्र के साथ निर्यातक को इस आशय का एक धाषणा-पत्र देना चाहिए कि उसने लाइसेंसिंग अवधि में किसी अन्य लाइसेंसिंग प्राधिकारी का उसी पण्य वस्तु के लिए निर्यात आवेदन पत्र नहीं दिया है।

46. मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात नई दिल्ली के मुख्य कार्यालय में शक्ति निर्यात लाइसेंसिंग समिति गृह-दोष के आधार पर निम्नलिखित किस्मों के मामलों पर विचार करेगा और उपर्युक्त निष्कर्ष करेगा:—

- (1) निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1988 की अनुसूचक के भाग "क" में शामिल मदों के निर्यात के लिए आवेदन पत्रों पर किसी सोमा तक विनियमितियों में और कीन प्राधिकारी ऐसे मदों के निर्यात के लिए अनुमति देगा अथवा निषेध समिति द्वारा किया जाएगा।

- (2) भाग "ख" की सूची-1 में शामिल अर्थात् गृह दोष के आधार पर अनुमति सदा के निर्यात के लिए आवेदन पत्र।

- (3) पैरा 46-40 के अनुसार निषेध-पूर्व और नियंत्रण पूर्व सौदों के अथवा पत्र सदा के निर्यात के लिए आवेदन।

(4) निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के अन्तर्गत लाइसेंस या वे निर्यात सीमा में प्रचलित मादक पदार्थों के निर्यात से सम्बन्धित आवेदन पत्र ऐसे मामलों में निर्यात लाइसेंसिंग समिति का निर्णय अंतिम होगा और समिति के निर्णय के विरुद्ध कोई अपील स्वीकार नहीं की जायेगी।

(3) जिन मामलों में निर्यात वास्तविक कठिनाई और प्राकृतिक आपदा के कारण लाइसेंस का अस्थायी वैधता के भीतर निर्यात न कर सके उनमें निर्यात लाइसेंस के पुनर्विधायन से सम्बन्धित आवेदन पत्रों/ऐसे मामलों में पुनर्विधायन की अनुमति गुण-दोष के आधार पर की जायेगी।

(6) जिन मामलों में नीति और प्रक्रिया के कारण वास्तविक कठिनाई होती है या जहाँ नीति की प्रयोग्यता निर्यात पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है उनमें नीति और प्रक्रिया में दोष से सम्बन्धित आवेदन पत्र।

(7) निर्यात नीति (मद-वार नीति सहित) की व्याख्या और स्पष्टीकरण से सम्बन्धित आवेदन पत्र।

(8) जिन मामलों में अथवा मुख्य निर्यातक आयात-निर्यात/निर्यात आयुक्त ने निर्यात (नियंत्रण) आदेश की धारा 7, 8, और 11 (1) के अन्तर्गत सांविधिक आदेश के विरुद्ध आदेश पारित किया हो उनमें निर्यात लाइसेंस समिति में अपील की जाएगी।

### मुफ्त व्यापार नमूनों का निर्यात

47. वास्तविक व्यापार नमूनों की निर्यात नीति खूले सामान्य लाइसेंस-2 में दी गई है। नमूनों के इच्छुक निर्यातकों को यह परामर्श दिया जाता है कि वे नमूनों के रूप में निर्यात के लिए अनुमत मदों और उनके मूल्य/मात्रा सीमा के सश-सथ नीति जानने के लिए उपर्युक्त खुला सामान्य लाइसेंस पढ़ें।

### आदेश प्राप्त करने के प्रयोजनार्थ भारतीय मूल के नमूनों का निर्यात और उनका पुनः आयात

48. आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 और सीमाशुल्क अधिनियम, 1962, के तहत क्रेताओं के अनुमोदन प्राप्त करने के उद्देश्य से भारतीय व्यापारियों द्वारा विदेशों में भेजे गए या ले लिए गए नमूनों के पुनः आयात की अनुमति, कुछ शर्तों एवं औपचारिकताओं की अनुपालना के अधीन होती है। पुनः आयात के समय भारतीय व्यापारियों द्वारा उठाई जाने वाली कठिनाइयों को दूर करने की दृष्टि से प्रत्याजित निर्यातकों को, विदेशों में नमूने निर्यात करने से पूर्व सीमाशुल्क/आयात व्यापार नियंत्रण प्राधिकारियों से सम्पर्क करना चाहिए और यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि उल्लिखित विभिन्न शर्तें पूरी कर ली गई हैं।

### पोत लदान की अवधि और निर्यात लाइसेंसों की वैधता

49. कोई निर्यात लाइसेंस जब तक अन्वया निरिष्ट न किया जाये इसके जारी होने की तिथि छह महीनों की अवधि के लिए उसमें शामिल माल के पोत लदान के लिये वैध होगा। सीमांत प्रावधान के अन्तर्गत या गुणदोष के तहत रखी गई मदों के लिये जारी किया गया निर्यात लाइसेंस छः महीनों के लिये या निर्यात लाइसेंस में निरिष्ट अवधि के लिये वैध होगा। लेकिन यदि सीलिंग का मद या गुणदोष के आधार वाली मद अग्रिम लाइसेंस/पासबुक की मंजूरी से संबंधित हो तो निर्यात लाइसेंस के लिये निरिष्ट की जाने वाली वैधता अवधि निर्यात आधार अवधि के लिये अग्रिम लाइसेंस/पासबुक की शर्तों के अनुसार वैधता अवधि होगी। जिन मामलों में निर्यात लाइसेंस की वैधता अग्रिम लाइसेंस/पासबुक की शर्तों से जुड़ी हो उनमें पुनर्वैधता की मंजूरी क्षेत्रीय अग्रिम लाइसेंस समिति या

मुख्य नगर का अग्रिम लाइसेंस समिति की सिफारिशों पर भरोसा करने पर ही किया जा सकेगा अन्यथा प्राधिकारों अधिन गम्य है।

लाइसेंस के मद्दे मान का पोत लदान भारत के किसी भी पोतन ने किया जा सकता है लेकिन प्रत्येक नगर के लिये निर्यातक की उम लाइसेंस पात्रियों को रिपोर्ट करनी होगी जिनसे निर्यात लाइसेंस जारी किया।

### जिन पड़ोसी देशों के साथ भारत रेलों द्वारा जुड़ा हुआ है उनके किसी स्थान को रेल द्वारा बूक किए गए माल के निर्यात की निर्णायक तिथि

50. जिन पड़ोसी देशों के साथ भारत रेल द्वारा जुड़ा हुआ है उनके किसी स्थान का रेलवे के माध्यम से जब कोई माल भेजा जाए तो निर्यात व्यापार नियंत्रण के उद्देश्य के लिए रेलवे रसीद की तिथि नियत की तिथि समझी जाएगी बशर्ते कि निर्यात लाइसेंस और साखपत्र रेलवे रसीद के जारी होने की तिथि को वैध हो। यदि माल परेषण की यात्रा के दौरान आर्द्धर पर अंतिम भारतीय सीमा शुल्क बैकपोस्ट पर सीमाशुल्क विभाग द्वारा निकासी कर देने तक निर्यात लाइसेंस और साखपत्र की वैधता समाप्त हो जाती है तो उसके पश्चात् इन की वैधता समाप्त होने के कारण से माल परेषण को मना नहीं किया जाएगा। रेलवे रसीद जारी होने के बाद ऐसे माल के निर्यात पर लगाया गया कोई प्रतिबंध भी ऐसे माल परेषण पर लागू नहीं होगा।

### पुनर्विधायन

51. निर्यात लाइसेंसों के सम्बन्ध में जहाँ निर्गतक वास्तविक कठिनाई से या अनिवार्य बाध्यता परिस्थितियों के कारण 6 महीनों की प्रारम्भिक अवधि के भीतर निर्यात न कर सका हो, वहाँ पुनर्विधायन के आवेदनों पर मुख्यालय की निर्यात लाइसेंस समिति द्वारा विचार किया जा सकता है। ऐसे पुनर्विधायन के लिए आवेदन उस लाइसेंस प्राधिकारी को एक प्रति भेजते हुए मुख्यालय को भेजने चाहिए जिनसे निर्यात लाइसेंस जारी किए थे। मुख्यालय की निर्यात लाइसेंस समिति ऐसे आवेदन पर गुण-दोषों के आधार पर विचार करेगी। लेकिन यह परन्तुतक ऐसे मामलों में लागू नहीं होगा जिसमें संगत लाइसेंसिंग में सम्बन्धित निर्यात नीति के बाद में परिवर्तन कर दिया गया हो।

### निर्यात प्रतिबंधों से छूट

52. निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के खण्ड-15 की व्याप्ति के भीतर आने वाले माल के लिए किसी निर्यात लाइसेंस की आवश्यकता नहीं है। इसी प्रकार से निर्यात नीति, 1990-93 में प्रवर्धित खूले सामान्य लाइसेंस(सी) में शामिल माल के लिए किसी निर्यात लाइसेंस की आवश्यकता नहीं है।

### वास्तविक निजी असबाब

53. जिन मदों के निर्यात के लिए सामान्यतः निर्यात लाइसेंस की आवश्यकता होती है और जिन्हें यात्री अपने निजी उपयोग के लिए या यादगार के रूप में भारत से बाहर ले जाना चाहते हैं, उनके लिए निर्यात लाइसेंसों के लिए आवेदन करने की कठिनाई से यात्रियों को बचाने के लिए कुछ रियायतें दी गई हैं।

54. बाहर जाने वाले यात्रियों के निजी वास्तविक असबाब, चाहे उनका निर्यात यात्रियों के साथ किया गया हो या उनके द्वारा भारत छोड़ने के 4 महीने पहले या बाद में निर्यात किया गया हो, निर्यात व्यापार नियंत्रण प्रतिबंधों से मुक्त है। उपर्युक्त मामलों में सीमाशुल्क समाहर्ता द्वारा उनके निजी विवेक के समय सीमा एक माल तक बढ़ाई जा सकती है।



यह निम्नलिखित नियमों के अन्तर्गत निम्नलिखित में सूचीबद्ध उपयोग को वस्तुओं के लिए सूची में निर्धारित सीमा तक प्रतिबन्धित है बशर्ते कि वे वस्तुएँ यात्री के निजी उपयोग के लिए या उनके साथ यात्रा करने वाले उसके परिवार के सदस्यों के लिए हो और अन्य पाठियों को बिक्री या हस्तांतरण के लिये न हों। यदि कोई यात्री ऐसा कोई वस्तु अपने साथ ले जाता है तो जो निर्यात प्रमाणपत्र नियमावली की सूची के अंतर्गत है उसे प्राप्त आगमन के पक्ष या स्थायी सीमाशुल्क चुका के सीमाशुल्क प्राधिकारियों के साथ में न जाने वाला अवकाश के मामले में निर्यात के पक्ष के सीमाशुल्क प्राधिकारियों से आवेदन करना चाहिए। सीमाशुल्क गमाहर्ता प्राप्त विचार से निर्यात को अनुमति देने के लिए प्राधिकृत है। यदि निर्यात अवकाश नियमावली में निर्धारित मात्रा से अधिक मात्रा होगी तो इस सम्बन्ध में निर्यात लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा किसी निर्यातित वस्तु जैसे अनाज, दाल आदि वस्तुओं के अतिरिक्त वस्तुओं पर विचार नहीं किया जाएगा। ऐसे आवेदन-पत्र क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजे जाएंगे जो ऐसे आवेदनों पर प्रधान कार्यालय के स्तर पर विचार करेंगे।

### पोत मण्डार

56. अपनी यात्रा के दौरान भारतीय पत्तनों से होकर विदेश में जाने वाले भारतीय जलयान और विदेशी जलयान जिनमें भारतीय शिपिंग एजेंट हों, वे कर्मियों और यात्री दोनों के वास्तविक उपयोग के लिए गेहूँ, आटा, चावल, दालें, सब्जियों, तेल आदि जैसे निर्यातित खाद्य पदार्थ और रसद पोत मण्डार के रूप में जहाजरानों तथा परिवहन मंत्रालय (परिवहन स्कंध) द्वारा भारत के राजपत्र दिनांक 2-8-1975 में प्रकाशित अधिसूचना एस ओ नं० 2473 के अनुसार निर्धारित अनुमति (भाग 3 में दर्शाया गया) ले सकते हैं। उपर्युक्त अनुपात के आधार पर मंडों का निर्यात सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा सीधे हो अनुमेष होगा।

### डाक द्वारा निर्यात

57. उपहार के रूप में वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए डाक पार्सल द्वारा माल का निर्यात पोस्टल नोटिस सं० 13 दिनांक 3-12-1973 की शर्तों के अनुसार नियंत्रित किया गया है। पोस्टल नोटिस भाग 3 में उद्धृत किया गया है।

58. पोस्टल नोटिस की व्याप्ति के अन्तर्गत आने वाली मंडों को छोड़कर अन्य सभी मंडों के निर्यात की अनुमति (दक्षिणी अफ्रीका संघ, दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका और फिजी को छोड़कर) चाहे उपहार के रूप में या वाणिज्यिक माल परेषण के रूप में निर्यात लाइसेंस के बिना।

59. पोस्टल नोटिस में शामिल वस्तुओं वाले पार्सलों का निर्यात तब तक अनुमेष नहीं है जब तक उपर्युक्त लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए निर्यात लाइसेंसों में वे मंडे शामिल न हों। लाइसेंस के लिए आवेदन पत्र भाग-3 में उद्धृत प्रपत्र सं-10-क में देने चाहिए।

60. डाक पार्सल द्वारा या जनमार्ग या वायु मार्ग द्वारा भेजे गए वाणिज्यिक नमूने भाग-2 में उद्धृत खुले सामान्य लाइसेंस-2 में शामिल है।

61. माल भेजने वाले का यह उत्तरदायित्व है कि वह यह सुनिश्चित करे कि जिस मामले में ऐसे लाइसेंस की आवश्यकता हो तो उस मामले में पार्सल उचित निर्यात लाइसेंस में शामिल है, ऐसा न होने पर पार्सल वापस किया जा सकता है। पार्सल पहली बार में ही डाकखाने द्वारा स्वीकार कर लिया जाता है, तो इस बात की गारंटी नहीं मिल जाती है कि निर्यात निर्यात की आवश्यकताएं पूरी कर ली गई हैं और डाक से भेजने की वजह से प्रतिपूर्ति या वापसी के लिए कोई भी दावा स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

62. मशीनरी तथा उपकरण के निर्यातकों को निर्यातित मशीनरी उपकरण के निशुल्क प्रतिस्थापन के रूप में अतिरिक्त पुंजी का निर्यात करने

की अनुमति होगी बशर्ते कि निम्नलिखित शर्तें पूरी कर दी जाएँ—

- (1) मशीनरी तथा उपकरण के विदेशी खरीददार को विषयगत अतिरिक्त पुंजी की सफाई वारंट/निष्पादन वारंटों अवधि के दौरान की जा रही हो।
- (2) निशुल्क सफाई किए जाने वाले अतिरिक्त पुंजी का कुल मूल्य पूर्ववर्ती लाइसेंस अवधि के दौरान किए गए निर्यात के कुल जहाज पर्यन्त निशुल्क मूल्य के 1% से अधिक न हों।
- (3) इस प्रावधान के अन्तर्गत अतिरिक्त पुंजी की सफाई मुख्य उपकरण के साथ या बाद में की जा सकती है, तथा
- (4) अगर अतिरिक्त पुंजी की सफाई मुख्य उपकरण के साथ ही की जाती है तो ऐसे अतिरिक्त पुंजी का उल्लेख नियामक के बाजक, पोतलयन बिल तथा जी. आर. आई. प्रपत्र में किया जाना चाहिए। निर्यातक द्वारा लाभ प्राप्त करने के लिए लाइसेंसिंग प्राधिकारी को प्रस्तुत किए जाने वाले बैंक प्रमाणपत्र में ऐसे अतिरिक्त पुंजी के व्योरे का उल्लेख करना जरूरी नहीं है।
- (5) यदि इस प्रावधान के अन्तर्गत अतिरिक्त पुंजी की सफाई मुख्य उपकरण/मशीनरी का निर्यात किए जाने के बाद किया जाता है तो निर्यातक को सीमाशुल्क प्राधिकारियों को इस आशय का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा कि अतिरिक्त पुंजी की सफाई वारंट/निष्पादन वारंटों अवधि के दौरान की जा रही है। अतिरिक्त पुंजी के निर्यात के समय निर्यातक को सीमाशुल्क प्राधिकारी को यह घोषणापत्र भी प्रस्तुत करना होगा कि उसी मशीनरी/उपकरण के सम्बन्ध में निशुल्क प्रतिस्थापन के रूप में सफाई किए जा चुके अतिरिक्त पुंजी का मूल्य तथा इस समय सफाई किए जा रहे अतिरिक्त पुंजी का मूल्य पिछले लाइसेंस अवधि के दौरान किए गए निर्यात के कुल जहाज पर्यन्त निशुल्क मूल्य के 1% से अधिक नहीं है।
- (6) यदि निशुल्क सफाई किए गए अतिरिक्त पुंजी का मूल्य पिछली लाइसेंसिंग अवधि के दौरान किए गए निर्यात के कुल जहाज पर्यन्त निशुल्क मूल्य के 1% से अधिक बढ़ जाये तो निर्यातक को भारतीय रिजर्व बैंक से पूर्व अनुमति प्राप्त करनी होगी निर्यातक को, उसी उपकरण/मशीनरी के संबंध में मूल्य सफाई किए जा चुके अतिरिक्त पुंजी के मूल्य तथा निर्यातित उपकरण/मशीनरी के कुल जहाज पर्यन्त निशुल्क मूल्य का उल्लेख भी भारतीय रिजर्व बैंक को करना होगा।
- (7) ऐसे अतिरिक्त पुंजी प्राप्त करने की तब तक जरूरत नहीं है जब तक कि वे ऐसे अतिरिक्त पुंजी नहीं हैं जिनके लिए निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1988 के अन्तर्गत निर्यात लाइसेंस प्राप्त करना अपेक्षित नहीं है।
- (8) इस प्रावधान के अन्तर्गत शामिल न होने वाले अतिरिक्त पुंजी के निर्यात संबंधी अनुसंधानों पर भी गृह-अवगृह के आधार पर विचार किया जाएगा ताकि निर्यातक बिक्री के बाद मजिद/वारंट दायित्व या विदेश में शुरू की गई परियोजनाओं को पूरा करने के लिए अपनी जरूरतों को पूरी कर सकें ऐसे मामलों में निर्यात के लिए दी गई अनुमति निर्धारित शर्तों के अनुसार होगी।

### अन्तर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में उत्सवों में प्रदर्शन के लिए अपेक्षित सामग्री।

63. विदेशों में प्रदर्शनियों में उत्सवों में भाग लेने के इच्छुक निर्यातकों को ऐसी प्रदर्शनियों आदि में प्रदर्शन के लिए अपेक्षित सामान का निर्यात करने या उसे अपने साथ ले जाने का अनुमति होगी। इसके साथ-साथ, निर्यातकों को अनुमति प्रदान करने के लिए मुख्यत्व से निर्यात लाइसेंसिंग समिति में भाग लेना होगा।

### निर्यात लाइसेंस की अनुलिपि प्रतियाँ

64. जिस मामले में निर्यात लाइसेंस खो जाए अथवा अस्थानस्थ हो जाए तो, उसके लिए अनुलिपि प्रति जारी करने के आवेदन पर विचार केवल तभी किया जाएगा यदि संबद्ध लाइसेंसिंग प्राधिकारी उस प्रार्थना की सत्यता के विषय में संतुष्ट होगा। ऐसे आवेदन-पत्र उस लाइसेंसिंग प्राधिकारी को दिए जाने चाहिए जिसने मूल निर्यात लाइसेंस जारी किया था। ऐसे आवेदन-पत्र के साथ आवेदन शुल्क के 50/- रु० की बैंक रसीद/ डिमांड ड्राफ्ट और व्यापिक प्राधिकारी या नोटरी पब्लिक या शपथ-आयुक्त के सम्मुख विधिवत शपथ लेकर एक शपथ-पत्र दिया जाना चाहिए।

निर्यात लाइसेंस की अनुलिपि प्रति पर "अनुलिपि" चिह्नित कर दिया जाएगा और जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा स्वच्छ अक्षरों में निम्नप्रकार से पृष्ठांकित किया जाएगा।

"पूरे मूल्य अथवा आंशिक रूप से ... रुपये के मूल्य तक प्रयोग करने के बाद लाइसेंस को रद्द करने पर निर्यात आदेश सं. दिनांक ... के बदले में यह निर्यात लाइसेंस जारी किया गया है।"

लाइसेंस की अनुलिपि प्रति जारी करने के बारे में लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा एवं उस सामा शुल्क प्राधिकारी को सूचना दी जाएगी जिसके पास मूल लाइसेंस पंजीकृत किया गया था। ऐसे मामलों में जहाँ पर निर्यात लाइसेंस सीमाशुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत करने से पूर्व खो गया हो उस स्थिति में सभी सीमाशुल्क प्राधिकारियों को सूचित किया जाएगा। मूल लाइसेंस के निरन्तर के आदेश भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए जाएंगे।

### निर्यात लाइसेंस देने से इंकार करना

65. कोई भी लाइसेंस प्राधिकारी निर्यात लाइसेंस देने से इंकार कर सकता है:—

- (क) यदि कोई आवेदन यथामांगोक्षित निर्यात (निर्यात) आदेश, 1988 के किसी प्रावधान की पूर्ति न करता हो।
- (ख) यदि ऐसे आवेदन में कोई अस्पष्ट अथवा धोखाधड़ी या गलत विवरण दिया गया हो।
- (ग) यदि कोई आवेदक अपने आवेदन के समर्थन में किसी ऐमेडमन्ट-वेज का उपयोग करता है जो असत्य, बनायी या जिसे टेम्-पर किया गया हो।
- (घ) यदि निर्यात लाइसेंस के लिए कोई आवेदन पत्र में कमी अथवा अपूर्ण हो और निर्धारित नियमों एवं प्रक्रिया के साथ पूर्ण न करता हो।
- (ङ) यदि कोई आवेदक मध्य लागू निर्यात एवं प्रक्रिया के अनुसार निर्यात लाइसेंस प्राप्त करने के लिए पात्र नहीं है।
- (च) यदि कोई आवेदक लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा मांगे गये किसी दस्तावेज को प्रस्तुत करने में असफल रहता हो।
- (छ) यदि कोई आवेदक लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा आवेदन में बनाई गई किसी लुटि को निर्धारित समय-सीमा के अन्तर्गत पूरा करने में असफल रहता हो।

(ज) यदि कोई आवेदक किसी-नियमित-लाइसेंस का प्राप्ति करने में गलत तरीके अपनाता है; और

(झ) अन्य कोई कारण जो लिखित रूप में अभिवेक्षित किया जाता है, कोई भी लाइसेंसिंग प्राधिकारी निर्यात-व्यापार नियंत्रण, आदेश, दिनांक 30 मार्च, 1988 तथा समय-समय पर यथामांगोक्षित आदेश की धारा-5 के प्रावधानों के अन्तर्गत कोई निर्यात-लाइसेंस देने से इंकार भी कर सकता है।

### पड़ोसी देशों के साथ व्यापार

66. पड़ोसी देशों के साथ व्यापार के मामलों में मुख्य निबंधक आयात-निर्यात द्वारा समय-समय पर विशेष अनुदेश जारी किए जाएंगे।

### अपील, संशोधन एवं पुनरीक्षण

67. निर्यात (निर्यात) आदेश की धारा 12(2) में यह सुविधा उल्लेख है कि जब कोई व्यक्ति धारा 7 या 8 या 11(1) के प्रयोजन किए गए निर्णय से सहमत नहीं है तो ऐसी कार्रवाई की सूचना की तारीख से 30 दिन के दौरान ऐसी कार्रवाई के विरुद्ध अपील सुनने के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा भरतारो राजपत्र में प्रकाशित ऐसे प्राधिकारी के समक्ष अपील कर सकता है।

68. निर्यात नियंत्रण आदेश, 1988 की धारा 12 की उपधारा (2) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार के निर्यात (निर्यात) आदेश, की धारा 7, 8 एवं 11(1) के अन्तर्गत वैधानिक आदेशों के मद्दे अपील की सुनवाई और निराकरण के लिए निम्नलिखित प्राधिकारी नियुक्त करती है:—

(क) यदि मूल आदेश उप मुख्य निबंधक/संयुक्त मुख्य निबंधक द्वारा पारित किए गए हैं तो प्रथम अपील मुख्य निबंधक, आयात-निर्यात के कार्यालय में अपर मुख्य निबंधक आयात-निर्यात/निर्यात आयुक्त, उद्योग सचन, नई दिल्ली को की जा सकती है।

(ख) यदि आदेश अपर मुख्य निबंधक, आयात-निर्यात/निर्यात आयुक्त द्वारा पारित किए गए हैं तो मुख्य निबंधक, आयात-निर्यात नई दिल्ली के कार्यालय में निर्यात लाइसेंसिंग समिति को अपील की जाएगी।

69. इस आदेश के प्रावधानों के अन्तर्गत की गई अपील निम्नलिखित सूचना देते हुए निर्धारित प्रपत्र में भेजी जानी चाहिए:—

(क) प्राधिकारी जिसके निर्णय के विरुद्ध अपील की जा रही है।

(ख) उस आदेश की प्रतिलिपि जिसके विरुद्ध अपील की जा रही है।

(ग) क्या अपील लाइसेंस प्राप्त करने में निवृत्त या विवर्जन के विरुद्ध की जा रही है (विवर्जन के मामले में उस अवधि का भी उल्लेख किया जाना चाहिए जिस दिनांक अपीलकर्ता को विवर्जित किया गया हो); और

(घ) अपील का आधार (संक्षेप में)।

70. अपीलकर्ता द्वारा अपील की प्रतिकृति अनिवार्य रूप से उस प्राधिकारी को भी भेजी जानी चाहिए, जिसके निर्णय के विरुद्ध अपील की गई है।

71. तथापि, मुख्य निबंधक आयात एवं निर्यात, समय-समय पर, विशिष्ट प्रकार के मामलों को निर्णीत करने के लिए अतिरिक्त प्राधिकारियों को नियुक्ति कर सकता है।

## पूर्ववर्ती पेरों में उल्लिखित से निम्न आदेशों के खिलाफ अपील

72.1 जब कोई व्यक्ति लाइसेंस प्राधिकारी/अपीलीय प्राधिकार के निर्णय से संतुष्ट नहीं है तो उस निर्णय के विरुद्ध यहाँ निर्दिष्ट प्रावधानों के अन्तर्गत अपील कर सकता है। इन प्रावधानों के बाहर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय में प्राप्त होने वाले अनुरोधों/अभ्यवेदनों को मर्यादित तौर पर निरक्षर कर दिया जाएगा।

72.2 निम्नलिखित प्रकार के मामलों में अपील स्वीकार की जाएगी --

(क) निर्यात लाइसेंस के आवेदन पत्र पर।

(ख) निर्यात लाइसेंस पर लागू शर्तों की पूर्ति के लिए नियतकों द्वारा निष्पादित "अति पूर्ति-गैर-गारंटी-बंधपत्र" के प्रवर्तन से संबंधित मामलों में।

## 73. प्रथम अपील

(क) उपरोक्त मामलों में जहाँ पर मूल निर्णय तत्काल मुख्य नियंत्रक या उप मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात द्वारा लिया गया है तो प्रथम अपील उस लाइसेंस कार्यालय पर प्रशासनिक नियंत्रण रखने वाले संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात की जाएगी।

(ख) जहाँ पर मूल निर्णय संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा लिया गया है तो प्रथम अपील मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा नियुक्त दो संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात या इस उद्देश्य के लिए नियुक्त मन्तव्य पदधारी को की जाएगी।

## द्वितीय अपील

यदि अपीलकर्ता प्रथम अपील पर अपीलीय प्राधिकार के द्वारा दिए गए निर्णय से संतुष्ट नहीं है तो और मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा इस उद्देश्य के लिए नियुक्त समान पद के किसी अधिकारी को द्वितीय अपील कर सकता है।

## अपील करने के लिए समय सीमा

74.1 आदेश/निर्णय जिसके विरुद्ध अपील की जा रही है, उसकी प्राप्ति की तारीख के 45 दिन के अंतर्गत सबद्ध प्राधिकारी के पास अपील कर देनी चाहिए तथापि, अपीलीय प्राधिकार अपील प्रस्तुत करने में

देना में 15 दिन की मर्यादा को मान्य कर सकता है यदि वह यह है कि समुचित कारणों से अपील 45 दिन का निर्धारित अवधि के दौरान प्रस्तुत नहीं की जा सकी।

74.2 निर्णय देते समय लाइसेंस प्राधिकारी/अपीलीय प्राधिकार उस प्राधिकारी के बारे में निर्दिष्ट करेगा जिसके पास व्यक्ति व्यक्ति को अपील करनी है।

## व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर

75. यदि कोई अपीलकर्ता या प्राधिकारी, उसके द्वारा जमा की गई अपील के मामले में स्वयं व्यक्तिगत सुनवाई चाहता है तथा उसे व्योरा दिया है या अपील में ऐसा विशेष उल्लेख किया है तो उसे व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर दिया जाना चाहिए। तथापि यदि अपीलकर्ता/प्राधिकारी उसको दिए गए अवसर का लाभ नहीं उठा पाता है तो रिकार्ड में उपलब्ध माल के आधार पर गुणावगुण के आधार पर अपील पर निर्णय कर दिया जाएगा।

## अपील के साथ संलग्न किए जाने वाले दस्तावेज

76.1 अपील के साथ निम्नलिखित दस्तावेज एवं विवरण दो प्रतिथों में प्रस्तुत किए जाने चाहिए:—

- (1) निर्यातक का नाम और पता;
- (2) लाइसेंसिंग अवधि जिससे आवेदन पत्र संबंधित है;
- (3) निर्यात किए जाने वाले माल का संक्षिप्त व्योरा;
- (4) मूल आवेदन पत्र की प्रतिलिपि तथा उसके साथ लगाए गए अन्य दस्तावेज;
- (5) उस निर्णय/आदेश की प्रतिलिपि जिसके विरुद्ध अपील की गई है;
- (6) अपील के आधार;
- (7) कोई अन्य दस्तावेज/प्रमाण जिन पर अपीलकर्ता निर्भर है; और
- (8) विवरण क्या अपीलकर्ता स्वयं मिलने का इच्छुक है।

76.2 प्रथम एवं द्वितीय अपील के मामले में शुल्क के भुगतान के लिए क्रमशः 50/- रुपए और 100/- रुपए को बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट संलग्न किया जाना चाहिए।

76.3 सभी अपीलकर्ताओं को शीघ्र पर प्रथम अपील या द्वितीय अपील का स्पष्ट उल्लेख कर देना चाहिए।



## परिशिष्ट 1

निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1988

भारत सरकार

वाणिज्य मंत्रालय

आदेश

निर्यात व्यापार नियंत्रण (सं. 1/88—ई टी सी)

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1988

एस.ओ. 322 (ई).—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) खण्ड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित आदेश देती है; अर्थात् :—

1. संक्षिप्त शीर्षक और प्रारम्भ—(1) इस आदेश को निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1988 की संज्ञा दी जाए।

(2) यह 30 मार्च, 1988 से लागू होगा।

2. परिभाषा.—इस आदेश में जब तक अन्यथा रूप में संदर्भ प्रपेक्षित न हो :—

(क) “अधिनियम” का अर्थ है आयात और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18)।

(ख) “सीमा शुल्क समाहर्ता” का वही अर्थ है जो सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) में नियत है।

(ग) एक प्राधिकृत अधिकारी का अर्थ है कि वह अधिकारी जो मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा प्राधिकृत उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात से नीचे के पद पर न हो।

(घ) लाइसेंस का अर्थ है एक निर्यात लाइसेंस जो इस आदेश के अंतर्गत प्रदान किया गया है।

(ङ) “लाइसेंसधारी” का मतलब वह व्यक्ति है, जिसको इस आदेश के अंतर्गत लाइसेंस प्रदान किया जाता है।

(च) “लाइसेंस अधिकारी” का मतलब है वह समर्थ प्राधिकारी जो इस आदेश के अंतर्गत लाइसेंस प्रदान करता है।

(छ) “अनुसूची” का मतलब है इस आदेश की अनुसूची।

(ज) “मूल्य” का मतलब वही है जो सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 14 की उप-धारा (1) में है।

(झ) जिन शब्दों और अभिव्यक्तियों को इस आदेश में प्रयोग किया गया है और परिभाषित नहीं किया गया है परन्तु अधिनियम में परिभाषित किया गया है उनका अर्थ वही होगा जो अधिनियम में क्रमशः नियत किया गया है।

3. कुछ मदों के निर्यात पर प्रतिबंध—(1) इस आदेश में अन्यथा रूप से जो दिया गया है, उसे छोड़कर कोई भी व्यक्ति अनुसूची 1 में उल्लिखित विवरणों के किसी भी माल का निर्यात नहीं करेगा, किंतु उस माल को छोड़कर जो केन्द्रीय सरकार या अनुसूची 2 में उल्लिखित

अधिकारी द्वारा प्रदान किए गए लाइसेंस के अंतर्गत और उनके अनुसार हो।

(2) उप-अनुच्छेद (1) में किसी बात के होते हुए भी अनुसूची 3 में विशिष्टीकृत माल का निर्यात उनमें उल्लिखित शर्तों को पूरा करने पर किया जा सकता है।

(3) यदि किसी भी मामले में यह पाया गया कि निर्यात किए जाने वाले माल का मूल्य, प्रकार, विशिष्टीकरण, किस्म और विवरण निर्यात की घोषणा के अनुसार नहीं है या ऐसे माल की किस्म और विशिष्टीकरण निर्यात संविदा की शर्तों के अनुसार नहीं है तो ऐसे माल का निर्यात निषेध समझा जाएगा।

4. लाइसेंस की शर्तें (1)—इस आदेश के अंतर्गत प्रदान किए गए लाइसेंस में इस तरह की शर्तें हो सकती हैं जो इस अधिनियम या इस आदेश के अनुरूप न हों, परन्तु जिन्हें लाइसेंस अधिकारी उपयुक्त समझे।

(2) इन्हे प्रत्येक लाइसेंस के लिए एक शर्त के रूप में समझा जाएगा कि :—

(क) लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए लाइसेंस को कोई व्यक्ति हस्तांतरित नहीं करेगा और न कोई व्यक्ति हस्तांतरण द्वारा प्राप्त करेगा, किन्तु उन मामलों को छोड़कर जिनमें उस प्राधिकारी की लिखित अनुमति मिल जाती है जिसने लाइसेंस प्रदान किया है।

(ख) जिस माल के निर्यात के लिए लाइसेंस प्रदान किया जाता है वह माल निर्यात के समय लाइसेंसधारी की सम्पत्ति होगा।

(3) इस अनुच्छेद के अंतर्गत रखी गई या रखी जाने वाली शर्तों का सभी लाइसेंसधारी पालन करेंगे।

5. लाइसेंस अस्वीकार करना :— लाइसेंस प्राधिकारी लाइसेंस देने से इंकार कर सकता है :—

(क) यदि लाइसेंस के लिए दिया गया आवेदन पत्र इस आदेश के किसी उपबंध के अनुसार नहीं है ;

(ख) यदि इस प्रकार के आवेदन पत्र में किसी प्रकार का झूठा या जालसाजी करने या गुमराह करने वाला विवरण पाया जाता है ;

- (ग) यदि आवेदक अपने आवेदन-पत्र के समर्थन में कोई ऐसा उम्मा-वेज प्रस्तुत करता है जो झूठा है या जाली है या जिसमें हेरफेर किया गया है ;
- (घ) यदि लाइसेंस प्राधिकारी यह समझता है कि लाइसेंस प्रदान करना देश के हित में नहीं होगा ;
- (ङ) यदि आवेदक के कार्य-कलाप राज्य के लिए के प्रतिकूल हैं ;
- (च) यदि आवेदक ने किसी सीमाशुल्क या विदेशी मुद्रा से सम्बन्धित किसी कानून (जिसमें कोई नियम, प्रादेश या अधिनियम शामिल है) का उल्लंघन किया है ;
- (छ) यदि आवेदक ने किसी समय नियमित लाइसेंस में कोई फेर-बदल की है या बिना लाइसेंस के माल निर्यात किया है या अपने वाणिज्यिक कार्यों में या किसी प्रकार ने लाइसेंस प्राप्त करने में किसी भ्रष्ट या धोखेबाजी के कामों में भाग लिया है या यह पाया जाता है कि उसने लाइसेंसधारी को किसी प्रकार का प्रलोभन देकर या अन्य तरीके से लाइसेंस पाने के लिए याचना की है।
- (ज) यदि आवेदक के लिए लाइसेंस प्राप्त करने में आवेदक के किसी अधिकारी या कर्मचारी ने किसी भ्रष्ट या जालनाजी के कामों में भाग लिया है ;
- (झ) यदि नियमित लाइसेंस के लिए आवेदन-पत्र अपूर्ण पाया जाता है और निर्धारित नियमों के अनुसार नहीं पाया जाता है ;
- (ञ) यदि आवेदक अधिनियम के अन्तर्गत बनाए गये या बनाए गए समझे जाने वाले किसी आवेदन का या इस प्रकार के किसी आदेश के अन्तर्गत प्रदान किए गए लाइसेंस को किसी शर्त का उल्लंघन करता है या उल्लंघन करने का प्रयास करता है या उल्लंघन करने के लिए उकसाता है या निर्यात व्यापार नियंत्रण विनियमों को भंग करता है ;
- (ट) यदि आवेदक निर्यात नियंत्रण विनियमों के अनुसार लाइसेंस के लिए पात्र नहीं है।
- (ड) यदि लाइसेंस प्राधिकारी निर्यात को विंशष्ट या विंशष्ट अधि-कर्षणों में या सूत्रों के माध्यम से वर्णोद्धार करने का निष्कर्ष करता है।
- (डि) यदि आवेदक एक साक्षीदार फर्म में साक्षीदार है या उस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का पूर्ण समय के लिए निदेशक या प्रबंध निदेशक है जो कुछ समय के लिए अनुच्छेद 7 या अनुच्छेद 8 या अनुच्छेद 9 के अन्तर्गत कार्रवाई के अधीन है।
- (डि) यदि आवेदक अनुच्छेद 7 या अनुच्छेद 8 या अनुच्छेद 9 के अन्तर्गत थोड़े समय के लिए किसी कार्रवाई के अधीन है।
- (ण) यदि आवेदक एक साक्षीदार फर्म में या प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में कोई साक्षीदार या पूर्ण समय के लिए निदेशक या प्रबंध निदेशक हो या, जैसा भी मामला हो, थोड़े समय के लिए अनुच्छेद 7 या 8 या 9 के अन्तर्गत किसी कार्रवाई के अधीन है।
- (त) यदि सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत आवेदक से किसी प्रकार की वसूली की मांग की जाती है या उन अधिनियम के अन्तर्गत किसी प्रकार का लगाया गया दण्ड 3 महीने की अवधि तक चुकाया नहीं गया है।

(थ) यदि आवेदक किसी प्रकार के उस दस्तावेज का प्रस्तुत करने में असमर्थ है जिसकी मांग मुख्य निदेशक आयात-निर्यात या लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा की जाती है; और

(द) यदि आवेदक, अधिनियम के अन्तर्गत उस पर अन्तिम रूप से लगाए गए जुर्माने की चुकाने में असफल रहता है।

6. लाइसेंस का सशोधन :— लाइसेंस प्राधिकारी अपने स्वयं के प्रस्ताव पर या लाइसेंसधारी के आवेदन पर, इस आदेश के अन्तर्गत प्रदान किए गए लाइसेंस में ऐसा संशोधन कर सकता है जो कि अधिनियम की या इस आदेश की या थोड़े समय के लिए लागू किसी अन्य कानून की व्यवस्थाओं के अनुरूप आवश्यक समझे या लाइसेंस में किसी प्रकार की गलती या भूल का सुधार कर सकता है।

वर्तते कि लाइसेंस प्राधिकारी लाइसेंसधारी के अनुरोध पर लाइसेंस में निर्यात व्यापार नियंत्रण विनियमों के अनुसार किसी संशोधन को सशोधन करे।

7. लाइसेंस प्राप्त करना या माल निर्यात करने से वञ्चित करने का अधिकार :— केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात या प्राधिकृत अधिकारी लाइसेंसधारी को या निर्यात या किसी अन्य व्यक्ति को निम्नलिखित सभी के लिए या इनमें से किसी के लिए वञ्चित कर सकते हैं, यथात् लाइसेंस प्राप्त करने से या किसी माल का निर्यात करने से वञ्चित कर सकते हैं और अन्य कोई कार्यवाही जो इस सम्बन्ध में की जाए उसे ध्यान में रखे बिना यह निदेश दे सकते हैं कि उसे कोई लाइसेंस प्रदान नहीं किया जाएगा या इस आदेश के अन्तर्गत एक विशिष्टिकृत अवधि के लिए किसी माल के निर्यात के लिए उसे कोई अनुमति नहीं दी जाएगी।

(क) यदि लाइसेंस के लिए उसका आवेदन पत्र किसी समय इस आदेश की किसी शर्त के अनुरूप नहीं पाया जाता है ; या

(ख) यदि इस प्रकार के आवेदन पत्र में किसी प्रकार का झूठा, जाली या गुमराह करने वाला विवरण शामिल होता है; या

(ग) यदि यह पाया जाता है कि उसने अपने आवेदन-पत्र के समर्थन में जो प्रलेख दिया है, वह झूठा है या जाली है या उनमें हेरफेर किया हुआ है; या

(घ) यदि उसने किसी समय निर्यात लाइसेंस में हेर फेर किया है या लाइसेंस के बिना माल निर्यात किया है या वाणिज्यिक व्यवहार करने में या लाइसेंस प्राप्त करने में या किसी माल का निर्यात करने में भ्रष्ट या धोखेबाजी के काम में भाग लिया है, या यह पाया जाता है कि लाइसेंसधारी ने किसी प्रकार का प्रलोभन देकर या किसी अन्य तरीके से लाइसेंस पाने के लिए याचना की है ; या

(ङ) यदि उसके अधिकारी या कर्मचारी, ने किसी भ्रष्ट या धोखेबाजी के काम में किसी लाइसेंस प्राप्त करने या उसकी ओर से किसी माल का निर्यात करने में किसी धोखेबाजी के काम में भाग लिया है ; या

(च) यदि वह लाइसेंस में दी गई शर्तों या लाइसेंस में सशोधन किए गए आवेदन पत्र में दी गई शर्तों में किसी शर्त का अनुपालन करने में असफल रहता है या उल्लंघन करता है या उल्लंघन करने का प्रयत्न करता है या उल्लंघन करने में सहायता देता है ; या

(छ) यदि वह सीमाशुल्क या माल के आयात और निर्यात या विदेशी मुद्रा से सम्बन्धित किसी कानून (जिसमें कोई भी आदेश या विनियम शामिल है) को भंग करता है ; या

(ज) यदि वह मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात या किसी अन्य लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा मांगे गए दस्तावेज प्रस्तुत करने में असमर्थ रहता है; या

(झ) यदि वह अपने और अन्य पार्टी के बीच में हुई निर्यात संविदा का जानबूझकर उल्लंघन करता है।

टिप्पणी.—इस अनुच्छेद में, “लाइसेंस के लिए आवेदन-पत्र” में निर्यात व्यापार निपटण विनियमनों के अन्तर्गत किया गया कोई भी आवेदन पत्र शामिल है।

(2) केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात या प्राधिकृत अधिकारी लिखित रूप में विशेष आदेश द्वारा,—

(क) विवर्जित कर सकते हैं—

(1) उस व्यक्ति को जिसके संबंध में विदेशी मुद्रा संरक्षण एवं तस्करी कार्यकलाप निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) (जिसे इसके बाद अधिनियम 1974 कहा गया है) के अधीन कारावास का आदेश दिया गया है; अथवा

(2) एक साझेदार फर्म या प्राइवेट कंपनी के ऐसे व्यक्ति को जो भागीदार हो या पूरे समय के लिए निदेशक या प्रबन्ध निदेशक जैसा भी मामला हो, लाइसेंस प्राप्त करने से या माल का निर्यात करने से; और

(ख) ऐसे व्यक्ति, साझेदारी को फर्म या कंपनी के विरुद्ध जो अन्य कार्रवाई की जा सकती है, उसका ध्यान में रखे बिना यह आदेश दे सकते हैं कि ऐसे विशेष आदेश में जो अवधि निर्धारित की जाए उसके लिए ऐसे व्यक्ति, साझेदारी को फर्म या कंपनी का कोई माल निर्यात करने के लिए कोई लाइसेंस या अनुमति नहीं दी जाएगी; बशर्त कि ऐसा विशेष आदेश ऐसे व्यक्ति/साझेदारी को फर्म या कंपनी जिसका वह व्यक्ति पूरे समय के लिए निदेशक या प्रबन्ध निदेशक जो भी हो, के विरुद्ध तब लागू नहीं होगा जबकि ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध दिशा गया कारावास का आदेश—

(1) वह कारावास का आदेश हो जिसके लिए अधिनियम, 1974 के खण्ड 9 या खण्ड 12-क के प्रावधान लागू न होते हों और वह उन अधिनियम के खण्ड 8 के अन्तर्गत सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट पर रद्द कर दिया गया हो या सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट प्राप्त होने से पहले रद्द कर दिया गया हो या सलाहकार बोर्ड को संबन्ध भेजने से पहले रद्द कर दिया गया हो; या

(2) वह आदेश कारावास का ऐसा आदेश हो जिसके लिए अधिनियम, 1974 के खण्ड 9 के प्रावधान लागू होते हों, परन्तु वह उन अधिनियम के खण्ड 9, उन खण्ड (2) के साथ पढ़े जाने वाले खण्ड 8 के अन्तर्गत सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर या खण्ड 9 के उन खण्ड (3) के अन्तर्गत जांच के आधार पर समर्थन को समाप्ति से पहले रद्द कर दिया गया हो; या

(3) वह कारावास का ऐसा आदेश हो जिसके लिए अधिनियम, 1974 के खण्ड 12-क के प्रावधान लागू हों और वह उन खण्ड के उन खण्ड (3) के अन्तर्गत प्रथम जांच के आधार पर या उन अधिनियम के खण्ड 12-क के उपखण्ड (6) के साथ-साथ पढ़े जाने वाले खण्ड (8) के अन्तर्गत सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर समर्थन को समाप्ति से पहले रद्द कर दिया गया हो; या

(4) समर्थन प्राधिकार के न्यायालयों द्वारा वह रद्द कर दिया गया हो।

(3) केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात या प्राधिकृत अधिकारी लाइसेंस धारी या निर्यातक या किसी अन्य व्यक्ति को लाइसेंस प्राप्त करने या किसी माल का निर्यात करने से रोक सकते हैं और इस संबंध में उनके विरुद्ध कोई भी कार्रवाई की जा सकती है उसको ध्यान में रखे बिना यह निर्देश दे सकते हैं कि ऐसे व्यक्ति को इस आदेश के अन्तर्गत एक विनिष्ट अवधि के लिए माल का निर्यात करने के लिए कोई लाइसेंस प्रदान नहीं किया जायेगा या अनुमति नहीं दी जाएगी, यदि केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात या प्राधिकृत अधिकारी के विचार में—

(क) ऐसा लाइसेंसधारी, निर्यातक या अन्य व्यक्ति; या

(ख) जहां ऐसा लाइसेंसधारी या अन्य व्यक्ति एक साझेदारी, फर्म या लिमिटेड कंपनी में कोई साझेदार या पूर्ण समय के लिए जैसा भी मामला हो, संचालक या प्रबन्ध संचालक हो, या

(ग) जहां ऐसा लाइसेंसधारी, आयातक या अन्य व्यक्ति एक साझेदारी फर्म में साझेदार या लिमिटेड कंपनी ऐसी साझेदारी फर्म या लिमिटेड कंपनी का पूर्ण समय के लिए जैसा भी मामला हो, संचालक या प्रबन्ध संचालक हो, और

(1) ऐसा लाइसेंसधारी, निर्यातक या अन्य व्यक्ति या साझेदार या जैसा भी मामला हो, ऐसी साझेदारी, फर्म या लिमिटेड कंपनी का पूर्ण समय के लिए संचालक या प्रबन्ध संचालक को प्रदान किए गए किसी निर्यात लाइसेंस का उपयोग करने या पूर्णतया उपयोग करने में बिना यथेष्ट कारण के असफल रहा हो, या

(2) उसने आयात (निर्यात) आदेश, 1955 के उप अनुच्छेद (3) के पैरा (1) में उल्लिखित कोई गलत कार्य किया हो।

8. लाइसेंसों की मंजूरी या माल निर्यात करने की अनुमति को निलम्बित करने के लिए आधारः—यदि धारा 7 में उल्लिखित एक या अधिक अभियोगों की जांच चल रही हो तो केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात या प्राधिकृत अधिकारी इस संबंध में की जाने वाली अन्य कार्रवाई को ध्यान में रखे बिना उस लाइसेंसधारी या निर्यातक या किसी अन्य व्यक्ति को लाइसेंस देने की मंजूरी या माल निर्यात करने से निलम्बित कर सकते हैं,

बशर्त कि लाइसेंस मंजूर करना या माल के निर्यात के लिए अनुमति देना साधारणतः 12 महीनों का अवधि से अधिक के लिए इस धारा के अन्तर्गत निलम्बित नहीं किया जायेगा,

आगे यह भी शर्त होगी कि निलम्बन हटाने पर उसको ऐसी शर्तों और नियंत्रण के प्रतिबन्धों के अधीन निलम्बन की अवधि के लिए ही लाइसेंस प्रदान किया जा सकता है जो कि पूर्ववर्ति अधिकारी द्वारा संबंधित अधिकार क्षेत्रों को ध्यान में रखकर तय की जाए।

9. निर्यात किए जाने वाले माल के लिए आवेदन पत्रों की प्राप्ति में रचनाः—उन मामलों में जहां लाइसेंसधारी या निर्यातक या किसी भी अन्य व्यक्ति के विरुद्ध परिच्छेद 7 में उल्लिखित आरोपों में किसी भाव प्रारोप के लिए जांच पड़ताल करना बाकी है और जहां केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात या प्राधिकृत अधिकारी इस प्रकार के आरोपों के संबंध में और विस्तृत जानकारी या पता लगाए बिना ही संतुष्ट हो



जाता है कि लाइसेंस प्रदान करना या माल का निर्यात करने के लिए स्वीकृति प्रदान करना सार्वजनिक हित में नहीं है तो इस आदेश में निहित किसी भी बान के होते हुए भी केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात या प्राधिकृत अधिकारी ऐसे व्यक्ति को लाइसेंस प्रदान करने के लिए या माल का निर्यात करने के लिए उसके किसी भी आवेदन पत्र को, कोई भी कारण बताए बिना ही इस संबंध में की जाने वाली किसी अन्य कार्रवाई को ध्यान में रखे बिना ही, आसुगन में रख सकते हैं ;

बशर्ते कि इस परिच्छेद के अंतर्गत ऐसे लाइसेंस के लिए मंजूरी देने या माल के निर्यात के लिए अनुमति देने की निलम्बन अवधि साधारणतः 6 महीने से अधिक नहीं होगी।

10. परिच्छेद 7 अथवा 8 के अंतर्गत की गई कार्रवाई का प्रचार—

- (1) यदि केन्द्रीय सरकार के विचार में यह आवश्यक है या सार्वजनिक हित को ध्यान में रखते हुए यह उचित है कि परिच्छेद 7 या 8 के अंतर्गत किसी व्यक्ति या व्यक्तियों जिनके विरुद्ध कार्रवाई की गई है, के नामों या अन्य व्यौरों को प्रकाशित किया जाए तो जैसा भी उचित समझे ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह के नाम को और ऐसे व्यौरों को प्रकाशित करा सकते हैं या प्रकाशित कराने का कारण बना सकती है।
- (2) उप-परिच्छेद (1) के अंतर्गत ऐसी किसी कार्रवाई के संबंध में कोई भी प्रकाशन तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि अपील सुनने वाले प्राधिकारी को अपील प्रस्तुत किए बिना, अपील प्रस्तुत करने का समय बीत न गया हो या अपील निपटा दी गई हो।

व्याख्या :— फर्म, कम्पनी या व्यक्तियों की अन्य संस्था के मामले में फर्म के साझेदार, संचालकों, प्रबन्ध एजेंटों, सचिवों और कोषाध्यक्षों या कम्पनी के प्रबन्धकों या संस्था के सदस्यों जैसा भी मामला हो, के नाम भी प्रकाशित किए जा सकते हैं बशर्ते कि केन्द्रीय सरकार के विचार में मामले की परिस्थितियाँ इसे न्यायसंगत ठहराएँ।

11. लाइसेंसों को रद्द करना : (1) केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात या प्राधिकृत अधिकारी इस आदेश के अंतर्गत प्रदान किए गए किसी भी लाइसेंस को रद्द कर सकता है या अन्यथा रूप से उसे अप्रभावी कर सकता है।

- (क) यदि लाइसेंस भूल या गलती में प्रदान किया गया है या जाल-साजी या मिथ्या निरूपण से प्राप्त किया गया है ;
- (ख) यदि लाइसेंस, नियमों या इस आदेश की शर्तों के प्रतिकूल प्रदान किया गया है ;
- (ग) यदि लाइसेंसधारी ने लाइसेंस की शर्तों में से किसी भी शर्त का उल्लंघन किया है ;
- (घ) यदि केन्द्रीय सरकार या ऐसा अधिकारी इस बात से संतुष्ट हो कि लाइसेंस उस उद्देश्य की पूर्ति नहीं करेगा जिसके लिए वह प्रदान किया है ;
- (ङ) यदि लाइसेंसधारी ने सीमाशुल्क से संबंधित किसी कानून या माल के निर्यात आयात से संबंधित किसी नियमों या विनियमों या विदेशी मुद्रा के विनियमनों से संबंधित किसी कानून का उल्लंघन किया हो।

इसकी शर्त यह भी है कि इस आदेश में कोई बात निहित होती है कि केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात या प्राधिकृत अधिकारी यदि इस बात में संतुष्ट है कि लाइसेंस को रद्द करना या उसे अप्रभावी करना सार्वजनिक हित में है तो वह कोई भी कारण बताए बिना ही ऐसा कर सकता है।

(2) केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात या प्राधिकृत अधिकारी इस आदेश के अंतर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों को प्रदान किए गए किसी भी लाइसेंस का लिखित रूप में विशेष आदेश द्वारा अप्रभावी कर सकता है :—

- (क) ऐसा व्यक्ति जिस के संबंध में अधिनियम, 1974 के अंतर्गत कारावास का आदेश दिया गया हो ; या
- (ख) एक साझेदारी की फर्म या प्राइवेट लि. कम्पनी जिसका ऐसा व्यक्ति साझेदार या पूर्ण समय के लिए निदेशक या प्रबन्ध निदेशक हो ;

शर्त यह है कि ऐसे व्यक्ति के संबंध में या साझेदारी फर्म या कम्पनी जो भी हो, जिसका ऐसा व्यक्ति साझेदार या संचालक हो, के संबंध में ऐसा विशेष आदेश, उस समय अपना कोई प्रभाव नहीं रखेगा जब कि ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध दिया गया कारावास का आदेश—

(1) कारावास का ऐसा आदेश हो जो उस अधिनियम के अनुच्छेद 8 के अंतर्गत सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट के खंड 9 या खंड 12क की व्यवस्थाओं के अनुसार हो या सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट की प्राप्ति से पहले का हो या सलाहकार बोर्ड को संदर्भ भेजने से पहले का हो ; या

(2) कारावास का ऐसा आदेश हो जिस के लिए अधिनियम, 1974 की धारा 9 की शर्त लागू होती हो, और वह धारा 9 की उपधारा (3) के अंतर्गत प्रथम पुनः विचार के लिए दिए गए समय की समाप्ति से पहले या प्रथम पुनः विचार के आधार पर या इस अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (2) के साथ पढ़ी जाने वाली धारा 8 के अंतर्गत सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर रद्द कर दिया गया हो ; या

(3) कारावास का ऐसा आदेश हो जिस के लिए अधिनियम, 1974 की धारा 12क की शर्त लागू होती हो और वह इस धारा की उपधारा (3) के अंतर्गत प्रथम पुनर्विचार के लिए दिए गए समय की समाप्ति से पहले या प्रथम पुनर्विचार के आधार पर या इस अधिनियम की धारा 12क की उपधारा (6) के साथ पढ़ी जाने वाली धारा 8 के अंतर्गत सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर रद्द कर दिया गया हो ; या

(4) कारावास का ऐसा आदेश हो जो सक्षम न्याय अधिकारी के न्यायालय द्वारा रद्द कर दिया गया हो।

12. लाइसेंसधारी आदि को सुनवाई के लिए अवसर प्रदान करना :.

(1) अनुच्छेद 6 या उपधारा (1) या अनुच्छेद 7 की उपधारा 3 या अनुच्छेद 8 या अनुच्छेद 11 की उपधारा (1) के अंतर्गत लाइसेंस-धारक या निर्यातक या किसी अन्य व्यक्ति के विरुद्ध तब तक कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी जब तक कि उसे सुनवाई का उचित अवसर प्रदान न कर दिया गया हो।

(2) यदि किसी मामले में अनुच्छेद 7 या 8 या अनुच्छेद 11 की उपधारा (1) (उम मामले को छोड़कर जिसमें उस के परन्तुक के अंतर्गत रद्द करने का आदेश दिया गया हो) के अंतर्गत कोई कार्रवाई से कोई व्यक्ति संतुष्ट नहीं है तो वह कार्रवाई के पत्र की तिथि से 30 दिनों के भीतर ऐसी कार्रवाई के विरुद्ध ऐसे प्राधिकारी से अपील कर सकता है जिसे केन्द्रीय सरकार, सरकारी राजपत्र में अधिमूचना द्वारा अपील सुनने के लिए नियुक्त करे।

13. निर्यात किए गए माल के मूल्य, किस्म, गुण आदि की घोषणा :— किसी सीमाशुल्क पत्र से किसी भी माल का निर्यात करने पर चाहे वह माल सीमाशुल्क के अधीन हो या नहीं उस माल का मालिक या निर्यातक अपने ज्ञान और विश्वास के अनुसार पात लदाब बिल में या अन्य संगत दस्तावेज में उस माल के मूल्य, किस्म, विधिदिकरण गुण और विवरण का उल्लेख करेगा और वह प्रमाणित करेगा कि इस दस्तावेजों

में उन्निहित माल का हिस्सा और विशिष्टीकरण उद्योग निर्माण सविदा के अनुसार है जो केता और माल के प्रेषक के बीच की गई है और जिसके अनुसार माल का निर्यात किया जा रहा है और ऐसे उल्लेख की घोषणा की सच्चाई में ऐसे पोत परिवहन बिल या अन्य दस्तावेजों पर सब से नीचे हस्ताक्षर करेगा।

14. किसी घोषणा विवरण-पत्र या दस्तावेजों को नैवार करने, उन पर हस्ताक्षर आदि करने के संबंध में निबंध :—

(1) लाइसेंस प्राप्त करने में या किसी माल का निर्यात करने में कोई भी व्यक्ति किसी घोषणा-पत्र, विवरण-पत्र या दस्तावेज पर यह जानते हुए या विश्वास रखते हुए न तो हस्ताक्षर करेगा और न हस्ताक्षर करने का कारण उत्पन्न करेगा कि ऐसे घोषणा पत्र, विवरण-पत्र या दस्तावेज में कोई विशेष बात झूठी है।

(2) कोई भी व्यक्ति किसी भी लाइसेंस को प्राप्त करने या किसी भी माल का निर्यात करने में भ्रष्ट या कपटपूर्ण तरीकों का प्रयोग नहीं करेगा।

14-क मुख्य नियंत्रक या अपर मुख्य नियंत्रक को संशोधन करने का अधिकार—

मुख्य नियंत्रक या अपर मुख्य नियंत्रक अपनी मर्जी से या किसी अन्य प्रकार से किसी भी ऐसी कार्रवाई का रिकार्ड मंगा कर जिसमें अधीनस्थ अधिकारी द्वारा धारा 7 की उपधारा (1) या उपधारा (3) अथवा धारा 11 की उपधारा (1) के अन्तर्गत विवजित करने की कार्रवाई की गई हो और जिसके खिलाफ कोई भी अपील नहीं की गई हो, वे ऐसी कार्रवाई के सहित, कानूनी वैधता या औचित्य का अपनी संतुष्टि के लिए परीक्षण कर सकते हैं और उस पर जैसा भी उचित समझें, आदेश दे सकते हैं :

बशर्ते कि इस उप-धारा के अन्तर्गत की गई कार्रवाई में ऐसी विविधता नहीं होगी जिससे किसी व्यक्ति पर उसका प्रतिकूल असर पड़े जब तक कि ऐसे व्यक्ति को :—

(क) ऐसी कार्रवाई करने की तिथि से दो वर्षों के भीतर यह पूछने हुए कारण बताओ नोटिस प्राप्त हुआ हो कि ऐसी कार्रवाई में परिवर्तन क्यों न कर दिया जाए ; और

(ख) यदि उसने अपने बचाव की इच्छा व्यक्त की है और बचाव के लिए समय चाहता है तो उसे अध्यावेदन करने का और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए अवसर प्रदान किया गया हो।

15. अपवाद : निम्नलिखित के लिए आदेश में से कुछ भी लागू नहीं होगा :—

(क) केन्द्रीय सरकार द्वारा या उस के प्राधिकार के अधीन नियत किया गया कोई भी माल ;

(ख) मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा जारी किए गए निष्पादन अनुदेशों में शामिल कोई भी माल ;

(ग) बाहर जाने वाले किसी जलयान या अन्य वाहन के भंडार या उपस्कर के रूप में कोई भी माल, किन्तु भोजन सामग्री से भिन्न ;

(घ) भारत से बाहर जाने वाले किसी भी व्यक्ति (बाहर जाने वाले किसी जलयान या वाहन में यात्री या दल के सदस्य को छोड़ कर) के वास्तविक निजी नाविक असबाब में शामिल कोई भी माल।

अतः यह है कि अनुसूचा 1 के भाग 'क' में विजिष्टीकृत जंगली जीव (मृत या जीवित या उनके अंग या उनके उत्पाद) ऐसे निजी असबाब में शामिल नहीं किए जायेंगे :—

(●) डाक प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए पोस्टल नोटिस में विजिष्टीकृत शर्तों के अन्तर्गत डाक द्वारा या वायुयान द्वारा निर्यात किया गया कोई भी माल ;

(च) भारत के पतन पर वाहनान्तरित कोई भी माल जब कि बड़े भारत से बाहर के पतन से प्रेषण के समय ऐसे वाहनान्तरण के लिए माल मूची में लिख दिया गया हो ;

(छ) भारत पहुँचने पर नेपाल और भूटान के अतिरिक्त भारत से बाहर किसी भी देश को पुनः निर्यात के लिए आयात किम्वदुम्मा और आबद्ध कोई भी माल ;

(ज) यात्रा में डाक द्वारा भारत से होकर कोई भी माल या नेपाल और भूटान को छोड़कर भारत से बाहर किसी भी गन्तव्य स्थान को डाक द्वारा भेजा गया कोई भी माल बशर्ते कि भारत में रहते समय ऐसा माल सदैव डाक प्राधिकारियों के संरक्षण में रहा हो ;

(झ) वैध आयात लाइसेंस के बिना आयात किया गया और प्राधिकृत सीमाशुल्क अधिकारियों द्वारा निर्यात के लिए दिए गए आदेश के अनुसार निर्यात किया गया कोई भी माल ;

(ञ) संबंधित मुक्त व्यापार क्षेत्र में और अनुमोदित शत-प्रतिशत निर्यात अभिमुख यूनितों में द्विपक्षीय समझौतों के अन्तर्गत आने वाली वस्तु मर्दों को छोड़कर विनिर्मित और वहाँ से निर्यात किए गए उत्पाद ;

(ट) निदेशक, राष्ट्रीय रक्त ग्रुप संदर्भ प्रयोगशाला, बम्बई द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान या आपातकालीन रोगों के उपचार के लिए मानवता के आधार पर जीवन रक्षा के उपायों के रूप में रक्त ग्रुप ओ.एच. (बम्बई फोनोटाइप) का निर्यात उन के द्वारा इस विषय में प्रत्येक मामले में जारी किए गए विशिष्ट प्रमाण-पत्र के आधार पर।

(1) मूल्यांकन/परीक्षण के लिए संयुक्त राज्य अमरीका और ब्रिटेन में लुबरिजोल की प्रयोगशालाओं को लुबरिजोल इंडिया लि. बम्बई और इंडियन आयल कार्पोरेशन लि., हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लि. और भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लि. द्वारा भारत में उनके प्रस्थापन से ल्यूब एडिटिव्ज के विनिर्माण के लिए उपयोग में लाने के लिए स्नेहक तेल एडिटिव्ज ल्यूब, तेल, अपरिष्कृत तेल और अन्य संबंधित पेट्रोलियम उत्पाद और कच्चे माल के नमूनों का निर्यात।

16. निरसन :—समय-समय पर यशमशोधित एम.ओ. 254(अ) दिनांक 24 मार्च, 1977 के अंतर्गत भारत सरकार, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के आदेश से प्रकाशित किया गया नियम (नियंत्रण) आदेश 1977 एतद्वारा रद्द किया जाता है :—

अतः यह है कि उपर्युक्त आदेश या अधिसूचना की शर्तों में किसी एक शर्त के अन्तर्गत किए गए किसी भी फेसलवा जारी किए गए किसी भी लाइसेंस सहित कोई भी बात या कार्रवाई इस आदेश की तदनुकूली शर्तों के अन्तर्गत ही की गई समझी जाएगी।

## अनुसूची-I

## निर्धारित नियंत्रण के अधीन पशु वस्तुएं

भाग "क"

वे मदें जिन के निर्धारित अनुमति नहीं है

क्रम सं.	मदों का विवरण	
1.	असौर बकरी के बाल या मोटेयर	14. टाइप-3 को छोड़कर पैराफिन मोम
2. (i) केला मऊर्मे (पौध)		11. मिनकोना के बीज और छान
(ii) काजू के पौधे		12. छिलका रहित साबुत नारियल, नारियल प्रोटीन, नारियल शहद, नारियल का आटा और मुचाये हुए नारियल को छोड़कर नारियल और गरी ।
3. गौमांस		13. क्रिओसोट तेल (हल्का और भारी) कोल्डर और ऐसे मिश्रण जिनमें कोलहार हो,
4. (i) बीच-डि-नेर, 3 इंच से कम आकार के		14. क्रूड रम अर्थात् वह रम जो नहड़ी में नहीं पकी है ।
(ii) 50% से कम प्रोटीन वाला मत्स्य चूर्ण		15. डायोमजेनिन और डायोमकोरिया की जड़े,
5. (i) बेरिल का रत्न किस्म सहित बेरिल		16. विनोना एक्सपेलेर केक को छोड़कर गर्मा तरह का एक्सपेलेर केक,
(ii) अप्रकृत (बिना कटे और बिना जड़े हुए) कीमती पत्थर और रत्न क्रिस्टल व कार्टेज		17. फेरस स्क्वै, मिल स्केल स्क्वै को छोड़कर,
6. अस्थि चूर्ण		18. सभी किस्मों/श्रेणियों के वन्य बीज, मूल और प्रजनक बीज,
7. मऊखन		19. (i) मेंढक और उसके अंग (संयोजित मेंढक को छोड़कर)
8. (i) मवेशी		(ii) नूती कोरिन मद्रास ककिलाड़ा, विशाखापत्तनम, पारादीप और कलकत्ता के भागों से 200 ग्राम से कम भार की और दूसरे सभी भागों से 300 ग्राम से कम भार की ताजी और जमा हुई सिल्वर पोमकेट,
(ii) ऊट		20. मेमनों के लामचर्म को छोड़कर पाजुत पशुओं के लामचर्म
9. क्रिपार्श्व काठकायल/क्रिपार्श्व कार्बन को छोड़कर सभी तरह का काठकायल		21. सुपरफास्फेट सहित लेकिन माइक्रो स्प्लिट्ट खाद को छोड़कर सभी प्रकार के खाद,
10. निम्नलिखित समाप्त		22. पाउडर के रूप में फार्मसुड खाद
1. एनेटिक एन्डोस्ट्रॉड		23. जीरेनिथम तेल,
2. पोलिथिलोन (एच. डी.), अल्ट्रा हाई मोलक्यूलर वेट हाई डेंसिटी पोलिथिलोन का छोड़कर		24. घास
3. माथन्यूरीक क्लोराइड		25. (i) मृगफली की खली (एक्सपेलेर विम्म की)
4. एथिलीन अक्साइड		(ii) एक प्रतिशत से ज्यादा तेल वाली तेल रहित मृगफली की खली
5. आइसोप्रोपेनोइक अम्ल		26. निम्नलिखित गाँद और रेजिन :—
6. मिथेनिक रबड़		ओलियो रेजिन एक्सपीनस लॉंगिफोलिय
7. नेस्थालीन		27. हाथ से बने रेजिन के घाघे.
8. एथेनोन ग्लाइकोल		28. निम्नलिखित खालें और चर्म :—
9. डि-एथेनोन ग्लाइकोल		(i) एनिमल ग्लू जिस्लेटिन के निर्माण में कच्चेबाज के रूप में प्रयुक्त खालों और चर्म के कटिंग प्लेजिंग.
10. पोलिथिलोन ग्लाइकोल		
11. मिथिल आइसोव्यूटिट कोटोन		
12. 2-इथिल हेक्साग्लो		
13. पी. डी. सी. रेजिन		



- (ii) मेमनों के लोम चर्म को छोड़कर सभी प्रकार की कच्ची खालें और चर्म  
(iii) ई.आई. टेनड और बेट ब्लूखालें और ऋष्ठ चर्म और चमड़े सहित अर्ध संसाधित खालों और चर्म की सभी श्रेणियाँ

29. मानव अस्त्रिपंजर और उसके भाग

30. अविनिर्मित हाथी दांत से बने हाथी दांत और हाथीदांत के उत्पाद

31. निम्नलिखित से विनिर्मित वस्तुएं :—

- (i) रेंगने वाले जन्तुओं/सांपों की खाल ; और  
(ii) मैनुज हेयर

32. निम्नलिखित धातुएं :—

- (1) इलेक्ट्रोलाइटिक अभिन से परिष्कृत बलिस्टर तांबा जो इंगोट तार, बार, ब्लूम, स्लैब केक, टायल्स, ब्रिक्, बिलेट, स्टेप व केनोड्स के रूप में हो।  
(2) बिना गढ़ा हुआ ?  
(3) मैगनीसियम  
(4) पिग लैंड, बिना गढ़ा हुआ  
(5) जस्ता या स्पेल्डर, बिना गढ़ा हुआ  
(6) टिन, गढ़ा हुआ और परिष्कृत बिना गढ़ा हुआ  
(7) कोबाल्ट गढ़ा हुआ और अपरिष्कृत बिना गढ़ा हुआ  
(8) बिस्मथ  
(9) मोलिब्डेनम  
(10) प्लैटिनम अपरिष्कृत और शुद्ध बिना गढ़ा हुआ  
(11) टंगस्टन  
(12) बेनाडियम  
(13) तांबा अयस्क और सांद्रण  
(14) सीसा अयस्क और सांद्रण  
(15) कच्चा लोहा

33. निम्नलिखित धातुएं और उन के कम्पाउण्ड :—

- (1) बेरिलियम और इसके कम्पाउण्ड  
(2) लिथियम और इसके कम्पाउण्ड  
(3) नेव्यूनियम और इसके कम्पाउण्ड  
(4) लूटोनियम और इसके कम्पाउण्ड  
(5) रेडियम और इसके कम्पाउण्ड  
(6) थोरियम और इसके कम्पाउण्ड  
(7) यूरेनियम और इसके कम्पाउण्ड  
(8) थ्रिफोनियम और इसके कम्पाउण्ड  
(9) इरिडियम इरिडोस्माइन और इसके कम्पाउण्ड  
(10) सेलिनियम  
(11) ड्यूटोरियम  
(12) मरकरी

34. धातविक अवशेष अर्थात् : डास, स्क्रिपिंग स्लैग, एश स्लिम और फ्ल्यू इस्ट (सोने और चांदी वाली से भिन्न) जिसमें फ्री मेटल की मात्रा 15 प्रतिशत या अधिक हो।

35. निम्नलिखित खनिज अयस्क और सांद्रण :—

- (1) रेडियम अयस्क और सांद्रण  
(2) यूरेनियम अयस्क और सांद्रण  
(3) अयस्क से तांबा या सोना अलग करने के बाद बचे हुए यूरेनियम धारित टेलिंग  
(4) जस्ता अयस्क  
(5) क्रोम अयस्क और सांद्रण, उनको छोड़कर जो भाग छ में उल्लिखित हैं।  
(6) जस्ता सांद्रणी  
(7) बेनोडियम अयस्क और सांद्रण  
(8) बेनोडियम धारित लोह अयस्क जिसमें 0.2 प्रतिशत से अधिक भी 2 ओ 5 की मात्रा हो  
(9) टंगस्टन (वाले क्रोम) अयस्क और सांद्रण  
(10) अन्डेलु साइट  
(11) सभी श्रेणियों के केनाइट  
(12) सिलिमनाइट की सभी किस्में (ग्रेनुलर सिलिमनाइट को छोड़कर)  
(13) 7.5 प्रतिशत से कम सिलिका की मात्रा के साथ केल्साइट मेग्नेसाइट और बुझाया हुआ मेग्नेसाइट  
(14) सभी आकारों और श्रेणियों के एस्बेस्टोस की क्रिसोटोइल क्रोसिडोलाइट और सैनोब्याइट किस्में  
(15) केल्साइट बाल्साइट  
(16) रासायनिक रूप से संसाधित मैंगनीज डाइआक्साइड  
(17) 46 प्रतिशत से अधिक मैंगनीज व.वो लम्पी बलैडिड मैंगनीज अयस्क  
(18) कच्चा मैंगनेसाइट और फ्यूज मैंगनेसाइट

36. प्राकृतिक रबड़

37. मलबरी मिल्क से भिन्न मिल्क बेस्ट, जैसे टसर, एरि, मूंगा और मलबरी छिद्रित कोकून

38. निम्नलिखित तेलहन :—

- (1) अरन्डी के बीज  
(2) बिनौला  
(3) अलसी  
(4) सुरजमुखी के बीज  
(5) सरसों/तोरिया के बीज

39. प्याज के बीज

40. सन की लुगदी को छोड़कर बांस की लुगदी सहित कागज श्रेणी की लुगदी

41. पसेवा और कोई भी लेक जिसमें जोड़ित कीटाणु हों

42. मोर की पूँछ के पंख

43. (1) दालें सभी किस्में जिनमें लेन्टिलस, ग्राम और बीन्स और उन से बना आटा शामिल हैं।

(2) अग्रिम लाइपेसिंग स्कीम/वासबुक के तहत

अथवा शत प्रतिशत निर्वात अभिमुख यूनिट द्वारा आयातित दालों से बनी हुई से निम्न संसाधित दालें।

44. (1) कच्चा प्लेसेन्टा, प्लेसेन्टल ब्लड/प्लाजमा

(2) सम्पूर्ण मानव रक्त प्लाजमा और मानव रक्त से लिए गए सभी उत्पाद जिन में मानव प्लेसेन्टा और मानव प्लेसेन्टल रक्त में विनिर्मित मानव ग्लोबुलिन और मानव सीरम, ग्लोबुलिन शामिल नहीं हैं।

45. 36 एस. क्वालिटी देशज से अधिक का कच्चा ऊन

46. पावरलूम पर बने अमली मद्रासी रुमाल (आर.एम. एच. के)

47. (1) चावल की भूसी कच्ची और उबाली हुई

(2) धान (छिलके सहित चावल)

48. रॉक फ्रास्ट्रेट

49. निम्नलिखित बीज —

- (1) काजू बीज
- (2) हेंचा और बरसम बीजों में मिश्र हरी खाद के बीज
- (3) गुआर बीज (सम्पूर्ण)
- (4) पटसन बीज
- (5) नीबू घास के बीज और जड़
- (6) मैन्ना बीज
- (7) पेपर कटिंस या पेपर की रूटिड कटिंस
- (8) पेट्रोकारपस सेण्टालिन्स (लाल सेंडल बीज)
- (9) खड़ बीज
- (10) रुमा घास बीज और टफ्ट्स
- (11) मेन्टालम एन्लबम (चन्दन की लकड़ी)
- (12) (क) पोथे और व्युत्पन्न

1. एकोनितम डिउनोरहीजम (स्टेन्ट रेन्कुलेसी)
2. एट्रोपा एक्युमिनाटा रायले एकमलिडल सोलेनेसी
3. एरिस्टोलोचिया सप्स (एसटोलोचियास)
4. एजियोप्टियन सप्स (फर्न)
5. बालानोफोरा सप्स (बालानोफोरासी)
6. कोलचिकम ल्यूटियम (बेकर लीलीएसी)
7. कोम्महीरा (बिहरी आर्न भन्डारी वसरा सी)
8. कोटिस टीटा (बाल रेनुकुना सीन)
9. साईएथिया गिगनेटिया (बाल एकस हूक-साएथि सी).
10. डार्डियकोरिया डलटोडिया बाल एकस कुन्थ डिओसोरेसिस)
11. ड्रोमेरा बीमाती (व्हल ड्रोमेरासी)
12. ड्रोमेरा इन्डिका निन्न-टोसरवेसी
13. जेतियाना कुश (वायल जेन्टियानेसी)
14. ग्लोरियोमा सुपरवा (लीलागैसी) खेतों में उगाए गए ग्लोरियोमा सुपरवा (लिनिगैसी) बोगों से मिल
15. जेनिटम एस पी पो (जेनिटेसी)
16. इफ्रीजिनिया कुन्थ (लीलागैसी)
17. मेकेनोपसिस बेटोनिस्फोलिया (फेन्वेटा पेपावरासी)

18. मारबोस्टाचिस ग्रांडिफ्लोरा (डी सी जेलिनिओनेसी)

19. नेपथिसिस खासीयाना (हुक-एफु-नेपथेसी)

20. अममून्डा प्लेटोनियाना (अममून्डेसी)

21. अममून्डा रेगलिस (अममून्डेसी)

22. पीडो फाब्रिलम हेक्वस्ट्रम (रायल-पीडो फिलेथो)

23. रोबालफिया मर्पेन्टिना (लिन्न वेन्थ एकस कुज एपी माईनेसी)

24. रॉडोडेंड्रोन सप्स (एरिकसि)

25. रियामोडी (बाल एकस मेइसन-- पालिगोनेसिया)

26. अरुनडिनेरिया जोनासोरनमिया

27. ग्राथिएक्स गिगनेटिया

28. साइकस बेडोली

29. राबलफिया केनेसियंस

30. डिओस्कोरिया परेजरी

31. एकोनितम हेटेक्साफिलम

32. बरबेटस अरिस्टेटा

33. कोटिस टीटा

34. मारबोस्टाचिस जोनामांसी

35. फायसोसहाइमा प्रेल्टा

36. परवालनिया मरुपमलिया

(ख) भाग--ख के अन्तर्गत आने वाले पौधे के भागों को छोड़कर पौधे के हिस्से।

(ग) निम्नलिखित आर्चिड--

1. जंगली आर्चिड

2. निम्नलिखित को छोड़कर उपजाए हुए आर्चिडम

- (क) एराइडस किस्में
- (ख) डेन्ड्रोबियम किस्में
- (ग) एलोथोन किस्में
- (घ) कैलेन्थी किस्में
- (ङ) सिम्ब्रीडियम किस्में
- (च) कोलोर्जोन किस्में
- (छ) साइप्रिपीयम किस्म
- (ज) बल्बोफिलम किस्में
- (झ) रिनोस्टिलिस किस्में
- (अ) एनोसिटोचिनस किस्में
- (ट) फेजस किस्में
- (ठ) प्लोनोपसिस किस्में
- (ड) इरिया किस्में
- (ढ) एस्कोसेटरम किस्में

(13) मिस्त्र की बनमेथी (बर्सीम) ट्रिफोलमू एलाक्सटम बीज

(14) लुर्कान (अल्फाल्फा) मेडिकेगी सेटाइवा बीज

(15) फारम की बनमेथी (शफताल ट्रिफोलम रिस्पुनेटम बीज

(16) केसर के बीज या दाने (केसर के पौधे लगाने के लिए सामग्री)

(17) नक्स बीमिका बीज, छाल, पत्ते, जड़ें व उनका चूर्ण

- (18) सभी तिलहनों और दालों के बीज  
 (19) गेहूं बीज और चावल बीज (जंगली किस्म)  
 (20) सजावटी पौधे के बीज (जंगली किस्म)  
 (21) जंगलों से प्राप्त कुछ (कोस्टम लप्पा सिन. सोसारिया लप्पा  
 सां बी सां आई एस्टररेसिया)

50. समुद्री शैल, सभी किस्में

51. रेशम के कीड़े

52. निम्नलिखित रेशम रई :-

(क) थ्रोस्टर और हार्डसिल्क वेस्ट

(ख) मलबरी सिल्क वेस्ट

(ग) नोईल्स और ड्रापिंग्स

(घ) बेसिन रिफ्यूज

53. सिल्वर बुलियन, सिल्वर शाट्स, और प्लेटें जिन पर रोलिंग के बाद कोई विनिर्माण कार्य किया गया हो।

54. निम्नलिखित को छोड़कर ऐसे सिल्वर तत्व की प्रतिशतता को ध्यान में रखे बिना सिल्वर साट्स, सिल्वर कैमिकल्स और कम्पा-ऊड :-

100% शुद्धता  
मानते हुए चांदी  
की मात्रा

श्रीपथि फोटो रसायन के लिए सिल्वर नाइट्रेट	63.5%
सिल्वर ब्रोमाइड-एटिसेप्टिक	
फोटो रसायन	57.45%
श्रीपथियों के लिए सिल्वर आक्साइड	93.1%
इलेक्ट्रोप्लेटिंग के लिए सिल्वर	80.57%
सिल्वर आयोडाइड रेन मेकिंग	45.95%
सिल्वर सबआक्साइड ए.जी. 4"	96.4%
इलेक्ट्रोप्लेटिंग के सिल्वर क्लोराइड	75.26%
श्रीपथियों के लिए सिल्वर फ्लूराइड	85.03%
मान्यताप्राप्त फार्माकोपिया/सरकारी स्तर में निर्धारित फार्मूलेशन के समरूप माइलड सिल्वर प्रोटोन और सिल्वर सल्फाडायजॉन के सिल्वर एसिटेट और ड्रग फार्मूलेशन	64.63%

55. भाग-ख में सूची-3 की क्रम सं. 44 के सामने उल्लिखित को छोड़कर इनप्रेडियट के रूप में सिल्वर वाले विनिर्माण और उत्पाद और इनमें इंजीनियरी, हस्तशिल्प और इलेक्ट्रिकल सामान, कस्ट्यूम आभूषण और सिल्वर फिलिपी भी शामिल नहीं हैं।

56. स्टीरॉन मोनोमर

57. गन्ना

58. सल्फर (अधुलनशील सल्फर को छोड़कर)

59. मछली-तेल को छोड़कर किसी भी पशु का पिघला हुआ या बिना पिघला या अन्य प्रकार का टैलो, वसा और/अथवा तेल।

60. मछली की हड्डी को छोड़कर बिना पिसी हड्डियां।

61. निम्नलिखित वनस्पति तेल :-

(1) नारियल तेल

(2) बिनीला तेल

(3) मूंगफली का तेल

(4) अलसी का तेल

(5) सलाद का तेल

(6) सूर्यमुखी फूल के बीज का तेल

(7) कद्दी का तेल

(8) रामतिल का तेल

(9) सरसों का तेल/तोरिया का तेल

(10) तिल का तेल

(11) कार्नामायल

(12) चावल की भूसी का तेल

(13) खजूर का तेल

(14) पाम की गिरा का तेल

(15) सोयाबीन का तेल

62. रई अखबारों को छोड़कर रई कागज

63. बैटल की छाल

64. भाग 'ख' में उल्लिखित को छोड़कर पूर्ण या आंशिक रूप में स्टंपड पशुओं सहित सभी प्रकार के जंगली जीवों (मृत या जीवित या उनके किसी भाग या उनसे उत्पादित वस्तुओं) का निर्यात पूर्णतः निषेध है। अपवाद का परिस्थितियों में जहां निर्यात किसी विशेष, वैज्ञानिक या जूलाजिकल उद्देश्य से किया जाए वहां पर्यावरण वन और जंगली जीव विभाग की पूर्ण स्वीकृति आवश्यक होगी जो प्रत्येक मामले पर निर्यात लाइसेंस जारी करने से पूर्व गुणावगुण के आधार पर विचार करेगा।

65. विन्टेज मोटर कार और मोटर साइकिल और उनके भाग और संघटक अर्थात् 1940 और उससे पहले के नमूनों की मोटरकार और मोटर साइकिल।

66. (1) लकड़ी और इमारती लकड़ी लट्टे के आकार में और चिरी हुई साइज में सभी तरह की।

(2) बैत

(3) बांस

(4) चंदन की लकड़ी के शहतीर

(5) टोकोबाशिरा

67. आयातित ऊन और ऊन नायल्स से विनिर्मित को छोड़कर बूल टोप

68. सीमाशुल्क बान्ड के अंतर्गत आयातित ऊन से निर्मित ऊन की रई को छोड़कर ऊन की रई।



## भाग---ख

वे मर्दे जिनका निर्यात गुण बांध या उच्चतम सीमा के अधीन या समय-समय पर विशिष्टिकृत की जाने वाली अन्य शर्तों के अधीन अनुमय हैं ।

## सूची--1

## गुण बांध" आधार पर निर्यात के लिए अनुमित मर्दे

क्रम सं.	मर्दों का विवरण
1	2
1.	बापसी के आधार पर भारतीय एवं विदेशी एयरलाइनों द्वारा वायुयान और उनके अतिरिक्त पर्जे और उप साधन जिनमें मरम्मत और ओवरहालिंग भी शामिल है।
2.	निम्नलिखित पशु :- (1) गधे (2) घोड़े (काठियावाड़ी, मारवाड़ी और मणिपुरी जातिवां अनुमित नहीं हैं) (3) खच्चर ।
3.	छालें और बानिकी के बीज ।
4.	विदेशी पक्षी : (1) अर्बानों बजरोगर्म (2) बंगाली किलचेम (पिरोहला पिरोहला) (3) बजोगर्म, (4) जावा स्पेरो (5) व्हाइट फिचेस (6) जेबरा फिचेम ।
5.	केथरडाइन बोटल्स ।
6.	निम्नलिखित रसायन :- (1) एसिटिक एसिड (2) क्लोरोक्विन फास्फेट और क्लोरोक्विन सल्फेट से विनिर्मित फोस्फोक्विन सहित क्लोरोक्विन फास्फेट और क्लोरोक्विन सल्फेट (3) मॉनो क्लोरो एसिटिक एसिड (4) गैलोथिलोन (एल एल डी पी) (5) पी. वी. मो. कम्पाउण्ड (6) टॉल्यूइन ।
7.	निम्नलिखित को छोड़कर लोह मिश्र धातुएं :- (1) सभी ग्रेडों का फ़ैरो मैंगनीज स्लेग (2) फ़ैरो मैंगनीज (0.05% से कम मात्रा वाले फ़ैरो मैंगनीज के सिवाय) (3) सभी ग्रेडों का सिलिको मैंगनीज (फ़ैरो सिलिका मैंगनीज) (4) 0.03% कार्बन से कम मात्रा वाले फ़ैरो क्रोम/कार्ज क्रोम और नाइट्रोजन विरहित फ़ैरो क्रोम/कार्ज क्रोम (5) सभी ग्रेडों के सिलिका क्रोम (फ़ैरो-सिलिको क्रोमियन) ।
8.	सूची---3 की क्रम सं. 1 में उल्लिखित से भिन्न फायर आर्म्स और गोलाबारूद ।

1	2
9.	फसली चारे के बीज ।
10.	पशुओं का जमाया हुआ बीर्य ।
11.	गम रेजिन ।
12.	जंगली किस्म को छोड़कर कुथ(कोस्टम लप्पा सिन : सोसरिया लप्पा सो.बो.सो.आई. एस्टरेसिया) निर्जा भूमि में उत्पादित तथा इसके व्युत्पन्न ।
13.	हाथ से तैयार किए गए विनिर्मित फाइबर तथा यान :- (1) कोई अन्य सैल्यूलोमिक या सिथेटिक फाइबर या यान जो कहीं और विनिर्मित न हो (2) नायलन टायर यान/कांड/केब्रिक (3) हाई परफोमेंस विस्कोस स्टेपल फाइबर को छोड़कर विस्कोस स्टेपल फाइबर ।
14.	धातु कतरन, लीह कतरन से भिन्न जिसमें 0.50% से अधिक निकल या 0.20% से अधिक मोलिब्डेनम या 1.00% से अधिक टंगस्टन या 0.20% से अधिक बेनेडियम या 1.00% से अधिक कोबाल्ट का मात्रा हो : (1) नाइकेम स्क्रैप (2) अन्य खनिजों का स्क्रैप ।
15.	माइक्रोयूट्रिएण्ट फर्टिलाइजर्स और एन.पी.के. वाले मिक्सचरर्स ।
16.	दूध, पाउडर दूध (मलाई निकाला हुआ या मलाई युक्त) शिशु दूध और स्टेरिलाइज्ड लिक्विड दूध ।
17.	मिनिट्री स्टार ।
18.	अलौह धातुएं और मिश्र धातुएं बिना गढ़ी हुई जो इस अनुसूची में और कहीं प्रदर्शित न हों ।
19.	(1) कच्चा रेशम (2) रेशम के नायल धागे सहित अयना रेशम के धागे (3) निम्नलिखित सिल्क वेस्ट : (क) फिनम्स कोकून (ख) फलफ/फ्लोस ।
20.	चिप्स और चूर्ण के रूप में लाल सन्दल लकड़ी ।
21.	रॉलिंग कोकून सहित रेशम--कोड़ा बीज और रेशम कीड़ा कोकून ।
22.	चांदो के सिक्के(चांदो की कितनी भी मात्रा वाले) नोट : समय-समय पर जारी किए गए संसारक प्रूफ सैट सिक्कों (अप्रचलित क्वालिटी) के निर्यात की अनुमति केवल भारत सरकार टंकसार, बम्बई द्वारा दी जाएगी तथा सीमाशुल्क प्राधिकारी ऐसे निर्यात के लिए सीधे ही अनुमति देंगे ।
23.	मानव कंकाल से भिन्न अन्य कंकाल और उनके भाग ।
24.	स्ट्रिकेक और ब्रडलोक ।
25.	सिथेटिक कस्तूरी ।

1	2
26.	जैतूनी हरी शेड का टेन्ट और टेन्ट का कपड़ा ।
27.	सर्प विष (विनिर्मित रूप में) ।
28.	(1) पुराने आटोमोबाइल्स, अतिरिक्त पुर्जों, संघटक तथा अनुषंगिक (2) विन्टेज मोटर कार, मोटर साईकिल तथा उनके हिस्से पुर्जों और संघटक अर्थात् 31-12-1940 के बाद

1	2
	और 31-12-1959 से पहले विनिर्मित मोटर कारें मोटर साईकिलें ।
29.	ऊनी/सिमिवास्टिड यानें ।
30.	जिरकोन पत्थरों की अर्ध बहुमूल्य किस्म सहित जिरकोन अयस्क तथा सांद्रण शामिल हैं ।

## सूची-- 2

## सीमित सीलिंग के मद्दे नियात के लिए अनुमित सब्स

क्रम सं.	सद का विवरण
1.	निम्नलिखित रसायन :-- (1) ब्यूटिल अल्कोहल (2) कैल्शियम कारबाइड (3) अघुलनशील गन्धक
2.	बिनोले की एक्सपेलर खली
3.	पेसो हुई हड्डियां
4.	निम्नलिखित अनाज और आटा :- (1) गैर वासमनी चावल (2) गेहूं (3) गेहूं उत्पाद अर्थात् रवा, परिणामो आटा और गेहूं की भूसी (4) मैदा, सूजी और होलमील आटा (95 प्रतिशत निस्सारण तक का गेहूं का आटा) (5) जौ (6) मक्का (7) बाजरा (8) ज्वार (9) रागी
5.	मोर की पूंछ से विनिर्मित हस्तशिल्प की वस्तुएं।
6.	हार्ड परफॉर्मस स्टेपल फाइबर
7.	हाइड्रोजनीकृत तेल (वनस्पति घी)
8.	आयोडीनकृत नमक (मात्र उपभोग के लिए)
9.	जैंगरी (गुड़)
10.	खाण्डसारी चीनी
11.	जोवित भेड़ और बकरी (व्यस्क)
12.	(1) पारक्यूपाइन त्रिवल्स। (2) शैड एन्टलर्म (चीतल और सांभर के)
13.	निम्नलिखित खनिज अस्क और सॉन्ड्रज :- (1) 4.5% से 7.5% के बीच प्रिक्का तत्व वाले मैग्नेसाइट (2) रसायनिक दृष्टि से संसाधित मैग्नीज डाई-आक्साइड का छोड़कर मैग्नीज अस्क।

(3) सेफायर्स और खूबोम से निम्न कोरण्डम
14. नायलन फिलामेंट यार्न
15. निम्नलिखित आर्चिड (भाग 'क' के अन्तर्गत आने वाली श्रेणियों से भिन्न) :- (1) डेंड्रोबियम (2) ग्लियोन (3) कैलेंथो (4) सिम्बोडियम (5) कोयलोजीन (6) एराइडस (7) साइप्रिपोडियम (8) बलबोफिलम (9) रिहिनोस्टिलिस (10) एनोसिटोचिलिस (11) फेजस (12) फालोनोसिज (13) इरिया (14) एस्कोसैट्रन
टिप्पणी :- मुख्य जंगली जीव वार्डन से संबंध में प्रमाणपत्र आवश्यक होगा कि आर्चिड उपजाए हुए हैं, उनकी उत्पत्ति के बारे में पोत लदान-पूर्व निरीक्षण पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के प्रतिनिधियों द्वारा किया गया है।
16. पालमिया शूगर कैंडी
17. पोलियस्टर फिलामेंट यार्न (सभी प्रकार के)
18. शुद्ध दुध का घी
19. पाइरोफिलाइट
20. रेयन फिलामेंट यार्न
21. अंगोरा बकरी के बाल या मोहेयर का छोड़कर 36 एस "क्वालिटी" तक कच्चा ऊन (देशीय)
22. सफलावर सीड (कर्दी सीड)
23. विस्कोस स्टेपल फाइबर स्पन यार्न
24. गेहूं पुरान (भूसा)
25. आयातित ऊन से बने बूल टाप



## सूची-3

वे मर्चें जिनका निर्यात निर्धारित शर्तों के अनुसार खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन अनुमित है :—

क्रम संख्या मर्चों का ब्यौरा

1. (1) फायर आर्म और गोलाबारूद उदाहरणार्थ मजल लोडिंग हथियार और ब्रीच लोडिंग या बैल्ट एक्शन हथियार जैसे शाटगन, रिवाल्वर, पिस्तोल और उनके गोला बारूद ।
- (2) पुराने हथियारों की प्रतिकृतियां ।
2. (1) वृक्षों, सजावटी झाड़ियों के पौधे, फूलों और ग्लोरिआ सुपर्वी (लिलिएसि) के सभी बीज ।
- (2) प्याज के बीजों को छोड़कर अन्य सब्जियों के बीज ।
3. बासमती चावल ।
4. काली मिर्च (अस्ता क्वालिटी एम.जी.-1) ।
5. उबले कोकून (अपशिष्ट रेशम की एक किस्म) ।
6. भैंस के छिछड़े ।
7. कार्बनीकृत लिग्नाइट ब्रिक्लेट्स (एल.ई.सी.ओ.) ।
8. केस्टर आयल (केवल सामान्य मुद्रा क्षेत्र के लिए) ।
9. आयातित बल्क ड्रम्स (क्लोरोक्वीन फास्फेट और क्लोरोक्वीन सल्फेट) से विनिर्मित क्लोरोक्वीन फास्फेट और क्लोरोक्वीन सल्फेट फार्मुलेशन ।
10. सिकोना निदेशक, तामिलनाडु/प. बंगाल द्वारा यथा प्रमाणित क्यूनीन तथा क्यूनीडाइन और उसके लवणों से निस्सारित सिकोना मिश्रित अल्कालाइड्स और सिकोना लवण ।
- (2) क्यूनीडाइन सल्फेट ।
- (3) क्यूनीन और क्यूनीन उत्पाद ।
11. नारियल जटा तथा नारियल जटा उत्पाद ।
12. टायर कोर्ड यार्न सहित काटन यार्न ।
13. तेल रहित मृगफली की खली ।
14. तल रहित चावल की भूसी (चावल की भूसी का निस्सारण)
15. फैब्रिक तथा मंडे अप्स जो कोटा प्रतिबंध के अंतर्गत न आते हों ।
16. निम्नलिखित फैरो अलाय :
  - (1) फैरो मैंगनीज स्लेग की सभी श्रेणियां
  - (2) फैरो मैंगनीज (उस फैरो मैंगनीज को छोड़कर जिसमें कार्बन की मात्रा 0.05% से कम हो)
  - (3) सिलिको मैंगनीज (फैरो सिलिको मैंगनीज) की सभी श्रेणियां
  - (4) फैरो क्रोम/चार्ज क्रोम जिसमें कार्बन की मात्रा 0.03% से कम हो तथा फैरो क्रोम/चार्ज कोमियम वाला नाइट्रोजन हो ।

(5) सिलिको क्रोम (फैरो सिलिको क्रोमियम) की सभी श्रेणियां ।

17. ताप अभिस्राधित बर्जीनिया तम्बाकू, धूप अभिस्राधित बर्जीनिया तम्बाकू, नाटू (देशी) तम्बाकू तथा धूप अभिस्राधित जूटी तम्बाकू ।
18. कोटा प्रतिबंध के अंतर्गत न आने वाले गार्मेंट्स तथा निटवियर ।
19. सोने के आभूषण तथा वस्तुएं ।
20. हाथ से गांठ लगाकर बुने हुए ऊनी कालीन ।
21. एच.पी.एस. मृगफली (छिचके और गिरी दोनों में) ।
22. (1) निम्नलिखित कास्ट आयरन पाइप और फिटिंग को छोड़कर लौह तथा इस्पात ।  
एकीकृत इस्पात संपंत्रों, मिश्र इस्पात संयंत्रों, छोटे इस्पात संयंत्रों, सेंकेडरी प्रोड्यूसरों तथा रि-रोलरों द्वारा निर्मित इस्पात ।
- (2) अग्रिम लाइसेंस के अंतर्गत आयातित कच्चे माल से निर्मित जस्ताकृत शीट्स ।
- (3) आयातित बिल्लेट्स से निर्मित राइड्स तथा बार्स ।
- (4) लाइट रेल (20 कि.ग्रा. या कम) ।
23. (1) गोवा मूल का लौह अथवा अन्य उसका निर्यात जापान, दक्षिणी कोरिया, ताइवान, और पश्चिमी यूरोप को किया जाए ।
- (2) लैटराइट ।
24. जूट कार्पेट बैकिंग क्लाय ।
25. निटवियर (एकेलिक तथा मिश्रित) ।
26. लैम्ब फर स्किन ।
27. निम्नलिखित मानव निर्मित फाइबर तथा यार्न
  - (क) एकेलिक हैंड/मशीन निटिंग यार्न
  - (ख) 600 डेनियर और उससे अधिक के रेयन टायर यार्न
  - (ग) सभी डेनियर के रेयन टायर कोर्ड
  - (घ) रेयन टायर फैब्रिक
  - (ङ) स्पन यार्न जिसमें सिंथेटिक फाइबर की मात्रा 50% या उससे अधिक हो ।
28. निम्नलिखित समुद्री उत्पाद :—
  - (1) सूखे तथा गीले नमकीन मछली उत्पाद,
  - (क) सूखे नमक लगे तथा बिना नमक लगी मछली

- (ख) सूखी नमक लगी तथा बिना नमक लगी झींगा मछली।
- (ग) गीली नमक लगी मछली
- (घ) मछली/झींगा का अचार
- (ङ) मछली का जवड़ा
- (च) शार्कफिन्स
- (छ) मछली का तेल
- (ज) 2 इंच और उससे अधिक साइज की बीचडी-मर।
- (झ) सूखी मछली
- (ञ) सूखी नमक लगी तथा बिना नमक लगी बोम्बे डक्स
- (2) ताजे जीवित, जवड़ा हुआ तथा डिमाई बॉयल :-
- (क) पोमफ्रेट को छोड़कर ताजी मछली।
- (ख) जीवित लोबेस्टर शैल मछली तथा मछली।
- (ग) पोमफ्रेट और प्रान को छोड़कर जमाई हुई मछली।
- (घ) फ्रोजन लोबेस्टर टेल्स क्रेब्स।
- (ङ) फ्रोजन कनेम्स, ओएस्टर आदि
- (च) डिब्बा बंद फिश, प्रान्स, क्रेब्स, कनेम्स मुसलस आदि।
- (छ) फ्रेश/फ्रोजन प्रान्स।
- (3) अन्य विविध समुद्री खाद्य उत्पाद :-
- (क) अणुर-अणुर
- (ख) मछली के अंडे
- (ग) पौधों तथा लाइव राक्स सहित एक्वेरियम सहित एक्वेरियम फिश।
- (घ) कटल फिश बोनस।
- (4) अन्य समुद्री उत्पाद
- (5) भारत के पश्चिमी तट से 300 ग्राम और उससे अधिक की तथा भारत के पूर्वी तट से 200 ग्राम और उससे अधिक वजन की ताजी तथा जमायी हुई सिल्वर पोम्प्रेट
- (6) मछली का चूर्ण जिसमें प्रोटीन की मात्रा 50% या उससे अधिक हो।
29. (1) दिल जिगर, फेफड़े, मगज, जीभ, गुर्दे और अन्य अंगों सहित भैंस (नर और मादा दोनों) का मांस।
- (2) दिल, जिगर, फेफड़े, मगज, जीभ, गुर्दे और अन्य अंगों सहित भारतीय भेड़ का मांस।
- (3) दिल, जिगर, फेफड़े, मगज, जीभ, गुर्दे और अन्य अंगों सहित भारतीय बकरी का मांस।
30. धातुकमोच अवशेष अर्थात् ड्राइसिंग, स्किमिंग स्लेग, एश प्लिम्स और फ्ल्यू डस्टर (सोने और चांदी को छोड़कर) जिसमें फी धातु की मात्रा 15% से कम हो।
31. उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 की अनुसूची-1 भाग "क" और 1(च) में निर्दिष्ट माइक्रोन्यूट्रिएंट उर्वरक तथा उनके मिश्रण।
32. मलबरी एक्स डैयूपियन फैब्रिक (100% प्राकृतिक रेशम)
33. धातु की स्कैप, लोह स्कैप से भिन्न, जिसमें 0.50% से अधिक निकल या 0.20% से अधिक मोलिब्डेनम या

1.00% से अधिक टंगस्टन या 0.20% से अधिक बेनेडियम या 1.00% से अधिक कोबाल्ट की मात्रा हो और मिल स्कैप :

- (1) निकल कैडमियम बैटरी स्कैप
- (2) निकल स्कैप जिसमें निकल पैलेट्स शामिल नहीं हैं
- (3) प्लेटिनम स्कैप

#### 34. निम्नलिखित पौधों के भाग :-

पौधे	निर्यात के लिए अनुमित पौधे के अंग
1. अरुनाचलारिया ज्यूनासरनेसिया	सम्पूर्ण पौधा
2. बेंदिकिया कोडापन्ना बेरी	सम्पूर्ण पौधा
3. डलबरजिन लटिडोरिया रोकस	बीज
4. डिओसकोरिया प्रोजेरी प्रेनेट	ट्यूबर
5. र्थाथासा गगनटी (वाल एक्सट्रुक्)	सम्पूर्ण पौधा
6. लावाटेरा कश्मीरियन गैम्ब	फल/बीज
7. मंगोलिया पेट्रोकार्पा रोकस	बीज
8. पैराक्यूलेजिया ग्रेडिफ्लोरा श्री.आर. डूम और हर्टेचिसन	समूह जड़/बीज
9. पिनांगा ग्रेसिलिस बी एल	सम्पूर्ण पौधा
10. पिनस जिरारदियाना वाल	बीज
11. पोपूलस गैमबेलीडोड	कटिंग बीज
12. पेट्रोकार्पा डबलरजिओडस राक्स	बीज
13. रोबोल्फा केनेसम	जड़ और बीज
14. सत्यालम एनबम	बीज
(ख) वनस्पति पौधे	
(1) साईकम बंडडोलो डाईयर	पौधे
(2) डिमचिडिया रेकलिगाना आर.बी.आर.	सम्पूर्ण

टिप्पणी : लेकिन उपर्युक्त विनियमों में ढील दी गई है और फर्मा को मुख्य वन संरक्षक या मुख्य वन्य जीव वार्डन या उनके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी से इस आशय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर कि सामग्री पादप या तसरी मूल की है, निर्यात करने की अनुमति है।

35. अग्रिम लाइसेंसिंग स्कीम/पास बुक के अग्रोन या अनुमोदित 100% निर्यात अभिमुख यूनिट द्वारा आयातित दालों से तैयार की गई संसाधित दालें।
- केवल अग्रिम लाइसेंस स्कीम/पास बुक के तहत या शत प्रतिशत निर्यात अभिमुख अनुमोदित यूनिट द्वारा आयातित दालों से बनी संसाधित दालें
36. सेलियम सीड/सेलियम हल्क/सेलियम पाउडर
37. कच्ची कपास :
- (1) बंगाल देशी
  - (2) असम कोमिल्ला
  - (3) स्टेपल काटन
  - (4) आग/पानी के कारण क्षतिग्रस्त हुई बदरंग काटन
  - (5) जोड़ों एंड स्क्विपिंग

- (6) येलो पिकिंगम  
(7) अन्य
38. तिल के बीज
39. शोडि यार्न
40. रेशमी कालीन को छोड़कर मिल्क को वस्तुएं ।
41. (1) आयात-निर्यात नीति 1988-89 (खंड 1) के पैर 297 (2) में उल्लिखित चांदी के जेवरान और चांदी की वस्तुएं ।  
(2) चांदी के जेवरान जिसमें चांदी का मात्रा भार में 50% से कम हो ।
42. वर्गीकृत मब्जी के रूप में 20 कि.ग्रा. तक छोटी प्याज
43. नर्म कपास की रद्दी/मख्त कपास की रद्दी ।
44. घुलनशील निस्सारित बिनाले की खली (छिलके रहित तथा छिलके सहित)
45. (1) भाग 'क' या 'ख' में उल्लिखित को छोड़कर अन्य घुलन-शील निस्सारित आयल मिला  
(2) एनिमल/पोल्टी फूड कम्पाउण्ड  
(3) ग्राम की गूठनी का तेल तथा  
(4) माल के बीजक, तेल
46. मोयाबीन निस्सारण
47. निम्नलिखित कपड़ा :  
(1) भारत-आस्ट्रिया समझौता जापान के अंतर्गत आस्ट्रिया को कतिपय सूती तथा मिश्रित कपड़ा उत्पादों का निर्यात ।  
(2) भारत कनाडा समझौता जापान के अंतर्गत कनाडा को सूती, ऊनी तथा मानव निर्मित फाइबर तथा उनके मिश्रणों के कतिपय कपड़ा उत्पादों का निर्यात ।  
(3) भारत-यूरोपीय आर्थिक समुदाय कपड़ा अनुबंध के अंतर्गत यूरोपीय आर्थिक समुदाय के सदस्य देशों की सूती, ऊनी तथा मानव निर्मित फाइबर (जूट, सिल्क तथा फ्लेक्स को छोड़कर) से निर्मित काड़ा तथा काड़ा उत्पादों का निर्यात ।
- (4) भारत फिनलैंड समझौता जापान के अंतर्गत फिनलैंड को सूती तथा मानव निर्मित फाइबर के कपड़ा उत्पादों का निर्यात ।
- (5) भारत और नार्वे के बीच हुए अनुबंध के अंतर्गत नार्वे को सूती, ऊनी तथा मानव निर्मित फाइबर या उनके मिश्रण से निर्मित कतिपय कपड़ा तथा कपड़ा उत्पादों का निर्यात ।
- (6) इंडो-स्वीडिश कपड़ा समझौते के अंतर्गत कपास, ऊन तथा मानव निर्मित रेशों या उनके मिश्रणों से बने कुछ कपड़ा उत्पादों का निर्यात ।
- (7) भारत-अमरीका कपड़ा अनुबंध के अंतर्गत अमरीका को सूती ऊनी, मानव निर्मित फाइबर, सिल्क फाइबर तथा वनस्पति फाइबर से निर्मित कपड़ों का निर्यात ।
- (8) हरकरचे पर बने असली मद्रासी रुमाल (आर.एम.एच) का निर्यात ।
- (9) चटकोले हरे रंग का कपड़ा तथा उससे बनी वस्तुएं इसमें शुद्ध रेशम तथा नकली रेशम फाइबर तथा उससे बनी वस्तुएं (होजरो सहित) शामिल नहीं हैं ।
48. निम्नलिखित लकड़ी तथा इमारती लकड़ी :—  
(1) डस्ट, चिप्स, प्लेक्स तथा पाउडर के रूप में चंदन की लकड़ी ।  
(2) रेड सेंडर्स बुड को छोड़कर सभी किस्म की संसाधित इमारती लकड़ी ।  
(3) चंदन की लकड़ी से बनी हस्तशिल्प की वस्तुएं ।
49. मगीन से निर्मित चंदन की लकड़ी के निम्नलिखित उत्पाद :—  
(1) विजिटिंग कार्ड  
(2) महिला दस्तो पंखों के ब्लेड  
(3) घड़ा के बाहरी खोल तथा डायल  
(4) इसी तरह के कोई भी अन्य उत्पाद जो उपर्युक्त विशिष्टियों तथा मूल्यवर्धन मानदंडों को पूरा करते हों ।



## सूची 4

विशिष्टीकृत एजेन्सियों के माध्यम से सारणीबद्ध की जाने वाली निर्यात मदें।

क्रम सं०	मदों का ब्योरा	
1.	अरण्डी का तेल जब उसका निर्यात रूप में भुगतान क्षेत्र को किया जाए।	(5) द्विधातु अयस्क (ब्लैक लोह अयस्क) गोवा मूल के जिनमें मैंगनीज की मात्रा 3% से 10% हो
2.	निम्नलिखित रसायन : (1) बेंजिन (2) पोलिथीलीन (एल. डी.) (3) पैराफिन वैकम टाइप 3	(6) क्रोम अयस्क तथा सांद्रण निम्नानुसार (i) क्रोम अयस्क लम्पम सी आर <sub>9</sub> ओ <sub>3</sub> सहित 38% से अधिक नहीं। (ii) लो सिलिका फाईएबल/श्रेष्ठ अयस्क जिनमें सी आर <sub>9</sub> ओ <sub>3</sub> की मात्रा 52% से अधिक नहीं तथा मिनिका 4% से अधिक हो
3.	कोयला तथा लकड़ी का कोयला	(7) मैंगनीज अयस्क जिनमें निम्नलिखित शामिल नहीं है : (क) रासायनिक रूप से संसाधित मैंगनीज डाई आक्साइड (ख) लम्बी /बैंडिड मैंगनीज अयस्क जिनमें 46% से अधिक मैंगनीज हो
4.	कलर टी.वी. पिक्चर ट्यूबों सहित कलर पिक्चर ट्यूबों तथा कलर टी.वी. के उप-संयोजक	(8) कोलमाईन्ड बोक्साइट को छोड़कर सभी ग्रेड की बोक्साइट
5.	एथिल एल्कोहल या किसी प्रमाणित डिग्री की रेक्टिफाइड स्प्रिट चाहे वह डिस्टिलेड हो या नहीं।	(9) कुद्रेमुख लोह अयस्क कम्पनी लिमिटेड द्वारा उत्पादित 40% या उससे कम एफ ई, मात्रा वाली निम्न श्रेणी के अयस्क के परिष्करण और/या सांद्रण द्वारा तैयार किए गए लोह अयस्क सांद्रण
6.	(1) कम बजट की (अधिकतम 20 लाख रुपये की लागत से बनी) फीचर फिल्मों को छोड़कर भारतीय फीचर फिल्मों के वीडियो रेडिओ की विक्री सहित प्रदर्शित सिनेमाये ग्राफिक फिल्में (2) वीडियो टेप वाली सिनेमा फिल्में ('कैसट' सहित)	(10) कुद्रेमुख लोह अयस्क कम्पनी लिमिटेड द्वारा उत्पादित सांद्रणों में से उसके द्वारा निर्मित लोह अयस्क पैलेट्स
7.	गम कराया	(11) मीरा
8.	खांडसारी सीरा	(12) राम तिल
9.	मिल स्केल स्ट्रैप	(13) प्याज
10.	निम्नलिखित खनिज अयस्क और सांद्रण :— (1) थोरियम अयस्क तथा उसके सांद्रण (2) कुछ अन्य खनिज, जिनमें आवश्यक अवयवों के रूप में निम्नलिखित पदार्थ अन्तर्विष्ट हों : (क) कालमबाईट (ख) मोनाजाइट (ग) सेमरसकाईट (घ) यूरेनीफेरम एलामाईट (1) रेडियम अयस्क तथा सांद्रण (2) थोरियम अयस्क तथा सांद्रण (3) यूरेनियम अयस्क तथा सांद्रण (4) तांबा या सोना निकाले जाने के पश्चात् अयस्क के शेष रहे यूरेनियम धारित अवशेष (5) जिरकोन अयस्क तथा सांद्रण (जिरकोन पत्थर को अर्थ बहुमूल्य किस्म सहित) (3) इंडियन रेयर अर्थ खनिज तथा धातु लिमिटेड तथा केरल खनिज एवं धातु लिमिटेड द्वारा उत्पादित ग्रेन्यूलर मिलिमेनाइट (4) लोह अयस्क गोवा मूल के लोह अयस्क को छोड़कर जब इसका निर्यात जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान और पश्चिमी यूरोप को किया जाना है।	(14) (i) लुब्रिकेंट्स ग्रीज तथा कूड आयल सहित सभी पेट्रोलियम उत्पाद। (ii) भारतीय मूल के लूब्रीकेटिंग आयल और ग्रीम। (15) (i) संसाधित अभ्रक जिसमें अभ्रक ब्लाक, अभ्रक फिल्में तथा सभी श्रेणी तथा किस्म की स्पलिटिंग शामिल है पर निर्मित तथा फैब्रिकेटेड अभ्रक शामिल नहीं है। (ii) अभ्रक की रद्दी (फैक्ट्री कटिंग्स सहित और कतरन जा अभ्रक के संसाधन द्वारा प्राप्त की जाती है और जो आकार और रंग के कारण संसाधित अभ्रक के विशिष्टकरण से तीसरी ममशी जानी है।) (16) रेलवे वैगन, यात्री डिब्बे तथा रेल के इंजन (17) कच्चा जूट, सेन्ता तथा जूट कटिंग इनमें केडिस शामिल नहीं है। (18) चीनी

## अनुसूची 2

## लाइसेंस देने के लिए सक्षम अधिकारी

- |   |   |
|---|---|
| <ol style="list-style-type: none"> <li>1. मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात</li> <li>2. अपर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात</li> <li>3. निर्यात आयुक्त</li> <li>4. संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात</li> <li>5. उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात</li> <li>6. सहायक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात</li> <li>7. नियंत्रक, आयात-निर्यात '</li> <li>8. सीमा-शुल्क समाहर्ता</li> <li>9. अधीक्षक/सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय आबकारी</li> </ol> | <ol style="list-style-type: none"> <li>10. उप-विकास आयुक्त (आयात तथा निर्यात), सान्ताक्रुज, इलेक्ट्रोनिक्स निर्यात संसाधन क्षेत्र, बम्बई।</li> <li>11. सहायक विकास आयुक्त (आयात-निर्यात), सान्ताक्रुज, इलेक्ट्रोनिक्स निर्यात संसाधन क्षेत्र, बम्बई।</li> <li>12. उप-विकास आयुक्त, फालटा निर्यात संसाधन क्षेत्र, फालटा, पं. बंगाल।</li> <li>13. उप-विकास आयुक्त, मद्रास निर्यात संसाधन क्षेत्र, मद्रास।</li> <li>14. संयुक्त विकास आयुक्त/उप-विकास आयुक्त, नोएडा निर्यात संसाधन क्षेत्र, नोएडा, (न्यू ओखला इंडस्ट्रियल डिवलपमेंट एरिया) उत्तर प्रदेश।</li> <li>15. उप-विकास आयुक्त, कोचीन निर्यात संसाधन क्षेत्र, कोचीन, केरल।</li> </ol> |
|---|---|

**अनुसूची-3****खुला सामान्य लाइसेंस****खुला सामान्य लाइसेंस सं. 1**

कोई भी व्यक्ति भारत के निकटवर्ती किसी भी देश को जिसका स्वयं का कोई भी समुद्री मार्ग नहीं है सड़क द्वारा निम्नलिखित मर्दों का निर्यात कर सकता है बशर्ते कि वे वस्तुएं उस देश में उपयोग के लिए प्रयोग में लाई जाएं।

अनुसूची 1 में शामिल किया गया कोई भी माल जो कि पारगमन या नायात को नियमित करने के लिए निर्धारित क्रियाविधि के अंतर्गत भेजा गया है।



## अनुसूची-3 (जारी)

## खुला सामान्य लाइसेंस 2

कोई भी व्यक्ति किसी भी देश को निम्नलिखित वास्तविक नमूने नियमित कर सकता है, इसमें वह देश शामिल नहीं है जिसको थोड़े समय के लिए किसी भी लागू कानून द्वारा नियमित प्रतिबन्धित है, अर्थात्:

क्रम सं.	मद	अनुसूची की मद संख्या
1	2	3

निम्नलिखित वास्तविक नमूने :—

- लोह अयस्क के नमूने जो एक समय में 30 मीट्रिक टन से अधिक न हो बशर्त कि माल परेषण निम्नलिखित सक्षम प्राधिकारी द्वारा इस संबंध में जारी किए गए एक प्रमाण पत्र में शामिल हो कि लोह अयस्क को मात्रा (जुमति के साथ) प्रयोगात्मक प्रयोजन के लिए आवश्यक है और यह कि वह मात्रा उन विशेष प्रयोजन के लिए अतिरिक्त मूल्य मात्रा है:

- (1) प्रभागीय प्रबन्धक (विक्रय), खनिज तथा धातु व्यापार निगम, नई दिल्ली, केवल गोवा से भिन्न किसी भी अन्य क्षेत्र के लिए।
- (2) लोह अयस्क मलाहकार, गोवा, गोवा के लोह अयस्क के लिए।
- (3) उप-सचिव खनिज विभाग, नई दिल्ली पूर्वोक्त मद सं. (1) तथा (2) के अन्तर्गत न आने वाले परेषणों के लिए।

2267(2)

कुट्टेमुख आयरन और कं. लि. द्वारा उत्पादित 40 प्रतिशत या इससे कम एफ.ई. की मात्रा वाले निम्नश्रेणी के अयस्क के परिष्करण और/या धनीकरण द्वारा तैयार किए गए लोह अयस्क सान्द्रण के सम्प्लस जो एक समय में 30 मी. टन से अधिक न हो, का निर्यात खनिज तथा धातु व्यापार निगम से प्रमाण-पत्र प्राप्त किए बिना ही कुट्टेमुख आयरन और कम्पनी लि. द्वारा स्वयं किया जा सकता है।

2. लकड़ी के फर्नीचर का प्रत्येक पंजीकृत निर्यातक लकड़ी के फर्नीचर के नमूने नियमित कर सकता है परन्तु एक परेषण के संबंध में यह सीमा 10,000 रुपये से अधिक न हो।

3. प्रति परेषण 3,000 रुपये मूल्य तक के पाठ्य पुस्तकों और अन्य पुस्तकों के नमूने।

4. निर्यात परेषण के जहाज परन्तु निःशुल्क मूल्य के 10 प्रतिशत तक औषध सूत्रीकरण के नमूने जब वे स्वयं परेषण के साथ ही निर्यात किए जाते हैं। ऐसे नमूनों की पैकिंग पर स्थायी तौर पर "चिकित्सक का नमूना है बिक्री के लिए नहीं है।" मार्किंग का स्पष्ट रूप से संकेत होना चाहिए।

औषध सूत्रीकरण के नमूने जो कि चिकित्सक के नमूने हों तथा बिक्री के लिए न हो तथा उनके साथ निर्यात परेषण न होता हो उनके लिए प्रत्येक परेषण 25,000 रुपये से अधिक न हो।

5. एग्री कैमिकल्स के नमूने के संबंध में मूल्य प्रति परेषण 50,000 रुपये से अधिक न हो।

6. इस आदेश की अनुसूची-1 के भाग 'क' की मदों के नमूने तथा गुण-दोष के आधार पर निर्यात के लिए अनुमेय मदें तथा निर्यात नीति 1990-93 (खण्ड 2) के भाग ख की सूची-2 में आने वाली सीलिंग मदों का निर्यात अनुमेय नहीं होगा।

मरणीय अतिक्रमण खुले सामान्य लाइसेंस में उल्लिखित मदों के मूल्य प्रतिबंधों के बिना नमूनों का निर्यात कर सकते हैं।

7. अन्य नियंत्रित मदों के नमूनों के संबंध में प्रति परेषण मूल्य 10,000 रुपये से अधिक नहीं होगा।

8. विनियंत्रित मदों के नमूने बिना किसी मूल्य सीमा के अनुमेय हैं।

9. प्रतिष्ठानों के द्विपक्षीय समझौतों/ज्ञापनों के अधीन वस्तु मदों के नमूने बिना किसी मूल्य सीमा के अनुमेय हैं।

10. यदि कोई निर्यातक ऊपर निर्धारित अनुमेय सीमा से अधिक मूल्य के लिए मदों का निर्यात करने का हस्तुक है या निर्यात नीति के भाग ख सूची I और II में सूचीबद्ध किसी मद का निर्यात करना चाहता है तो उसे मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में निर्यात लाइसेंसिंग समिति से सम्पर्क करना चाहिए।

## अनुसूची 3 (जारी)

## खुला सामान्य लाइसेंस 3

वे मदे जिनके निर्यात की अनुमति खुले सामान्य लाइसेंस के तहत निर्धारित शर्तों के अधीन है

क्रम सं.	मद	अनुसूची I के भाग की सूची 3 के अनु-सार क्रम संख्या	पूरी की जाने वाली शर्तें प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज
1	2	3	4
1. (i)	अस्त्र तथा गोलाबारूद अर्थात् मज्जल लोडिंग हथियार तथा क्रीच लोडिंग या बोल्ट एक्शन हथियार जैसे शॉट गन, राइफल, रिवाल्वर, पिस्तौल तथा उनकी गोला-बारूद	ख. (1)	निम्नलिखित की प्रस्तुति पर निर्यात अनुमित किया जाएगा :— (क) अग्नेयस्त्र अधिनियम तथा नियमों के अन्तर्गत उपयुक्त लाइसेंस (ख) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण से इस अग्नेय का प्रमाण-पत्र कि निर्यात किए जाने वाले अग्नेयस्त्र पुरावगेष और/या दुर्गम तमूनों के नहीं हैं :  यह प्रमाण-पत्र भारत में 1956 के बाद विनिर्मित बारूद तथा अग्नेयस्त्रों के लिए जरूरी नहीं होगा। इन मामलों में निर्यातक द्वारा स्थानीय लाइसेंसिंग प्राधिकारी ने इस आशय का प्रमाण पत्र प्राप्त करने पर कि अग्नेयस्त्रों का निर्माण भारत में ही 1956 के बाद किया गया है, अनुमित किया जाएगा। (ग) निर्यात किए जाने वाले अग्नेयस्त्रों पर उपयुक्त शिनाख्त निशान तथा प्रूफ टेस्ट निर्दिष्ट होना चाहिए।
	(ii) प्राचीन हथियारों की प्रतिकृति	ख. 1 (ii)	जिला मैजिस्ट्रेट, जिलाधीश या पुलिस आयुक्त जिसके क्षेत्राधिकार में प्रतिकृतियों का निर्माण किया जाता है, से इस आशय का निर्धारित प्रपत्र में प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर निर्यात की अनुमति दी जाएगी कि प्रतिकृतियाँ अग्नेयस्त्र के रूप में हानि रहित हैं तथा निरोक्षण निदेशक, रक्षा उत्पादन विभाग द्वारा प्रतिकृतियों के निरोक्षित तमूने के अनुरूप हैं। साथ-साथ आवेदनपत्र को एक प्रति (1) जिला मैजिस्ट्रेट और (2) पुलिस अधीक्षक, को भेजी जाएगी जिसके क्षेत्राधिकार में निर्यात का प्रत्याशित स्थान स्थित है।
2. (i)	पेड़ों, हैजिस सजावट पौधों वनस्पतियों, फूलों और ग्लोरिया सुपर्वों (लिलियासिया) सभी के बीज।	ख. 2 (1)	निर्यात की अनुमति राज्य सरकार के बीज प्रमाणन अभिकरण सम्बंध विभाग से इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर दी जाएगी कि निर्यात किए जाने वाले बीज जंगली किस्म के नहीं हैं और बीज मूल तथा प्रजनक भी नहीं हैं।
	(ii) व्याज के बीज के अलावा वनस्पतियों के बीज।	ख. 2 (ii)	निर्यात की अनुमति निम्नलिखित की प्रस्तुति पर दी जाएगी :— (i) गुण नियंत्रण प्रमाणपत्र तथा (ii) राज्य बीज निगम सहित मान्यताप्राप्त राज्य प्रमाणन एजेंसी से प्रमाणपत्र कि निर्यात किए जाने वाले बीज फाउन्डेशन और ब्रोडर बीज नहीं हैं।
3.	चावल बासमती	ख. 3	केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित किए गए न्यूनतम निर्यात मूल्य के आधार पर निर्यात की अनुमति दी जाएगी।
4.	काली मिर्च (आस्ता क्वालिटी एमबी-बी 1)	ख. 4	निर्यात इस शर्त के अधीन अनुमित किया जाता है कि न्यूनतम जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य प्रति मीट्रिक टन 19,000 रु० हो। निर्यात परेषण या निर्यात परेषण ले जाने वाले पोत में किसी फ्यूमीजेंट जिसमें एथीलीन डिब्रोमाइड (ई डी बी) शामिल हो, के प्रयोग की अनुमति नहीं दी जाएगी।
5.	बायल्ड कोकून (अपशिष्ट रेशम की एक किस्म)	ख. 5	निर्यात की अनुमति केन्द्रीय रेशम बोर्ड द्वारा पोतलदान पूर्व निरोक्षण करने तथा सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित किए गए न्यूनतम निर्यात मूल्य के अनुसार दी जाएगी।

1	2	3	4
6. भैंस का मांस	ख. 6	निर्यात की अनुमति निम्नलिखित शर्तों के अनुसार दी जाएगी :— (1) मनोनीत पशु चिकित्सा प्राधिकारियों से इस आशय का प्रमाण-पत्र कि मांस प्रजनन के लिए प्रयुक्त तथा दुधारू भैंसों से भिन्न भैंसों का है। (2) राज्य पशु-पालन निदेशालय के कार्यालय या इस आशय के लिए उनके स्थान पर प्राधिकृत किसी अन्य पशु चिकित्सक द्वारा इस संबंध में जारी किए गए लदान-पूर्व निरीक्षण प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर दी जाएगी कि :— (क) लाइसेंस प्राप्त परिमर में और निश्चित प्रक्रिया के अनुसार एंटीमार्टम और पोस्टमार्टम निरीक्षण की शर्तों के अधीन बंध किए गए स्वस्थ पशु से मांस प्राप्त किया गया है, (ख) आफ़लस को स्वास्थ्यकर शर्तों के अधीन तैयार किया गया है और वह पोषित तथा मानव उपभोग के लिए उपयुक्त है। (ग) आफ़लस परजीवी जन्तुबाधा से मुक्त है। (3) आफ़लस पैयोजिनिक माइक्रो आर. टी. निष्क्रम से विमुक्त है। (4) आफ़लस निम्नलिखित जीवाणु मात्रा विशिष्टीकरणों के अनुकूल होगा :— (1) एक से दस मिलियन प्रति ग्राम की सीमा के अंतर्गत कुल बैक्टीरियल काउंट। (2) ई. कोलि बैक्टीरियल काउंट 100 से 1000 प्रति ग्राम की सीमा के अंतर्गत होगा। (3) पूर्ण रूप से पकाए गए डिब्बाबन्द आफ़लस उत्पादों के परीक्षणों के मामले में निरीक्षण उप-परीक्षा (2) के अनुसार विपणन निदेशालय द्वारा निर्धारित शुल्क के भुगतान करने पर निरीक्षण निदेशालय, भारत सरकार द्वारा किया जाएगा। उपर्युक्त शर्तों के अधीन बम्बई, दिल्ली, मंगलोर, कोचीन और मद्रास से बकैरो आफ़लस के निर्यात की अनुमति दी जाएगी। कोचीन और मद्रास के सभी निर्यातों का निरीक्षण क्रमशः निर्यात निरीक्षण एजेंसी कोचीन और मद्रास द्वारा किया जाएगा।	
7. कार्बोनीकृत लिग्नाइट ब्रिकेट्स (एन. ई. सी. ओ.)	ख. 7	कोयला निर्यातक, 1, काउन्सिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता द्वारा किए गए आर्बंटन के मद्दे निर्यात केवल कलकत्ता, मद्रास एवं शिलांग से ही अनुमेष होगा।	
8. अरण्डी का तेल	ख. 8	निर्यात केवल सामान्य मुद्रा क्षेत्र के लिए ही अनुमेष है।	
9. आयातित ब्लक बग्स में से विनिर्मित क्लोरोक्विन फ़ास्फ़ेट और क्लोरोक्विन सल्फ़ेट में फ़ार्मूलेशन क्लोरोक्विन फ़ास्फ़ेट और क्लोरोक्विन सल्फ़ेट।	ख. 9	निर्यात की अनुमति लाइसेंस में उल्लिखित जहाज पर्यन्त निशुल्क मूल्य की सीमा तक के लिए अग्रिम लाइसेंस के अंतर्गत थोक में क्लोरोक्विन फ़ास्फ़ेट के आयात के मद्दे दी जाएगी।	
10. (1) सिनकोना निदेशालय तमिलनाडु/पश्चिम बंगाल द्वारा यथाप्रमाणित कुनैन और क्विनीडाइन तथा उनके साल्ट निकाले हुए मिश्रित एल्कलाइड और सिनकोना साल्ट।	ख. 10(1)	सिनकोना निदेशालय, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, जैसा भी मामला हो, से प्राप्त प्रमाण-पत्र के मद्दे निर्यात की अनुमति दी जाएगी।	
(2) क्विनीडाइन सल्फ़ेट	ख. 10(2)	औषध निर्यातक (भारत), नई दिल्ली से अनापति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर निर्यात की अनुमति दी जाएगी।	
(3) कुनैन और कुनैन उत्पाद	ख. 10(3)	सिनकोना निदेशालय, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, जैसा भी मामला हो, से प्राप्त प्रमाण-पत्र के मद्दे निर्यात की अनुमति दी जाएगी।	
11. नारियल जटा और नारियल जटा उत्पाद	ख. 11	निर्यात की अनुमति कायर बोर्ड/लाइसेंसिंग प्राधिकारी से प्राप्त इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर दी जाएगी कि जहाज	

1	2	3	4
			पर्यन्त निःशुल्क मूल्य वाणिज्य मंत्रालय द्वारा निर्धारित और कागज बोर्ड द्वारा अधिपूजित न्यूनतम मूल्य से कम नहीं है।
12.	कपास का यार्न जिसमें टायर कोर्ड यार्न शामिल है।	ख.12	मृत्ती बम्बई निर्यात संवर्धन परिषद, बम्बई द्वारा दिए गए प्रमाणन के मद्दे तथा सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित सीनिंग के अनुसार।
13.	तेल रहित मंगफली की खली (निष्कारण)	ख.13	निर्यात ग्राउन्डनट एक्सट्रैक्शन एक्सपोर्ट टिब्रेलमेंट एसोसियेशन, बम्बई के साथ पंजीकृत की गई संविदाओं की शर्तों के अर्धीन समय-समय पर वाणिज्य मंत्रालय द्वारा निर्धारित सीनिंग के भीतर अनुमित किया जाएगा।
14.	तेल रहित चावल की भूनी (बचल भूनी का निष्कारण)	ख.14	निर्यात, सोलबेट एक्सट्रैक्शन एसोसियेशन आर इंडिया, बम्बई के साथ पंजीकृत की गई संविदाओं की शर्तों के अर्धीन समय-समय पर वाणिज्य मंत्रालय द्वारा निर्धारित सीनिंग के भीतर अनुमित किया जाएगा।
15.	कोटा प्रतिबंध के अन्तर्गत आने वाले फेब्रिक और मैड अस्त्र	ख.15	निर्यात, पोत-वदान बिलों पर प्रैकट इन एक्सपोर्ट प्रोमेशन काउन्सिल (टैकप्रोमिल) द्वारा किए गए प्रमाणन के मद्दे अनुमित किया जाता है।
16.	निम्नलिखित फैरो अलाय— (1) फैरो मैंगनीज स्वेग का मसी श्रेणियां (2) फैरो मैंगनीज (उस फैरो का छोड़कर जिसमें कार्बन की मात्रा 0.05% से कम हो) (3) सिलिको मैंगनीज (फैरो सिलिको मैंगनीज) की मसी श्रेणियां (4) फैरो क्रोम/चार्ज क्रोम जिसमें कार्बन की मात्रा 0.03% से कम हो तथा फैरो क्रोम/चार्ज क्रोमियम बचल ताइडोजन हो (5) सिलिको क्रोम (फैरो सिलिको क्रोमियम) की मसी श्रेणियां	ख.16	निर्यात को अनुमित विकास आयुक्त लोहा तथा इस्पात क्लकला के कार्यालय या इसके क्षेत्रीय कार्यालयों में संविदाओं के पंजीकरण का अर्थ के अर्धीन दी जाएगी।
17.	ताप अभिस्राधित वर्जीनिया तम्बाकू, धूप अभिस्राधित वर्जीनिया तम्बाकू, धूप अभिस्राधित (नाटू देशी) तम्बाकू और धूप अभिस्राधित जूटी तम्बाकू।	ख.17	(1) जिस तम्बाकू के लिए न्यूनतम निर्यात मूल्य, केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित किया गया है उनके सम्बन्ध में तम्बाकू बोर्ड से इन संबंध में एक प्रमाण-पत्र कि मूल्य, न्यूनतम निर्यात मूल्य से कम नहीं है। (2) उस तम्बाकू के संबंध में जिसके लिए न्यूनतम निर्यात मूल्य विनिष्टिकृत नहीं किया गया है तम्बाकू बोर्ड से इस सम्बन्ध में एक प्रमाण-पत्र कि निर्यात किया जा रहा तम्बाकू न्यूनतम निर्यात मूल्य प्रतिबंध के अर्धीन नहीं है।
18.	कोटा प्रतिबंध के अन्तर्गत आने वाले ग रमेट और निटथियर	ख.18	निर्यात, पोत-वदान बिल पर परिचय निर्यात संवर्धन परिषद (ए. ई. पी. सी.) द्वारा किए गए प्रमाणन के मद्दे अनुमित है।
19.	स्वर्ण आभूषण तथा बस्तु	ख.19	विदेशी क्रेता द्वारा संभरित माना और स्वर्ण आभूषण निर्यात संवर्धन और प्रतिपूर्ति स्कीम के मद्दे सोने के आभूषणों के निर्यात की स्कीम के अन्तर्गत सोने के आभूषण और वस्तुओं का निर्यात अद्यत-निर्यात नाति, 1990-93 (खण्ड-1) के अध्याय-21, और प्रथिया पुस्तक 1990-93 के अध्याय-21 में दिए गए के अनुसार अनुमित किया जाएगा। शुल्क छूट स्कीम के मद्दे निर्यात, आद्यत-निर्यात नाति, 1990-93 (खण्ड-1) के अध्याय-19 के प्रावधानों द्वारा नियंत्रित किया जाएगा।
20.	हाथ में गांठ लगाकर बुने हुए ऊनी कार्पासों का निर्यात	ख.20	पोत-वदान की स्वीकृति, स्वीकार्य (डी/ए) अदायगी आधार सम्बन्धित दस्तावेजों पर तब तक नहीं दी जाएगी जब तक कि उनके साथ बैंक गारंटी न लगी हो।



1	2	3	4
21. एच. पी. एस. मृगफली (छिलके और गिरी दोनों में)	ख. 21	भारतीय तेल तथा उत्पाद निर्यात संघ, बम्बई के साथ संविदाओं के पंजीकरण के मद्दे निर्यात अनुमित है।	
22. (1) निम्नलिखित कास्ट ग्रायर्स पाइप औ. फिटिंग को छोड़कर लोह तथा इस्पात:—एकीकृत इस्पात संयंत्रों, मिश्र इस्पात संयंत्रों, छोटे इस्पात संयंत्रों, मेकेंडरी प्रोड्यूसरों तथा रि-रोलरों द्वारा निर्मित इस्पात	ख. 22 (i)	निर्यात की अनुमति लोह तथा इस्पात विकास आयुक्त कलकत्ता या उसके क्षेत्रीय कार्यालयों से अनुमति प्रमाण-पत्र प्राप्त करने तथा अपना उत्पादन 10% से अधिक नहीं बढ़ाने की शर्त पर दी जाएगी।	
(2) अग्रिम लाइसेंस के अन्तर्गत आयातित कच्चे माल से निर्मित जस्तीकृत शीट्स	ख. 22 (ii)	निर्यात की अनुमति अग्रिम लाइसेंस में उल्लिखित जहाज पर्यन्त निशुल्क मूल्य की सीमा तक दी जाएगी।	
(3) आयातित बिल्लेट्स से निर्मित राइस तथा बार्न	ख. 22 (iii)	अग्रिम लाइसेंस के मद्दे शुल्क छूट योजना के अन्तर्गत आयातित बिल्लेट्स से निर्मित की अनुमति लाइसेंस में उल्लिखित जहाज पर्यन्त निशुल्क मूल्य की सीमा तक दी जाएगी।	
(4) लाइट रेलस् (20 कि. ग्राम या कम)	ख. 22 (iv)	निर्यात की अनुमति रेलों का पूरा जाल बिछाने के लिए संगठित निर्यात ठेकों के एक हिस्से के रूप में दी जाएगी।	
23. (1) गोवा मूल की लोह अयस्क जब उसका निर्यात जापान, दक्षिणी कोरिया, ताइवान और यूरोप को किया जाए	ख. 23 (1)	गोवा खनिज अयस्क निर्यातक संघ के साथ संविदाओं के पंजीकरण के मद्दे निर्यात की अनुमति है।	
(2) लेटगाइट	ख. 23 (2)	लोक विश्लेषक से एक ऐसा प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर निर्मात अनुमति किया जाएगा कि निर्यात माल में निम्नलिखित शामिल हैं : (क) अल्यूमीना 40 प्रतिशत से अधिक नहीं (ख) निकल 0.7 प्रतिशत से अधिक नहीं (ग) कोबाल्ट 300 पी पी एम से अधिक नहीं (घ) बेनेडियम 2215 पी पी एम से अधिक नहीं (ङ) मंगनियम 139 पी पी एम से अधिक नहीं (च) टिटैनियम 7.4 प्रतिशत से अधिक नहीं	
24. जूट कारपट बैकिंग ब्लाथ	ख. 24	निर्यात की अनुमति सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित की जाने वाली शर्तों के अधीन सभी अनुमेष स्थानों के लिए दी जाएगी।	
25. निट्रियर (एक्त्रिक और मिक्सड)	ख. 25	निर्यात की अनुमति ऊन और ऊनी निर्यात संवर्धन परिषद के साथ पंजीकृत संविदाओं के मद्दे और सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित की जाने वाली न्यूनतम निर्यात कीमत के अधीन दी जाएगी।	
26. मेमने की फर स्किन	ख. 26	निर्यात की अनुमति केवल चार मुख्य पत्तनों, नई दिल्ली, बम्बई, कलकत्ता और मद्रास के माध्यम से ही दी जाएगी वशर्त कि उपर्युक्त पत्तनों पर निबुक्त जंगली जीव संरक्षण उप-निदेशक ने पोत लदान का निरीक्षण किया है।	
27. मानव निर्मित रेशे और धागे, निम्नलिखित: (क) एक्त्रिक के हाथ से/मशीन से बुने हुए धागे (ख) 600 डेनियर और अधिक के रयन टायर धागे (ग) सभी डेनियर की रयन टायर कोर्ड (घ) रयन टायर फैब्रिक	ख. 27	निर्यातकों द्वारा पोतलदान करने के 15 दिन के भीतर किए निर्यात के सम्बन्ध में सम्बंधित परिपद् को सूचना भेजी जाएगी।	
(ङ) सिथेटिक फाइबर की 50% और अधिक मात्रा के स्पन यार्न।	ख. 27 (ङ)		
		निर्यात की अनुमति सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित न्यूनतम निर्यात कीमत के अधीन दी जाएगी। निर्यातकों द्वारा पोतलदान करने के बाद 15 दिन के भीतर किए गए निर्यात के सम्बन्ध में सम्बंधित परिषद को सूचना भेजी जाएगी। कोटा वाले देशों को निर्यात के सम्बन्ध में खुला सामान्य लाइसेंस-3 की क्रम सं. 47 (1), (3), (4), (6) और (7) के सामने निर्दिष्ट शर्तें जहां कहीं आवश्यक हों, लागू होंगी।	

1	2	3	4
28.	निम्नलिखित समुद्री उत्पाद :	ख. 28	
(1)	सूखे तथा गीले नमकीन मछली उत्पाद,		
(क)	सूखी नमक लगी तथा बिना नमक लगी मछली		
(ख)	सूखी नमक लगी तथा बिना नमक लगी झिंगा मछली		
(ग)	गीली नमक लगी मछली		
(घ)	मछली/झिंगा का अचार		
(ङ)	मछली का जबड़ा		
(च)	शार्कफैस		
(छ)	मछली का तेल		
(ज)	2 इंच और उससे अधिक साइज की बीच-डी-मर।		
(झ)	सूखी मछली		
(ञ)	सूखी नमक लगी तथा बिना नमक लगी बोम्बे डकम		
(2)	ताजे जोवित, जमाए हुए तथा डिब्बा बंद उत्पाद :		
(क)	पोमफ्रेट को छोड़कर ताजी मछली।		
(ख)	जीवित लोबेस्टर शैल मछली तथा मछली।		
(ग)	पोमफ्रेट और प्रान को छोड़कर जमाई हुई मछली।		
(घ)	फ्रोजन लोबेस्टर टेल्स केबल।		
(ङ)	फ्रोजन क्लेम्स, ओएस्टर आदि		
(व)	डिब्बाबंद फिश, प्रानम, केबल, क्लेम्स मुसलस आदि।		
(छ)	फ्रोज/फ्रोजन प्रान्प।		
(3)	अन्य विविध समुद्र खाद्य उत्पाद :	ख. 28	
(क)	अगर-अगर		
(ख)	मछली के अंडे		
(ग)	पौधों तथा लाइव राकम रहित एक्वेरियम सहित एक्वेरियम फिश।		
(घ)	कटल फिश बोल्स।		
(4)	अन्य समुद्रा उत्पाद	ख. 28	
(5)	भारत के पश्चिमी तट से 300 ग्राम और उससे अधिक की तथा भारत के पूर्वी तट से 200 ग्राम और उससे अधिक वजन की ताजो तथा जमायी हुई सिल्वर पोमफ्रेट	ख. 28	
(6)	मछली का चूर्ण जिसमें प्रोटीन की मात्रा 50% या उससे अधिक हो।	ख. 28	

नियति की अनुमति पूर्व-निर्धारित कीमतों और सम्पूर्ण बिक्री के आधार पर पक्के आदेशों/संविदाओं के आधार पर दी जाएगी।

1	2	3	4
29. (i) दिल, जिगर, फेफड़े, मगज, जीभ, गुर्दे और अन्य अंगों सहित भैंस (नर और मादा दोनों) का मांस।	ख. 29 (i)	(1) उस राज्य के मनोनीत पशु चिकित्सा प्राधिकारी जिसमें मांस उत्पन्न हुआ है से इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर कि मांस प्रजनन के लिए प्रयुक्त और दुधारू भैंसों से भिन्न भैंसों का है, निर्यात की अनुमति दी जाएगी : बशर्ते कि निर्यात मूल्य जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य 11.50 रुपये प्रति कि.ग्रा. से कम न हो।	
		(2) शीतल/जमाए हुए मांस के निर्यात की अनुमति राज्य के पशुपालन निदेशालय के कार्यालय या इस आशय के लिए उनके स्थान पर प्राधिकृत किसी अन्य पशु चिकित्सक द्वारा इस संबंध में जारी किए गए लदान-पूर्व निरीक्षण प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर दी जाएगी कि :	
		(1) लाइसेंस प्राप्त परिसर में और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार एंटीमार्टम और पोस्ट-मार्टम निरीक्षण की शर्त के अधीन बंध किए गए स्वस्थ पशु से मांस प्राप्त किया गया है,	
		(2) मांस स्वास्थ्यकर शर्तों के अधीन तैयार किया गया है और पौष्टिक तथा मानव उपभोग के लिए उपयुक्त है।	
		(3) मांस परजीवी जन्तु बाधा से मुक्त है।	
		(4) जमाए हुए मांस के बंबई, दिल्ली, मंगलौर और त्रिवेन्द्रम से निर्यात की अनुमति पशुपालन निदेशक, संबंधित राज्य सरकार या उनके नाम से प्राधिकृत किसी अन्य प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया पोत-पूर्व निरीक्षण प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर दी जाएगी। कोचीन और मद्रास से किए जाने वाले सभी निर्यातों के मामले में निरीक्षण क्रमशः निर्यात निरीक्षण अभिकरण कोचीन और मद्रास द्वारा किया जाएगा। बम्बई से निर्यात के मामले में निर्यात निरीक्षण एजेंसी बम्बई द्वारा भी निरीक्षण किया जाएगा।	
		प्रमाण-पत्र इस आशय का होगा कि :	
		(1) मांस/कारकास रोगमूलक सूक्ष्म आर्गेनिज्म से मुक्त है।	
		(2) मांस/कारकास बैक्टीरियोलॉजिकल कोटि विशिष्टीकरणों के समरूप होगा।	
		(3) (i) कुल बैक्टीरिया काउंट प्रति ग्राम 1 से 10 मिलियन की सीमा के भीतर होंगे।	
		(ii) इ. कोलि बैक्टीरिया काउंट प्रति ग्राम 100 से 1000 की सीमा के भीतर होंगे, और	
		(iii) कोर्ड बफेलो मीट और लंचियन बफेलो मीट के मामले में, एम एफ पी ओ, 1973 और आई एस विशिष्टीकरण (कोर्ड बफेलो मीट के लिए आई एस 11747—1986 और लंचियन बफेलो मीट के लिए आई एस 11746—1986) के अन्तर्गत यथा निर्धारित निरीक्षण संबंधित एजेंसी द्वारा निर्धारित शुल्क के भुगतान पर या तो राज्य के पशुपालन निदेशालय या निर्यात निरीक्षण एजेंसी या भारत सरकार के विपणन और निरीक्षण निदेशालय द्वारा किया जाएगा।	
(ii) भारतीय भेड़ का मांस जिसमें दिल, जिगर, फेफड़े, मगज, जीभ, गुर्दे और अन्य अंग शामिल हैं।	ख. 29(ii)	अखिल भारतीय मांस और पशुधन नियंत्रक संघ बम्बई, राजस्थान राज्य भेड़ और उप विपणन महासंघ जयपुर और उप मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात कोचीन द्वारा आवंटित की जाने वाली सीलिंग के मद्दे भारतीय बकरी के मांस का निर्यात अनुमेष्य होगा और भारतीय भेड़ के मांस की सीलिंग, अखिल भारतीय मांस और पशुधन नियंत्रक संघ बम्बई और नई दिल्ली, राजस्थान राज्य भेड़ और ऊन विपणन महासंघ, जयपुर और उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, कोचीन के निपटान पर रखी जाएगी। वाणिज्य	
(iii) भारतीय बकरी का मांस जिसमें दिल, जिगर, फेफड़े, मगज, जीभ, गुर्दे और अन्य अंग शामिल हैं।	ख. 29(iii)		

1

2

3

4

मंत्रालय उपर्युक्त मनोनीत एजेंसियों को सीलिंग जारी करेगी। जब और जैसा ही नियमित उपर्युक्त संबंधित एजेंसी से सम्पर्क करेगा निर्यात संघ निर्यातकों को निर्यात के लिए सीमा शुल्क प्राधिकारी से संपर्क करने की सलाह देते हुए सीलिंग स्लिप जारी करेगा। उप मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात कोचीन को भेजे गए सीधे आबेदन पत्रों के संबंध में, वह कार्यालय सीलिंग स्लिप जारी करेगा जिसे निर्यातक निर्यात के समय सीमाशुल्क प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा। उप मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात कोचीन, उप कार्यालय की आबंटित सीलिंग के भीतर स्लिप जारी करेगा। जैसे ही संघ और उप मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात कोचीन को आबंटित सीलिंग समाप्त हो जाएगी उसी समय वह सीलिंग स्लिप जारी करना बन्द कर देंगे।

मनोनीत एजेंसी यह सुनिश्चित करेगी कि निर्यातक घरेलू बाजार दैनिक जरूरतों के पूरा होने के बाद ही स्थानीय मंडियों से मारने के लिए जीवित बकरी खरीदता है। यदि किसी विशेष दिन कुल आवश्यकता इस जरूरत से कम पड़ जाती है तो निर्यात के लिए कोई खरीद नहीं की जाएगी।

यदि ऊपर की शर्त पूरी हो जाती है तो निर्यातक घरेलू आवश्यकताओं के लिए बकरियों के खरीदे जाने के बाद ही काटने के लिए बकरी खरीदने बाजार में जाएगा। इस प्रकार के खाने का उपास केवल घरेलू उपयोग के लिए बकरी मारे जाने के बाद ही करेंगे।

मनोनीत एजेंसियां वाणिज्य मंत्रालय को आने वाले मास की 7 तारीख तक पूर्ववर्ती मांस में किए गए निर्यात के आंकड़ों से सूचित करेंगी।

शीतल/जमे हुए मांस का निर्यात राज्य के पशुपालन निदेशालय या उनकी ओर से प्राधिकृत किसी अन्य पशु चिकित्सक अधिकारी द्वारा इस सम्बन्ध में जारी पोतलदान पूर्व निरीक्षण प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर ही अनुमित किया जाएगा कि :

1. मांस स्वस्थ जानवरों से प्राप्त किया गया है जिसका वध निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार एण्टी-मार्टम और पोस्टमार्टम के अधीन लाइसेंसशुदा परिमरों में किया गया है।
2. मांस सम्पूर्ण स्वास्थ्यकारी शर्तों के तहत तैयार किया गया है और मनुष्य के खाने के काबिल है।
3. मांस में किसी भी प्रकार के परजीवी नहीं हैं। बंबई, दिल्ली और मंगलौर से जमाए हुए मांस के निर्यात की अनुमति के मामले में राज्य के पशुपालन निदेशक या उनके नाम से प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा जारी किए गए अतिरिक्त लदान पूर्व निरीक्षण प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर दा जाएगी और कोचीन और मद्रास से निर्यात के मामले में निर्यात निरीक्षण एजेंसी द्वारा जारी किया गया अतिरिक्त लदान-पूर्व निरीक्षण प्रमाणपत्र अपेक्षित है। प्रमाणपत्र इस आशय का होगा कि :

1. मांस/कारकास रोग मूलक सूक्ष्म आर्गेनिज्म से मुक्त है।
2. मांस कारकास निम्नलिखित क्वालिटी विशिष्टिकरण के समरूप होगा :—

(1) कुल बैक्टीरियल काउंट प्रति ग्राम 1 से 10 मिलियन की सीमा के भीतर होंगे।



1	2	3	4
		(2) ई. कोयूल वैकटीरियल प्रति 100 से 6000 की सीमा के भीतर होंगे ।	
		(3) यह सालमोनोलिया से मुक्त होगा ।	
		भेड़ और बकरी के मांस के निर्यात की अनुमति केवल तत्काल बिक्री के आधार पर होगी और परेषण के आधार पर नहीं ।	
		भारतीय भेड़ और बकरी के मांस का निर्यात न्यूनतम निर्यात मूल्य 26 रु. प्रति किलोग्राम जहाज पर्यन्त निशुल्क मूल्य की शर्त के अधीन होगा ।	
30. धातुकर्मोच अवशेष अर्थात् ड्रोसिस, स्किमिंग स्लेग, एश, स्लिमस और फ्ल्यू डस्ट (मोने और चांदी को छोड़कर) जिसमें फो धातु की मात्रा 15% से कम हो ।	ख-30	निर्यात सीधे बिक्री/विदेश में अफ्रिका के लिए अनुमित है और परिष्कृत धातु का पुनः आयात निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगा :—	
		(क) धातु संबंधी अवशेष में मुक्त धातु की मात्रा भार में 15% से कम है और वह अंतिमतः तितर-बितर स्थिति में हो,	
		(ख) किसी भी माय्यता प्राप्त विश्लेषक से यह प्रमाणित करते हुए कि धातु संबंधी अवशेष में मुक्त धातु मात्रा भार में 15% से कम है और वह अंतिमतः तितर-बितर स्थिति में है और अवशेष का 100% रासायनिक मिश्रण है एक सम्पूर्ण विश्लेषक रिपोर्ट निर्यातक द्वारा अन्य पात परिवहन दस्तावेज के साथ भेजी गई है। विश्लेषक द्वारा 1/16" जाली की छलनी को उपयोग में लाया जाता है और इस तथ्य का उल्लेख रिपोर्ट में किया जाता चाहिए ।	
		(ग) परिष्कृत माल के पुनः आयात के लिए और/अथवा परिष्कार के पुनः आयात के लिए और अन्य खर्चों आदि के लिए कोई भी विदेशी मुद्रा अनुमित नहीं की जाएगी और निर्यातक द्वारा ऐसे खर्च धातु संबंधी अवशेष परिष्कृत धातु के आकार में अदा किए जाएंगे । परिष्कृत धातु का आयात संबंधी क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारों द्वारा जारी सीमा-शुल्क निकासी परमिट की शर्त के अधीन होगा ।	
		(घ) विदेश में धातु संबंधी अवशेष/परिष्कृत धातु को बिक्री से अर्जित विदेशी मुद्रा को भारत में वापस लाया जाएगा ।	
		(ङ) निर्यातक भारतीय रिजर्व बैंक के जी आर प्रपत्र की प्रक्रिया का अनुपालन करेगा और जी आर प्रपत्र की तीसरी प्रत के साथ परिष्कारक से लेख के अंतिम समझौते के साथ प्रायमिड अंतिम भार और परख की अंतिम रिपोर्टों को निर्यातक द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक को भेजी जानी चाहिए ।	
31. उर्वरक (नियंत्रण) अधिदेश, 1985 की अनुसूची-1, भाग क-1 (च) में निदिष्ट माइक्रोन्यूट्रिएन्ट उर्वरक तथा उनके मिश्रण	ख-31	निर्यात की अनुमति रासायनिक तथा सम्बद्ध उद्देश्य निर्यात संवर्धन परिषद (केमेक्सिल) के माध्यम से पंजीकरण की शर्त के अधीन दी जाएगी ।	
32. मलबरी × डूपियन सिल्क (100% प्राकृतिक रेशम)	ख-32	मलबरी × डूपियन सिल्क काइबर (100% प्राकृतिक रेशम) की विभिन्न चौड़ाईयों के लिए न्यूनतम निर्यात कीमत (एम ई पी) नीचे प्रत्येक के सामने उल्लिखित अनुसार होगी :	
		लम्बाई	प्रति मीटर न्यूनतम जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य
		36"	90.00
		44"	110.00
		48"	120.00
		54"	135.00
		अन्य चौड़ाईयों के लिए कीमत यथानुपात गिनी जाएगी ।	

1	2	3	4
33.	धातु स्क्रैप लोहा कतरन से भिन्न जिसमें 0.50% से अधिक निकल या 0.20 से अधिक मोलिब्डेनम अथवा 1.00 प्रतिशत से अधिक टंगस्टन या 0.20 प्रतिशत से अधिक वैनेडियम या 1.00 प्रतिशत से अधिक कोबाल्ट की मात्रा हो और मिल स्केल स्क्रैप। (1) निकल केडमियम बेटरी-स्क्रैप (2) निकल पेंटेड को छोड़कर निकल स्क्रैप (3) प्लेटिनम स्क्रैप	ख. 33(i) ख. 33(ii) ख. 33(iii)	मान्यत, प्राप्त लोक विश्लेषक से इस आशय का प्रमाणपत्र कि स्क्रैप इस मद के अन्तर्गत दिए गए विशिष्टीकरण के अनुरूप है। निर्यात इस शर्त के अधीन अनुमति है कि परिष्करण करने में जो स्क्रैप घटी उसको घटाकर पूर्ण 100% परिष्कृत और पुनः आकार में करने के बाद माल को निर्यात प्लेट एनोडम के रूप में भारत में वापस आयात किया जाएगा। निर्यात का इस शर्त के अधीन अनुमति है कि परिष्करण करने में जो स्क्रैप घटी उसको घटाकर पूर्ण 100% परिष्कृत और पुनः आकार में करने के बाद स्क्रैप माल को भारत में पुनः आयात किया जाएगा।
34.	निम्नलिखित पौधों के भाग : पौधों के भाग जिनके निर्यात की अनुमति दी जाएगी :— (क) पौधा 1. वेटिकिया कोडापला बेरी संपूर्ण पौधा 2. डलबेरजित लालिटोलिया रोक्स बोज 3. लावाटेरा काश्मीरियाना रोम्ब फल/बीज 4. मंगोलिया पेटोकार्पा रोक्स बीज 5. पैरापयूलिजिया ग्रेडिफ्लोरा जड़े, स्टोक/बीज और आर ड्रम और हर्ट्सिंगन 6. पिनांगा ग्रेसलिस बी एल संपूर्ण पौधा 7. पिन्नम जिरारदियाना बाल बीज 8. गोपुलस नैम्बली डोड नटिंग/बीज 9. पैटोकार्यट डलबेरगियॉडिंग बीज 10. रास्तालम एलबम बीज (ख) वनस्पतिक पौधे (i) डिस्चिडिया संपूर्ण पौधे रिफिलमियाना आर. बी. आर	ख. 34	निर्यात की अनुमति निम्नलिखित प्रस्तुत करने पर दी जाएगी : (1) मुख्य वन संरक्षण या मुख्य वन्य जीव वार्डन या उनके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा जारी किए गए इस आशय का प्रमाण पत्र कि सामग्री कल्चर तकनीकी के माध्यम से बढ़ाई गई बागान या नर्सरी मूल की है। (2) पौधे लदान-पूर्व निरीक्षण प्रमाण पत्र; और (3) सीआईडीईएम (अपनी फोता एवं पनोर। संकटापन्न जातियों का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार) प्रमाणपत्र।
टिप्पणी :	लेकिन उपर्युक्त विनियमों में डाल दी गई हैं और फर्मों को मुख्य वन संरक्षक या मुख्य वन्य जीव वार्डन या उनके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी से इस आशय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना पर कि सामग्री पादप या नर्सरी मूल की है, निर्यात करने की अनुमति है।		
35.	अग्रिम लाइसेंसिंग स्कीम/पास बुक अथवा किसी अनुमोदित शर्त प्रतिशत निर्यात अभिमूख यूनिट के अधीन आयात की गई दालों से संसाधित दालें।	ख. 35	निर्यात लाइसेंस में विनिर्दिष्ट लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के समतुल्य अग्रिम लाइसेंसिंग स्कीम/पास बुक या अनुमोदित शर्त प्रतिशत निर्यात अभिमूख यूनिट के अन्तर्गत अनुमति है। नोट : स्वदेशी दालों में से संसाधित दालों का निर्यात अनुमति नहीं किया जाएगा।
36	सोलियम सीड/सोलियम हस्क/सोलियम पा उडर	ख. 36	“सोलियम भूसी/सोलियम बीज/सोलियम पाउडर की प्रत्येक किस्म के सामने नीचे यथा निर्दिष्ट न्यूनतम निर्यात कीमतों की शर्त के अधीन वैश्विक केमिकल्स, फार्मास्यूटिकल्स एंड कास्मेटिक्स निर्यात संवर्धन परिषद के माध्यम से निर्यातों के पंजीकरण के आधार पर निर्यात की अनुमति है :

1	2	3	4
		(1) सेलियम भूसी 98% शुद्धता 95% शुद्धता 85% शुद्धता	न्यूनतम निर्यात कीमत प्रति कि. ग्रा. 3.20 अमरीकी डालर जहाज पर्यन्त निःशुल्क कुल प्रति कि. ग्रा. 3.00 अमरीकी डालर जहाज पर्यन्त निःशुल्क, कुल प्रति कि. ग्रा. 2.80 अमरीकी डालर जहाज पर्यन्त निःशुल्क कुल
		(2) सेलियम बीज 99% शुद्धता 97% शुद्धता	न्यूनतम निर्यात कीमत प्रति कि. ग्रा. 0.95 अमरीकी डालर जहाज पर्यन्त निःशुल्क, कुल प्रति कि. ग्रा. 0.85 अमरीकी डालर जहाज पर्यन्त निःशुल्क, कुल
		(3) सेलियम पाउडर	सेलियम भूसी की सदृश श्रेणी के लिए न्यूनतम निर्यात कीमत से अधिक प्रति किलोग्राम 0.25 अमरीकी डालर जहाज पर्यन्त निःशुल्क, कुल
37. कच्ची कपास			
(1) बंगाली देशी	ख. 2437 (1)	निर्यात के लिए वांछित मदों के गुण/मात्रा के संबंध में वस्त्र आयुक्त द्वारा जारी किए गए पंजीकरण और आर्बटन प्रमाण-पत्र के मदों निर्यात अनुमेष होगा।	
(2) आसाम कोमीलाम।	ख. 2437 (2) से (7) तक	निर्यात के लिए वांछित मदों के गुण/मात्रा के संबंध में वस्त्र आयुक्त द्वारा जारी किए गए पंजीकरण और आर्बटन प्रमाणीकरण के मदों निर्यात अनुमेष होंगे।	
(3) स्टेपल कपास 2			
(4) अग्नि/जल के कारण जो कपास विनष्ट हो गई हो,			
(5) जोड़ी और स्वीपिंग			
(6) येलो पिकिंग			
(7) अन्य			
38. तिल के बीज	ख. 38	निर्यात की अनुमति भारतीय तेल और उत्पाद निर्यातक संघ (आई ओ पी ई ए) के साथ संविदा के पंजीकरण के मदों दी जाएगी।	
39. शोडि यार्न	ख. 39	निर्यात की अनुमति समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम निर्यात कीमत की शर्त के अधीन दी जाएगी।	
40. रेशमी कालीनों को छोड़कर रेशमी मात	ख. 40	निर्यात की अनुमति अपरिवर्तनीय साखपत्र या भुगतान के मदों दस्तावेजों के आधार पर दी जाएगी।	
41. (1) आयात-निर्यात नीति 1990-93 (खंड 1) के पैरा 297 (2) में उल्लिखित चांदी के जेवरान और चांदी की वस्तुएं	ख. 41(i)	आयात-निर्यात नीति 1990-93 (खण्ड 1) के अध्याय 21 और प्रक्रिया पुस्तक 1990-93 के अध्याय 21 में दिए गए मार्ग निर्देशों के अनुसार निर्यात का अनुमति दी जाएगी।	
(2) भार में 50 प्रतिशत से कम चांदी की मात्रा वाले चांदी के आभूषण	ख. 41(ii)	निर्यात इस शर्त के अधीन अनुमति किया जाएगा कि चांदी के आभू- षणों में चांदी की मात्रा का जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य या तो भारतीय मूल्य से या अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य से इनमें निर्यात की तिथि को जो अधिक हो, उस मूल्य से कम से कम 33-1/3 प्रतिशत से अधिक होना चाहिए। इस प्रयोजन के लिए चांदी का अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य निर्यात की तिथि को लंदन या न्यूयार्क में चांदी को चालू दर को ध्यान में रखते हुए सीमाशुल्क अधिकारियों द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा।	
42. वर्गीकृत सज्जियों के भाग के रूप में 20 कि. ग्रा. तक छोटे प्याज	ख. 42	वायुयान द्वारा प्रति खेप केवल 20 कि. ग्रा. तक निर्यात का अनुमति है।	
43. मुलायम कपास की रद्दी/सख्त कपास की रद्दी	ख. 43	इच्छित मद के गुण/मात्रा के संबंध में वस्त्र आयुक्त द्वारा निर्यात के लिए जारी किए गए पंजीकरण और आर्बटन प्रमाणन के मदों।	
44. घुलनशील निस्सारित विनोले की खली (छिलका रहित और छिलका सहित)	ख. 44	निर्यात की अनुमति समय-समय पर वणिज्य मंत्रालय द्वारा निर्धारित सीलिंग के भीतर अखिल भारतीय विनोले करशर संघ, बम्बई के साथ संविदा पंजीकरण की शर्त के अधीन दी जाएगी।	

1	2	3	4
45.	(i) भाग 'क' और 'ख' में जो उल्लिखित हैं उनसे मिल ख-45 घुलनशील निम्नलिखित आयल मॉल। (ii) पशु/कुक्कुट खाद्य मिश्रण (iii) आन को गुठलों को गिरी का तेल और (iv) मात के बीजों का तेल		निर्यात की अनुमति सार्वभौम एक्स्ट्रेक्टर्स एसोसिएशन आफ इंडिया, बम्बई के साथ संविदा के पंजीकरण के मद्दे दी जाएगी।
46.	सोयाबीन निम्नसारण ख-46		निर्यात की अनुमति सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन आफ इंडिया इंडीय के साथ संविदा के पंजीकरण के मद्दे दी जाएगी।
47.	भारत और आस्ट्रिया के बीच समझौता ज्ञापन के अर्धीन कुछ ख-47 (i) मृत्त वस्त्रों निम्नलिखित वस्त्र उत्पादों का आस्ट्रिया को निर्यात		(1) निम्नलिखित द्वारा निर्यात हकदारों के आर्बंटन के मद्दे :— (क) वस्त्रों और तैयार वस्त्रों के लिए सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद्, और (ख) पोशाक और सिलाई में बने हुए वस्त्रों के लिए परिधान निर्यात संवर्धन परिषद्; पोत-परिवहन जिलों पर प्रमाण पत्र द्वारा। (2) निर्यात हकदारों के आर्बंटन के मामले में निर्यात संवर्धन परिषद् वस्त्र मंत्रालय द्वारा जारी किए गए मार्गदर्शी सिद्धांतों का अनुपालन करेगी और न्यूनतम मूल्य पद्धति के माध्यम से उपयुक्त वस्तुओं के लिए प्रयत्न करेगी। (3) कुटीर उद्योग के हथकरघा वस्त्र, ऐसे हथकरघा वस्त्रों से बने हस्त-निर्मित सूती वस्त्र उत्पाद और परम्परागत लोक हस्तनिर्मित वस्त्र उत्पाद "भारतीय मर्दों" के रूप में कहे जाने वाले मातृक प्रतिबंधों के अर्धीन नहीं हैं, सूती हथकरघा उत्पादों के लिए संयोजन प्रपत्र के भाग-2 में वस्त्र समिति द्वारा "निरिक्षण पृष्ठांकन" आवश्यक होगा। "भारतीय मर्दों" के मामले में विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) के कार्यालय या वस्त्र समिति द्वारा जारी किया गया उचित प्रमाण-पत्र अपेक्षित होगा। (4) "भारतीय मर्दों" से मिल अन्य पोशाकों के निर्यात, द्विपक्षीय समझौते के अर्धीन दी गई श्रेणी के अनुरूप और विशिष्टीकरण के साथ समरूप होंगे और हथकरघा मूल के, औद्योगिक संस्थापन पोशाकों वस्त्र समिति द्वारा प्रमाणित पोशाकों पर यथा इष्टित नमूनों के अनुसार होंगे।
(ii)	भारत और कनाडा के बीच समझौता ज्ञापन के अर्धीन सूती, ऊनी और मानवनिर्मित रेशों या उनके मिश्रण के कुछ वस्त्र उत्पादों का कनाडा को निर्यात। ख-47 (ii)		(1) निम्नलिखित द्वारा निर्यात हकदारों के आर्बंटन के मद्दे :— (क) वस्त्रों और तैयार वस्त्रों के लिए (जिसमें ऊनी वस्त्र और तैयार वस्त्र शामिल नहीं हैं) सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद्; (ख) पोशाकों और मलाई से बने हुए वस्त्रों जिसमें (मलाई से बने हुए ऊनी वस्त्र शामिल नहीं हैं) के लिए परिधान निर्यात संवर्धन परिषद्; और (ग) ऊनी वस्त्रों और तैयार वस्त्रों और मलाई से बने हुए वस्त्रों (लेकिन जिसमें ऊनी पोशाक शामिल नहीं हैं) के लिए ऊनी और ऊनी वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद् लेकिन, पोत परिवहन जिलों पर आवश्यक प्रमाण पत्र वस्त्रों और तैयार वस्त्रों (जिसमें ऊनी वस्त्र और तैयार वस्त्र शामिल हैं) के लिए सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद् द्वारा किया जाएगा और पोशाकों एवं सिलाई से बने हुए वस्त्रों के मामले में ऐसा प्रमाण पत्र निर्यात संवर्धन परिषद् द्वारा किया जाएगा।



1	2	3	4
			<p>(2) निर्यात हकदारी के आवंटन के मामले में निर्यात संवर्धन परिषद् वस्त्र मंत्रालय द्वारा जारी किए गए मार्गदर्शी सिद्धांतों का अनुपालन करेगा और न्यूनतम मूल्य पद्धति के माध्यम से उपयुक्त वस्तुओं के लिए प्रयास करेगा।</p> <p>(3) कुटीर उद्योग के हथकरघा वस्त्र, गेमे हथकरघा वस्त्रों से निर्मित हस्तनिर्मित कपड़ा और वस्त्र उत्पाद मिला हुआ काजूर वाली कर्माज की छोड़कर कपड़ा और परम्परागत लोक हस्तशिल्प वस्त्र उत्पाद (जो भारतीय मर्दों के नाम से जाने जाते हैं) मात्रिक प्रतिबंधों के अधीन नहीं है। सभी हथकरघा वस्त्र, तैयार वस्त्रों और प्रतिबंधित मर्दों के समरूप तैयार पाशाकों के निर्यात के मामले में संयोजन प्रपत्र के भाग-2 में वस्त्र समिति द्वारा "निरीक्षण पृष्ठांकन" आवश्यक होगा। भारतीय मर्दों के संबंध में विकास आयक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय या वस्त्र समिति द्वारा जारी किया गया उचित प्रमाण पत्र आवश्यक होगा।</p> <p>(4) "भारतीय मर्दों" में भिन्न अन्य पोशाकों के निर्यात द्विपक्षीय समझौते के अधीन दी गई श्रेणियों के अनुरूप और विशिष्टकरण के साथ समरूप होंगे और हथकरघा सूत के औद्योगिक संस्थागत पाशाकों, वस्त्र समिति द्वारा प्रमाणित पोशाकों पर यथा इंगित नमूनों के अनुरूप होंगे।</p>
(iii) भारत यूरोपीय आर्थिक समुदाय वस्त्र समझौते के अंतर्गत सूत, ऊत और मानव निर्मित रेशा (जिनमें पटमन, रेशम और फ्लेक्स शामिल नहीं हैं) से बना वस्त्रों और वस्त्र सामग्री का यूरोपीय आर्थिक समुदाय के सदस्य देशों को निर्यात।	ख-4क(iii)		<p>(1) निम्नलिखित द्वारा निर्यात हकदारी के आवंटन के मर्दे:—</p> <p>(क) वस्त्रों और तैयार वस्त्रों के लिए (जिनमें ऊनी धम्पों और तैयार वस्त्र शामिल नहीं हैं) सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद्।</p> <p>(ख) पोशाकों और बुने हुए वस्त्रों के लिए (जिनमें ऊनी बुने हुए वस्त्र शामिल नहीं हैं) परिधान निर्यात संवर्धन परिषद्।</p> <p>(ग) ऊनी वस्त्रों, तैयार वस्त्रों और भवाई से बुने हुए वस्त्रों के लिए (जिनमें ऊनी पोशाक शामिल नहीं है) ऊत और ऊनी वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद्। सभी प्रकार के कपड़ों और तैयार कपड़ों (जिनमें ऊनी कपड़े और तैयार कपड़े भी शामिल हैं) के लिए पोशाक बिलों पर आवश्यक प्रमाणन सूत वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद् द्वारा किया जायेगा और सभी पोशाकों और बुने हुए वस्त्र (जिनमें ऊनी पोशाक और बुने हुए वस्त्र शामिल हैं) के लिए ऐसा प्रमाणन परिधान निर्यात संवर्धन परिषद् द्वारा किया जाएगा।</p> <p>(2) निर्यात हकदारी के आवंटन के मामले में निर्यात संवर्धन परिषद् द्वारा वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी किए गए मार्गदर्शी सिद्धांतों का पालन किया जायेगा और न्यूनतम मूल्य प्रक्रिया के माध्यम से उचित वस्तुओं सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किये जायेंगे।</p> <p>(3) कुटीर उद्योग के हथकरघा वस्त्रों, हथकरघा वस्त्रों से बने हस्तनिर्मित कुटीर उद्योग उत्पाद (पोशाकों से बने) और परम्परागत लोक हस्तशिल्प वस्त्र सामग्री (भारतीय मर्दों) मात्रिक प्रतिबंध के अधीन नहीं है। सभी हथकरघा तैयार वस्त्रों के निर्यात के मामले में संयोजन प्रपत्र के भाग-2 में वस्त्र समिति द्वारा एक "निरीक्षण पृष्ठांकन" अपेक्षित होगा। "भारतीय मर्दों" के संबंध में, विकास आयक्त (हस्तशिल्प) द्वारा जारी किया गया उचित प्रमाण-पत्र अपेक्षित होगा।</p>

1

2

3

4

(iv) भारत और फिनलैण्ड के बीच समझौता जापन के अधीन सूची ख 47 (iv) और तैयार रेशों के वस्त्र उत्पादों का फिनलैण्ड को निर्यात।

(4) भारतीय मर्दों से भिन्न अन्य पोशाकों के निर्यात, द्विपक्षीय समझौते के अधीन दी गई श्रेणी के अनुरूप और विशिष्टिकरण के समरूप होंगे और हथकरघा मूल की, औद्योगिक/संस्थागत पोशाकों, वस्त्र समिति द्वारा प्रमाणित पोशाकों पर दया इंगित मर्तों के अनुसार होंगी।

(1) निम्नलिखित द्वारा निर्यात हकदारी के आबंटन के मद्दे:-

(क) पोशाकों और सलाई से बने हुए वस्त्रों के लिए परिधान निर्यात संवर्धन परिषद।

(ख) ऊनी जुराबों के लिए उन और ऊनी वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद लेकिन पोत परिवहन बिलों पर आवश्यक प्रमाणित सभी पोशाकों अथवा सलाई से बने हुए उत्पादों के लिए परिधान निर्यात संवर्धन परिषद द्वारा किया जाएगा।

(2) निर्यात हकदारी के आबंटन के मामले में निर्यात संवर्धन परिषद् वस्त्र मंत्रालय द्वारा जारी किए गए मार्गदर्शी सिद्धान्तों का अनुपालन करेगी और न्यूनतम मूल्य पद्धति के माध्यम से उन्मुक्त वसूली के लिए प्रयास करेगी।

(3) कुटीर उद्योग के हथकरघा वस्त्र ऐसे हथकरघा वस्त्रों से बने हस्त निर्मित कुटीर उद्योग उत्पाद (ग्लाउज और कमीजों से भिन्न और परम्परागत लोक हस्तशिल्प वस्त्र उत्पाद) भारतीय मर्दों मात्रिक प्रतिबंधों के अधीन नहीं है। हथकरघा ग्लाउज और कमीजों के मामले में वस्त्र समिति द्वारा इस संबंध में जारी किया गया प्रमाण पत्र भी आवश्यक होगा कि वस्त्र मूल रूप से हथकरघा द्वारा तैयार किए गए हैं, "भारतीय मर्दों" के अंतर्गत वस्त्र उत्पादन के मामले में वस्त्र समिति या वस्त्र आमुक्त (हस्तशिल्प) से एक प्रमाण पत्र आवश्यक होगा।

(4) भारतीय मर्दों से भिन्न अन्य पोशाकों के निर्यात द्विपक्षीय समझौते के अधीन दी गई श्रेणी के अनुरूप और विशिष्टिकरण के साथ समरूप होंगे और हथकरघा मूल की, औद्योगिक/संस्थागत पोशाकों वस्त्र समिति द्वारा प्रमाणित पोशाकों पर दया इंगित मर्तों के अनुसार होंगी।

(v) भारत और ताइवान के बीच समझौते के अधीन कपास, ऊन और ख 47 (v) मानव निर्मित रेशों या उनके मिश्रण से बने हुए कुछ वस्त्र और वस्त्र उत्पादों का ताइवान को निर्यात।

(1) निम्नलिखित द्वारा निर्यात हकदारी के आबंटन के मद्दे:-

(क) तैयार वस्तुओं के लिए सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद

(ख) ऊनी सलाई से बने हुए पहनावों को छोड़कर पोशाकों और सलाई से बनी हुई पोशाकों के लिए परिधान निर्यात संवर्धन परिषद।

(ग) ऊनी तैयार वस्त्र और सलाई से बनी हुई ऊनी पोशाकों (किन्तु ऊनी पोशाकों को छोड़कर) के लिए ऊन और ऊनी वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद।

पोत परिवहन बिलों पर अपेक्षित प्रमाणित मेड ऑफ के लिए सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद द्वारा दिया जाएगा और पोशाकों व सलाई से बने हुए ऊनी वस्त्रों के संबंध में ऐसा प्रमाणित परिधान निर्यात संवर्धन परिषद द्वारा दिया जाएगा।

(2) निर्यात हकदारी निर्धारण के मामले में निर्यात संवर्धन परिषद, वस्त्र मंत्रालय द्वारा जारी किए गए मार्गदर्शी सिद्धान्तों का पालन करेगी और निम्नतम (फ्लोर) मूल्य पद्धति के माध्यम से उचित वसूली को सुनिश्चित करने के लिए प्रयास करेगी।

(3) कुटीर उद्योग के हथकरघा वस्त्र, कुटीर उद्योग में हाथ से बनाए गए ऐसे वस्त्रों के उत्पाद (विशेष सीमा को शर्त के अधीन

1	2	3	4
			<p>पोशाकों की मदों से भिन्न) और कुटीर उद्योग के लोक परम्परागत हस्तशिल्प के वस्त्र (भारतीय मदें) मात्रिक प्रतिबंधों के अधीन नहीं है। जहां तक हथकरघा के वेड-अप्ले और निगरानों के अधीन हथकरघा की पोशाकों के निर्यातों का संबंध है इनके मामले में संयोजन प्रपत्र के भाग 2 में वस्त्र समिति द्वारा निरोधन पृष्ठों का की आवश्यकता होगी। भारतीय मदों के संबंध में विकास आयुक्त, हस्तशिल्प के कार्यालय द्वारा जारी किए गए उद्युक्त प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होगी।</p>
			<p>(4) "भारतीय मदों" से भिन्न पोशाकों का निर्यात द्विपक्षीय करार के अंतर्गत वर्गीकरण के अनुसार हथकरघा वस्त्र के उदगम, वस्त्र समिति द्वारा प्रमाणित पोशाकों के नमूनों पर यथानिर्दिष्ट औद्योगिक संस्थागत पोशाकों के समरूप होगा।</p>
<p>(VI) भारत-स्वीडन वस्त्र समझौते के अधीन सूती, ऊनी मानवनिर्मित ख 47(vi) रेशे या उनके मिश्रण के कुछ वस्त्र उत्पादों का स्वीडन की निर्यात।</p>			<p>(1) निम्नलिखित द्वारा निर्यात हकदारी के आबंटन के मद्दे:—</p> <p>(क) तैयार (तैयार ऊनी वस्त्रों को छोड़कर) वस्त्रों के लिए सूती वस्त्र निर्यात संबंधन परिषद ;</p> <p>(ख) पोशाकों और सलाई से बुने हुए वस्त्रों (सलाई से बुने हुए ऊनी वस्त्रों को छोड़कर) के लिए परिधान निर्यात संबंधन परिषद ; और</p> <p>(ग) तैयार ऊनी वस्त्रों और सलाई से बुने हुए ऊनी वस्त्रों के लिए ऊन और ऊनी वस्त्र निर्यात संबंधन परिषद। लेकिन, पीन परिबहुत बिलों पर आवश्यक प्रमाण सम तैयार वस्त्रों (तैयार ऊनी वस्त्रों सहित) के लिए सूती वस्त्र निर्यात संबंधन परिषद द्वारा और सभी पोशाकों और सलाई से बुने हुए वस्त्रों (ऊनी पोशाकों और सलाई से बुने हुए वस्त्रों सहित) के लिए परिधान निर्यात संबंधन परिषद द्वारा किया जाएगा।</p>
			<p>(2) निर्यात हकदारी के आबंटन के मामले में, निर्यात संबंधन परिषदें वस्त्र मंत्रालय द्वारा जारी किए गए मार्गदर्शी सिद्धान्तों का अनुपालन करेंगी और न्यूनतम मूल्य पद्धति के माध्यम से उपयुक्त बसूली के लिए प्रयास करेंगी।</p>
			<p>(3) "भारतीय मदों" के निर्यात के लिए विकास आयुक्त (हस्त शिल्प) के कार्यालय द्वारा जारी किया गया उचित प्रमाण-पत्र आवश्यक होगा।</p>
			<p>(4) "भारतीय मदों" से भिन्न अन्य पोशाकों के निर्यात द्विपक्षीय समझौते के अधीन दी गई श्रेणी के अनुरूप और विशिष्टीकरण के साथ समरूप होंगे और हथकरघा मूल के औद्योगिक/संस्थागत पोशाकों, वस्त्र समिति द्वारा प्रमाणित पोशाकों पर यथा हंगित नमूनों के अनुसार होंगे।</p>
<p>(vii) भारत-संयुक्त राज्य अमरीका वस्त्र समझौते के अधीन सूत, ख.47 (vii) ऊन, मानव-निर्मित रेशों, रेशम मिश्रित और वनस्पति फाइबर (जिसमें पटसन, असली रेशम शामिल नहीं है) से बने वस्त्रों का संयुक्त राज्य अमरीका की निर्यात।</p>			<p>(1) निम्नलिखित द्वारा निर्यात हकदारी के आबंटन के मद्दे :</p> <p>(क) वस्त्रों और तैयार वस्त्रों के लिए (जिसमें ऊनी वस्त्र और तैयार वस्त्र शामिल नहीं हैं), सूती वस्त्र निर्यात संबंधन परिषद।</p> <p>(ख) पोशाकों और सलाई से बुने वस्त्रों के लिए (जिसमें सलाई से बुने हुए ऊनी वस्त्र शामिल नहीं हैं) परिधान निर्यात संबंधन परिषद।</p> <p>(ग) ऊनी वस्त्रों, तैयार वस्त्रों और सलाई से बुने हुए ऊनी वस्त्रों के लिए (लेकिन, जिसमें ऊनी पोशाक शामिल नहीं है) ऊन और ऊनी वस्त्र निर्यात संबंधन परिषद।</p> <p>लेकिन ऊनी वस्त्रों और तैयार वस्त्रों के लिए पीनलदान बिलों पर आवश्यक प्रमाणन सूती वस्त्र निर्यात संबंधन</p>

1

2

3

4

परिषद द्वारा किया जाएगा और मलाई में बने हुए ऊनी वस्त्रों के मामले में इस प्रकार का प्रमाणन परियान नियति संवर्धन परिषद द्वारा किया जाएगा।

(2) नियति हकदारी के आवंटन के मामले में निम्न संवर्धन परिषद वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी किए गए मार्ग-दर्शी निदेशावली का पालन करेंगी और न्यूनतम मूल्य प्रक्रिया के माध्यम से उचित वसूली सुनिश्चित करने के लिए प्रयास करेंगी।

(3) कुटीर उद्योग के हथकरघा वस्त्रों, ऐसे वस्त्रों में बने हुए निर्मित कुटीर उद्योग उत्पाद (पोशाकों में भिन्न) और कुटीर उद्योग के परम्परागत लोकहस्तशिल्प वस्त्रों की समग्रता (भारतीय मदे) मात्रिक प्रतिबंधों के अधीन नहीं है। सभी हथकरघा तैयार वस्त्रों के निर्यात के मामले में संयोजन प्रपत्र के भाग-2 में वस्त्र समिति द्वारा एक "निर्यात पृष्ठांकन" अधिष्ठित होगा। "भारतीय मदे" संयोजन के भाग-2 में समिति के संबंध में विगत आयुक्त (हस्तशिल्प) द्वारा जारी किया गया उचित प्रमाण-पत्र अधिष्ठित होगा।

(5) "भारतीय मदे" में भिन्न अन्य पोशाकों के निर्यात द्विपक्षीय समझौते के अधीन दो गट्टे श्रेणी के अनुसूच्य और विशिष्टकरण के साथ समरूप होंगे और हथकरघा मूल के औद्योगिक/संस्थागत पोशाकों, वस्त्र समिति द्वारा प्रमाणित पोशाकों पर यथासंगत नमूनों के अनुसार होंगे।

(8) हथकरघा पर बने अग्रणी मद्रासी मालों (आरएमएच के) का निर्यात ख-47 (8)

कोटोनाऊ, लॉन और थकुरा (बाना) को हथकरघा पर बने अग्रणी मद्रासी माल (आरएमएच के) के निर्यात की अनुमति अप्रवर्तनीय साक्ष्य और सी ए डो (दमायेजों के प्रति तकद) दोनों के तहत नियतिक द्वारा इस घोषणा की शर्त के अधीन दी जाएगी कि निर्यात किये जाने वाले अग्रणी मद्रासी माल हथकरघा पर बने हैं। आरएमएच के का सी ए डो शर्तों पर निर्यात केवल उस सीमा तक किया जाएगा जिस सीमा तक निर्यातिक एक्सपोर्ट क्रेडिट एण्ड गारण्टी कारपोरेशन लि. (बी.सी. जी.सी) से राशि का साक्ष्य प्रस्तुत करें।

(9) अमली रेखा तथा लकड़ी रेखा वस्त्र और उत्तम वर्त। सामग्री (होजर) सहित। को छोड़कर, मूल्य वस्त्र और उत्तम वर्त। सामग्री हरी गीट वर्त। सामग्री ख-47 (9)

निर्यात की अनुमति पोशाकों के लिए परियान नियति संवर्धन परिषद से और वस्त्र और मेडियम के लिए मूली वस्त्र नियति संवर्धन परिषद से निर्यात संबिदाओं के पंजीकरण की शर्त के अधीन दी जाएगी।

48. निम्नलिखित लकड़ी और इमारती लकड़ी :-

(1) लाल सन्दल लकड़ी को छोड़कर सभी किस्मों की परिष्कृत ख-48 (1) इमारती लकड़ी

लाल सन्दल की सभी किस्मों को छोड़कर परिष्कृत इमारती लकड़ी के निर्यात की अनुमति सभी अनुमय मालों के लिए दी जाएगी। लाल सन्दल की लकड़ी में वर्त। परिष्कृत इमारती लकड़ी मुख्य वन संरक्षक, आन्ध्र प्रदेश, या मुख्य वन संरक्षक, तमिलनाडु, जो भी हो, में इमारती लकड़ी की अधिप्राप्ति के सम्बन्ध में जारी किया गया प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर दी जाएगी।

(2) सन्दल की लकड़ी न बने हस्तशिल्प ख-48 (2)

निर्यात की अनुमति अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी के इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर दी जाएगी को सन्दल की लकड़ियों में वर्त। हस्तशिल्प की वस्तुओं का मूल्यवर्धन विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) द्वारा समय-समय पर प्रति मोटारिक टन सन्दल की लकड़ी की औसत आधार कीमत का न्यूनतम 300% है। सन्दल की लकड़ी को ऐसी हस्तशिल्पों के निर्यात की अनुमति दी जाएगी जो पूर्ण हो और आने वाले साल का रूप बिगाड़ने की कोई गुंजाइश न हो। हस्तशिल्प अंडे परिष्कृत/अपरिष्कृत रूप से तस्करी या सामान्य मरह/निकारण की हुई न हो।



1	2	3	4
(3) निम्नलिखित मशीन से परिष्कृत मन्दन की लकड़ी के उत्पाद		ख. 48(3)	प्रत्येक मद/उत्पाद के सम्बन्ध में अधिकतम भार प्रति टुकड़ा 25 ग्राम होगा और प्रत्येक के लिए न्यूनतम मूल्य वर्धन 250% होगा।
1. ग्रीटिंग कार्ड			
2. महिलाओं के दस्तनी पंखों के लिए बन्ड			
3. घड़ियों की बाहरी खोल और डायल			
4. उपर्युक्त विशिष्टिकरण और मूल्यवर्धन मानदण्ड को पूर्ण करते हुए समान स्वरूप का कोई अन्य उत्पाद।			

## खुला सामान्य वाइसेस सं.-4

कालम 4 में सारणीबद्ध अभिकरण, उन देशों को छोड़कर जिनको इस तरह के कानून द्वारा निर्धारित प्रतिबंधित है, किसी भी देश को कोई लिखे माल का निर्यात कर सकते हैं :

क्रम सं.	मद	अनुसूची 1 के भाग-4 की सूची-4 के अनुसार क्रम संख्या	सारणीबद्ध अभिकरण का नाम तथा पता
1	2	3	4
1.	भरण्डी का तेल (जब निर्यात इक्वा भुगतान क्षेत्र को किया जाये)	ख-1	भारतीय राज्य व्यापार निगम लिमिटेड बन्दरगाह, 36, जनपथ, नई दिल्ली।
2.	निम्नलिखित रसायन		
	(1) बेन्जिन	ख-2(1)	भारतीय तेल निगम, भारतीय तेल भवन, जनपथ नई दिल्ली।
	(2) पोलिथिमीन (एल डी)	ख-2(2)	भारतीय रेट्रोकेमिकल्स कारपोरेशन लि. डाक घर पैट्रोकेमिक्स, जिला बड़ोदा (गुजरात)।
	(3) पैराफिन बैक्क टाइप-3	ख-2(3)	बालमोर लारी एंड कम्पनी, 21 मेनाजी सुभाष रोड, कलकत्ता-700001
3.	कोयला एवं कोक	ख-3	खनिज एवं धातु व्यापार निगम, एम्प्लेय भवन, बस स्टैंड गण्डा जंक्शन मार्ग, नई दिल्ली।
4.	रंगीन पिकचर ट्यूब और रंगीन टेलीविजन के डिवाइस जिनमें रंगीन टेलीविजन पिकचर ट्यूब शामिल हैं।	ख-4	वि इलेक्ट्रॉनिक्स ट्रेडिंग टेक्नोलॉजी डिवाइस कारपोरेशन, नई दिल्ली।
5.	इथाईल अलकोहल या किसी भी प्रूप डिग्री तक विजडूईकृत स्प्रिट चाहे विकृत किये गये हो या नहीं।	ख-5	भारतीय राज्य व्यापार निगम लि. बन्दरगाह 36, जनपथ, नई दिल्ली।
6.	(i) भारतीय फीचर फिल्मों के बॉडियों राइट्स की बिक्री सहित एक्स्पोर्ट सिनेमाटोग्राफिक फिल्मों (फीचर फिल्मों की 20 लाख रु. तक की लागत पर निर्मित फिल्मों को छोड़कर)	ख-6(1)	राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम, प्रथम तल, 13-16 रिजेंड चेंबर, नरीमन प्वाइंट, बम्बई-400004
	(ii) बिडियों टैपड सिनेमा (कैमेट्रॉन सहित)	ख-6(2)	
7.	गम कराया	ख-7	बी हाइवन कॉन्सोर्टियम मार्केटिंग फेडरेशन प्राइवेट लिमिटेड, सचिनी सदन-2, दूसरा मंजिल, 15 प्रात विहार, कम्प्यूनिटी सेन्टर विकास मार्ग, दिल्ली-110092
8.	खण्डमारी मीठा	ख-8	भारतीय राज्य व्यापार निगम लि. बन्दरगाह 36, जनपथ नई दिल्ली।
9.	मिल स्कैल स्केप	ख-9	पेट्रोल स्कैप ट्रेडिंग कारपोरेशन, 225 एफ. आर. आर. चार्ज रोड, कलकत्ता-700020
10.	निम्नलिखित खनिज अयस्क तथा खनिज :-	ख-10	इंडियन स्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड पिनकोड, ऊँची मंजिल-III महिष काँच रोड, बम्बई-400020 केएम खनिज एंड धातु लि. बम्बई-691001 (केएम)
	(1) धातुय अयस्क तथा खनिज	ख-10(1)	
	(2) धातुय अयस्क के रूप में अनिश्चित इन्फिनिट के रूप में निम्नलिखित खनिज अयस्क जिनमें	ख-10(2)	
	(क) कोलमाइड (ख) मोनोसाइट		
	(ग) समरसाइट (घ) यूरेनियम एंथ्राइड शामिल है		

1	2	3	4
	<p>(1) रेडियम अयस्क एवं सांद्रण</p> <p>(2) थोरियम अयस्क एवं सांद्रण</p> <p>(3) यूरेनियम अयस्क एवं सांद्रण</p> <p>(4) अयस्क से तबे या सोने को निकाल लेने के बाद अयस्क के बचे हुए यूरेनियम धारित टर्नलिंग</p> <p>(5) जिस्काइन अयस्क और मान्द्रण (जिस्कोन पत्थरों को ख-10 अर्थ बहुमूल्य किम्बों सहित)</p> <p>(3) भारतीय रेयर अर्थ खनिज एवं धातु लि. एवं केरल ख-10(3) खनिज एवं धातु लि. द्वारा उत्पादित गुल्नर सिलि-मेनाइट</p> <p>(4) गोवा मूल के लौह अयस्क से निम्न लौह अयस्क जब ख-10(4) इसका नियति जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान एवं पश्चिमी यूरोप को किया जाए।</p> <p>(5) गोवा मूल के 3% से 10% तक की मैंगनीज तत्वों ख-10(5) सहित द्विधातु अयस्क (कार्बो लौह अयस्क)</p> <p>(6) निम्नलिखित क्रोम अयस्क एवं सांद्रण :- (1) 38% तक सांद्रण 2 और 3 सहित क्रोम अयस्क लम्प</p> <p>(2) सांद्रण 2 और 3, 52% तक और मिलिका 4% से ख-10(6) अधिक सहित लो मिलिका फरायेबल/काइन अयस्क</p> <p>(7) निम्नलिखित को छोड़कर मैंगनीज अयस्क :-</p> <p>(क) रसायनिक रूप से संसाधित मैंगनीज डाई-आक्साइड ख-10(7)</p> <p>(ख) 46/ से अधिक मैंगनीज वाला लम्प। ब्लैडिड मैंगनीज अयस्क</p> <p>(8) कैलसाइन्ड बोक्साइट को छोड़कर बाक्साइट को सभी ख-10(8) शोधना</p>		
	<p>(9) कुद्रेमुख आयरन और कम्पनो लि० द्वारा उत्पादित ख-10(9) एफई को कम मात्रा वाली निम्न ग्रेड अयस्क को परिष्कृत करके और/या जमा कर तैयार किया गया लौह अयस्क सांद्रण</p> <p>(10) कुद्रेमुख लौह अयस्क को लि० (के आई ओ सी एन) ख-10(10) द्वारा उत्पादित सांद्रण से विनिर्मित लौह अयस्क पैकेट्स</p>		<p>खनिज एवं धातु व्यापार निगम, एसक्रेस बिल्डिंग, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली।</p> <p>कुद्रेमुख लौह अयस्क को लि० (के आई ओ सी एन) 11 कोरा माजिना रोड, बंगलौर।</p>
(11) सोरा	ख-11		भारतीय राज्य व्यापार निगम लि०, बख्शौक 36, जनपथ, नई दिल्ली।
(12) रामतिल	ख-12,1		भारत का राष्ट्रीय कृषि सहकारिता विपणन संघ लि. (नेफेड) नेफेड हाउस, सिद्धार्थ एंक्लेव आश्रम चौक, नई दिल्ली। 110014
			(2) ट्राइबल को-ऑपरेटिव मार्केटिंग डिवलपमेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया लि. (टी) और आई एफ ईटी) सावित्री, सबन-2, दूसरी मंजिल, 15 प्रोत बिहार कम्प्यूनिटी सटर, विकास मार्ग, नई दिल्ली 110092.
13. प्याज	ख-13		भारत का राष्ट्रीय कृषि सहकारिता विपणन संघ लि० (नेफेड) नेफेड सबन 1, सिद्धार्थ एंक्लेव, आश्रम चौक, नई दिल्ली 110014.
14. (i) स्नेहक, ग्रांज और अपरिष्कृत (कूड) तेल सहित तेलों के पेट्रोलियम उत्पाद	ख-14(1)		भारतीय तेल निगम लिमिटेड, भारतीय तेल सबन, जनपथ, नई दिल्ली।
(ii) निर्मित भारतीय उद्गम के स्नेहक तेल एवं ग्रांज	ख-14(2)		
15. (i) निर्मित और गड़े हुए अन्नक को छोड़कर संसाधित ख-15(1) अन्नक जिसमें सभी वर्गों और किस्मों के अन्नक, बज्जक, अन्नक फिल्म एवं सॉलिडिटीस शामिल हैं।			भारतीय अन्नक व्यापार निगम लि०, 137, पटिकोचुत्र हालोनी पटना।
(ii) अन्नक की रसी (फस्ट्ररी कटिंग्स सहित) और स्कन जो अन्नक संसाधित करने हुए भारत को आती है और ख-15(2) जो आकार एवं रंग के कारण संसाधित अन्नक के विशिष्टकरण से कम समझा जाते हैं।			

1	2	3	4
16.	रेलवे वेगन, मटारों डिब्बों तथा लोकोमोटिव	ख-16	प्रोजेक्ट एंड इक्विपमेंट कारपोरेशन ग्राफ इंडिया लि., हंसालिय 15 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।
17.	कच्चा पटसन, मेस्ता और पटसन की कतरने, के डिब्बों को छोड़कर ।	ख-17	भारतीय पटसन निगम, 1 शेक्सपीयर मारानी, कलकत्ता ।
18.	चीनी	ख-18	भारतीय राज्य व्यापार निगम लि., चन्द्रलोक 36, जनपथ, नई दिल्ली ।

## निर्यात आवेदन प्रपत्र

## प्रपत्र ए-एक्स

## निर्यात वस्तुओं के निर्यात के लिए आवेदन पत्र का प्रपत्र

(1) आई. ई. सी. संख्या :

1. आवेदक का नाम

2. आवेदक का पता

पिन कोड

3. निर्यात की जाने वाली मर्चों का विवरण :

क्रम सं.	मर्च का नाम	ई टी सी कोड	यूनिट का नाम		मात्रा	पोत पर्यन्त निशुल्क मूल्य रु०	एक यूनिट का मूल्य	लब्दान का पत्तन		अंतिम गंतव्य देश जिसको निर्यात किया जाना है नाम कोड
			नाम	कोड				नाम	कोड	

4. आवेदक का व्यौरा :

(क) स्थापना का वर्ष

(ख) क्या कम्पनी है :—

1	सार्वजनिक क्षेत्र की लिमिटेड कम्पनी
2	निजी क्षेत्र की लिमिटेड कम्पनी
3	स्वामित्व फर्म
4	वैयक्तिक फर्म
5	हिन्दू अविभाजित परिवार
6	निकाय/वैयक्तियों का संघ
7	अन्य (कृपया निर्दिष्ट कीजिए)

(ग) निदेशकों भागीदारों/स्वामियों का नाम

1—2—3—

4—5—



- (घ) यदि प्राइवेट कं. है तो, एक मालीदार प्रतिष्ठान या निजी फर्म है, क्या ऊपर  
(ग) में नामित कोई व्यक्ति किसी अन्य कम्पनी या फर्म के निदेशक,  
साझीदार या स्वामी है ? हां/नहीं

5. आवेदक के ऋणदाता का नाम —————

6. यदि आवेदक को आवंटित सीलिंग के मद्दे नियति वांछित है तो सीलिंग स्लिप/  
आवंटन पत्र भेजा जाए।

(1) संख्या/फाइल सं. —————

(2) सीलिंग स्लिप जारी करने की तिथि —————

(3) उस क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारी का नाम जिससे आवेदक नियति लाइसेंस  
जारी करवाना चाहता है।

7. (1) क्या आवेदक ने उस मद का पहले नियति किया है जिसके लिए अब आवेदन  
किया है ? हां/नहीं

(2) क्या उसे नियति व्यापार का पहले अनुभव है ? हां/नहीं

यदि हां तो आवेदक द्वारा पिछले दो मास के दौरान नियति की गई मुख्य  
पण्यवस्तुओं का नाम दिखाया जाना चाहिए। यदि आवेदक पण्यवस्तु के  
साथ एक विनिर्माता के रूप में या व्यापारी के रूप में संबद्ध है  
तो उत्पादन या व्यापार की मात्रा।

क्रम सं.	नियतित मद का नाम	मद का कोड	उत्पादन/व्यापार की मात्रा	मूल्य रूपों में

8. क्या आवेदक किसी मान्यताप्राप्त चैम्बर या व्यापार संघ का सदस्य है ? हां/नहीं  
यदि हां तो चैम्बर/संघ का नाम .....

9. संलग्नकों की सूची

घोषणा —

मैं/हम घोषित करता हूँ/करते हैं कि ऊपर जो कुछ कहा गया है, ठीक है।

1. आवेदक के हस्ताक्षर :

2. माफ अक्षरों में नाम :

3. पद :

4. निवास का पूरा पता :

5. दिनांक :

टिप्पणी : (1) यदि आवेदक किसी भी कालम का उत्तर देने में असमर्थ है तो वे  
इसके बारे में स्पष्ट उत्तर दें।

(2) भ्रामक या गलत सूचना देने वाले आवेदक भविष्य में लाइसेंस प्राप्त करने  
से वंचित हो जाएंगे।

(3) आवेदन-पत्र स्वामी, भागीदार या प्रबन्धक, फर्म के निदेशक या फर्म की  
ओर से किसी विधिक घोषणा पर हस्ताक्षर करने के लिए विधिक प्राधिकृत  
किसी व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिए। आवेदन पत्र पर हस्ताक्षर  
करने वाले व्यक्ति की स्थिति का स्पष्ट रूप से हवाला दिया जाना चाहिए।

## प्रपत्र-बी एक्स

निर्यात वस्तु का डाक द्वारा निर्यात करने के लिए लाइसेंस के लिए आवेदन प्रपत्र

(1) आई.ई.सी. संख्या

(1) आवेदक का नाम

(2) डाक पता

यह प्रपत्र जारी होने के लिए गणमान्यता का डाक से निर्यात करने के लिए लाइसेंस लेने के लिए एन द्वारा आवेदन करता है जिसके संबंध में चेकी गई सूचना सत्य और सही है

(3) निर्यात किए जाने वाले माल का विवरण :

क्रम संख्या	माल का नाम	माल कोड	मापक यूनिट		मात्रा	मूल्य (रुपयों में)
			नाम	कोड		

(4) परेषिनी का नाम और पता :

(1) नाम

(2) पता

(5) क्या यह माल :

(1) व्यापार का प्रयोजन

(2) कर्मचारी, है

(6) उस डाक घर का नाम, जहां से पार्सल भेजे जाएंगे

निधि ..... (आवेदक के हस्ताक्षर) .....

सेवा में,

संयुक्त/उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

(आवेदक को इसके नीचे की प्रविष्टि खाली छोड़ देनी चाहिए)

## निर्णय

ऊपर दी गई वस्तुओं (संख्या ..... ) को पार्सलों में निर्यात करने के लिए लाइसेंस सं० ..... दिया गया।

जारी करने की तिथि से ..... महीने के लिए वैध।

ऊपर संयुक्त/उप मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात

## आवेदकों के लिए अनुदेश

1. यह प्रपत्र दो प्रतियों में पूरे, ब्योरे विधिवत् भरने के बाद लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत किया जाना चाहिए और लाइसेंस मिल जाने पर उस पार्सल के साथ उस डाक घर को सौंप दिया जाना चाहिए जहां से पार्सल भेजा जा रहा हो।

2. मद 1 के सामने के माल का विवरण, मात्रा और मूल्य का उल्लेख करते समय पार्सलों की संख्या और प्रत्येक पार्सल में सामान की मात्रा का भी उल्लेख किया जाना चाहिए।

3. एक लाइसेंस में आने वाले सभी पार्सलों का एक ही किरात में डाक से भेजा जाना चाहिए।

## निर्यात लाइसेंस देने के लिए क्षेत्राधिकार

क्रम सं.	लाइसेंस प्राधिकारी	टेलीफोन नं.	क्षेत्राधिकार
1.	संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय, न्यू सैन्ट्रल गवर्नमेंट आफिसिंग बिल्डिंग, एम. ई. ब्रिग. न्यू मैरीन लाइन, चर्च गेट, बंबई-4000 20	टेलीफोन 251273	मद्रास
2.	संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय, 4, एस्प्लेनेड ईस्ट, फलकता-700069	टेलीफोन 285892	पश्चिमी बंगाल, सिक्किम तथा संघ शासित क्षेत्र अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह।
3.	संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात, 197, पीटर्ग रोड, रोयापठ, मद्रास-600014	टेलीफोन 863317	कन्याकुमारी, त्रिनुवेली, रामनाथापुरम और मदुरै को छोड़कर तमिलनाडु।
4.	संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात, केन्द्रीय लाइसेंसिंग क्षेत्र, पोयल्लेम भवन, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-110002	टेलीफोन 264265 264935	दिल्ली हरियाणा और उत्तर प्रदेश के पांच जिले अर्थात् :— मेरठ, गाजियाबाद, बुलन्दशहर, मुजफ्फर नगर और महरानपुर।
5.	संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, 6-4-सी, ग्रीन फील्ड, पाखोवाल, लुधियाना।	टेलीफोन -26484	अमृतसर जिले को छोड़कर पंजाब।
6.	संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात 117/444, काकादेव कानपुर-208025।	टेलीफोन 244344 246352	उत्तर प्रदेश, उन क्षेत्रों को छोड़कर जो संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात (केन्द्रीय लाइसेंसिंग क्षेत्र) नई दिल्ली और उप मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात वाराणसी और मुद्राबाद के क्षेत्राधिकार में हैं।
7.	संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात "ए" ब्लॉक, 11वीं मंजिल गवर्नमेंट मल्टीस्टोरीड बिल्डिंग, लाल दरवाजा अहमदाबाद-380001	टेलीफोन 350791	गुजरात राज्य, जिनमें राजकोट और न्यू कान्डला कार्यालय के क्षेत्राधिकार में आने वाले क्षेत्र शामिल नहीं हैं।
8.	संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात, सातवीं मंजिल कावेरी भवन, पोस्ट बाक्स नं.-7688, बंगलौर-560006	टेलीफोन 215750	कर्नाटक
9.	उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, एयर कार्पो कास्पलेक्स, झरवानी रोड श्रीनगर-180001	टेलीफोन 72257	जम्मू एवं कश्मीर
10.	उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, उद्योग भवन, तीसरी मंजिल, तिलक मार्ग, जयपुर-302005	टेलीफोन 63604	राजस्थान
11.	उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, कोर्यफ्लोर विकास मंजिल, सागर मरान, गुलजानी मल धर्मगाला, मुराबाबाद।	टेलीफोन 26945	मुराबाबाद, दहशान, उत्तर बंगाल, टिहरी गढ़वाल, गढ़वाल जमीन, मिर्जाराग, यमोडा, बिनाौर, नैनीताल और रानपुर।
12.	उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, तीसरी मंजिल, गुरु तेगबहादुर काम्पलेक्स, टी. टी. नगर, भोपाल-462003	टेलीफोन 64323 61303	मध्य प्रदेश,
13.	उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, म्युनिसिपल नं. एम एन-15/121, रिथीपटन मार्ग (पहली मंजिल) सारनाथ, वाराणसी-221007 (उ.प्र.)	टेलीफोन 46045 46056	वाराणसी, मिर्जापुर, गाजीपुर, जौनपुर, आजमगढ़, बलिया, देवरिया, गोरखपुर और बस्ती।
14.	उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, आर. जी. बरुआ रोड मुवाहादी-781024	टेलीफोन 83583	असम, मणिपुर प्रदेश, नागालैण्ड और मिजोरम।
15.	उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, लवहा काम्पलेक्स, (पहली मंजिल) 5-8-196 से 297 (बी), नैमिल्ले, हैदराबाद-500001	टेलीफोन 237293 231661	आन्ध्र प्रदेश, इसमें महानगर मुंबई नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय, विशाखापत्तनम के क्षेत्राधिकार में आने वाले क्षेत्र शामिल नहीं हैं।
16.	उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, हाउस नं. 86/862-A जिनूर गेट, गुर्गुलम कोचीन-682011	टेलीफोन 352760 351397	केरल और संघ शासित क्षेत्र लक्षद्वीप

क्रम सं.	नाइसेसिंग प्राधिकारी	टेलीफोन नं.	अंसाधिकार
17.	सहायक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, सी बी आर बिल्डिंग, माल रोड, अमृतसर	टेली.-65591	जिला अमृतसर
18.	सहायक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, सेक्टर-35, एम सी ओ 288, चण्डीगढ़-160023	टेली.-32314	हिमाचल प्रदेश और मध्य जामिन क्षेत्र चण्डीगढ़।
19.	सहायक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, प्रशासनिक बिल्डिंग, कान्डला फ्री ट्रेड ज़ोन, गांधीधाम (कच्छ-370230)	टेली.-23225	गुजरात का कच्छ जिला और न्यू काण्डला फ्री ट्रेड ज़ोन।
20.	सहायक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, देमाई बिल्डिंग, भूमिन्द्रा रोड, न्यू टाउन हाल, राजकोट-360001	टेली.-275/03/	गुजरात का जिला जिसे सौराष्ट्र के नाम से जाना जाता है (कच्छ को छोड़कर)
21.	सहायक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, आशिर्वाद बिल्डिंग, समता-आइमेज, पंजिम (गोवा)-403001	टेली.-4968	गोवा, दमन, और दीव और दादरा तथा नागर हवेली।
22.	उप-विकास आयुक्त (विकास) इलेक्ट्रॉनिक एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग ज़ोन, सान्ताक्रुज, बम्बई		इलेक्ट्रॉनिक्स एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग ज़ोन, सान्ताक्रुज, बम्बई (महाराष्ट्र)
23.	सहायक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, पोस्ट बायम नं. 14, 205 भारतो स्ट्रीट, पाण्डिचेरी-605001	टेली.-26216 26311	मध्य जामिन क्षेत्र पाण्डिचेरी, कर्णाटक माहे और यनम।
24.	सहायक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, बिस्कोमान भवन, पटना-800001	टेली.-31326	बिहार
25.	सहायक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, चौडलीगंज, नया बाजार, कटक-753004	टेली.-21047	उड़ीसा
26.	सहायक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, मंरेली बिल्डिंग, शिलांग, मेघालय-790001	टेली.-23360	मेघालय, मिज़ोरम और मिज़ोरम।
27.	सहायक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, डॉर नं. 43-9-166, पहली मंजिल, टी एस एन कॉलोनी, विशाखापत्तनम-530016	टेली.-62784	आन्ध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम, विशाखापत्तनम, ईस्ट गोदावरी और वेस्ट गोदावरी जिले।
28.	सहायक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, सनराइज बिल्डिंग, 104, बीच रोड, तूतीकोरीन-628001	टेली.-25931	कन्याकुमारी, त्रिचुरली, रामानाथपुरम् और मदुरै।

## निर्यात असबाब नियम

## भारत से बाहर जाने वाले व्यक्तियों का वास्तविक व्यक्तिगत सामान

निर्यात-व्यापार निषेधक संवर्धन प्रविधियों में छूट देने के लिए वास्तविक सामान में निम्नलिखित वस्तुएँ और प्रयुक्त वस्तुएँ निर्यात की जा सकती हैं, बशर्ते कि वे वस्तुएँ अपनी या उनके साथ यात्रा करने वाले उसके परिवार के सदस्यों के व्यक्तिगत उपयोग के लिए हों और वे वस्तुएँ बेचने के लिए न हों, या दूसरी पार्टियों के नाम हस्तान्तरित करने के लिए न हों।

निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1988 की अनुसूची-1 के भाग 'क' में निर्दिष्ट जंगली जीव को (जीवित या मृत या उसका कोई भाग या उसमें बनी वस्तुओं को) व्यक्तिगत सामान का हिस्सा नहीं माना जाएगा।

**टिप्पणी:—** उन पशुओं की जातियों का निर्यात जो जंगली कोमा और फ्लोरा (सी. आई. टी. ई. एन.) की संरक्षण जातियों के लिए हुए अंतर्राष्ट्रीय व्यापार निषेधक सम्मेलन के किये भी परिशिष्ट में शामिल है तो सी. आई. टी. ई. एन. के अन्तर्गत वे विनियमित एवं क्षेत्रीय सरकार नियंत्रण, जंगली जीव संरक्षण, भारत सरकार द्वारा विदेश जांच के अधीन होगा।

## (क) प्रयुक्त वस्तुएँ —

(1) पहने जाने वाले कपड़े

(2) व्यक्तिगत और घरेलू सामान, जैसे बिस्तर की चादर, कम्बल, तीलियाँ, घरेलू चारपाई, इस्तेमाल किए हुए सभी प्रकार के जूते, चप्पे और धूप के चप्पे, रिमोट-कंट्रोल, ऐश ट्रे, कागज की बनी कपडों की कलात्मक वस्तुएँ, अखरोट की लकड़ी से बनी छोटी वस्तुएँ, अर्चित स्तूप, चाय की छोटी मेजें, मेजों की कुर्तियाँ, कम्प-कॉट आदि पर्दे, मेज-पोंच, गद्दियों के गिलाफ टी-कोजियाँ, रमोई में इस्तेमाल किए हुए पीतल, एल्यूमीनियम या ताम्बे का बर्तन, ऐसी भारतीय कलाकृतियों, "जो चीते, तेंदुएँ या बाघ या ऐसे किसी अन्य जंगली जानवर को खाल को न बनी हों और जो निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1988 की अनुसूची-1 के भाग "क" में शामिल हों।' बटन और कफलिक, चांदी को छोड़कर अन्य धातुओं से बने छुरी-कांटे, चीनी के घाल, बर्तन, मिट्टी के बर्तन और कांच के बर्तन, चमड़े के सूट-केस, हैंड बैग, घोड़ों आदि के जीन और साज, चमड़े के सभी प्रकार के बाइबेल तथा जूते, सभी प्रकार के शस्त्रोक्त और रिबॉर्ड, पिस्तौल और बिन्न, फ्लायुन तथा बिना फंग का एकांटिकट, सभी कुछ पुस्तकें, बिना बिना खाना का आवश्यक सामान, आयीन खाने के लिए रेसम्पटर, ग्लास प्रवाहन का सामान ऊपर होकर, फर्श के ऊनी कार्लेट, पांचवें और परमिता के जान हों।

(3) कीमती पड़िया कास्टन का साज का फंग करवा।

(4) टाइपराइटर—एक-एक प्रति व्यवस्था यंत्री।

(5) चलचित्र के घरेलू उपकरण, बायर लेंस रिलेजेशन गैट रेडियो और सिगाई की मशीन (विदेशी या भारतीय)—एक-एक प्रति परिवार।

(6) गीबार-बंदियाँ या टाइपराइटर, रवीन, साईकिलें, (विदेशी या भारतीय)—एक-एक प्रति व्यवस्था यंत्री।

(7) बिजली के छोटे-मोटे उपकरण, जैसे टैबल-फैन, वैम्प, केतनी, इस्त्री, प्लग, साकेट आदि ऊपर सूची में।

(8) ऐसे व्यावसायिक औजार उपकरण और साधन, जिनकी यात्रा को अपने इस्तेमाल के लिए जरूरत होती है, जैसे शिल्पकार के औजार, चिकित्सा या शल्य चिकित्सा के ऐसे उपकरण जिन्हें सामान्यतः अपने साथ रखते हैं।

(9) चांदी के घरेलू बर्तन और फर्नीचर सामान्यतः छोड़े समय के लिए भारत से बाहर छोड़ा जा सकता है, बशर्ते कि व्यक्तियों को चांदी के घरेलू बर्तन या फर्नीचर अपने साथ ले जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पर मानकों में इन वस्तुओं का निर्यात करने की अनुमति दी गई नहीं गयी या नूतन तक ही दी जाएगी :—

(क) जो यात्री बाहर से भारत आए हों और लंबे समय तक यहां रहने के बाद हमेशा के लिए देश छोड़कर जा रहे हों, वे प्रत्येक मात्र 3,000/- रु. तक के चांदी के बर्तन आदि ले जा सकते हैं। यह सुविधा उन विदेशियों के लिए भी होगी जो भारत में 2 से 3 वर्ष तक या अधिक अवधि से रह रहे हों और उनके बाद अपने देश को चले जाते हों।

(ख) कभी-कभी थोड़े समय के लिए विदेश जाने वाले व्यक्ति प्रति व्यक्ति के हिस्से में 200/- रु. का वस्तु ले जा सकते हैं किन्तु एक परिवार 400/- रु. से अधिक का चांदी का सामान नहीं ले जा सकता है, जब उस सामान का वह वास्तव में उपयोग करता रहा हो।

(ग) लम्बे समय तक देश में रहने के बाद विदेश जाने वाले व्यक्ति अपने साथ मात्र फर्नीचर ले जा सकते हैं, जिसका वे इस्तेमाल कर रहे हों।

(घ) निम्नलिखित काल के लिए या 6 महीने की अवधि तक विदेश में रहने के लिए जाने वाले व्यक्ति अपने साथ वास्तविक वस्तुओं के लिए फर्नीचर ले जा सकते हैं।

## टिप्पणी :—

(1) विदेश में प्रवास करने वाले भारतीय राष्ट्रिय या असोसिएट समय के लिए विदेश जाने वाले भारतीय राष्ट्रिय 2000/- रु. मूल्य के चांदी के बर्तन भारतीय रिजर्व बैंक की अनुमति से ले जा सकते हैं।



रखा है। लेकिन यदि किसी व्यक्ति को बॉन्डमैन के रूप में 2000 रु. प्रति व्यक्ति होगी जो 400 रु. प्रति परिवार की सीमा के अधीन होगी।

### विदेशी पर्यटकों से भिन्न यात्री

2. विदेशी पर्यटकों से भिन्न यात्री :- विदेशी पर्यटकों से भिन्न यात्रियों द्वारा 2,000 रु. (केवल दो हजार रुपये) मूल्य तक की वस्तुएं, बाहर ले जाई जा सकती हैं। लेकिन उपर्युक्त सीमा के अतिरिक्त चीनी के बर्तनों की अनुमति केवल 200 रु. प्रति व्यक्ति होगी जो 400 रु. प्रति परिवार की अधिकतम सीमा के अधीन होगी।

### व्यावसायिक नमूने

3. व्यावसायिक नमूने :- व्यवसाय करने वाले यात्री उचित मात्रा में व्यावसायिक नमूने चाहे वे निर्यात वस्तुओं के क्यों न हों, ले जा सकेंगे।

### 4. विदेशी मुद्रा विनियमन

#### भारतीय मुद्रा

भारत से बाहर जाने वाले यात्री अपने साथ भारतीय मुद्रा के नोट और सिक्के निम्नलिखित सीमा तक ही ले जा सकते हैं, उससे अधिक नहीं :-

- (क) उपहार देने के प्रयोजनार्थ अपरिचलित किस्म के विकास अभि-मुख डिजाइनों के 50 रुपये और 10 रुपये के प्रत्येक दो सिक्के अपने साथ ले जा सकते हैं।
- (ख) नेपाल जाने वाले व्यक्तियों के लिए भारतीय रुपये या सिक्के ले जाने पर सीमा सम्बन्धी कोई प्रतिबन्ध नहीं है। (किन्तु 100 रुपये या उससे अधिक राशि के नोटों को छोड़कर)।
- (ग) बर्मा, मलेयिया, सिंगापुर, खाड़ी के पतनों या पूर्वी अफ्रीका की पानी के जहाज से जाने वाले यात्री प्रति व्यक्ति 20 रुपये तक।
- (घ) बांगला देश, श्रीलंका या पाकिस्तान जाने वाले प्रति व्यक्ति 20 रुपये तक।

### विदेशी मुद्रा

- (क) भारत से विदेश जाने वाला कोई व्यक्ति विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत विक्रेता से विदेशी मुद्रा में प्राप्त किए गए नोटों, सिक्कों, डाफ्टों, यात्री चेकों या साख पत्रों के रूप में अपने साथ इच्छानुसार विदेशी मुद्रा ले जा सकता है, बशर्ते कि सम्बन्धित प्राधिकृत विक्रेता, द्वारा ऐसा विदेशी मुद्रा जारी करने की पुष्टि के रूप में उस यात्री के पासपोर्ट पर विधिवत आवश्यक पृष्ठांकन किया गया हो।
- (ख) रिजर्व बैंक निम्नलिखित के सम्बन्ध में सामान्य अनुमति दे दी है :-
  - (1) कोई भी व्यक्ति नेपाली मुद्रा के नोट या सिक्के बिना किसी सीमा के नेपाल ले जा सकता है।
  - (2) कोई भी व्यक्ति, जो सामान्यतः भारत का निवासी न हो भारत से बाहर विदेशी मुद्रा की उतनी राशि ले जा सकता है, जो उस राशि से अधिक न हो, जो वह विदेशी मुद्रा में भारत लाया हो, बशर्ते कि उसने भारत पहुँचने पर सीमा-शुल्क प्राधिकारियों के सामने निर्धारित फार्म में उस राशि की घोषणा कर दी हो।
  - (3) :- कोई भी व्यक्ति जो भारत से बाहर बंगलादेश, भूटान, और नेपाल से भिन्न देश को जाता है, वह प्रति व्यक्ति 20 अमेरिकी डालर के नोट और सिक्के या उसके बराबर राशि की विदेशी मुद्रा बाहर ले जा सकते हैं।
  - (4) बांगला देश को जाने वाला कोई भी यात्री भारतीय मुद्रा के 100 रुपये के बराबर की किसी विदेशी मुद्रा के नोट और सिक्के ले जा सकता है। -- प्रति व्यक्ति

### आभूषण

#### ऐसे आभूषण जो सोने के न हों

(क) ऐसे आभूषण जो सोने के न हों -- कोई व्यक्ति एकबार में भारत से बाहर ऐसे बहुमूल्य रत्न और आभूषण को पूर्णतः या मुख्यतः सोने के न हों और जिसका मूल्य निम्नलिखित राशि से अधिक न हो ले जा सकता है :-

- (1) अफगानिस्तान, ईरान या मध्यपूर्व के खाड़ी के देशों को जाने वाले यात्री -- 2,000 रु. मूल्य के आभूषण।
- (2) किसी अन्य देश या स्थान को जाने वाले यात्री रु. 20,000 मूल्य में।

अपवाद :- जो व्यक्ति भारत का अधिवासी हो उनको छोड़कर कोई भी अन्य व्यक्ति अपने साथ ऐसे बहुमूल्य रत्न या आभूषण किसी भी मात्रा में बाहर ले जा सकता है, जो भारत आने पर वह अपने साथ लाया हो और उसके अतिरिक्त वह 10,000 रु. तक के मूल्य के ऐसे बहुमूल्य रत्न और आभूषण भी अपने साथ ले जा सकता है जो उसने भारत में खरीदे हों, और पूर्णतया या मुख्यतया सोने के न बने हों।

(ख) कोई भी व्यक्ति जो भारत का स्थायी निवासी है उसको एक समय में भारत से बाहर निजी आभूषण जो कि मुख्यतः या पूर्ण रूप से सोने के बने हुए हों, मूल्य में 20,000 रु. तक के हों जो कि व्यक्ति द्वारा पहने हुए हों या उसके निजी अनबाब का भाग हो, ले जाने के सम्बन्ध में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा सामान्य स्वीकृति प्रदान की गई है।

अपवाद :- जो व्यक्ति सामान्यतः भारत का निवासी नहीं वह भारत से बाहर किसी अन्य देश को मुख्यतः या पूर्णतः सोने के बने अपने निजी आभूषण किसी भी मात्रा में ले जा सकते हैं बशर्ते कि वह सीमा-शुल्क प्राधिकारियों की अनुमति से विदेश से वे आभूषण भारत में लाया हों। ऐसे व्यक्ति एकबार में मुख्यतः या पूर्णतः सोने के बने 2000 रु. तक के मूल्य के ऐसे आभूषण भारत से बाहर ले जा सकता है, जो उसने भारत में खरीदे हों।

### आभूषण से भिन्न सोना और सोने से बनी वस्तुएं

4. सोने के सिक्कों, ईंटों, मिलियों और मुख्यतः सोने की बनी वस्तुओं (आभूषणों को छोड़कर) का तब तक निर्यात नहीं किया जा सकता जब तक कि रिजर्व बैंक ने उनके निर्यात की विशेष रूप से अनुमति न दी हो।

### प्रतिभूतियों का नियति

5. प्रतिभूतियों का नियति :- रिजर्व बैंक आफ इंडिया की विशेष अनुमति प्राप्त किए बिना न तो प्रतिभूतियां ली जा सकती हैं और न ही वे भारत से बाहर किसी स्थान को भेजी जा सकती हैं।

### निर्यात घोषणा प्रपत्र

6. निर्यात घोषणा प्रपत्र : सभी यात्रियों को सीमाशुल्क निर्यात घोषणा फार्म दाखिल करना होगा जो उन्हें जहाज से उतरने पर उस सीमा शुल्क अधिकारियों द्वारा निशुल्क दिया जाएगा, जो उस समय ड्यूटी पर होगा।

### निर्यात प्रमाण-पत्र

7. निर्यात प्रमाण-पत्र : यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे व्यक्तिगत संपत्ति का उन वस्तुओं के लिए निर्धारित -- प्रमाण पत्र ले लें जिसका भारत में दुबारा आयात किया जाता हो, ताकि उन वस्तुओं को दुबारा भारत लाने के लिए सीमा-शुल्क न देना पड़े।

(2) भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान में रहने वाले अपने सम्बन्धियों के चादी में बनी वस्तुओं के उपहारों को उनके मृत्यु को ध्यान में रखे बिना नहीं भेज सकते हैं।

(3) प्रति परिवार 700 घण्टे की सेवा और जोषाधरा।

(ख) नया वस्त्रयुक्तः--

(1) मिठाई का आटा--1 किलोग्राम प्रति यात्री।

(2) सभी प्रकार के रंजक और रंग--500 ग्राम प्रति परिवार।

(3) बिना रंग दूई किमें--4 सूत प्रति यात्री, बशर्ते कि यात्री अपने साथ कैमरा ले जा रहा हो।

(4) धुली दूई किमें--उचित मात्रा में।

(5) खाद्य पदार्थः।

गेहूँ और गेहूँ का आटा-- 9 किलोग्राम प्रति यात्री किन्तु प्रति परिवार 36 किलोग्राम से अधिक नहीं।

चावल --वही--

दालें --वही--

खाद्य-तेल --वही--

चीनी 4.5 किलोग्राम प्रति व्यक्ति किन्तु प्रति परिवार 18 किलोग्राम से अधिक नहीं।

काली मिर्च और लाल मिर्च 1 किलोग्राम प्रति व्यक्ति किन्तु प्रति परिवार 4.5 किलोग्राम से अधिक नहीं।

चाय और काफी प्रति व्यक्ति 1 किलोग्राम चाय और 2 किलोग्राम काफी।

मक्खन और घी 4.5 किलोग्राम प्रति यात्री किन्तु प्रति परिवार 18 किलोग्राम से अधिक नहीं।

इलायची 500 ग्राम प्रति यात्री किन्तु 5 या इससे अधिक सदस्यों के परिवार के लिए अधिक से अधिक दो किलोग्राम।

(6) चाकण्ट और चाकण्ट में बनी मिठाई--उचित मात्रा में।

(7) फलों की संसाधित वस्तुएं जैसे जैम, मारमलेड, जैली और चीनी में पकाये गए फल, शरबत और फलों के स्क्वैश उचित मात्रा में।

(8) अन्य खाद्य-पदार्थ, जैसे चटनी, मसाले, करी-पाउडर, इमली, विविध प्रकार के मसाले (काली मिर्च और लाल मिर्च को छोड़कर) काजू और अखरोट--उचित मात्रा में।

(9) भारतीय मिठाइयाँ और घर की बनी मिठाइयाँ--उचित मात्रा में।

(10) भारतीय सुअर से बना सामान अर्थात् सुअर की चर्बी, सुअर का नमकीन मांस और जैम--उचित मात्रा में।

(11) केवल भारत में बने कपड़े और मिले-सिलाए वस्त्र आदिः--

(क) सूती कपड़ा या वस्त्र,

(ख) रेशम या कृत्रिम रेशम का कपड़ा या वस्त्र,

(ग) ऊनी कपड़ा।

उपर्युक्त कपड़ों को वास्तविक उपयोग के सामान के रूप में निर्यात करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है, बशर्ते कि उनका निर्यात, व्यावसायिक प्रयोजनों के लिए या बेचने के लिए न किया गया हो।

(घ) बुनाई की उत केवल 2.25 किलोग्राम प्रति महिला।

(12) जरीः--

(क) प्रति यात्री--2.25 किलोग्राम

(ख) प्रति परिवार--4.5 किलोग्राम

(13) कपड़ों की कलात्मक वस्तुएं--उचित मात्रा में

(14) भारत की बनी ऐसी कलात्मक वस्तुएं जो चीते, बाघ या तेंदुए या किसी ऐसे जंगली जानवरों की खाल से बनी हों, जिनका नाम निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1988 की अनुसूची 1 के भाग 'क' में शामिल हों ऐसे पर्यटकों के लिए जिनके पास परमिट न हो 500 रु. तक सामान, किन्तु इसके लिए शर्त यह होगी कि वह सामान, पुरावस्तु (निर्यात-नियंत्रण) अधिनियम, 1947 के अधीन न आता हो।

(15) रसाई के नए बर्तन--स्टील इत्यादि और एल्युमीनियम बर्तनों को ले जाने पर कोई रोक नहीं है। यदि कोई यात्री निर्धारित सीमा से अधिक सामान ले जाना चाहता हो, तो उसे अनियंत्रित वस्तुओं के लिए जांच निरोधक विभाग के लिए सहायक समाहर्ता से और नियंत्रित वस्तुओं के लिए निर्यात व्यापार नियंत्रण प्राधिकारियों से परमिट लेना चाहिए।

(16) बिजली के बल्ब (विदेशी या भारतीय)--एक दर्जन प्रति परिवार।

(17) मोर के पंखों से बनी वस्तुएं--उचित मात्रा में।

(ग) शस्त्र और गोला बारूद :--

(1) व्यक्तिगत शस्त्र और गोला बारूद साथ ले जाने की अनुमति उसी स्थिति में दी जाएगी जब यात्री के पास उसको रखने का वैध लाइसेंस होगा या भारतीय शस्त्र अधिनियम के अधीन उनको ऐसे लाइसेंस रखने की छूट प्राप्त हो।

(2) वह व्यक्ति, जिम्मे पुराने हथियारों के ऐसे असली प्रतिकृति खरीद रखे हों, जो भारत में नाकारा हो गए हों और वह उन्हें भारत से बाहर जाने समय अपने सामान के एक हिस्से के रूप में केवल 4 तग अपने व्यक्तिगत उपयोग के लिए साथ ले जाना चाहता है तो उसे उसको ले जाने की अनुमति ऐसे सीमा शुल्क प्राधिकारियों की मर्जी से दी जाए, जो सहायक सीमा शुल्क समाहर्ता से कम न हो, और उसे बाहर जाने वाले 'पत्र' पर ऐसा वाउचर/बिक्री सीमा प्रस्तुत करना पड़ेगा जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि प्रतियों का निरक्षण सक्षम प्राधिकारियों द्वारा कर लिया गया है।

2. निर्यात व्यापार नियंत्रण प्रतिबंध : ऐसे नियंत्रित वस्तुएं जो ऊपर के पैरा में न दी गई हों उनके वैध निर्यात के लिए निर्यात व्यापार नियंत्रण प्राधिकारियों से लाइसेंस लेना जरूरी है। किन्तु सीमा शुल्क समाहर्ता अपने विवेकाधिकार से नीचे दिए गए बर्गों के यात्रियों को उनके सामने दी गई सीमा तक निर्यात व्यापार नियंत्रण प्रतिबंधों से छूट दे सकता है बशर्ते कि उसे इस बात की तसल्ली हो जाए कि (क) सम्बन्धित सामान यात्रियों की वास्तविक आवश्यकताओं के लिए है, और (ख) मुख्यतः भारत में ही उत्पादित है अथवा बनाया गया है :--

1. वास्तविक विदेशी पर्यटकः--निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1988 की अनुसूची 1 के भाग-क में विनिर्दिष्ट से भिन्न माल को वे अपने निवास के देश में धन की किसी निर्धारित सीमा के बिना ही ले जा सकते हैं। यदि वे सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को यह दस्तावेजी माध्य प्रस्तुत कर देते हैं कि माल विदेशी मुद्रा में भुगतान के मद्दे खरीदा

**पोत भंडार**  
**भारत के 2-8-1975 के राजपत्र के भाग 2 खण्ड 3**

**उप-खण्ड (ii) में प्रकाशित**

**भारत सरकार**  
**जहाजरानी और परिवहन मंत्रालय**  
**परिवहन स्कंध**

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई, 1975

अधिसूचना

( व्यापार पोत )

का. आ. सं. 2473--व्यापार पोत अधिनियम, 1958 (1958-का 44) की धारा 101 की उपधारा (2) के खण्ड (छ) के अनुसरण में और भारत सरकार के भूतपूर्व परिवहन और नौवहन मंत्रालय (परिवहन खण्ड) की अधिसूचना, जो दिनांक 21 जून, 1967 के सा. आ. सं. 2169 के अन्तर्गत प्रकाशित हुई थी के अधिकरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित रसद का माप नियत करती है जो न्यूनतम माप होगा और जो पहली मार्च, 1975 में भारत सरकार द्वारा स्वीकृति करार नियमावली के आधार पर जहाजों में कार्यरत नाविकों को दिया जाएगा।

**अनुसूची**

भारतीय करार नियमावली (विदेशगामी) पर हस्ताक्षर करने वाले नागरिकों के लिए रसद का संशोधन माप.

1. चावल (क)	प्रतिदिन	350	ग्राम
2. आटा तथा रोटी ( जब व्यवहार्य हो तो रोटी प्रतिदिन उपलब्ध की जाएगी (ख)	प्रतिदिन जिसमें से 80 ग्राम आटा होगा	160	ग्राम
3. दाल-तुर, मूंग, मसूर अथवा मटर की दाल (क)	प्रतिदिन	80	ग्राम
4. ताजा मछली ( साबुत ) जहां उपलब्ध हो भिन्न-भिन्न प्रकार की मछली दी जाएगी-सप्ताह में 6 दिन (ग)	प्रतिदिन	110	ग्राम
5. ताजा मांस (हड्डियों तथा साधारण चर्बी सहित)-चर्बी 1/7 वें भाग से अधिक न हो--सप्ताह में 6 दिन (घ)	प्रतिदिन	170	ग्राम
6. सब्जियां (ङ)	प्रतिदिन	345	ग्राम
7. खाद्य तेल (च)	प्रतिदिन	25	ग्राम
8. घी (एगमार्क अथवा अन्य किसी अच्छे किस्म का)	प्रतिदिन	45	ग्राम

9. शोरबा (छ)	प्रतिदिन	25	ग्राम
10. इमली अथवा कोकम	प्रतिदिन	10	ग्राम
11. तमक	प्रतिदिन	25	ग्राम
12. अचार अथवा चटनी	प्रतिदिन	15	ग्राम
13. मक्खन	प्रतिदिन	20	ग्राम
14. जैम	प्रतिदिन	10	ग्राम
15. चाय तथा/अथवा काफी (ज)	प्रतिदिन	10	ग्राम
16. चीनी	प्रतिदिन	40	ग्राम
17. संघनित दूध		135	ग्राम
18. चूने हफ्ते में एक बार (साफ हुआ)		225	ग्राम
19. अण्डे	प्रतिदिन	1	
20. फल (सप्ताह में 6 दिन) (झ)		(एक पूरा टुकड़ा अथवा 115 ग्राम)	
21. आइसक्रीम-सप्ताह में एक बार ( इसके न दिए जाने पर फल दिया जाएगा )	प्रतिदिन	115	ग्राम
22. नीबू रस	प्रतिदिन	15	ग्राम
23. पानी	साप्ताहिक	28	क्वार्टर्स
24. ताजा दूध (सर्मांगीकृत अथवा अत्यधिक गर्म किया हुआ)		1	पिण्ड

टिप्पणी .--

जब कोई नाविक बीमार हो और छुट्टी पर हो उसे बिस्कुट, चाय अथवा काफी और चीनी, अरारोट अथवा साबुदाने के साथ जैसी आवश्यकता हो, दी जाएगी।

(क) खराब मौसम में जब चावल और दाल न पकाया जा सके तो उसके स्थान पर 185 ग्राम बिस्कुट तथा 60 ग्राम अति रिक्त चीनी दी जायेगी।

(ख) जब रोटी न दी जाये तो 100 ग्राम आटा दिया जायेगा।

(ग) जब ताजा मछली न मिले तो ताजा मछली के स्थान पर डिब्बा बन्द मछली अथवा हैन्रिगज मछली का आचार 1:2 के अनुपात में दिया जायेगा।

(घ) उन नाविकों को जो गोमांस अथवा सूअर का गोشت न खायें भेड़ वक्रे का मांस दिया जाएगा।

(ङ) 345 ग्राम में से 115 ग्राम आलू, 115 ग्राम प्याज, 115 ग्राम सेम, बैंगन, चोकी गोभी, बन्दगोभी, फूल गोभी, भिण्डी, लाल मिर्च अथवा मटर जैसी ताजी सब्जी अथवा विविधता लाने के लिए अन्य उपर्युक्त वैकल्पिक सब्जियां दी जायेंगी।

जहां तक सम्भव हो सके टमाटर सप्ताह में कम से कम एक बार दिया जाए। एक ही सब्जी लगातार दो दिनों से अधिक बार नहीं दी जाएगी। जब ताजी सब्जियां उपलब्ध न हों सूखी सब्जियां 1:4 अनुपात में दी जा सकती हैं।

(च) बम्बई के नाविकों के लिए तिल अथवा काडीय का तेल, कलकत्ता के नाविकों के लिए जब उपलब्ध हो सरसों का तेल अन्यथा नारियल का अथवा मूंगफली का तेल।

(छ) 25 ग्राम शोरवा में से 18 ग्राम लाल मिर्च, धनिया, हल्दी, सरसों, सूखा अथवा हरा सहसुन, निर्जलीय अथवा सूखी गरी तथा 7 ग्राम गरम मसाला अर्थात् दाल-चीनी, लौंग, इलायची, सफ़ेद खीरा, काली मिर्च, खसखस जायफन तथा जाविबी होगी। जब ताजी गिरी उपलब्ध हो तो वह सूखी या निर्जलीय गिरी के स्थान पर दी जाएगी।

(ज) जब चूर्ण काफी की अपेक्षा तैयार काफी दी जाए, तो इसका अनुपात 1:2:4 का होना चाहिए।

(झ) जब पपीता, तरबूज आदि जैसे बड़े फल दिए जायें तो वह 115 ग्राम हों।

(ञ) जहां ताजा दूध नहीं दिया जाता, वहां सप्ताह में 100 ग्राम सुखारा हुआ दूध दिया जायेगा।

(ट) ऐसी अवधि के दौरान जब नौवहन, महानिदेशक द्वारा खाद्यान्न की कमी घोषित की जाये, अब अपेक्षित मात्रा में चावल उपलब्ध न हो तो चावल की प्रतिदिन की मात्रा में से 25 ग्राम कम कर दिए जायें और उनकी प्रतिपूर्ति के रूप में प्रतिदिन अन्य मर्दों की मात्रा में यथा निम्नलिखित वृद्धि कर दी जायेगी :

10 ग्राम ताजी मछली, अथवा

5 ग्राम मांस, अथवा

50 ग्राम सूखी सब्जी अथवा

25 ग्राम ताजी सब्जी।

(ठ) जब खाद्य सामग्री बन्द डिब्बों में दी जाए तो नाविक उपरोक्त के अनुसार मानक डिब्बों में निकटतम ग्राम वजन स्वीकार करेंगे।

### शीत मौसम माप

शीत मौसम में अतिरिक्त 10 ग्राम चाय और/या काफी, 10 ग्राम चीनी और 5 ग्राम संघनित दूध प्रतिदिन दिया जाएगा। शीत मौसम में नींबू का रस नहीं दिया जाएगा।

“शीत मौसम में” यह माप

(1) अक्टूबर से मार्च महीने तक की अवधि में उत्तरी गोलार्ध में तथा एटलांटिक समुद्र में 30° एन के उत्तर तथा अन्य किसी जगह 24° एन के उत्तर में।

(2) मई से सितम्बर, तक की अवधि में दक्षिणी गोलार्ध में तथा 30° एस के दक्षिण में लागू होगा।

[सं. एम. एस. ई. (9)/75 एम. टी.]

ह/-

दीवान धनद अहीर,  
अवर सचिव, ।



### आयात निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 के अधीन विदेशी पार्सलों पर प्रतिबन्ध

1. डाक-बोर के महानिदेशक के समय-समय पर यथा संशोधित तारीख 30-12-1970 के परिपत्र सं. 21 के पैरा-1 में दिये गये अनुदेशों के अधिक्रमण में निम्नलिखित परिशोधित अनुदेश, जो तत्काल लागू किए जाते हैं, सभी संबंधित व्यक्तियों को सूचना और मार्गदर्शन के लिए संलग्न डाक-नोटिस में प्रकाशित किए गए हैं।

2 निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1968 की अनुसूची 1 में उल्लिखित वस्तुओं को छोड़कर अन्य सभी वस्तुओं को डाक से सभी अनुमेय-गन्तव्य स्थानों पर लाइसेंस के बिना भेजा जा सकेगा।

टिप्पणी :— "अनुमेय-गन्तव्य, स्थानों" से अभिप्राय उन देशों से है जिसके साथ यह प्रशासन डाक सेवा कायम (पत्र और पार्सल) रखता है और उन देशों से भी है, जिनके साथ व्यापार करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है।

#### डाक नोटिस

सं. 13, दिनांक 3-12-1973

डाक नोटिस सं० 18 दिनांक दिसम्बर, 1970 का अधिक्रमण करते हुए निम्नलिखित परिशोधित अनुदेश सभी संबंधित व्यक्तियों को सूचना और मार्ग-दर्शन के लिए प्रकाशित किए जाते हैं।

2 निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1968 की अनुसूची (1) में निहित माल के अतिरिक्त अन्य माल का उपहार के रूप में अथवा डाक पार्सल द्वारा वाणिज्य प्रयोजन के लिए निर्यात, आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 के अन्तर्गत लाइसेंसों को प्रस्तुत किए बिना सभी अनुमेय गन्तव्य स्थानों के लिए अनुमेय होगा।

3. नीचे के पैरा (1) से (10) में जो वस्तुएं उल्लिखित हैं, उनको छोड़कर निर्यात (व्यापार) नियंत्रण आदेश, 1968 की अनुसूची 1 में दी गई वस्तुओं को तब तक डाक से नहीं भेजा जा सकेगा जब तक कि वस्तुएं निर्यात व्यापार-नियंत्रण प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए लाइसेंसों में शामिल न हों।

(1) ऐसे वाणिज्यिक नमूने जो (नियंत्रण) आदेश, 1968 की अनुसूची 3 में दिये गये मूल्य तक हों और खुले सामान्य लाइसेंस-2 के अन्तर्गत आते हों।

(2) सिल्वर जरी का सामान, मूल्य की किसी सीमा के बिना, चाहे वह वाणिज्यिक प्रयोजन के लिए हो या उपहार के रूप में।

(3) निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1968 की अनुसूची 1 के भाग 'ख' की मद सं. 23 के सामने उल्लिखित हाथ के बने हुए ऊनी कालीन और चैन स्ट्रिचड ऊनी कालीन, मूल्य की किसी सीमा के बिना उपहार के रूप में भेजी जा सकती हैं।

(4) निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1968 की अनुसूची 1 के भाग 'ख' की मद सं. 76 में दिये गये 200 रु. तक के मूल्य के सभी प्रकार के जूते उपहार के रूप में भेजे जा सकते हैं।

(5) निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1968 की अनुसूची 1 के भाग "ख" की मद 21 (2) में दी गई 200 रुपये तक के मूल्य की हथकरघे की धारीदार चादरें जो "इटावा की धारीदार चादर" के नाम से जानी जाती हैं, प्रत्येक पार्सल में उपहार के रूप में भेजी जा सकती हैं।

(6) निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1968 की अनुसूची 1 के भाग 'ख' की मद सं. 21(2) में उल्लिखित 200 रु. मूल्य तक की लुंगी के डिजाइन का कच्चे रंगों का (जिसमें ब्लिचड तत्वों वाला कपड़ा भी शामिल है) ऐसे हथकरघे का कपड़ा और उससे बने वस्त्र प्रत्येक पार्सल में उपहार के रूप में भेजे जा सकते हैं।

(7) निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1968 की अनुसूची 1 के भाग 'ख' की मद सं. 21(3), (4), (7), (9), (10), (11) तथा (13) में दी गई 200 रु. मूल्य तक की सूती कपड़े से बनी वस्तुएं प्रत्येक पार्सल में इंग्लैण्ड, संयुक्त राज्य अमरीका, आस्ट्रिया, पश्चिम जर्मनी, फ्रांस, इटली और बेनेलक्स देशों को उपहार के रूप में भेजी जा सकती हैं।

(8) निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1968 की अनुसूची I के भाग ख की मद सं० 21 (VI) में दर्शाये गये अनुसार 200 रु. मूल्य तक के सेल्यूलोसिक कृत्रिम रेशम के कपड़े प्रत्येक पार्सल में उपहार के रूप में भेजे जा सकते हैं।

(9) निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1968 की अनुसूची-I के भाग (ख) को मद सं० 21 (XII) के सामने दर्शाये गये अनुसार 200 रु. मूल्य तक के नायलॉन के कपड़े प्रत्येक पार्सल में उपहार के रूप में भेजे जा सकते हैं।

(10) चांदी के सिक्के यदि (1) उनका निर्यात मूल्य सिक्के में जितनी चांदी है उसके मूल्य से कम न हो; (2) रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया से अनुमति ले ली गई हो; (3) 100 वर्ष से अधिक पुराने सिक्कों के निर्यात के लिए शिक्षा मंत्रालय के पुरातत्व विभाग से पुरावस्तु संबंधी स्वीकृति ले ली गई हो; और (4) तत्संबंधी लदान बिलों पर सक्षम सीमाशुल्क अधिकारी द्वारा पुष्ठांकन किया गया हो।

4. निर्यात के संबंध में उपर दी गई शर्तों के बावजूद जिन मामलों में आवश्यक हो, उनमें विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1947 (1947 का 6) के अधीन भारत से बाहर देशों को डाक से निर्यात किए जाने वाले सामान पर लगाए गए प्रतिबंधों के संबंध में समय-समय पर संशोधित तारीख 25-5-1951 के डाक नोटिस सं. 12 में निर्दिष्ट पी.पी. फार्म और अन्य क्रियाविधि के अधीन डाक द्वारा सामान का निर्यात किया जाता रहेगा।

5. इस डाक नोटिस के उपबंध हवाई डाक पार्सलों द्वारा निर्यात किए जाने वाले सामान पर भी लागू होंगे बशर्ते कि पार्सल का वजन 5 (पांच) किलोग्राम से अधिक न हो।



भारत सरकार कृषि मंत्रालय द्वारा पौधों और पौधों की सम्पत्ति के निर्यात के लिए पादप आरोग्यता प्रमाणपत्र देने के लिए प्राधिकृत अधिकारियों की पत्तों सहित सूची।

(खंड-1 का उप-पैरा 15 देखें)

क्रम सं.	केन्द्रीय सरकार / राज्य सरकार	पत्तों सहित अधिकारी का नाम	1	2	3
1	2	3			
1. केन्द्रीय सरकार		1. पादप संरक्षण सलाहकार, भारत सरकार, कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली या उनके द्वारा इस संबंध में विधिवत् प्राधिकृत कोई अन्य व्यक्ति। 2. (1) कीट विज्ञान प्रभाग का अध्यक्ष। (2) कवक विज्ञान प्रभाग के अध्यक्ष (भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली 110012)। 3. वन अनुसंधान संस्थान देहरादून में वन संरक्षण प्रभाग का अध्यक्ष और मुख्य अनुसंधान अधिकारी। 4. निदेशक, केन्द्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक, उड़ीसा। 5. निदेशक, नेशनल व्यूरो ऑफ प्लांट जेनेटिक रिसोर्स, आई ए आर आई नई दिल्ली। 6. अनुसंधान निदेशक, कहवा बोर्ड, अनुसंधान केन्द्र, बालेनोनूर, कर्नाटक। 7. निदेशक, आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला। 8. वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी, कीट विज्ञान शाखा, दक्षिणी वन, रेंजर्स कालेज और अनुसंधान केन्द्र, कोयम्बटूर। 9. निदेशक, टी एक्सपेरिमेंटल स्टेशन, टोकाली।	उत्तर प्रदेश		1. कीट विज्ञानी और 2. पादप और विज्ञानी, उत्तर प्रदेश सरकार, कानपुर। 3. उप निदेशक, पादप संरक्षण, लखनऊ।
			राजस्थान		1. संयुक्त निदेशक (पादप संरक्षण) राजस्थान, जयपुर।
			पश्चिम बंगाल		1. कीट विज्ञानी और 2. कवक विज्ञानी, पश्चिमी बंगाल सरकार, राज्य कृषि अनुसंधान संस्थान, 230 नैनाजी मुभाष रोड, रीजेंट पार्क, कलकत्ता-40
			हिमाचल प्रदेश		1. कृषि निदेशक, कृषि विभाग, हिमाचल प्रदेश, प्रशासन शिमला हिल्स, शिमला
			सिक्किम		1. निदेशक, कृषि तथा पशु पालन, गंगटोक, सिक्किम 2. वन प्रबंधक, गंगटोक, सिक्किम।
			अंडमान तथा निकोबार द्वीपसमूह		1. कृषि निदेशक, अंडमान तथा निकोबार द्वीपसमूह, पोर्ट ब्लेयर। 2. संयुक्त निदेशक कृषि (सी) अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह, पोर्ट ब्लेयर। 3. संयुक्त निदेशक कृषि (पी०एण्डएस०) अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह, पोर्ट ब्लेयर।
			गोवा, दमन तथा दीव		1. कृषि निदेशक, पंजिम, गोवा। 2. उप निदेशक, कृषि पंजिम, गोवा।
2. राज्य आन्ध्र प्रदेश		1. कृषि निदेशक, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद। 2. पादप संरक्षण विणेषज्ञ, गुंटूर।	महाराष्ट्र		1. कृषि अधिकारी, कृषि संरक्षण स्कूल, कृषि निदेशालय, पुणे (महाराष्ट्र)
			गुजरात		1. पादप रोग विज्ञानी, गुजरात सरकार, अहमदाबाद। 2. उप निदेशक कृषि, कृषि विभाग, अहमदाबाद। 3. पादप रोग निरोध अधिकारी, पादप रोग निरोध केन्द्र, जाम नगर (गुजरात)।
असम		1. करेंट विज्ञान और 2. प्लांट पैथोलोजिक असम सरकार, कृषि विभाग, गुवाहाटी।	हरियाणा		1. संयुक्त निदेशक, कृषि चन्डीगढ़। 2. टिड्डी नियंत्रण तथा पादप संरक्षण अधिकारी, चन्डीगढ़।
बिहार		1. कीट विज्ञानी और 2. पादप रोग विज्ञानी, बिहार सरकार, सीठापुर फार्म, पटना। 3. पादप रोग विज्ञानी, बिहार सरकार, कृषि महाविद्यालय, सावोर (बिहार)			

1	2	3	1	2	3
जम्मू तथा काश्मीर	1. कृषि निदेशक, जम्मू तथा काश्मीर, कृषि विभाग, श्रीनगर ।		कर्नाटक		1. कीट विज्ञानी और
केरल	1. संयुक्त निदेशक, कृषि पौध संरक्षण, कृषि विभाग, त्रिवेन्द्रम (केरल) ।				2. पादप रोग विज्ञानी, कर्नाटक सरकार, कृषि विभाग, बंगलौर ।
मध्य प्रदेश	1. कीट विज्ञानी, मध्य प्रदेश सरकार, कृषि विभाग, रीवा । 2. कवक विज्ञानी, मध्य प्रदेश सरकार, कृषि अनुसंधान संस्थान, ग्वालियर ।		उड़ीसा		1. कीट विज्ञानी और
तमिलनाडु	1. निदेशक, पादप संरक्षण अध्ययन केन्द्र, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयम्बटूर ।		पंजाब		2. कवक विज्ञानी, उड़ीसा सरकार, कृषि विभाग, भुवनेश्वर । 1. कीट विज्ञानी तथा
					2. पादप रोग विज्ञानी, पंजाब सरकार, राजकोय कृषि महाविद्यालय, लुधियाना ।

## अन्य अधिनियमों एवं अध्यादेशों की विस्तृत सूची (खण्ड-1 का पैरा 4 देखिए)

क्रम सं०	अधिनियम का नाम	क्रम सं०	अधिनियम का नाम
1.	भारतीय डाकघर अधिनियम, 1898	8.	औषध एवं सम्मोहन प्रतिकार अधिनियम, (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954
2.	पुरातन स्मारक संरक्षण अधिनियम, 1904	9.	हानिकर औषध (आयात, निर्यात तथा वाहनान्तरण नियमावली), 1957
3.	भारतीय काफ़ी अधिनियम, 1942	10.	अस्त्र अधिनियम, 1959 तथा अस्त्र नियमावली, 1962
4.	नारियल-जटा उद्योग अधिनियम, 1942	11.	प्राचीन तथा कला संपत्ति अधिनियम, 1972
5.	विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1947	12.	मोटर वाहन अन्तर्राष्ट्रीय परिचालन नियमावली
6.	हानिकर औषध अधिनियम, 1953		
7.	शाय अधिनियम, 1953		

## MINISTRY OF COMMERCE

## EXPORT TRADE CONTROL

## PUBLIC NOTICE NO. 19-ETC(PN)/90

New Delhi, the 30th March, 1990

Subject : Import and Export Policy for the period April, 1990—1993 (Vol. II)

File No. 19/16/90/E-II—Attention is invited to the Export (Control) Amendment Order No. E(C)O, 1988/AM(50) dated the 30th March, 1990 on the above subject.

2. The Export Licensing Policy which comes into force with effect from 1st April, 1990, is for a period of three years ending 31st March, 1993. The policy to be followed during the above period is indicated in Sections I, II and III enclosed with this Public Notice. However, the Government reserves the right to make amendments/changes in this policy which may become necessary in public interest from time to time during the above period. Amendments etc., if any, will be notified as usual, by means

of Public Notices/Amendment Orders, issued by the Chief Controller of Imports and Exports from time to time. The provisions of the policy book are subject to such amendments or changes as and when notified.

3. Applications for export based on pre-ban (including pre-control) commitments in respect of the items whose export were allowed either on de-controlled basis or under O.G.L. No. 3 should be addressed to the Headquarters, Office of CCI&E, Udyog Bhavan, New Delhi, for consideration in terms of relevant provisions of the said policy.

4. In respect of items allowed for a export "On Merits" no person shall enter into commitments before obtaining the necessary permission for export. Applications in respect of such items should be submitted to the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi.

TEJENDRA KHANNA, Chief Controller of  
Imports & Exports

## SECTION 1

## EXPORT CONTROL

1. The Export Licensing Policy this time also has once again been completely reviewed, to bring it in consonance with the Government's avowed policy of simplification and rationalisation of policy and procedures. In order to ensure continuity and stability, the Export Policy this time also will be valid for three years—1st April, 1990 to 31st March, 1993. However, the Government reserves the right to make amendments/changes in the policy which may become necessary in public interest from time to time during the above period. Amendments etc. if any, will be notified by means of Public Notices/Amendment Orders etc., issued by the Chief Controller of Imports and Exports from time to time. The provisions of the Policy Book are subject to such amendments or changes as and when notified.

2. *Object.*—The primary object of the Government is to promote exports to the maximum extent, but in such a manner that the economy of the country is not affected by unregulated exports of items essentially needed within the country. Export Control is, therefore, exercised in respect of a limited number of items whose supply position demands that their exports should be regulated in the larger interest of the country.

3. *Scope.*—Export Control is exercised in accordance with the provisions of the Exports (Control) Order, 1988 issued by the Central Government in exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947. This Act is reproduced in the current Hand Book of Procedures.

4. Only items included in Schedule I to the Exports (Control) Order, 1988 are under control. No such item can be exported unless it is covered by a valid licence issued by a licensing authority competent to grant an export licence for that item. Goods which are not included in this schedule can be shipped without any export licence unless their export is controlled under any other law for the time being in force. For, instance, export of antiquities is regulated under the Antiquities and Art Treasures Act, 1972, whereas the export of Coffee and Tea is regulated by the Coffee Board, Bangalore and the Tea Board, Calcutta, under the provisions of the Indian Coffee Act, 1942 and the Tea Act, 1953 respectively. Export of Gold, Currency Notes, Bank notes and coins is controlled by the Reserve Bank of India under the Foreign Exchange Regulation Act. Likewise, export of some other commodities is either prohibited or regulated under different enactments. An illustrative list of some such enactment is given in Section III.

5. Notwithstanding the general rule that an item falling within the scope of the Exports (Control)

Order cannot be exported unless covered by a valid licence issued by a licensing authority competent to grant licence for that item, the Order provides certain exceptions and concessions in terms of which exports can be made, in certain circumstances and to a limited extent without a licence.

6. Goods imported under Open General Licence cannot be exported as such. Its export can be allowed only with the specific permission of Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi.

7. Exports can be made to any destination in the world. No discrimination is made between one country and another in the matter of issue of licences. This means that foreign buyers are free irrespective of the country to which they belong, to procure their requirements of commodities from persons holding export licences or eligible to export under OGL provided that the OGL conditions are satisfied. To this general rule, the only exceptions are the Union of South Africa and Fiji because of a complete ban on trade with these countries. No export is, therefore, permitted to these countries. Border trade (i.e. frontier trade) between India and Tibet region of China shall not, however, be allowed.

## LICENSING POLICY

8. Appendix-I contains the Export (Control) Order, 1988, alongwith the Schedules thereunder. This is reproduced in Section II.

The Schedule I to the Exports (Control) Order, 1988, lists out commodities which are subject to Export Control. These items are split up under two lists. One called Part 'A' contains the items, export of which is not allowed. The second, called Part 'B' contains the items, export of which is subject to certain specified conditions. These items of Part 'B' have been grouped in four lists depending upon the individual policy applicable to them.

Schedule II lists out the officers competent to grant export licence.

Schedule III contains the four Open General Licences and the conditions attached thereto.

9. List 1 of Part 'B' contains the items, export of which is allowed "On Merits". In respect of such export, applications from individual exporters will be entertained by the Office of CCI&E, New Delhi only. Such applications will be placed before the Export Licensing Committee which has been constituted at Headquarters under the Chairmanship of CCI&E,



New Delhi, The Committee will consist of representatives of Ministry of Commerce and other concerned Departments/Ministries. The export will be decided on merits and on case to case basis and based on the recommendations of the Committee, export licences will be issued by the Regional Licensing Authorities.

10. List 2 of Part 'B' contains the items, export of which is allowed under a limited ceiling. The items which have been put under ceiling are those for which the permissible limit for export will vary from year to year owing to either production constraints or constraints of processing capacities. The whole year's ceiling will be released in one lot. The ceiling will be operated upon by the Regional Licensing Authorities.

11. List 3 of Part 'B' contains the items, export of which is under OGL No. 3 subject to certain conditions attached thereto. In respect of such exports as are made in accordance with the relevant OGL conditions, the exporters will not be required to approach the licensing authorities for obtaining any export licence. At present, four Open General Licences are in operation as given in Schedule III to the Exports (Control) Order, 1988 reproduced in Appendix I Section II of this Book.

12. List 4 of Part 'B' contains items, export of which is canalised by specified agencies. For these items, the exports will be allowed only by the canalising agencies concerned. The quantum upto which export may be permitted in respect of these items and other details pertaining thereto are decided by the Government from time to time. The operations of the canalising agencies in this regard are, therefore, subject to such directions as may be given to them by the Government.

13. (1) Although this policy is for three years' period, the licensing will continue to be on annual basis.

(2) Wherever the word 'year' or 'licensing year' appears in this policy, they should be construed to mean "financial year" beginning from 1st April and ending on 31st March.

(3) The Chief Controller of Imports & Exports may, by issue of a Public Notice evolve a special procedure for the issue of export licences in respect of any licensing period or commodity. In such cases, the provisions of the policy and procedure as may be laid down shall apply only to the extent specified in such Public Notice.

#### 14. Free Trade Samples

Export of free trade samples is set forth in OGL No 2 in Schedule III of the Exports (Control) Order, 1988.

15. *Project Exports.*—Any item included in Part 'A' or Part 'B' of Schedule I to the Exports (Control) 930 GI/90—9

Order, 1988, required in connection with a project abroad undertaken by an Indian Contractor|Sub-contractor|Consultancy Organisation, irrespective of the export policy in force at the time of export will be allowed for export on the basis of approval|sanction letter issued by the Projects Committee in the Ministry of Commerce. Such approval|sanction letter will give details regarding quantity, specifications and value of the individual items approved for export by the Projects Committee. Export licences will be issued in the name of such Contractor|Sub-contractor|Consultancy Organisation undertaking the project by the Regional Licensing Authority on production of approval|sanction letter from the said Committee. The items not mentioned in Part 'A' or Part 'B' of Schedule I to the Exports (Control) Order, 1988, required for a project abroad will be allowed on de-controlled basis, without any restriction or permission from the Projects Committee referred to above.

16. *Pre-shipment Inspection and Quality Control.*—Exporter(s) shall be required to furnish a pre-shipment Inspection|Quality Control Certificate from the Export Inspection Agency, at the time of shipment, to the Customs Authorities for items which are covered under Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963, irrespective of the fact whether such a condition has been prescribed in the export policy or not.

Where there is a demand or a legal obligation for obtaining Phyto-sanitary Certificate for export of plants and plant materials which are covered under Exports (Control) Order, such certificate will have to be obtained by the exporters from the authorised officers|institutions notified by the Ministry of Agriculture. A list of such officers|institutions is given in Section III of this Book. Such certificates from any other authority will not be acceptable at the time of export.

17. An export licence is issued without prejudice to the operation of other laws to which the goods or the applicant|licence holder may be subject. This applies also to goods allowed for exports on Open General Licence. Every person concerned is under obligation to comply and to continue to comply with all other laws, etc., applicable to his case at all times.

18. The Imports and Exports (Control) Act, 1947 is reproduced in the Hand-Book of Procedures 1990-1993.

Exports (Control) Order, 1988 now in force is reproduced in Appendix I, Section II of this Book.

Exporters and other concerned should carefully read the provisions made in the Act and the Order, any breach of which is punishable under law.

The Central Government, in exercise of the powers conferred on it by Section 6 of the Act, has authorised the following officers to make complaints

in writing in Courts in respect of any offence punishable under Section 5 of the Act:—

- (i) Joint Chief Controller of Imports and Exports;
- (ii) Deputy Chief Controller of Imports and Exports;
- (iii) Customs Collectors and the officers of Customs under the Customs Act, 1962 (52 of 1962);
- (iv) Iron and Steel Controller and the Deputy Iron and Steel Controller; and
- (v) Superintendents of Police of the Central Bureau of Investigation.

Besides, the penalties which can be imposed under Imports and Exports (Control) Act, as amended and the Customs Act, 1962, export licences issued may be cancelled and/or otherwise made ineffective under one or the other circumstances mentioned in the Exports (Control) Order, 1988, as amended.

19. Unless otherwise provided therein, licences for export including Open General Licence will be valid for export to any country in the world except Union of South Africa and Fiji.

20. No fee is chargeable for obtaining export licence/permit.

21. Export of bonafide personal baggage is covered by the Exports Baggage Rules which is reproduced in Section III of this Book.

22. Exports by post are regulated in accordance with Postal Notice No. 13 dated 3-12-1973 which is reproduced in Section III of this Book.

23. Cases for relaxation of existing policy and procedures where it creates genuine hardship or where a strict application of the existing policy is likely to affect exports adversely may be considered by the Chief Controller of Imports and Exports.

24. For the purposes of Export, the following definitions will be adopted:—

- (i) "Timber" means logs, rough squared or in the round including Stumps;
- (ii) "Stump" means the base of a tree or its roots left in the ground after felling;
- (iii) "Sawn timber" means beams, planks, reapers, rafters, fence posts or poles, blanks, sleepers or scantling fashioned from timber, whether seasoned or not, in the round or cross conditions, whatever be the manner of sawing as laid down in the Indian Standard Specification No. 1707-1976; and
- (iv) Processed timber means timber other than those in log and sawn size and include
  - (a) Veneer (maximum thickness 6 mm)

plywood, core-board, particle board and such other factory made products (b) items of furniture, door and window frames, door window frames, door handles, wooden handles, wooden parts of musical instruments and other consumer and industrial items in assembled or knocked down condition and knife handles of sandal wood of size not exceeding 3" in length with diameter not exceeding 1".

25. In matters relating to export, as well as the interpretation of export policy and procedure, the person concerned may address the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for necessary advice. Any interpretation of the export policy given in any other manner or by any other person will not be binding on the Chief Controller of Imports & Exports, or in law.

26. An alphabetical index has also been incorporated to facilitate easy reference and identification of items under Export Control.

#### Export Licensing Procedures :

27. Items placed under Part A of Schedule I of the Exports (Control) Order, 1988 are not allowed for export.

28. Items figuring in Part 'B' of Schedule I to the Exports (Control) Order, 1988, have been regrouped.

Items export of which is placed "On Merits" List-1 of Part B :

29. Applications complete in all respect for export of items falling in List 1 i.e., list of items placed on merits should be addressed in the prescribed form AX in duplicate to the CCI&E, Udyog Bhavan, New Delhi-11. Such applications will be considered on merits and on a case to case basis by a Committee known as Export Licensing Committee under the Chairmanship of the CCI&E. The Committee will consist of representatives drawn from various connected Government Departments. Export of such items will be permitted against specific licences to be issued by regional licensing authorities concerned on the recommendations of the said Committee. The validity of these items will be six months from the date of issue or upto 31st March of the licensing year, whichever is earlier. Any request for revalidation will be considered only by Export Licensing Committee at Headquarters, New Delhi.

Export of Kuth (Costnus Lappa, Syn. Saussurea lappa C.B. Ci-Asteraceae cultivated in private lands, and its derivatives except Wild varieties), an item figuring in List 1 of part B, if allowed for export will be subject to inter alia the following conditions:—

- (i) CITES Certificates;
- (ii) Minimum Export Price.

- (iii) Pre-shipment Inspection by Regional Deputy Director; and
- (iv) Certificate of Origin from Chief Wild Life Warden/Deputy Commissioner or their Nominee.

Export of Exotic Birds, an item figuring in list 1 of part B as and when allowed for export will be subjected to inter alia the following conditions :—

- (i) A Certificate from the Chief Wild Life Warden of the state to the effect that the birds to be exported are from Captive Bred Stock.
- (ii) Pre-shipment Inspection; and
- (iii) CITES Certificate.

Items placed under limited ceiling—List 2 of part B :

30. Items which have been placed under ceiling are those for which the permissible limits for export will vary from year to year owing to production constraints or constraints of processing capacities. These ceiling items will be operated by the Regional Licensing Authorities. The ceiling for the entire year will be released in one lot.

#### PROCEDURE TO OBTAIN ITEMS UNDER LIMITED CEILING

31. (i) A Public Notice/Trade Notice shall be issued announcing the total quantum of ceiling available for export and also indicating therein the licensing offices to which the ceiling has been allotted for the purpose of dealing with such applications.

(ii) The licensing offices, to whom the ceiling has been allotted, will issue a Trade Notice, indicating therein the details of ceiling available for allotment to prospective exporters.

(iii) The Exporters will be given 15 days time from the date of issue of the Trade Notice issued by the Regional Licensing Authorities to submit their export applications. The export applications shall be submitted in a sealed cover containing therein the quantity applied for and the unit price they would like to export. Each exporter shall be allowed to submit only one application.

(iv) With the export application the exporter should file a declaration that he has not submitted any application for the same commodity to any other licensing authority during the same licensing period.

(v) In the Trade Notice, the Regional Licensing Authority will normally indicate what should be the unit of measurement to enable the exporter to uniformly give the price in one common unit of measure.

(vi) An eligible applicant will be allowed a ceiling not exceeding 10% of the available ceiling. This, however, will not apply in case there are no taker for the ceiling.

(vii) All applications will be considered in one lot and the ceiling will be allotted on the basis of highest unit value realization, quoted in their applications. In case the ceiling for some reason or the other is not exhausted on the date of the allotment due to less number of applications or on account of lack of demand, then no further Trade Notice will be issued by the licensing authorities but will entertain the applications and allot the ceiling on first come first served basis.

32. Export licences so granted for the export of ceiling items shall be valid for a period of six months from the date of issue or 31st March of the licensing year whichever is earlier.

33. Normally, in such cases no revalidation will be given. However, in cases of genuine hardship, the Regional Licensing Authorities may consider the grant of revalidation upto three months from the date of expiry or upto 31st March of the licensing year whichever is earlier for ceiling items only. It should be the endeavour of the exporter to whom the ceiling is allotted to export the quantity in full. However, in the event of the exporter unable to export at least 90 per cent and above ceiling allotted to him, then the licensing authority will take action to debar the exporter from receiving further export licences for the same commodity. However, before taking such action the licensing authorities will give the exporter an opportunity to be heard. The default of 10 per cent and less in export may be condoned by the Regional Licensing Authorities. The Export Licensing Committee can, however, consider lifting the department "On Merits". It is obligatory on the part of exporter who has obtained the ceiling of item to furnish a report regarding details of its export to the concerned licensing authority within 15 days from the date of shipment or within 15 days from the date of expiry of the licence. Failure to do so, will attract penal provisions.

#### Canalised exports :

34. Certain items of exports are canalised for export only by the canalising agencies designated. The list of such items and the agencies so nominated is given in List 4 of Part 'B' and OGL No. 4. For these items, the exports will be allowed only by the canalising agencies concerned. The quantum upto which export may be permitted in respect of these items and other details pertaining thereto are decided by the Government from time to time. The operations of the canalising agencies in this regard are therefore, subject to such directions as may be given to them by the Government.

#### Open General Licence :

35. Items covered by an Open General Licence can as long as it is valid be exported freely without any licensing formalities to all destinations permitted therein.



At present, the following four OGL are operated.

- (a) OGL No. 1 applies to exports by land to any country adjacent to India and having no seaboard of its own of any goods included in Schedule 1 to the Exports (Control) Order, 1988, which are consigned under a procedure prescribed for regulating transit traffic;
- (b) OGL No. 2 applies to exports of free trade bonafide samples;
- (c) OGL No. 3 gives the list of items which can be exported on fulfilling all the conditions shown against each of the items;
- (d) OGL No. 4 includes lists of items which can be exported only by the canalising agency mentioned against each item.

#### **Pre-ban Commitment :**

36. Unless otherwise provided, the following types of pre-ban (including pre-control) commitments may ordinarily be honoured for export control purposes :

- (a) Where against a specific export order an irrevocable letter of credit in favour of the exporter/exporting firm has been opened by the foreign buyer covering 100% FOB value of the consignment; and accepted by a scheduled bank in India prior to the date of ban/control;
- (b) where advance payment has been received provided that :
  - (i) the advance payment has been received against a specific export order and covers 100% FOB value of the consignment; and
  - (ii) such advance payment has been received through an authorised dealer in foreign exchange on or prior to the date of the ban.

Notwithstanding the above, Government may for sufficient reasons treat any other claims, not covered by the above provisions as a pre-ban commitment.

37. Copies of pre-ban/pre-control commitments export contracts etc., should be sent by the person concerned direct to the office of the CCI&E, New Delhi, for the fulfilment of pre-ban commitments within a period of 30 days from the date of issue of the Public Notice.

38. The submission of each evidence shall not, however, confer any right on the person concerned to grant of any export licence or permission to export.

Note : A contract is deemed to be concluded after an offer is made and is accepted by

the second party. It should be specific as to the mutually accepted terms and contents, i.e. it is binding on both, with reference to its enforceability.

39. Where such evidence, as is required in the nature of a telegraphic telex message detailing the offer or the acceptance of the contract in its material particulars, the evidence relied upon for substantiating the pre-ban commitment/export contract (or pre-ban commitment/contract) should include the (confirmatory) post copy of the said message sent immediately after, despatch, together with the connected envelope bearing the stamps of the Post Office.

40. In the Office of CCI&E, applications for pre-ban commitment will be considered by the Export Licensing Committee. Depending upon the decision of the Export Licensing committee, an export licence to the extent of pre-ban/precontrol commitment or that may be decided by the said Committee, will be issued by the concerned regional licensing authority with a validity period of 90 days or less as may be decided upon. Such exporters shall complete export within the validity period as indicated in their export licence. Request for re-validation in exceptional cases may be considered by the Export Licensing Committee at Headquarters.

#### **Application forms :**

41. Application for export licences are to be made in the prescribed forms along with relevant documents as given in Section III of this book. Applicants may use their own typed cyclostyled or printed forms.

#### **Persons authorised to sign applications :**

42. Every application for an export licence should be signed by the applicant himself or by a person duly/legally authorised by the applicant to do so. The position or nature of such legal authority held by the person signing the application/document/form should be clearly given therein along with the official stamp of his connected status. Otherwise, such application/document or form will receive no consideration by the licensing authority.

#### **Deficient applications :**

43. Applications which are not (i) in the prescribed form (ii) accompanied by necessary export documents (iii) accompanied by necessary particulars setting out the authority of the person signing it; or (iv) received after the last date prescribed, will stand summarily rejected. Applicants are expected to complete all the columns in the application form truly and properly. They may take the help of the Counter Assistance System to make sure that all their requirements are met.

#### **Amendments and Alterations to Licences :**

44. No change shall be made or effected by the licensee or any other person in the description of

the goods or the name of the consignor or the goods or the name of the consignor or the consignee and in the terms and conditions of the licence. Any unauthorised change would render the licence null and void, besides exposing the offender to the risk of being penalised. Applications for amendments and alterations should be submitted to the authority who issued the licence.

#### *Jurisdiction :*

45. Applications for the export of items figuring in List 1 of Part 'B' should be addressed to the CCI&E, Udyog Bhawan, New Delhi. Applications for items figuring in List 2 of Part 'B' should be made to the regional licensing authorities mentioned in Section 111 depending on the port from which the export is to be made. In respect of commodities for which export ceilings are placed at the disposal of one or more specified licensing authorities, the intending exporter can apply for export to any one of such licensing authorities. With each export application in such case, the exporter should file a declaration that he has not made the export application for the same commodity to any other licensing authority in the same licensing period.

46. The Export Licensing Committee, constituted at Headquarters in the Office of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi will consider the following types of cases "On merits" and make suitable recommendations :

- (i) Applications for export of items covered by Part A to Schedule 1 to the Exports (Control) Order, 1988. The extent to which, circumstances in which and the authority of which such items should be permitted for export shall be determined by the Committee.
- (ii) Applications for export of items included in List 1 of Part B i.e. allowed "on Merits".
- (iii) Applications for export of items based on pre-ban and pre-control commitment in terms of para 36-40.
- (iv) Applications involving export of samples in excess of limit laid down in OGL-2 to the Exports (Control) Order, 1988. Decision of the export Licensing Committee in such cases will be final and no appeal against its decision shall be entertained.
- (v) Applications seeking revalidation of export licences where exporters could not export within the initial validity on account of genuine hardship and force majeure condition. Revalidation in such cases will be allowed "On Merits".
- (vi) Applications seeking relaxation of policy and procedure where it creates genuine hardship or where a strict application of policy is likely to affect exports adversely.

(vii) Applications seeking interpretation and clarification of export policy (including item-wise policy).

(viii) Where an Order has been passed by the Additional Chief Controller of Imports and Exports/Export Commissioner against statutory order under clause 7, 8 and 11(1) of the Exports (Control) Order, the appeal shall lie with the Export Licensing Authority.

#### *Export of Free Trade Samples :*

47. The policy for export of trade bona-fide samples is laid down in OGL-2. The intending exporters of samples are advised to go through the said OGL to know the policy as well the items allowed for export as samples and their value/quantity limits.

#### *Export of samples of Indian origin for purposes of securing orders and their re-import*

48. Imports (Control) Order, 1955 and the Customs Act, 1962, permit, subject to certain conditions and observance of certain formalities, re-import of samples sent or taken to foreign countries by Indian businessmen for the purpose of getting the buyer's approval. While a view to avoiding any difficulty which the Indian businessmen may have to face at the time of re-import the prospective exporters should contact the Customs/Import Trade Control authorities before exporting the samples to foreign countries and ensure that the various conditions laid down are fulfilled.

#### *Period of Shipment and validity of Export Licence*

49. An export licence will be valid for shipment of goods covered by it for a period of six months from the date of its issue, unless otherwise specified. An export licence issued under a limited ceiling provision or for an item placed under "Merit" will be valid for 6 months or as specified in the export licence. However, where the ceiling items or a merit item is linked to the grant of an Advance Licence/Pass Book, then the validity to be indicated in the export licence will be the validity as per the conditions of the advance licence/pass book for the export obligation period. In such cases i.e. where the validity of the export licence is linked to the conditions of the Advance Licence/Pass Book, revalidation may be granted on the recommendations of the Regional Advance Licensing Committee or the Headquarters Advance Licensing Committee and upto such period as the licensing authorities deem fit.

Shipment against a licence can be effected from any port in India but for documentation etc. exporter will be required to report to the licensing authority who issued the export licence.

#### *Critical Date of Export when the Consignment is booked by rail to any destination of neighbouring Countries with whom India has Rail Links :*

50. When a consignment is booked on a Through Railway Receipt for any destination outside India in



the neighbouring countries with whom India has rail links, the date of Through R. R. will be taken as the date of export for Export Trade Control purposes, provided the export licence and the Letter of Credit are valid on the date of issue of Through R. R. If the validity of the export licence and Letter of Credit expire during transit of the through consignments upto the last Indian customs checkpoint on the border of its clearance by Customs thereafter, clearance of the through consignments will not be refused on that ground. Any ban imposed on the export of such goods subsequent to the issue of the Through R. R. will also not apply to such consignments.

#### *Revalidation :*

51. In respect of export licences where exporter could not export within initial period of 6 months in case of genuine hardship of force majeure conditions, request for revalidation may be considered by the Exporter Licensing Committee at Headquarters. Request for such revalidation should be made to Headquarters with a copy to the Licensing Authorities which issued the export licences. The Export Licensing Committee at Headquarters will consider such request on merits. The proviso will not, however, apply in such cases where the export policy for the relevant licensing period has undergone any change in the period subsequent thereto.

#### *Exemption from Export Restrictions :*

52. No export licence is required for goods falling within the purview of Clause-15 of the Exports (Control) Order, 1988. Similarly, no export licence is required for goods covered by the Open General Licence(s) appearing in Export Policy, 1990—93.

#### *Bona fide Personal Baggage :*

53. In order to save the travellers from the trouble of applying for export licences for items, export of which normally requires a licence and which they want to take out of India with them, either for their personal use or as souvenirs, certain concessions are provided.

54. The bona fide personal baggage of out-going passengers, either exported with the passengers, or if unaccompanied, exported within four months before or after the 'passengers' departure from India, is exempt from Export Trade Control restrictions. The time-limit in the above cases may be extended upto one year by the Collector of Customs in his discretion.

55. The concession is restricted only to the used or unused articles listed in Export Baggage Rules upto the limit prescribed therein, provided that the articles are meant for the personal use of the passenger or for the members of his family travelling with him and are not intended for sale or transfer to other parties. If a passenger wishes to take out with him any articles which falls outside the scope of the list in Export Baggage Rules he should apply to the Customs Authority at the port of embarkation or land frontier customs post or in the case of unaccompanied baggage, as the part of export. The Collector of Customs

is authorised to permit export in his discretion. Applications for export licence in this connection will not ordinarily be entertained by the regional licensing authorities except in respect of any controlled food articles such as grains, pulses, etc. if in excess of the quantities prescribed in Export Baggage Rules. Such applications are to be made to the regional licensing authorities who will consider such requests on merits at the level of Head of Office.

#### *Ship Stores :*

56. Indian foreign going vessels and foreign vessels having Indian shipping agents touching Indian ports in the course of their voyage may take controlled food stuffs and provisions like wheat, flour, rice, pulses, vegetables, oils, etc., as ship stores for the round voyage for the bona fide use of both crew and passengers on board the ship, on the scales notified vide Ministry of Transport and Shipping (Transport Wing) S.O. No. 2473 published in the Gazette of India on 2-8-1975 (Reproduced in Section III). The export of items on the scales referred to above shall be allowed direct by the Customs authorities.

#### *Export by Post :*

57. Export of goods by post parcel, either as gift or for commercial purposes, is regulated in accordance with the provisions of Postal Notice No. 13, dated 3-12-1973 as amended from time to time. The Postal Notice reproduced in Section III.

58. With the exception of the items falling within the purview of the Postal Notice, all other items are permitted to be exported by post (except to the Union of South Africa and Fiji) whether as gifts, or as commercial consignments, without export licences.

59. Parcels containing articles included in the Postal Notice are not allowed for export unless covered by export licence issued by the appropriate licensing authorities. Applications for licences should be made on Form B-X reproduced in Section III.

60. Commercial samples sent by post parcel or otherwise by sea or air are covered by Open General Licence No. 2 reproduced in Section II.

61. It is the responsibility of the sender to ensure that the parcel is covered by a proper export licence where such a licence is necessary, failing which the parcel is liable to be returned. The fact that a parcel is accepted by a post office in the first instance does not in itself constitute a guarantee that the requirement of Export Control have been fulfilled and also no claim for compensation or for refund on account of postage will be entertained.

62. (1) Exporters of machinery and equipment will be allowed to export spares of the machinery/equipment exported as free replacement, if the following conditions are fulfilled :—

- (i) The spares in question are being supplied to foreign buyer of machinery and equipment during the warranty/performance guarantee period.

- (ii) The total value of spares supplied free of charge does not exceed 1 per cent of the total FOB value of exports of the previous licensing period.
- (iii) Spares under this provision can be supplied either with the main equipment or subsequently; and
- (iv) If the spares are supplied alongwith the main equipment, the particulars of such spares should be indicated in the exporter's Invoice, Shipping bill and GRI form. It will not be necessary to indicate the particulars of such spares in the bank certificate which is furnished by the exporter to the licensing authority for obtaining benefits.

(2) Where the spares under this provision are supplied at a time subsequent to the export of the main equipment/machinery, the exporter shall produce evidence to the Customs authorities to the effect that the spares are being supplied during warranty/performance guarantee period. The exporter shall also furnish a declaration to the Customs authority at the time of exporting the spares that the total value of spares already supplied in free replacement in relation to the same machinery/equipment and the value of spares presently being supplied does not exceed 1 per cent of the total FOB value of exports of the previous licensing period.

(3) Where the value of spares supplied free of charge exceeds one per cent of the total FOB value of the exports of the previous licensing period, the exporter has to obtain prior permission of Reserve Bank of India, the exporter should also indicate to the Reserve Bank of India the value of spares already supplied free of charge in relation to the same equipment/machinery and also the total FOB value of the equipment/machinery exported.

(4) The exporter will not be required to obtain any prior permission from the licensing authority for export of such spares unless the spares are such as require an export licence under the Exports (Control) Order, 1988.

(5) Requests for export of spares not covered by the above provisions will also be considered on merits to enable exporters to meet their requirements of after sales service/warranty obligation or for execution of projects undertaken abroad. The permission for export granted in such cases shall be subject to the conditions as may be laid down.

#### *Exhibits required for display in International exhibitions/fairs/festivals*

63. Exporters desirous of participating in exhibitions/fairs/festivals abroad will be permitted to either take alongwith them or export the goods required for display in such exhibitions etc. Exporters will inter alia be required to approach Export Licensing Committee at Headquarters for grant of permission.

#### 64. DUPLICATE COPIES OF EXPORT LICENCES

Where an export licence is lost or mis-placed an application for grant of duplicate copy thereof will be considered only if the licensing authority concerned is satisfied about the bona fides of the request. Such applications should be made to the licensing authority who issued the original export licence. Such application should be accompanied by Bank receipt/Demand Draft of Rs. 50/- towards application fee and an affidavit on a Stamp Paper duly sworn in before a judicial authority or Notary Public or Oath Commissioner.

The duplicate copy of the export licences will be marked "Duplicate" and endorsed by the issuing authority in block letters as follows :

"Export Licence has been issued in lieu of export Licence No.....dated..... since cancelled to the extent of full value or partly utilised value of Rs....."

Intimation about the issue of the duplicate copy of the licence will be sent by the Licensing Authority to the Customs Authority where the original licence has been registered. In cases, where the export licence has been lost before registering with the Customs Authority, intimation will be sent to all the Customs Authorities. The order of cancellation of the original licence will be published in the Gazette of India.

#### REFUSAL OF EXPORT LICENCE

65. A Licensing Authority may refuse to grant an export licence :—

- (a) If the application does not conform to any provision of the Export (Control) Order, 1988 and as amended;
- (b) If such application contains any false or fraudulent or misleading statement;
- (c) If the applicant uses in support of the application any document which is false or fabricated or which has been tampered with;
- (d) If the application for the export licence is defective or incomplete and does not conform to the prescribed rules and procedure;
- (e) If the applicant is not eligible to the grant of export licence in accordance with the relevant export policy and procedure in force;
- (f) If the applicant fails to produce any document that is called for by the licensing authority;
- (g) If the applicant has failed to make up a deficiency in his application within the time in obtaining an export licence;

- (h) If the applicant has used any unfair means in obtaining an export licence; and
- (i) Any other reason to be recorded in writing. A Licensing Authority will also refuse to grant an export licence under the provisions of clause 5 of Exports (Control) Order, dated 30th March, 1988 as amended from time to time.

### **Export to Neighbouring Countries**

66 In case of trade with Neighbouring Countries, special instructions will be issued by the Chief Controller of Imports and Exports from time to time.

### **APPEAL, REVISION AND REVIEW**

67. Clause 12(2) of the Exports (Control) Order provides that where any person is aggrieved by any action taken under clause 7 or 8 or 11(1), he may prefer an appeal against such action to such authority as the Central Government, may by notification in the Official Gazette constitute for the purpose of hearing appeal, within 30 days from the date of communication of the action taken.

68. In exercise of the powers thus conferred by Sub-Clause (2) of Clause 12 of the Export (Control) Order, 1988, the Central Government has constituted the following authorities for the purpose of hearing and disposing of appeal against statutory orders under Clause 7, 8 and 11(1) of the Export (Control) Order.

- (a) Where the original order is passed by a Deputy Chief Controller|Joint Chief Controller then the first appeal shall lie with the Additional Chief Controller of Imports and Exports|Export Commissioner in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, Udyog Bhavan, New Delhi;
- (b) Where an order has been passed by the Additional Chief Controller of Imports and Exports|Export Commissioner, the appeal shall lie with the Export Licensing Committee in the Office of CCI&E New Delhi.

69. The appeal made under the provisions of this Order should be accompanied by a proforma giving the following information :—

- (a) Authority against whose decision appeal is preferred;
- (b) A copy of the order appealed against,
- (c) Whether the appeal is against debarment or suspension from receiving licences (in the case of department, the periods for which appellant has been debarred from obtaining licences may also be indicated); and
- (d) The grounds of appeal (in brief).

70. A copy of the appeal should invariably be sent by the Appellant to the authority against whose decision the appeal is made.

71. However, the CCI&E may designate from time to time, Appellate Authorities for deciding specific types of cases.

### **APPEAL AGAINST ORDERS OTHER THAN THOSE REFERRED TO IN THE PRECEDING PARAGRAPHS**

72.1 Where a person is not satisfied with the decision of a Licensing Authority|Appellate Authority, he may prefer an appeal against the said decision in accordance with the provisions hereinafter stated. Requests|Representations made to the Office of the Chief Controller of Imports and Exports outside the scope of these provisions are liable to be summarily rejected.

72.2 Appeal, will be entertained in the following types of cases :

- (a) In respect of an application for export licence;
- (b) In cases relating to Enforcement of Indemnity-cum-Guarantee Bonds executed by the exporters for fulfilment of conditions applicable to an export licence.

### **73. FIRST APPEAL**

- (a) In respect of above matters where the original decision has been taken by the Asstt. CCI&E or Dy. CCI&E the first appeal shall lie with the Jt. CCI&E exercising administrative control over the said licensing office;
- (b) Where the original decision has been taken by the Jt. CCI&E, the first appeal shall lie with the Committee of two Jt. CCI&E or officers of higher rank appointed for the purpose by the CCI&E in Headquarters;

### **SECOND APPEAL**

If the appellant is not satisfied with the decision of the Appellate Authority on his first appeal, he may prefer a second appeal to the Additional CCI&E or an officer of equivalent rank appointed for the purpose by the CCI&E in Headquarters Office.

### **TIME LIMIT FOR FILING APPEAL**

74.1 An Appeal should be filed with the Authority concerned within 45 days from the date of receipt of the order|decision appealed against. However, Appellate Authority may condone delay not exceeding 45 days in submission of Appeal if it is satisfied that the same could not be filed within the stipulated period for adequate reasons.



74.2 While indicating the decision, the Licensing Authority|Appellate Authority shall indicate the Authority to whom Appeal may be preferred by the aggrieved person.

#### OPPORTUNITY FOR PERSONAL HEARING

75. If an appellant or a Petitioner desires to be heard in person in connection with the Appeal filed by him and he has filed a statement or has made specific mention as such in his appeal, an opportunity for personal hearing may be afforded to him. However, if the appellant|petitioner does not avail of the opportunity given to him, the Appeal shall be decided on merits on the basis of the material available on record.

#### DOCUMENTS ACCOMPANYING APPEAL

76.1 The following documents and particulars should be submitted with the Appeal in duplicate :

- (i) Name and Address of the Exporter;
- (ii) Licensing Period to which the application pertains;

(iii) Brief description of goods to be exported;

(iv) Copy of the Original application and other documents furnished with it;

(v) A copy of the decision|order appealed against;

(vi) Grounds of Appeal;

(vii) Any other documents|evidence on which appellant relies; and

(viii) Statement whether the appellant desires to be heard in person.

76.2 In the case of First and Second Appeal, a Bank receipt|Demand Draft of Rs. 50/- and Rs. 100/- respectively towards payment of fees should also be furnished.

76.3 All appellants should clearly indicate at the top whether it is first appeal or second appeal.

## APPENDIX I

## EXPORTS (CONTROL) ORDER, 1988

GOVERNMENT OF INDIA  
MINISTRY OF COMMERCE

## ORDER

EXPORT TRADE CONTROL (No. 1/88-ETC)  
New Delhi, the 30th March, 1988

S.O. 322(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby makes the following Order, namely:—

1. *Short title and commencement.*—(1) This Order may be called the Exports (Control) Order, 1988.

(2) It shall come into force on 30th March, 1988.

2. *Definition.*—In this Order, unless the context otherwise requires,—

(a) “Act” means the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947);

(b) “Collector of Customs” has the same meaning as assigned to it in the Customs Act, 1962 (52 of 1962);

(c) “An authorised officer” means an officer not below the rank of Deputy Chief Controller of Imports and Exports authorised by the Chief Controller of Imports and Exports;

(d) “Licence” means an export licence granted under this Order;

(e) “Licensee” means a person to whom a licence is granted under this Order;

(f) “Licensing Authority” means an authority competent to grant a licence under this Order;

(g) “Schedule” means a Schedule to this Order;

(h) “Value” has the same meaning as in sub-section (1) of Section 14 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962);

(i) Words and expressions used in this Order and not defined but defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

3. *Restrictions on export of certain goods.*—(1) Save as otherwise provided in this Order no person shall export any goods of the description specified in

Schedule I, except under and in accordance with a licence granted by the Central Government or by an officer specified in Schedule II.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-clause (1) goods specified in Schedule III may be exported on fulfilment of the terms and conditions specified therein.

(3) If in any case, it is found, that the value, sort specification, quality and description of the goods to be exported are not in conformity with the declaration of the exporter in those respects or the quality and specification of such goods are not in accordance with the terms of the export contract, the export of such goods shall be deemed to be prohibited.

4. *Conditions of licence.*—(1) A licence granted under this Order may contain such conditions, not inconsistent with the Act or this Order, as the licensing authority may deem fit.

(2) It shall be deemed to be a condition of every licence that—

(a) no person shall transfer and no person shall acquire by transfer any licence issued by the licensing authority except under and in accordance with the written permission of the authority which granted the licence;

(b) the goods for the export of which the licence is granted shall be the property of the licensee at the time of the export.

(3) The licensee shall comply with all conditions imposed or deemed to be imposed under this clause.

5. *Refusal of licence.*—The licensing authority may refuse to grant a licence—

(a) if the application for the licence does not conform to any provision of this Order;

(b) if such application contains any false, or fraudulent or misleading statement;

(c) if the applicant uses in support of the application any document which is false or fabricated or which has been tampered with;



- (d) if the licensing authority considers that the grant of the licence will not be in the interest of the country;
  - (e) if the activities of the applicant are prejudicial to the interest of the State;
  - (f) if the applicant has, on any occasion committed breach of any law (including any rule, order or regulation) relating to customs or foreign exchange;
  - (g) if the applicant on any occasion has tampered with an export licence or has exported goods without a licence, or has been a party to any corrupt or fraudulent practice in his commercial dealings or in obtaining any licence or found to have solicited licences by offering an inducement to the holder of licence or otherwise;
  - (h) if any agent or employee of the applicant has been a party to any corrupt or fraudulent practice in obtaining the licence for the applicant;
  - (i) if the application for an export licence is defective and does not conform to the prescribed rules;
  - (j) if the applicant contravenes or attempts to contravene or abets the contravention of any order made or deemed to have been made under the Act or any condition of a licence granted under any such order or commits a breach of the Export Trade Control Regulations;
  - (k) if the applicant is not eligible for a licence in accordance with the Export Control Regulations;
  - (l) if the licensing authority decides to canalize export through special or specialized agencies or channels;
  - (m) if the applicant is a partner in a partnership firm, or a whole-time director or managing director of a private limited company which is for the time being subject to any action under clause 7 or clause 8 or clause 9;
  - (n) if the applicant is for the time being subject to any action under clause 7 or clause 8 or clause 9;
  - (o) if the applicant is partnership firm or a private limited company, any partner or whole-time director or managing director whereof, as the case may be is for the time being subject to any action under clause 7 or clause 8 or clause 9;
  - (p) if any amount demanded from the applicant under the Customs Act, 1962, or any penalty imposed on him under the said Act has remained unpaid for a period of three months;
  - (q) if the applicant fails to produce any document that is called for by the Chief Controller of Imports and Exports or the Licensing Authority; and
  - (r) if the applicant fails to pay any penalty finally imposed on him under the Act.
6. Amendment of Licence.—The licensing authority may, of its own motion or on application by the licensee, amend any licence granted under this Order in such manner as may be necessary to make such licence conform to the provisions of the Act or this Order or any other law for the time being in force or to rectify any errors or omissions in the licence;
- Provided that the licensing authority may on request by the licensee amend the licence in any manner consonant with the Export Trade Control Regulations.
7. Power to debar from receiving licences or exporting goods.—The Central Government or the Chief Controller of Imports & Exports or an authorised officer may debar a licensee or exporter or any other person from all or any of the following, i.e. receiving the licences or from exporting any goods and direct without prejudice to any other action that may be taken in this behalf, that no licence shall be granted to him or no permission shall be granted to him for exporting any goods, for a specified period under this Order—
- (a) if his application for licence is at any time found to be not in conformity with any provisions of this Order; or
  - (b) if such application is found to contain any false, fraudulent or misleading statement; or
  - (c) if he is found to have used in support of his application any document which is false or fabricated or which has been tampered with; or
  - (d) if he has, on any occasion, tampered with an export licence or has exported goods without a licence or has been a party to any corrupt or fraudulent practice in his commercial dealings or in obtaining a licence, or in exporting any goods, or is found to have solicited any licence by effecting an inducement to the holder of the licence or otherwise; or
  - (e) if his agent or employee has been a party to any corrupt or fraudulent practice in obtaining any licence or in exporting any goods on his behalf; or
  - (f) if he fails to comply with or contravenes or attempts to contravene or abets the contravention of any condition embodied in, or accompanying a licence or an application for licence; or

- (v) if he commits a breach of any law (including any rule, order or regulation) relating to customs or the import and export of goods or foreign exchange; or
- (h) if he fails to produce any document that is called for by the Chief Controller of Imports & Exports or any other licensing authority; or
- (i) if he commits a wilful breach of the export contract entered into between him and the other party.

Note. In this clause, the expression "Application for licence" includes any application made under the Export Trade Control Regulations.

(2) The Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports, or an authorised officer may, by special order in writing.—

(a) debar—

- (i) a person in respect of whom an order of detention has been made under the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) (hereinafter referred to as the 1974-Act); or
- (ii) a partnership firm or a private limited company of which such person is a partner or a whole-time director or managing director, as the case may be, from receiving licence or from exporting any goods and
- (b) without prejudice to any other action that may be taken against such person, partnership firm or company, direct that no licence or permission for exporting any goods shall be granted to such person, partnership firm or company.

for such period as may be specified in such special order : Provided that such special order shall cease to have effect in respect of such person, or as the case may be, partnership firm or company of which such person is a partner or a whole-time director or managing director, when the order of detention made against such person—

- (i) being an order of detention to which the provisions of section 9 or section 12A of the 1974-Act do not apply has been revoked on the report of the Advisory Board under section 8 of that Act or before a receipt of the report of the Advisory Board or before making reference to the Advisory Board;

being an order of detention to which the provisions of section 12A of the 1974 Act apply has been revoked before the expiry of the time for, or on the basis of, the review under sub-section (3) of section 9, or on the report of the Advisory Board under section 8 read with sub-section (2) of section 9 of that Act; or

- (iii) being an order of detention to which the provisions of section 12A of the 1974 Act apply has been revoked before the expiry of the time for, or on the basis of the first review under sub-section (3) of that section or on the basis of the report of the Advisory Board under section 8, read with sub-section (6) of Section 12A, of that Act; or
- (iv) has been set aside, by a court of competent jurisdiction.

(3) The Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or an authorised officer may debar a licensee or exporter or any other person from receiving licences or from exporting any goods and direct, without prejudice to any other action that may be taken against such person in this behalf, that no licence shall be granted to such person or no permission shall be granted to such person for exporting any goods for a specified period under this order, if in the opinion of the Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or an authorised officer :—

- (a) such licensee, exporter or other person; or
- (b) where such licensee, exporter or other person is a partnership firm or a limited company, any partner or whole-time director or managing director thereof, as the case may be; or
- (c) where such licensee, importer or other person is a partner in a partnership firm or a whole-time director or managing director of a limited company, such partnership firm or limited company as the case may be,

has—

- (i) failed, without sufficient cause, to utilise or to utilise fully, any export licence granted to such licensee, exporter or other person or such partner or whole-time director or managing director or such partnership firm or limited company as the case may be; or
- (ii) committed any act referred to in paragraph (i) of sub-clause (3) of clause 8 of the Imports (Control) Order, 1955.

8. Power to suspend grant of licences or permission to export goods.—The Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or an authorised officer may suspend the grant of licences or permission to export goods to a licensee or exporter or any other person, pending investigation into one or more of the allegations mentioned in clause 7 without prejudice to any other action that may be taken in this behalf—

Provided that grant of a licence and permission to export goods shall not ordinarily be suspended under this clause for a period exceeding twelve months.

Provided further that on the withdrawal of such suspension a licence may be granted to him for the period of suspension subject to such conditions as may be specified in the order.

trictions or limitations as may be decided by the authority aforesaid keeping in view the relevant economic factors.

9. Power to keep in abeyance applications for licences for exporting goods.—Where an investigation into any of the allegations mentioned in clause 7 is pending against a licensee or exporter or any other person and the Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or an authorised officer is satisfied that without ascertaining further details in regard to such allegation the grant of licence or permission to export goods will not be in public interest then notwithstanding anything contained in this Order, the Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or an authorised officer may keep in abeyance any application for grant of licence or permission to export goods of such person without assigning any reason and without prejudice to any other action that may be taken in this behalf :

Provided that the period for which the grant of such licence or permission to export goods is kept in abeyance under this clause shall not ordinarily exceed six months.

10. Publicity of action taken under clause 7 or 8.—

(1) If the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient in the public interest to publish the name of any person or class of persons and other relevant particulars, against whom action under clause 7 or 8 is taken, it may publish or cause to be published the name of such person or class of persons and such particulars in such manner as it thinks fit.

(2) No publication under sub-clause (1) shall be made in relation to, any such action until the time of presenting an appeal, if any, to the appellate authority has expired without an appeal having been presented or, the appeal, if presented, has been disposed of.

Explanation.—In the case of a firm, company or other association of persons, the names of the partners of the firm, directors, managing agents, secretaries and treasurers or manager of the company or the members of the association, as the case may be, may also be published if, in the opinion of the Central Government, the circumstances of the case justify it.

11. Cancellation of licences.—(1) The Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or an authorised officer may cancel any licence granted under this Order or otherwise render it ineffective :—

- (a) if the licence has been granted through inadvertence or mistake or has been obtained by fraud or misrepresentation ;
- (b) if the licence has been granted contrary to rules or the provisions of this Order;
- (c) if the licensee has committed a breach of any of the conditions of a licence ;
- (d) if the Central Government or such officer is satisfied that the licence will not serve the purpose for which it has been granted;
- (e) if the licensee has committed a breach of any law relating to customs or the rules and

regulations relating to the import or export of goods or any law relating to the regulation of foreign exchange :

Provided that notwithstanding anything contained in this Order, the Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or an authorised officer may, if satisfied that it is expedient so to do in the public interest cancel any licence or render it ineffective without assigning any reason.

(2) The Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or an authorised officer may by special order in writing render ineffective any licence granted under this Order to—

- (a) a person, if an order of detention has been made under the 1974-Act in respect of such person ; or
- (b) a partnership firm or a private limited company of which such person is a partner or a whole time director or managing director as the case may be :

Provided that such special order shall cease to have effect in respect of such person, or, as the case may be, partnership firm or company of which such person is a partner or a director, when the order of detention made against such person,—

- (i) being an order of detention to which the provisions of section 9 or section 12A of the report of the Advisory Board under section 8 of that Act or before a receipt of the report of the Advisory Board or before making a reference to the Advisory Board ; or
- (ii) being an order of detention to which the provisions of section 9 of the 1974-Act apply has been revoked before the expiry of the time for, or on the basis of, the review under sub-section (3) of section 9, or on the report of the Advisory Board under section 2, read with sub-section (2) of section 9 of that Act ; or
- (iii) being an order of detention to which the provisions of section 12A of the 1974-Act apply has been revoked before the expiry of the time for, or on the basis of, the first review under sub-section (3) of that section, or on the basis of the report of the Advisory Board under section 8, read with sub-section (6) of section 12A, of that Act ; or
- (iv) has been set aside by a court of competent jurisdiction.

12. Licensee, etc. to be given opportunity of being heard.—(1) No action shall be taken under clause 6 or sub-clause (i) or sub-clause 3 of clause 7 or clause 8 or sub-clause (1) of clause 11 against a licensee or exporter or any other person unless he has been given a reasonable opportunity of being heard.

(2) Where any person is aggrieved by any action taken under clause 7 or clause 8 or sub-clause (1) or clause 11 (save in case where the cancellation has been ordered under the proviso thereto) he may prefer an appeal against such action to such authority as the Central Government may, by notification in the Official



Gazette, constitute for the purpose of hearing appeals, within thirty days from the date of the communication of the action taken.

13. Declaration on as to the value, sort, quality, etc. of exported goods.—On the exportation from any Customs port of any goods, whether liable to duty or not, the owner or exporter of such goods shall, in the shipping bill, or other relevant document state the value, sort, specification, quality and description of such goods to the best of his knowledge and belief, and certify that the quality and specification of the goods as stated in those documents, are in accordance with the terms of the export contract entered into with the buyer or consignee in pursuance of which the goods are being exported and shall subscribe to a declaration to the truth of such statements at the foot of such Shipping Bill or other documents.

14. Prohibition regarding making, signing etc. of an declaration, statement or documents.—(1) No person shall make, sign or use or cause to be made, signed or used any declaration, statement or document in obtaining a licence, or in exporting any goods knowing or having reason to believe that such declaration statement or document is false in any material particular.

(2) No person shall employ any corrupt or fraudulent practice in obtaining any licence or in exporting any goods.

14A. Powers of revision of the Chief Controller or Additional Chief Controller.—The Chief Controller or Additional Chief Controller may, on his own motion or otherwise, call for and examine the records of any proceedings in which an action to debar under sub-clause (1) or sub-clause (3) of clause 7 or to cancel a licence under sub-clause (1) of clause 11 has been initiated or completed (whatever the result may be) by any officer subordinate to him and against which no appeal has been preferred, for the purpose of satisfying himself as to the correctness, legality or propriety of such action and pass such orders thereon as he may think fit :

Provided that no action shall be varied under this sub-clause so as to prejudicially affect any person unless such person—

- (a) has, within a period of two years from the date of such action received a notice to show cause why such action shall not be varied ; and
- (b) has been given a reasonable opportunity of making representation and, if he so desires, of being heard, in his defence

15. Savings.—Nothing in this Order shall apply to—

- (a) any goods exported by or under the authority of the Central Government ;
- (b) any goods covered by executive instructions issued by the Chief Controller of Imports and Exports;

(c) any goods other than food-stuff constituting the stores or equipment of any outgoing vessel or conveyance;

(d) any goods constituting the bona fide personal baggage of any person (including a passenger or members of a crew in any outgoing vessel or conveyance) going out of India ;

Provided that the wild life (dead or alive or part thereof or produce therefrom) specified in part 'A' of Schedule I shall not be treated as constituting such personal baggage;

(e) any goods exported by post or by air under the conditions specified in Postal Notice issued by the Postal Authorities ;

(f) any goods transhipped at a port in India after having been manifested for such transshipment at the time of despatch from a port outside India;

(g) any good imported and bonded on arrival in India for re-export to any country outside India, except Nepal and Bhutan;

(h) any goods in transit through India by post or any goods re-directed by post to a destination outside India except Nepal and Bhutan, provided that such goods while in India are always in the custody of the postal authorities ;

(i) any goods imported without a valid import licence and exported in accordance with an order for the export of such goods made by an officer of Customs authorised in this behalf ;

(j) products manufactured in and exported from the respective Free Trade Zones and approved 100 per cent Export Oriented Units except textile items covered by bilateral agreements;

(k) Export of Blood group Oh (Bombay Phenotype) meant for scientific research or emergency medical treatment, as life saving measure on humanitarian grounds by the Director, National Blood Group Reference Laboratory, Bombay, on the basis of a specific certificate issued by him to this effect in each case ;

(l) Export of samples of lubricating oil, additives lube oil, crude oil and other related petroleum products and raw materials used to manufacture Lube Additives by Lubrizol India Ltd., Bombay and Indian Oil Corporation Ltd., Hindustan Petroleum Corporation Ltd. and Bharat Petroleum Corporation Ltd., from their installation in India to Lubrizol's Laboratories in U.S.A. and U.K. for evaluation/testing purposes.

16. **Repeal.**—The Exports (Control) Order, 1977 published with the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce under S. O. 254(E) dated the 24th March, 1977 as amended from time to time is hereby repealed :

Provided that anything or any action taken including any appointment made or licence issued under any of the provisions of the above Order or Notification, shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of this Order.



## SCHEDULE I

COMMODITIES SUBJECT TO EXPORT  
CONTROL

## PART 'A'

Items Export of which is not allowed

S. No.	Description of the Item	
		(xiii) P.V.C. Resin
1. Angora Goat Hair or Mohair.		(xiv) Paraffin Wax, excluding Type III.
2. (i) Banana Suckers (seedling plants)		11. Cinchona seeds and bark.
(ii) Cashew plants.		12. Coconut and Copra excluding Decorticated Coconut Whole, Coconut Protein, Coconut honey, Coconut flour and Dessicated Coconut.
3. Beef.		13. Creosote Oil (light and heavy) coal tar and mixture containing coal tar.
4. (i) Beche-de-mer of sizes below 3 inches.		14. Crude rum i.e. rum not matured in wood.
(ii) Fish meal with less than 50 per cent protein content.		15. Diosgenin and Dioscorea roots.
5. (i) Beryl including Gem variety of Beryl		16. Expeller Cakes, all varieties except Cotton Seed Expeller Cakes.
(ii) Rough (uncut and unset) precious stones and rock crystal quartz.		17. Ferrous Scrap excluding Mill Scale Scrap.
6. Bone Meal.		18. Forestry seeds, Foundation and breeder seeds, all varieties categories.
7. Butter.		19. (i) Frogs and parts thereof (including processed frogs)
8. (i) Cattle		(ii) Fresh and frozen silver pomfrets of weight less than 200 gms. from the ports of Tuticorin, Madras, Kakinada, Visakhapatnam, Paradeep and Calcutta and less than 300 gms. from all other ports.
(ii) Camel.		20. Fur of domestic animals, excluding lamb fur skin.
9. Charcoal of all types other than Activated Charcoal Activated Carbon.		21. Fertilizers, all types, including super-phosphate but excluding Micronutrient Fertilizer.
10. Chemicals, namely :—		22. Farmyard Manure in Powder form.
(i) Acetic Anhydride		23. Geranium Oil.
(ii) Polythelene (HD) excluding Ultra High Molecular Weight High Density Poly Ethylene.		24. Grass.
(iii) Cyanuric Chloride		25. (i) Groundnut Oil Cake (expeller variety).
(iv) Ethylene Oxide		(ii) Deoiled groundnut cakes containing more than 1 per cent oil.
(v) Isopropyl Alcohol		26. Gums and resins, namely :—
(vi) Synthetic Rubber		Oleo resins ex-pinus longifolia.
(vii) Naphthalene		27. Handspun Silk Yarn.
(viii) Ethylene Glycol		
(ix) Di Ethylene Glycol		
(x) Polythene Glycol		
(xi) Methyl Isobutyl Ketone		
(xii) 2 Ethyl Hexanol		

28. Hides and Skins, namely :—
- (i) Cuttings and fleshing of hides and skins used as raw materials for manufacture of animal glue gelatine.
  - (ii) Raw hides and skins, all types, excluding Lamb Fur Skin.
  - (iii) All categories of semi-processed hides and skins including E.I. tanned and wet blue hides and skins and crust leather.
29. Human Skeletons and parts thereof.
30. Ivory and Ivory products made out of unmanufactured ivory.
31. Manufactured articles made out of :—
- (i) Reptile/Snake Skins
  - (ii) Mongoose Hair.
32. Metals, namely :—
- (i) Copper—Electrolytic, fire refined and blister copper in the form of ingots, wire, bars, blooms, slabs, cakes, tiles, bricks, billets, scrap and cathodes.
  - (ii) Nickel, unwrought and nickel pellets.
  - (iii) Magnesium.
  - (iv) Pig lead unwrought.
  - (v) Zinc or Spelter unwrought.
  - (vi) Tin, unwrought and wrought.
  - (vii) Cobalt, unwrought and wrought.
  - (viii) Bismuth.
  - (ix) Molybdenum.
  - (x) Platinum crude and refined unwrought.
  - (xi) Tungsten.
  - (xii) Vanadium.
  - (xiii) Copper ores and concentrates.
  - (xiv) Lead ores and concentrates.
  - (xv) Pig Iron.
33. Metals and their compounds, namely :—
- (i) Beryllium and its compounds.
  - (ii) Lithium and its compounds.
  - (iii) Neptunium and its compounds.
  - (iv) Plutonium and its compounds.
  - (v) Radium and its compounds.
  - (vi) Thorium and its compounds.
  - (vii) Uranium and its compounds.
  - (viii) Zirconium and its compounds.
  - (ix) Iridium iridosmine and osmiridium.
  - (x) Selenium.
  - (xi) Deutorium compounds.
  - (xii) Mercury.
34. Metallurgical residues i.e. drosses, skimming slags, ashes, slims and flue dust (other than those of gold and silver) containing 15 per cent or more of free metal content.
35. Minerals, ores and concentrates, namely :—
- (i) Radium ores and concentrates.
  - (ii) Uranium ores and concentrates.
  - (iii) Uranium bearing tailings left over from ores after extraction of copper or gold.
  - (iv) Zinc Ores.
  - (v) Chrome ore and concentrates, other than those mentioned in Part 'B'.
  - (vi) Zinc concentrates.
  - (vii) Vanadium ores and concentrates.
  - (viii) Vanadium bearing iron ore containing  $V_2O_5$  exceeding 0.2 per cent.
  - (ix) Tungsten (Wolfram), ores and concentrates.
  - (x) Andalusite.
  - (xi) Kyanite all grades.
  - (xii) All types of Sillimanite (except granular Sillimanite).
  - (xiii) Calcined magnesite with silica content below 7.5 per cent and dead burnt magnesite.
  - (xiv) Chrysotile, Crocidolite and Amosite varieties of asbestos of all sizes and grades.
  - (xv) Calcined Bauxite.
  - (xvi) Chemically processed Manganese di-oxide.
  - (xvii) Lumply/blended manganese ore with more than 46 per cent manganese.
  - (xviii) Raw Magnesite and fused Magnesite.
36. Natural Rubber.
37. Non-mulberry silk waste, viz. Tassar Eri and Muga and Mulberry pierced cocoons.
38. Oil Seeds, namely :—
- (i) Castor Seed
  - (ii) Cotton Seed
  - (iii) Linseed
  - (iv) Sunflower Seed
  - (v) Soyahean
  - (vi) Mustard/Rape Seeds.
39. Onion Seeds.
40. Paper grade pulp including bamboo pulp, excluding hemp pulp.
41. Pasawa and any lac containing living insects.
42. Peacock Tail Feathers.
43. (i) Pulses, all types including Lentils, Grams and Beans and flour made therefrom.

- (ii) Processed pulses other than those made out of the pulses imported under the Advance Licensing Scheme Pass Book or by an approved 100 per cent Export Oriented Unit.
44. (i) Raw Placenta, Placental Blood|Plasma.  
(ii) Whole human blood plasma and all products derived from human blood except human Gamma Globulin and Human Serum-Olbumin manufactured from Human Placenta and Human Placental Blood.
45. Raw Wool above 36s Quality (indigenous).
46. Real Madras Handkerchieves (RMHK) made on Powerloom.
47. (i) Rice bran, raw and boiled  
(ii) Paddy (rice in husk).
48. Rock Phosphate.
49. Seeds, namely :  
(i) Cashewnut seeds.  
(ii) Green manure seeds, other than dhaincha and Barsoem seeds.  
(iii) Guar seeds (Whole)  
(iv) Jute seeds.  
(v) Lemongrass seeds and roots  
(vi) Mesta seeds.  
(vii) Pepper cuttings or rooted cuttings of pepper  
(viii) *Petrocarpus Santalinus* (Red Sanders) seeds  
(ix) Rubber Seeds.  
(x) Kussa grass seeds and tufts.  
(xi) *Santalum album* (Sandalwood).  
(xii) (A) Plants and derivatives :—  
1. *Aconitum deinorrhizum* (Stapt—Ranunculaceae).  
2. *Atropa acuminata*—Royle ex Lindl. solanaceae).  
3. *Aristolochia* Spp. (Aristolochiaceae).  
4. *Angiopteris* Spp. (Fern).  
5. *Balanophora* Spp. (Balanophoraceae).  
6. *Colchicum luteum* (Baker-Liliaceae).  
7. *Commihora wightii* (Arn-Bhandari Burseraceae).  
8. *Coptis gigantea* (Wall ex Hook—Cyathea).  
9. *Cyathea gigantea* (Wall ex Hook—Cyatheaaceae).  
10. *Dioscorea deltoidea* (Wall ex Kunth—Dioscoreaceae).  
11. *Drosera boweri* (Vahl—Droseraceae).  
12. *Drosera indica* (Linn—Droseraceae).  
13. *Gentiana Kurroo* (Boyle—Gentianaceae).  
14. *Gloriosa superba* (Liliaceae) other than *Gloriosa superba* (Liliaceae) Seeds grown in the farms.  
15. *Gnetum* spp. (Gnetaceae).  
16. *Iphigenia kunth* (Liliaceae).  
17. *Meconopsis betonicifolia* (Franchet—Papaveraceae).  
18. *Mardostachys grandiflora* (D C—Valerianaceae).  
19. *Nepenthes khasiana* (Hook—F—Nepenthaceae).  
20. *Osmunda claytoniana* (Osmundaceae).  
21. *Osmunda regalis* (Osmundaceae).  
22. *Podophyllum hexandrum* (Royle—Podophyllaceae).  
23. *Rauwolfia serpentina* (Linn, Benth ex Kurz Apocynaceae).  
24. *Rhododendron* spp. (Ericaceae).  
25. *Rheum emodi* (Wall ex Meisn Polygonaceae).  
26. *Arundinaria Jaunsarensis*.  
27. *Cyathea Gigantea*.  
28. *Cycas Beddolei*.  
29. *Rauwolfia Canescens*.  
30. *Dioscorea Przewalskii*.  
31. *Aconitum Heterophyllum*.  
32. *Berberis Aristata*.  
33. *Coptis Teeta*.  
34. *Mardostachys Jatamansi*.  
35. *Physolhuma Prachtia*.  
36. *Pravaltia Serpentina*.  
(B) Plant portion other than those covered by Part 'B'.  
(C) Orchids, namely :—  
1. Wild Orchids.  
2. Cultivated Orchid other than the following :—  
(a) *Aerides* Species  
(b) *Dendrobium* Species  
(c) *Phalaenopsis* Species  
(d) *Calanthe* Species  
(e) *Cymbidium* Species  
(f) *Coelogyne* Species  
(g) *Cypripedium* Species  
(h) *Bulbophyllum* Species  
(i) *Rhynostylis* Species  
(j) *Anacetochilus* Species  
(k) *Phajus* Species  
(l) *Phalenopsis* Species

- (m) Eria Species  
(n) Ascocentrum Species.
- (xiii) Egyptian clover (Barseem). *Trifolium alexandrinum* seeds.
- (xiv) Lucerne (Alfalfa) *Medicago Sativa* Seeds.
- (xv) Persian clover (Shaftal) *Trifolium repens* Seeds.
- (xvi) Saffron seeds or corms (Planting material for Saffron).
- (xvii) Nux Vomica Seeds, bark, leaves, root and powder thereof.
- (xviii) Seeds of all oilseeds and pulses.
- (xix) Wheat seeds and paddy seeds (wild variety).
- (xx) Seeds of ornamental plants (wild variety).
- (xxi) Kuth (*Costus lappa* syn. *Saussurea lappa* CB Cl-Asteraceae) obtained from Wild.
50. (i) Sea Shells.  
(ii) Sea Weeds, all types.
51. Silk Worms.
52. Silk waste, the following :—  
(a) Throwster and hard Silk Waste.  
(b) Mulberry Silk Waste including cleaned and degummed Silk Waste.  
(c) Noils and Droopings.  
(d) Basin refuse.
53. Silver bullion, silver sheets and plates which have not undergone any process of manufacture subsequent to rolling.
54. Silver Salts, Silver Chemicals and Compounds irrespective of percentage of Silver Content other than the following :—
- |   | Silver Content assuming 100% purity. |
|---|--------------------------------------|
| Silver Nitrate for drugs  |                                      |
| photo chemicals   | 63.5%                                |
| Silver Bromide-Anticeptic   |                                      |
| Photo Chemicals   | 57.45%                               |
| Silver Oxide for drugs  | 83.15%                               |
| Silver for Electroplating   | 80.57%                               |
| Silver Iodide rain making   | 45.95%                               |
| Silver Suboxide Ag 4"   | 96.4%                                |
| Silver Chloride for electroplating  | 75.26%                               |
| Silver Flouride for drugs   | 85.03%                               |
| Silver Acetate and Drug Formulations of mild silver protein and silver sulphadiazine conforming to formulations prescribed in recognised pharmacopoeia/official standards | 64.63%                               |
55. Manufactures and products having silver as an ingredient, other than those mentioned in Part 'B' against S. No. 41 of List 3 and also excluding Engineering Handicrafts and electrical goods, costume jewellery and silver filigree.
56. Styrene Monomer.
57. Sugar Cane.
58. Sulphur (excluding insoluble sulphur).
59. Tallow, fat and/or oils rendered, unrendered or otherwise, of any animal origin except fish oil.
60. Uncrushed bones other than fish bones.
61. Vegetable Oils, namely :—  
(i) Coconut Oil  
(ii) Cottonseed Oil  
(iii) Groundnut Oil  
(iv) Linseed Oil  
(v) Salad Oil  
(vi) Sunflower Oil  
(vii) Kardi Oil  
(viii) Niger Seed Oil  
(ix) Mustard Oil/Rape Seed Oil  
(x) Sesame Seed Oil  
(xi) Corn Oil  
(xii) Rice Bran Oil  
(xiii) Palm Oil  
(xiv) Palm Kernel Oil  
(xv) Soyabean Oil.
62. Waste paper, excluding waste newspaper.
63. Wattle Bark.
64. The export of all forms of Wild Life (dead or alive or part thereof or produce therefrom) including stuffed animals in whole or part are completely banned except for those mentioned in Part 'B'. In exceptional circumstances where export is for specific, scientific or zoological purposes, the prior clearance of the Department of Environment, Forests and Wild Life who will consider each case on merits prior to issue of an export licence, will be necessary.
65. Vintage motor cars and motor cycles and parts and components thereof i.e. motor cars and motor cycles of 1940 and earlier models.
66. (i) Wood and Timber, all species in log and sawn sizes.  
(ii) Cane  
(iii) Bamboo  
(iv) Veneers of Sandal Wood.  
(v) Tokobashira
67. Wool Tops other than those made from imported wool and wool noils.
68. Wool Waste other than Wool Waste produced out of the imported wool under Customs Bonds.



## PART B

ITEMS EXPORT OF WHICH IS ALLOWED ON MERITS OR SUBJECT TO CEILING OR OTHER CONDITIONS TO BE SPECIFIED FROM TIME TO TIME

## LIST 1

ITEMS ALLOWED FOR EXPORT  
'ON MERITS'

- | S. No. | Description of item  |
|--------|--|
| 1.     | Aircrafts and spares and accessories thereof including for repair/overhaul on returnable basis by the Airlines both Indian and Foreign.  |
| 2.     | Animals, namely :—<br>(i) Donkeys.<br>(ii) Horses (Kathiwarī, Marwari and Manipuri breeds are not allowed).<br>(iii) Mules.  |
| 3.     | Barks and Seeds of Forestry Species.   |
| 4.     | Birds Exotic :<br>1. Albino Budgerigars.<br>2. Bengali Finches (Pyrahula pyrahula).<br>3. Budgerigars.<br>4. Java Sparrow.<br>5. White Finches.<br>6. Zebra Finches.   |
| 5.     | Canthardine Beetles.   |
| 6.     | Chemicals, namely :—<br>(i) Acetic Acid.<br>(ii) Chloroquine phosphate and Chloroquine Sulphate including formulations manufactured from Chloroquine Phosphate and Chloroquine Sulphate.<br>(iii) Mono Chloro Acetic Acid.<br>(iv) Polythylene (LLDP).<br>(v) P.V.C. Compound.<br>(vi) Toluene.<br>(vii) Ultra High Molecular Weight High Density Poly Ethylene. |
| 7.     | Ferro Alloys, except the following :—<br>(i) All grades of Ferro Manganese slag.<br>(ii) Ferro Manganese (other than ferro manganese containing carbon less than 0.05 per cent).<br>(iii) All grades of Silico manganese (Ferro silica manganese).   |
|        | (iv) Ferro Chrome charge chrome containing carbon less than 0.03 per cent and nitrogen bearing ferro chrome charge chrome.<br>(v) All grades of silico chrome (ferro-silico chromium).   |
| 8.     | Fire arms and ammunition other than those mentioned against Sl. No. 1 of List 3.   |
| 9.     | Fodder Crop Seeds.   |
| 10.    | Frozen Semen of Animals.   |
| 11.    | Gum Resin.   |
| 12.    | Kuth (Costus Lappa Syn. Saussurea lappa, (C.B. Ci-Asteraceae) cultivated in Private lands, and its derivatives except Wild varieties.  |
| 13.    | Man-made fibres and yarns, namely :—<br>(i) Nylon tyre yarn cord fabric.<br>(ii) Viscose Staple Fibre excluding High performance Viscose Staple Fibre.<br>(iii) Any other cellulosic or synthetic fibre or yarn not specified else where.  |
| 14.    | Metal Scrap other than ferrous scrap containing more than 0.50 per cent nickel or 0.20 per cent of molybdenum or 1.00 per cent tungsten or 0.20 per cent Vanadium or 1.00 per cent Cobalt and Mill Scale Scrap.<br>(i) Nichrome Scrap.<br>(ii) Scrap of other metals except those mentioned against Sl. No. 33 of List 3.  |
| 15.    | Micronutrient Fertilizers and mixtures thereof containing NPK.   |
| 16.    | Milk, Powder Milk (Skimmed or full Cream) Baby Milk and sterilised liquid Milk.  |
| 17.    | Military Stores.   |
| 18.    | Non-ferrous metals and alloys unwrought, not shown elsewhere in this Schedule.   |
| 19.    | (i) Raw Silk.<br>(ii) Pure Silk Yarn including Silk Noil Yarn.<br>(iii) Silk waste namely :—<br>(a) Flimsy Cocoons.<br>(b) Fluff Floss.  |



20. Red Sanders Wood in the form of Chips and Powder.
21. Silk worm seeds and silk worm cocoons including reeling cocoons.
22. Silver Coins (irrespective of Silver content).  
Note :—Commemorative proof set coins (uncirculated quality) issued from time to time will be permitted to be exported only by India Government Mint, Bombay and the Customs authorities will directly allow such exports.
23. Skeletons, other than human skeletons and parts thereof.
24. Sticklac and Broodlac.
25. Synthetic Musk.
26. Tent and Tent Cloth of Olive Green Shade.
27. Venom of Snakes (in manufactured form).
28. (i) Second hand automobile spares, components and accessories.  
(ii) Vintage Motor Cars and Motor Cycles and parts and components thereof i.e. motor cars and motor cycles manufactured after 31-12-1940 but before 1-1-1960.
29. Woollen/Semi-worsted Yarn.
30. Zircon ores and concentrates including semi-precious variety of Zircon stones.

## LIST 2

ITEMS ALLOWED FOR EXPORT AGAINST  
LIMITED CEILING

S. No.	Description of item	
1.	Chemicals, namely :—	14. Nylon Filament Yarn
(i)	Butyl Alcohol.	15. Orchids (except the categories covered by Part 'A', the following :—
(ii)	Calcium Carbide.	(i) Dendrobium.
(iii)	Insoluble Sulphur.	(ii) Phloea.
2.	Cotton Seeds Expeller Cakes.	(iii) Calanthe.
3.	Crushed Bones.	(iv) Cymbidium.
4.	Grains and Flour, namely :—	(v) Coeregiae.
(i)	Non Basmati Rice.	(vi) Aerides
(ii)	Wheat.	(vii) Cyrtopodium
(iii)	Wheat Products, viz. Rawa, Resultant Atta, Wheat Bran.	(viii) Bulbophyllum.
(iv)	Maida, Suji and Wholemeal Atta (Wheat flour of not less than 95 per cent Extraction).	(ix) Rhynchosyris.
(v)	Barley.	(x) Anacardium.
(vi)	Maize.	(xi) Phajus.
(vii)	Bajra.	(xii) Phalencopsis.
(viii)	Jowar.	(xiii) Eria.
(ix)	Ragi.	(xiv) Ascostrum.
5.	Handicraft items made of peacock tail feathers.	Note : Certificate from Chief Wildlife Warden about the orchids being of cultivated origin and pre-shipment inspection by representatives of Ministry of Environment and Forest. will be necessary.
6.	High Performance Viscose Staple Fibre.	
7.	Hydrogenated Oil (Vanaspoti Ghee).	
8.	Iodised Salt (used for human consumption).	16. Palmyrah Sugar Candy.
9.	Jaggery (Gur)	17. Polyester Filament Yarn (all types).
10.	Khandsari Sugar.	18. Pure Milk Ghee.
11.	Live Sheep and Goat (Adult).	19. Pyrophyllite.
12.	Manufactured articles made out of :—	20. Rayon Filament Yarn.
(i)	Porcupine Quills.	21. Raw Wool upto 36s quality (indigenous) except Angora Goat hair or Mohair.
(ii)	Shed Antlers (of Chital and Sambhar).	22. Safflower Seed (Kardi Seed).
13.	Mineral ores, and concentrates, namely :—	23. Viscose Staple Fibre Spun Yarn.
(i)	Magnesite with silica contents between 4.5 per cent. to 7.5 per cent.	24. Wheat Straw (Hay).
(ii)	Manganese Ore excluding chemically processed Manganese Di-oxide.	25. Wool Tops made from imported wool.
(iii)	Corundum other than Sapphires and Rubies.	

## LIST 3

ITEMS ALLOWED FOR EXPORT UNDER  
OPEN GENERAL LICENCE SUBJECT TO PRE-  
SCRIBED CONDITIONS

- |   |   |
|---|---|
| <p>S.No. Description of Item</p> <p>1. (i) Arms and ammunitions viz. Muzzle loading weapons and breach loading or bolt action weapons such as short-guns, revolvers, pistols and their ammunitions.</p> <p>(ii) Replicas of Antique weapons.</p> <p>2. (i) All Seeds of Trees, Hedge, Ornamental Plants, Flowers and Gloriosa Superba (Liliaceae).</p> <p>(ii) Vegetable seeds other than Onion Seeds.</p> <p>3. Basmati Rice.</p> <p>4. Black Pepper (Asta Quality MG-1).</p> <p>5. Boiled Cocoons (a variety of Silk waste).</p> <p>6. Buffalo offals.</p> <p>7. Carbonised Lignite Briquettes (LECO).</p> <p>8. Castor Oil (for General Currency Areas only).</p> <p>9. Chloroquine Phosphate and Chloroquine Sulphate Formulations manufactured out of imported bulk drug (Chloroquine Phosphate and Chloroquine Sulphate).</p> <p>10. (i) Cinchona mixed alkaloids and cinchona salts after extraction of quinine and quinidine and salts thereof as certified by Director of Cinchona of Tamil Nadu West Bengal.</p> <p>(ii) Quinidine Sulphate.</p> <p>(iii) Quinine and Quinine Products.</p> <p>11. Coir and Coir Products.</p> <p>12. Cotton Yarn including tyre cord yarn.</p> <p>13. De-oiled Groundnut Cake (Extraction).</p> <p>14. De-oiled Rice Bran (Rice Bran Extraction).</p> <p>15. Fabrics and Made-ups not under quota restriction.</p> <p>16. Ferro alloys, namely :—</p> <p>(i) All grades of Ferro Manganese Slag.</p> <p>(ii) Ferro Manganese (other than ferro manganese containing carbon less than 0.05 per cent).</p> <p>(iii) All grades of Silico Manganese (ferro silico manganese).</p> | <p>(iv) Ferro chrome charge chrome containing carbon less than 0.03 per cent and nitrogen bearing ferro chrome charge chrome.</p> <p>(v) All grades of silico chrome (ferro silico chromium).</p> <p>17. Flue-cured Virginia Tobacco, Sun-cured Virginia Tobacco, Natu (Country) Tobacco, and Sun-cured Jutty Tobacco.</p> <p>18. Garments and knitwears not under quota restriction.</p> <p>19. Gold Jewellery and Articles.</p> <p>20. Hand Knotted woven woollen carpets.</p> <p>21. HPS Groundnuts, (both in shell and kernels)</p> <p>22. (i) Iron and Steel other than cast iron pipes and fitting namely :—<br/>Steel produced by integrated steel plants, alloy steel plants, Mini-steel plants, secondary producers and re-rollers.</p> <p>(ii) Galvanised Sheets made out of raw material imported under Advance Licence.</p> <p>(iii) Rods and bars made out of imported billets.</p> <p>(iv) Light Rails (20 Kgs or less).</p> <p>23. (i) Iron Ore of Goa Origin when exported to Japan, South Korea, Taiwan and West Europe</p> <p>(ii) Laterite.</p> <p>24. Jute Carpet Backing Cloth.</p> <p>25. Knitwear (Acrylic &amp; Mixed).</p> <p>26. Lamb Fur Skin.</p> <p>27. Man made fibres and yarns, namely :—</p> <p>(a) Acrylic Hand Machine Knitting Yarn.</p> <p>(b) Rayon Tyre Yarn of 600 deniers and above.</p> <p>(c) Rayon Tyre Cord of all deniers.</p> <p>(d) Rayon Tyre fabric.</p> <p>(e) Spun Yarn containing 50 per cent or more of Synthetic Fibre.</p> <p>28. Marine Products, namely :—</p> <p>(i) Dried and wet salted fish products :</p> <p>(a) Dried salted and unsalted fish.</p> <p>(b) Dried salted and unsalted prawn.</p> |
|---|---|

- (c) Wet salted fish.
- (d) Fish|Prawn Pickles.
- (e) Fish Maws.
- (f) Sharkfins.
- (g) Fish Oil.
- (h) Beche-de-mer of sizes 3 inches and above.
- (i) Dried Fish.
- (j) Dried Salted and unsalted Bombay Ducks.
- (ii) Fresh live, Frozen and Canned Products :
- (a) Fresh fish other than Pomfrcts.
- (b) Live lobsters, shell fish and fish.
- (c) Frozen fish other than Pomfret and prawns.
- (d) Frozen lobster tails crabs.
- (e) Frozen clams, Oysters etc.
- (f) Canned fish, prawns, crabs, clams, mussels etc.
- (g) Fresh|Frozen Prawns.
- (iii) Other miscellaneous seafood products :
- (a) Agar agar.
- (b) Fish Eggs.
- (c) Aquarium fish including Aquarium fish with plants and live rocks.
- (d) Cuttle fish bones.
- (iv) Other Marine Products.
- (v) Fresh and frozen silver pomfret of weight 300 gms. and above from West Coast of India and 200 gms. and above from East Coast of India.
- (vi) Fish Meal with protein content 50 per cent or above.
29. (i) Meat of Buffalo (both Male and Female) including heart, liver, lungs, brain, tongue, kidneys and other organs;
- (ii) Meat of Indian Sheep including heart, liver, lungs, brain, tongue, kidneys and other organs;
- (iii) Meat of Indian Goat including heart, liver, lungs, brain tongue, kidneys and other organs.
30. Metallurgical residues i.e. drosses, skimming slags, ashes, slims and flue dust (other than those of gold and silver) containing less than 15 per cent of free metal content.
31. Micronutrient Fertilizers and mixtures thereof as specified in Schedule I Part 'A' I (f) of Fertilizers (Control) Order, 1985.
32. Mulberry × Dupion Fabrics (100 per cent Natural Silk).

33. Metal Scrap other than ferrous scrap containing more than 0.50 per cent nickel or 0.20 per cent of molybdenum or 1.00 per cent tungsten or 0.20 per cent vanadium or 1.00 per cent cobalt.

- (i) Nickel Cadmium battery scrap.
- (ii) Nickel scrap excluding nickel pellets.
- (iii) Platinum scrap.

34. Portion of Plants, namely :—

(a) Plants.	Portion of Plants to be allowed for export.
(i) <i>Bontickia Coddapanna</i> Berry	Whole Plant.
(ii) <i>Dalbergia Lalikolia</i> Roxh	Seeds.
(iii) <i>Laverera Kashmiriana</i> Gamb	Fruit/Seeds.
(iv) <i>Mangolia Pterocarpa</i> Roxh	Seeds.
(v) <i>Paraukigia grandiflora</i> O.R. Drum and Hutchison	Roots of Stocks/Seeds.
(vi) <i>Piuanga Gaeillia</i> Bl.	Whole Plant.
(vii) <i>Pinus gerardiana</i> wall	Seeds.
(viii) <i>Populus gambeloides</i>	Cutting seeds.
(ix) <i>Pterocarpus delbergioides</i> Roxh	Seeds.
(x) <i>Santalum Album</i>	Seeds.
(b) Botanical plants :	
<i>Dischidia reflexa</i> R. Br.	Whole Plant.

Note :—The above regulations are however relaxed and export permitted by firms on obtaining certificates from the Chief Conservator of Forests or Chief Wild Life Warden or the Officer authorised by them, that the material is of plantation or nursery origin.

35. Processed Pulses made only out of the pulses imported under the Advance Licensing Scheme| Pass Book or by an approved 100 per cent Export Oriented Unit.
36. Psyllium Seed|Psyllium Husk|Psyllium Powder.
37. Raw Cotton :—
- (i) Bengal Deshi.
- (ii) Assam Comillas.
- (iii) Staple Cotton.
- (iv) Cotton decoloured by damages due to Fire| Water.
- (v) Zodo and sweepings.
- (vi) Yellow Pickings.
- (vii) Others.
38. Sesame Seeds.
39. Shoddy Yarn.
40. Silk Goods excluding Silk Carpets

41. (ii) Silver Jewellery and Silver Articles mentioned in Para 297(ii) of Import and Export Policy, 1990-93 (Vol. I).
- (ii) Silver Jewellery containing less than 50 per cent silver content, by weight.
42. Small onions upto 20 Kgs. as a part of assorted vegetables.
43. Soft Cotton Waste|Hard Cotton Waste.
44. Solvent Extracted Cotton Seeds Cakes (Decoricated and undecoricated).
45. (i) Solvent Extracted Oil meals other than those mentioned in Parts 'A' or 'B'.  
(ii) Animal|Poultry Feed Compound;  
(iii) Mango Kernel Oil|Neem Oil;  
(iv) Salseed Oil; and  
(v) Kokum Fat|Dhupa Fat.
46. Soyabean Extraction.
47. Textiles, namely :—  
(i) Export to Austria of certain cotton and synthetic textile products under the Memorandum of Understanding between India and Austria.  
(ii) Export of certain Textile Products of Cotton, Wool and man-made Fibres and blends thereof to Canada under the Memorandum of Understanding between India and Canada.  
(iii) Export of Textiles and Textile products made from cotton, wool and man-made fibres (excluding jute, silk and flax) to EEC Member States under the Indo-EEC Textile Agreement.  
(iv) Export of Textile Products of cotton and man-made fibre to Finland under the memorandum of understanding between India and Finland.
- (v) Export to Norway of certain textile and textile products made of Cotton, Wool and man-made fibres or blend thereof under the Agreement between India and Norway.
- (vi) Export of certain Textile Product of cotton, wool and man-made fibre or blends thereof to Sweden under the Indo-Swedish Textile Agreement.
- (vii) Export to USA of Textiles made from Cotton, wool, man-made fibres, silk blended and vegetable fibres (excluding jute and pure silk) under the Indo-US Textile Agreement.
- (viii) Export of Real Madras Handkerchief (RMHK) made on Handloom.
- (ix) Textile Cloth and materials thereof of olive green shade excluding pure silk and artificial silk fabrics and materials thereof (including hosiery).
48. Wood and Timber, namely :—  
(i) Processed timber of all species except Red Sanders Wood.  
(ii) Sandal wood in the form of dust, chips, flakes and powder.  
(iii) Handicrafts made of Sandal Wood.  
(iv) Machine-Finished Sandal Wood Products, such as :—  
1. Visiting Cards.  
2. Blades for ladies hand fans.  
3. Outer cases and dials of watches  
4. Any other product of similar nature meeting the above specification and value addition norms.



## LIST 4

ITEMS EXPORT OF WHICH IS CANALISED BY  
THE SPECIFIED AGENCIES**S.No. Description of Item**

1. Castor Oil when exported to Rupee Payment Areas.
2. Chemicals, namely :—
  - (i) Benzene
  - (ii) Polythylene (LD)
  - (iii) Paraffin Wax Type III.
3. Coal and Coke.
4. Colour Picture Tubes and Sub-assemblies of Colour T.V. containing Colour T.V. Picture Tubes.
5. Ethyl Alcohol or rectified Spirit of any proof degree, whether denatured or not.
6. (i) Exposed Cinematographic Film (Feature films) including sale of video rights of Indian feature films excluding low budget feature films (produced at a cost not exceeding Rs. 20 lakhs).
- (ii) Video taped cinema films (including Cassettes).
7. Gum Karaya.
8. Khandsari Molasses.
9. Mill Scale Scrap.
10. Minerals Ores and Concentrates, namely :—
  - (i) Thorium Ores and Concentrates.
  - (ii) Some other minerals, containing the following substances as accessory ingredients including :
    - (a) Columbite, (b) Monazite, (c) Samerskite, (d) Uraniferous allamite :—
      1. Radium Ores & Concentrates.
      2. Thorium Ores and Concentrates.
      3. Uranium Ores and Concentrates.
      4. Uranium bearing tailings left over from ores after extraction of copper or gold.
      5. Zircon ores and concentrates (including semi precious variety of Zircon Stones).
  - (iii) Granular Sillimanite produced by Indian Rare Earths Minerals and Metals Limited and Kerala Minerals and Metals Limited.
  - (iv) Iron Ore except iron-ore of Goa Origin when exported to Japan, South Korea, Taiwan and West Europe.
- (v) Bimetal Ore (Black Iron Ore) with manganese contents from 3 per cent upto 10 per cent of Goa Origin.
- (vi) Chrome Ores and concentrates, namely :—
  - (i) Chrome ore lumps with  $\text{Cr}_2\text{O}_3$  not exceeding 38 per cent.
  - (ii) Low silica friable fine ore with  $\text{Cr}_2\text{O}_3$  not exceeding 52 per cent and silica exceeding 4 per cent.
- (vii) Manganese Ores excluding the following :
  - (a) Chemically processed Manganese Dioxide.
  - (b) Lumpy/blended Manganese Ore with more than 46 per cent Manganese.
- (viii) All grades of Bauxite except Calcined Bauxite.
- (ix) Iron Ore concentrate prepared by Benefication and/or concentration of low grade ore containing 40 per cent or less of Fe produced by Kudremukh Iron Ore Company Limited.
- (x) Iron Ore Pellets manufactured by Kudremukh Iron Ore Company Limited, (KIOCL) out of concentrated produced by it.
11. Molasses.
12. Niger Seeds.
13. Onions.
14. (i) All Petroleum Products including lubricants greases and crude oil.
- (ii) Lubricating Oil and Greases of Indian Origin.
15. (i) Processed Mica, including Mica Blocks, Mica Films, and splittings of all grades and varieties excluding manufactured and fabricated mica.
- (ii) Mica Waste (including Factory cuttings) and scrap which is obtained by processing mica and which because of size and colour is considered below the specification of processed mica.
16. Railway Wagons, passenger coaches and locomotives.
17. Raw Jute, Mesta and Jute Cuttings excluding caddies.
18. Sugar.

## SCHEDULE II

## OFFICERS COMPETENT TO GRANT LICENCE

1. Chief Controller of Imports and Exports.
2. Additional Chief Controller of Imports and Exports.
3. Export Commissioner.
4. A Joint Chief Controller of Imports and Exports.
5. A Deputy Chief Controller of Imports and Exports.
6. An Assistant Chief Controller of Imports and Exports.
7. A Controller of Imports and Exports.
8. A Collector of Customs.
9. A Superintendent/Assistant Collector of Central Excise.
10. Deputy Development Commissioner (Imports and Exports) Santa Cruz Electronic Export Processing Zone, Bombay.
11. Assistant Development Commissioner (Imports & Exports) Santa Cruz Electronic Export Processing Zone, Bombay.
12. The Deputy Development Commissioner, FALTA Export Processing Zone, Falta, W. Bengal.
13. The Dy. Development Commissioner, Madras Export Processing Zone, Madras.
14. The Joint Development Commissioner/Dy. Development Commissioner, New Okhla Industrial Development Area Export Processing Zone, Noida, U.P.
15. The Deputy Development Commissioner, Cochin Export Processing Zone, Cochin, Kerala.

## SCHEDULE III

## OPEN GENERAL LICENCE

## O.G.L. No. 1

Any person may export by land to any country adjacent to India and having no seaboard of its own, the following articles provided that they are intended for use of consumption in that country :—

Any goods included in Schedule I which are consigned under a procedure prescribed for regulating transit traffic.

## O.G.L. No. 2

Any person may export to any country except to a country to which export is prohibited by any law for the time being in force, the following bonafide samples, namely :—

Sl. No.	Item	Item No. in Schedule I
(1)	(2)	(3)

Bonafide samples, the following : —

1. Samples of Iron Ore not exceeding 30 metric tonnes at a time provided the consignments are covered by a certificate by the following competent authority to the effect that the quantity of Iron Ore (including fines) is required for experimental purposes and that the quantity involved is the minimum required for the particular purpose.

B. List 4.10 (iv)

(i) Divisional Manager (Sales) Minerals and Metals Trading Corporation, New Delhi, for any area other than Goa.

(ii) Iron Ore Adviser, Goa for Goa Iron Ore.

B. List 3.24

(iii) Deputy Secretary, Department of Mines, New Delhi, for consignments not covered under items (i) and (ii) above.

Sample of Iron Ore concentrates prepared by beneficiation and/or concentration of low grade ore containing 40 per cent or less Fe, produced by Kudremukh Iron Ore Company Limited not exceeding 30 metric tonnes at a time can be exported by Kudremukh Iron Ore Company Limited itself without obtaining a certificate from Minerals and Metals Trading Corporation.

2. Sample of wooden furniture by a registered exporter of wooden furniture for a value not exceeding Rs. 10,000/- per consignment.

3. Samples of Text Books and other books for a value not exceeding Rs. 3,000/- per consignment.

4. Samples of drug formulations upto 10 per cent of the f.o.b. value of the export consignment when exported alongwith the consignment itself. Such sample packings should prominently bear the marking "Physician's sample not for sale".

Samples of drug formulation which are physician's 'sample' and not for sale and not accompanying the export consignment shall not exceed Rs. 25,000/- in respect of each consignment.

5. Sample of agro-chemicals for a value not exceeding Rs. 50,000/- per consignment.

6. Samples of items of Part 'A' and of List 1 and List 2 of Part 'B' of Schedule I to this Order shall not be allowed for export.

Canalising agencies can export samples without value restrictions of items specified in O.G.L. No. 4.

7. In respect of samples of other controlled items, for a value not exceeding Rs. 10,000/- per consignment.

8. Samples of decontrolled items allowed without any value limitation.

9. Samples of textile items under bilateral agreement/Memorandum of Understanding allowed without any value limitation.

10. If any exporter is desirous of exporting items for a value beyond the Permissible limit as stipulated above or wishes to export an item figuring in List 1 or List 2 of Part 'B', then he should approach the Export Licensing Committee in the Office of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi.

## O.G.L. NO. 3

## ITEMS EXPORT OF WHICH IS ALLOWED UNDER OPEN GENERAL LICENCE SUBJECT TO PRESCRIBED CONDITIONS

Sl. No.	Item	S. No. as in list 3 of Part 'B' of Schedule I.	Condition(s) to be fulfilled/documents to be produced
1	2	3	4
1.	(i) Arms and ammunitions viz. Muzzle loading weapons and breach loading or bolt action weapons such as short-guns, revolvers, pistols and their ammunitions.	B.1(i)	Export will be allowed on production of: (a) Appropriate licence under the Arms Act and Rules; (b) A certificate from the Archaeological Survey of India to the effect that fire arms to be exported are not antiques and/or rare specimens. (This certificate will not be necessary for ammunition and for fire arms manufactured in India after 1956. In such cases a certificate to the effect that fire arms have been manufactured in India after 1956 shall be obtained by the exporters from local licensing authority). (c) The fire arms to be exported bear appropriate marks of identification and proof test.
	(ii) Replicas of Antique weapons.	B. 1(ii)	Export allowed on production of a certificate from the District Magistrate, Collector or Commissioner of Police, in the prescribed form, under whose jurisdiction the Replicas have been manufactured to the effect that Replicas have been rendered innocuous as fire arms and correspond to the sample inspected by the Director of Inspection, Department of Defence Production. A copy of the application will be sent simultaneously to (i) The District Magistrate and (ii) The Superintendent of Police in whose jurisdiction the intended place of export is situated.
2.	(i) All Seeds of Trees, Hedge Ornamental Plants, Flowers and Gloriosa Superba (Liliaceae).	B.2(i)	Export allowed subject to production of certificate from the Seeds Certification Agency/concerned Department of the State Government that the Seeds to be exported are not of wild variety and are not Foundation and Breeder Seeds.
	(ii) Vegetable seeds other than Onion Seeds.	B.2(ii)	Export allowed subject to production of : (i) Quality Control Certificate, and (ii) Certificate that the Seeds to be exported are not Foundation and Breeder Seeds from recognised State Certification Agency including National Seeds Corporation.
3.	Basmati Rice	B.3	Export allowed subject to minimum export price announced from time to time by the Central Government.
4.	Black Pepper (Asta Quality MG-1)	B.4	Export allowed subject to minimum export price of Rs. 19,000 per Metric Tonne f.o.b. Use of any fumigant containing ethylene dibromide (EDB) in the export consignments or in the ship carrying the export consignment shall not be allowed.
5.	Boiled Cocoons (a Variety of Silk Waste).	B.5	Export shall be allowed subject to pre-shipment inspection by Central Silk Board and subject to minimum export price to be fixed by the Government from time to time.

1	2	3	4
6. Buffalo Offals.	B.6	Export will be allowed subject to following conditions :—	
		(i) Certificate from the designated Veterinary Authorities of the State to the effect that offals are from Buffaloes not used for breeding and milch purposes. (ii) On furnishing pre-shipment inspection Certificate issued by the Office of State Directorate of Animal Husbandry or any other Veterinarian authorised on their behalf to the effect that:— (a) The offals has been obtained from healthy animal slaughtered in licensed premises and subject to ante-mortem and postmortem inspection according to the prescribed procedures; (b) The offals has been prepared under hygienic conditions, wholesome and fit for human consumption; (c) The offals is free from parasitic infestation. (iii) The offals shall be free from pathogenic micro-organisms. (iv) The offals shall conform to bacteriological quality specifications :— (1) Total Bacterial count shall be within limit of 1 to 10 million per gram; (2) E. Coli bacterial count shall be within limit of 100 to 1000 per gram; and (3) in case of consignments of fully cooked canned offals products inspection as in sub-paragraph (ii) shall be done by the Directorate of Marketing and Inspection, Government of India on payment of fees to be prescribed by the Directorate of Marketing. Export of buffalo offals shall be allowed, subject to above conditions, from Bombay, Delhi, Mangalore Cochin and Madras. In case of exports from Cochin and Madras, the inspection would be by Export Inspection Agency, Cochin and Madras respectively.	
7. Carbonised Lignite Briquettes (LECO).	B.7	Export allowed only from Calcutta, Madras and Shillong against allocations made by the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.	
8. Castor Oil (for General Currency Areas only).	B.8	Export allowed to General Currency Areas only.	
9. Chloroquine Phosphate and Chloroquine Sulphate Formulations manufactured out of imported bulk drug (Chloroquine Phosphate and Chloroquine Sulphate).	B.9	Export allowed against import of bulk chloroquine phosphate and chloroquine Sulphate under Advance Licence to the extent of f.o.b. value indicated in the licence.	
10. (i) Cinchona mixed alkaloids and cinchona salts after extraction of quinine and quinidine and salts thereof as certified by Director of Cinchona of Tamil Nadu/ West Bengal.	B.10(i)	Export allowed against the certificate from Directorate of Cinchona of Tamil Nadu/ West Bengal, as the case may be.	
(ii) Quinidine Sulphate.	B.10(ii)	Export allowed on production of No Objection Certificate from Drugs Controller (India), New Delhi.	
(iii) Quinine and Quinine Products.	B.10(iii)	Export allowed on the recommendation of Directorate of Cinchona of Tamil Nadu/ West Bengal as the case may be.	
11. Coir and Coir Products.	B.11	Export shall be allowed on production of a certificate from the Coir Board/Licensing Authority that the f.o.b. value is not less than the floor price fixed by the Ministry of Textiles and notified by the Coir Board.	



1	2	3	4
12.	Cotton Yarn including tyre cord yarn.	B.12	Against certification made by the Cotton Textiles Export Promotion Council, Bombay and subject to ceiling to be fixed by the Government from time to time.
13.	De-oiled Groundnut Cake (Extraction)	B.13	Export will be allowed subject to registration of contracts with the Groundnut Extraction Development Association, Bombay, within the ceiling prescribed by the Ministry of Commerce from time to time.
14.	De-oiled Rice Bran (Rice Bran Extraction).	B.14	Export will be allowed subject to registration of contracts with the Solvents Extractors Association of India, Bombay, within the ceiling prescribed by the Ministry of Commerce from time to time.
15.	Fabrics and Made-ups not under quota restriction.	B.15	Export allowed against certification on shipping bills by the Textile Export Promotion Council (TEXPROCIL).
16.	Ferro alloys, namely :—	B.16	Export shall be allowed subject to registration of contracts with the office of Development Commissioner for Iron and Steel, Calcutta, or its Regional Offices.
	(i) All grades of Ferro Manganese Slag.	}	
	(ii) Ferro Manganese (other than ferro manganese containing carbon less than 0.05%).		
	(iii) All grades of Silico Manganese (ferro silico manganese).		
	(iv) Ferro chrome/charge chrome containing carbon less than 0.03% and nitrogen bearing ferro chrome/charge chrome.		
	(v) All grades of silico chrome (ferro silico chromium).		
17.	Flue-cured Virginia Tobacco, Suncured Virginia Tobacco, Natu (Country) Tobacco, and Sun-cured Jutty Tobacco.	B.17	1. In respect of Tobacco for which Minimum Export Prices have been announced by the Central Government from time to time, certificate from Tobacco Board to the effect that the prices are not lower than the minimum export price. 2. In respect of tobacco for which no minimum export prices have been specified, certificate from Tobacco Board that Tobacco being exported is not subject to minimum export price restriction.
18.	Garments and knitwears not under quota restriction.	B.18	Export allowed against certification on Shipping Bills by the Apparels Export Promotion Council (AEPCL).
19.	Gold Jewellery and Articles.	B.19	Export of Gold Jewellery and Articles under the Scheme for export of Gold Jewellery against Gold supplied by the foreign buyer and Gold Jewellery Export Promotion and Replenishment Scheme will be allowed as provided in Chapter XXI of Imports and Exports Policy 1990—93 (Volume-I) and Chapter XXI of Hand Book of Procedures 1990—93. Export against Duty Exemption Scheme will be governed by the provisions of Chapter 19 of Vol. I of Import and Export Policy, 1990—93,
20.	Hand Knotted/woven woollen carpets.	B.20	Shipments shall not be permitted on Documents against Acceptance (D/A) basis unless the same are backed by Bank Guarantee.
21.	HPS Groundnuts (both in shell and kernels).	B.21	Export allowed against registration of contracts with the Indian Oil and Produce Exporters Association, Bombay.
22.	(i) Iron and Steel other than cast Iron pipes and fitting namely :— Steel produced by integrated steel plants, alloy steel plants, Mini-steel plants, secondary producers and re-rollers.	B.22(i)	Export shall be allowed with the condition that No Objection Certificate from Development Commissioner for Iron and Steel, Calcutta or its Regional Offices is obtained and does not exceeding 10 per cent of their production.
	(ii) Galvanised Sheets made out of raw material imported under Advance Licence.	B.22(ii)	Export allowed to the extent of the fob value indicated in the Advance Licence.

1	2	3	4
	(iii) Rods and bars made out of imported billets.	B.22(iii)	Export of bars and rods made out of billets imported under Duty Exemption Scheme against Advance Licence to the extent of f.o.b. value indicated in the licence.
	(iv) Light Rails (20 Kgs. or less).	B.22(iv)	Export allowed only as part of a composite export contract for complete rail net work.
23.	(i) Iron Ore of Goa Origin when exported to Japan, South Korea, Taiwan and West Europe.	B.23(i)	Export allowed against registration of contracts with the Goa Mineral Ore Exporters Association.
	(ii) Laterite.	B.23(ii)	Export allowed on production of a certificate from the Public Analyst showing that the material for export contains:-- (a) Alumina not in excess of 40%. (b) Nickel not in excess of 0.7%. (c) Cobalt not in excess of 300 PPM. (d) Vanadium not in excess of 1215 PPM. (e) Gallium not in excess of 139 PPM. (f) Titanium not in excess of 7.4%.
24.	Jute Carpet Backing Cloth.	B.24	Export shall be allowed to all permissible destinations subject to conditions to be notified by the Government from time to time.
25.	Knitwear (Acrylic & Mixed).	B.25	Export shall be allowed subject to minimum export price to be fixed by the Government from time to time and against contracts registered with Wool and Woollen Export Promotion Council or its Regional Offices.
26.	Lamb Fur Skin.	B.26	Export will be allowed only through Four major ports viz, New Delhi, Bombay, Calcutta and Madras subject to preshipment inspection by the Deputy Director, Wild Life Preservation, posted at the above ports.
27.	Man made fibres and yarns, the following:-- (a) Acrylic Hand/Machine Knitting Yarn. (b) Rayon Tyre Yarn of 600 deniers and above. (c) Rayon Tyre Cord of all deniers. (d) Rayon Tyre fabric.	B.27	Information in respect of export effected will be furnished by the exporters within 15 days after shipment to the concerned Council.
	(e) Spun Yarn containing 50 per cent or more of Synthetic Fibre.	B.27(e)	
28.	Marine Products, namely:-- (i) Dried and wet salted fish products:-- (a) Dried salted and unsalted fish. (b) Dried salted and unsalted prawn. (c) Wet salted fish. (d) Fish/Prawn Pickles. (e) Fish Maws. (f) Sharkfins. (g) Fish Oil. (h) Beche-de-mer of sizes 3 inches and above. (i) Dried Fish. (j) Dried Salted and unsalted Bombay Ducks.	B.28	Export will be allowed on the basis of firm orders/Contracts with prefixed prices and on out-right sale basis.

1	2	3	4
	(ii) Fresh live, Frozen and Canned Products. B. 28		
	(a) Fresh fish other than Pomfrets.		
	(b) Live lobsters, shell fish and fish.		
	(c) Frozen fish other than Pomfret and prawns.		
	(d) Frozen lobster tails crabs.		
	(e) Frozen clams, Oysters etc.		
	(f) Canned fish, prawns, crabs, clams, mussels, etc.		
	(g) Fresh/Frozen Prawns.		
	(iii) Other miscellaneous seafood products:— B. 28		Export will be allowed on the basis of firm orders/contracts with pre-fixed prices and on out-right sale basis.
	(a) Agar agar.		
	(b) Fish Eggs.		
	(c) Aquarium fish including Aquarium fish with plants and live rocks.		
	(d) Cuttle fish bones.		
	(iv) Other Marine Products. B. 28		
	(v) Fresh and frozen silver pomfret of weight B. 28 300 gms. and above from West Coast of India and 200 gms. and above from East Coast of India.		
	(vi) Fish Meal with protein content 50 per cent or above. B. 28		
29.	(i) Meat of Buffalo (both Male and Female) including heart, liver, lungs, brain, tongue, kidneys and other organs. B. 29(i)		(i) Export will be allowed on production of certificate from the designated Veterinary Authorities of the State from which the meat emanates that the meat is from Buffaloes not used for breeding and milch purposes: Provided that the export price is not less than Rs. 11.50 per kg. f.o.b.
			(ii) Export of Chilled/frozen meat shall be allowed on furnishing pre-shipment inspection certificate issued by the office of State Directorate of Animal Husbandry or any other Veterinarian authorised on their behalf to the effect that:
			1. The meat has been obtained from healthy animals slaughtered in licensed premises and subjected to ante-mortem and post-mortem inspection according to the prescribed procedures;
			2. The meat has been prepared under hygienic conditions, wholesome and fit for human consumption;
			3. The meat is free from parasitic infestation;
			4. Export of frozen meat shall be allowed from Bombay, Delhi, Mangalore and Trivandrum on furnishing further pre-shipment inspection certificate issued by the Director of Animal Husbandry of the State Governments concerned or any other officer authorised on his behalf. In case of all exports from Cochin and Madras, the inspection will be done by the Export Inspection Agency, Cochin and Madras respectively. In case of exports from Bombay, the inspection will be done by the Export Inspection Agency, Bombay.
			The Certification would be to the effect that:—
			1. The meat/carcase shall be free from pathogenic micro-organisms.

1	2	3	4
			<p>2. The meat/carcass shall conform to bacteriological quality specifications:—</p> <p>(i) Total bacterial count shall be within limit of 1 to 10 million per gram;</p> <p>(ii) E. Coli bacterial count shall be within limit of 100 to 1000 per gram; and</p> <p>(iii) In case of consignments of corned buffalo meat and lunche on buffalo meat inspection as prescribed under MFPO, 1973 and IS specifications (IS 11747-1986 for corned buffalo meat and IS 11746-1986 for lunche on buffalo meat) shall be done either by State Directorate of Animal Husbandry or Export inspection Agency or the Directorate of Marketing and Inspection, Government of India on payment of fees to be prescribed by the Concerned Agency.</p>
(ii) Meat of Indian Sheep including heart, liver, lungs, brain, tongue, kidneys and other organs.	B. 29(ii) }		<p>Export of meat of goat will be allowed against ceiling placed at the disposal of the All India Meat and Live Stock Exporters Association, Bombay, Rajasthan State Sheep and Wool Marketing Federation, Jaipur and the Deputy Chief Controller of Import and Exports, Cochin, and the ceiling of meat of sheep will be at the disposal of the All India Meat and Live Stock Exporters Association, Bombay and New Delhi, Rajasthan State Sheep and Wool Marketing Federation, Jaipur and the Deputy Chief Controller of Imports and Exports, Cochin. The Ministry of Commerce will release the ceiling to the above designated agencies.</p>
(iii) Meat of Indian Goat including heart, liver, lungs, brain tongue, kidneys and other organs.	B. 29(iii) }		
			<p>As and when the exporters approach the above Agencies concerned, the respective Associations shall issue ceiling slips to the exporters advising them to approach the Customs Authorities for export. In respect of applications directly made to Deputy Chief Controller of Imports and Exports, Cochin, the latter will issue the ceiling slips and the exporter will present the same to the Customs at the time of export. Deputy Chief Controller of Imports and Exports, Cochin will give ceiling slips within the allocated ceiling of that office. The Association and the Deputy Chief Controller of Import and Exports, Cochin shall stop issuing ceiling slips as soon as the ceiling allotted to them is exhausted.</p> <p>The designated agencies should ensure that exporters purchase live goat for slaughter from the local Mandies only after the daily requirement in the domestic market is met. If the total arrival on a particular day falls short of this requirement, no purchases for export should be made.</p> <p>In case the above condition is met, the exporter will enter the market for purchase of goat for slaughter at a time after the domestic requirements have been purchased. Similarly, they will use the slaughter house only after slaughtering for domestic consumption has been done.</p> <p>The designated agencies will inform the Ministry of Commerce by the 7th of the succeeding month the figures of export made during the preceding month.</p> <p>Export of Chilled/frozen meat shall be allowed on furnishing pre-shipment inspection certificate issued by the Office of State Directorate of Animal Husbandry or any other Veterinarian authorised on their behalf to the effect that:—</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. The meat has been obtained from healthy animals slaughtered in licensed premises and subject to ante mortem and post mortem inspection according to the prescribed procedures.</li> <li>2. The meat has been prepared under hygienic conditions wholesome and fit for human consumption.</li> <li>3. The meat is free from parasitic infestation.</li> </ol>

1	2	3	4
			<p>Export of Frozen meat shall be allowed on furnishing in additional pre-shipment inspection certificate issued by the State Director of Animal Husbandry or any other officer authorised on his behalf in case of exports from Bombay, Delhi and Mangalore and by the Export inspection Agency in respect of exports from Cochin and Madras. The certification would be to the effect that :—</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. The meat/carcass shall be free from pathogenic micro-organism.</li> <li>2. The meat/carcass shall conform to the following bacteriological quality specifications :— <ol style="list-style-type: none"> <li>(1) Total Bacterial count shall be within limit of 1 to 10 million per gram.</li> <li>(2) E. Coli bacterial count shall be within limit of 100 to 1000 p. r gram.</li> <li>(3) It shall be free from Salmonolia.</li> </ol> </li> </ol> <p>Export of meat of sheep and goat will be allowed only on outright sale basis and not on consignment basis.</p> <p>Export of meat of Indian sheep and goat shall be allowed subject to Minimum Export price of Rs. 26 per Kg. f.o.b.</p>
30. Metallurgical residues i.e. drosses, skimming slags, ashes, slims and flue dust (other than those of gold and silver) containing less than 15 per cent of free metal content.	B.30		<p>Export allowed for outright sale/for treatment abroad and re-import of the refined metal subject to the following conditions :—</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>(a) the free metal content in the metallurgical residues is less than 15 per cent by weight and the same is in a finely dispersed condition.</li> <li>(b) A complete analytical report is furnished by the exporter alongwith other shipping documents from one of the recognised Analyst certifying that the free metal content in the metallurgical residues is less than 15 per cent by weight and the same is a finely dispersed condition and 100 per cent chemical composition of the residue. A sieve of 1/6" mesh is to be used by the Analyst and the fact to be mentioned in the analytical report.</li> <li>(c) No foreign exchange will be allowed for re-import of the refined and/or for re-import of the refining and other charges etc. and that such charges will be paid by the exporters in the shape of metallurgical residues refined metal. Import of the refined metal will be subject to issue of a C.C.P. by the concerned port licensing authority.</li> <li>(d) The foreign exchange earned from the sale of metallurgical residues/refined metal abroad will be brought back into India.</li> <li>(e) The exporters will observe the G.R. Form procedure of the Reserve Bank of India and with the third copy of the G.R. Form, a certificate of final weight preliminary and final report of assay, together with the final settlement of accounts from the refiner should also be forwarded by the exporter to the Reserve Bank of India.</li> </ol>
31. Micronutrient Fertilizers and mixtures thereof as specified in Schedule I Part 'A' I (f) of Fertilizers (Control) Order, 1985.	B.31		<p>Export allowed subject to registration with CAMEXCIL, chemicals and Allied Products Export Promotion Council.</p>



1	2	3	4										
32.	Mulberry X Dupion Fabrics (100 per cent Natural Silk).	B.32	The Minimum Export Price (MEP) for various width of mulberry X dupion silk fabrics (100% Natural Silk) shall be as indicated below against each width :—  <table><tr><th>Width</th><th>MEP per MT FOB</th></tr><tr><td>36"</td><td>90.00</td></tr><tr><td>44<sub>1</sub></td><td>110.00</td></tr><tr><td>48"</td><td>120.00</td></tr><tr><td>54"</td><td>135.00</td></tr></table> The prices for other widths will be calculated proportionately.	Width	MEP per MT FOB	36"	90.00	44 <sub>1</sub>	110.00	48"	120.00	54"	135.00
Width	MEP per MT FOB												
36"	90.00												
44 <sub>1</sub>	110.00												
48"	120.00												
54"	135.00												
33.	Metal Scrap other than ferrous scrap containing more than 0.50 per cent nickel or 0.20 per cent of molybdenum or 1.00 per cent tungsten or 0.20 per cent vanadium or 1.00 per cent Cobalt												
(i)	Nickel cadmium battery scrap.	B.33(i)	Certificate from a Recognised Public Analyst to the effect that the scrap conforms to the specification given under this item.										
(ii)	Nickel Scrap excluding nickel pellets.	B.33(ii)	Export allowed subject to the condition that after refining and re-shaping full 100 per cent less refining losses of the scrap is imported back into India in the form of nickel plate anodes.										
(iii)	Platinum Scrap.	B.33(iii)	Export allowed on the condition that after refining and reshaping full 100 per cent less refining losses of the scrap is imported back into India.										
34.	Portin of Plants, the name : —	B. 34	Export allowed subject to production of :										
(a)	Plants	Portion of Plant to be allowed for export.	(i) Certificate from the Chief Conservator of Forests or Chief Wild Life Warden or the Officer authorised by them that the material is of plantation or nursery origin raised through culture technique; (ii) Pre-shipment Inspection Certificate ; and (iii) Convention on International Trade in Endangered species of wild Fauna and Flora Certificate.										
(i)	Bontickia Coddapanna Berry	Whole Plant.											
(ii)	Dilbergin Lalitolia Roxh	Seeds.											
(iii)	Lavatera Kashmiriana Gamb.	Fruit/Seeds.											
(iv)	Mangolia Pterocarpa Roxh.	Seeds.											
(v)	Paraguilegia grandiflora O.R.	Roots Stocks/											
	Dram and Hutchison.	Seeds.											
(vi)	Pinanga Gracillis Bl.	Whole Plant.											
(vii)	Pinus generadjana wall	Seeds.											
(viii)	Populus gambeloides	Cutting Seed.											
(ix)	Pterocarpus delbergioides Roxh	Seeds.											
(x)	Santalum Album	Seeds.											
(b)	Botanical Plants:												
	Dischidia Reflexiana R. Br.	Whole Plant											
 Note : The above regulations are however relaxed and export permitted by firms on obtaining certificates from the Chief Conservator of Forests or Chief Wild Life Warden or the Officer authorised by them, that the material is of plantation or nursery origin.													
35.	Processed Pulses made only out of the pulses imported under the Advance Licensing scheme/Pass Book or by an approved 100 per cent Export Oriented Unit.	R. 35	Export allowed under the Advance Licensing Scheme/Pass Book or by an approved 100 per cent Export Oriented Unit, to the extent of the f.o.b. value indicated in the Licence.										

Note : Export of Pulses processed out of indigenous pulses shall not be permitted.

36. Psyllium Seed/Psylim Husk/Psylim Powder	“Export allowed against registration of contracts with the Basic Chemicals, Pharmaceuticals and Cosmetic Export Promotion Council subject to Minimum Export Prices as indicated below against each variety of Psyllium Husk/Psylim Seed/Psylim Powder :	
	(i) Psyllium Husk	Minimum Export Price.
	98% purity	US \$ 3.20 per Kg FOB net
	95% purity	US \$ 3.00 per Kg FOB net
	85% purity	US \$ 2.90 per Kg FOB net
	(ii) Psylim Seed	Minimum Export Prices
	99% purity	US \$ 0.95 per Kg FOB net
	97% purity	US \$ 0.85 per Kg FOB net
	(iii) Psylim Powder	US \$ 0.25 per Kg FOB net higher than the minimum export price for corresponding grade of Psylim Husk”
37. Raw Cotton :		
(i) Bengal Deshi.	B. 37	Export will be allowed against registration and allocation certificate regarding quality/quantity of the item intended for export issued by Textile Commissioner.
(ii) Assam Comillas.		
(iii) Staple Cotton.		
(iv) Cotton discoloured by damages due to Fire/- Water.	B. 37(ii) to (vii)	Export will be allowed against registration and allocation certification regarding quality/quantity of the item intended for export issued by the Textile Commissioner.
(v) Zodo and Sweepings.		
(vi) Yellow pickings.		
(vii) Others.		
38. Sesame Seeds	B. 38	Export allowed against registration of contracts with Indian Oil and Produce Exporters Association (IOPEA).
39. Shoddy Yarn	B. 39	Export allowed subject to Minimum Export Price to be notified by the Government from time to time.
40. Silk Goods excluding Silk Carpets.	B. 40	Export allowed against irrevocable Letter of Credit or Documents against payment.
41. (i) Silver Jewellery and Silver Articles mentioned in Para 297(ii) of Import and Export Policy 1990-93 (Vol. I)	B. 41	(i) Export allowed as per guidelines contained in Chapter XXI of Import and Export Policy, 1990-93 (Volume-I) and Chapter XXI of the Hand Book of Procedures of 1990-93.
(ii) Silver Jewellery containing less than 50 per cent silver content by weight.	B. 41	(ii) Export shall be allowed subject to the condition that the fob value of the silver content in the silver jewellery should be at least 33-1/3% more than either Indian price or international price whichever is higher, on the date of export. International value of the Silver for this purpose shall be ascertained by the Customs Authorities having regard to the prevailing price of Silver in London or New York on the date of export.
42. Small Onions upto 20 kgs. as a part of assorted vegetables.	B. 42	Export allowed only upto 20 kilograms per consignment by air.
43. Soft Cotton Waste/Hard Cotton Waste.	B. 43	Against registration and allocation certification regarding quality/quantity of the item intended for export issued by Textile Commissioner.
44. Solvent Extracted Cotton Seeds Cakes (Decorticated undercorticated).	B. 44	Export will be allowed subject to registration of contracts with All Indian Cotton Seeds crushers Associations, Bombay, within the ceiling prescribed by the Ministry of Commerce from time to time.

1	2	3
45. (i) Solvent Extracted Oil meals other than those mentioned in Parts 'A' or 'B'. (ii) Animal/Poultry Feed Compound; (iii) Mango Kernel Oil; Neem Oil (iv) Salseed Oil. and (v) Kokum Fat/Dhupa Fat	B 45	Export allowed against registration of contract with the Solvent Extractor's Association of India, Bombay
46. Soyabean Extraction.	B. 46	Export allowed against registration of contracts with the Soyabean Processers Association of India, Indore.
47. Textiles, namely : (i) Export to Austria of certain cotton and Synthetic textile products under the Memorandum of Understanding between India and Austria.	B. 47 (i)	(i) Against allocation of export entitlement by : (a) The Cotton Textile Export Promotion Council for fabrics and made-ups; and (b) The Apparels Export Promotion Council for garments and knitwears, by certificate on shipping bills; (ii) In the matter of allocation of export entitlement the Export Promotion Council will observe the guidelines issued by the Ministry of Textiles and will make efforts to ensure reasonable realisation through floor price mechanism. (iii) Handloom Fabrics of the cottage industry, hand made Textile products made of such handloom fabrics and traditional folklore handicrafts textile products (known as India Items) are not subject to quantitative restraints. For export of handloom products and Inspection Endorsement by the Textiles Committee in Part-2 of the Combination Form will be required in respect of 'India Items' appropriate Certificate issued by the Office of the Development Commissioner (Handicrafts) will be required.) (iv) Export of garments other than 'India Items' shall be in conformity with classification as to categorisation under the bilateral agreement, handloom origin, industrial/Institutional agreements as indicated on the sample of garments authenticated by the Textiles Committee.
(ii) Export of certain Textile Products of Cotton, Wool and Man-made Fibres and blends thereof to Canada under the Memorandum of Understanding between India and Canada.	B 47 (ii)	(i) Against allocation of export entitlement by : (a) The Cotton Textiles Export Promotion Council for fabrics and Made-ups (excluding woollen fabrics and made-ups). (b) The Apparels Export Promotion Council for garments and knitwear (excluding woollen knitwear); and (c) The Wool and Woollen Export Promotion Council for Woollen fabrics and made-ups, and woollen knitwear (but excluding woollen garments). Necessary certification on shipping bills will however be made by the Cotton Textile Export Promotion Council for all fabrics and made-ups, (including woollen fabrics and made-ups) and in respect of garments and knitwear such certification will be made by the Apparels Export Promotion Council; (ii) In the matter of allocation of export entitlement the Export Promotion Councils will observe the guidelines issued by the Ministry of Textiles will make efforts to ensure reasonable realisation through floor price mechanism; (iii) Handloom fabrics of the cottage industry, handmade clothing and Textile products made of such handloom, fabrics except category tailored collared shirt and traditional folklore handicraft textile products (known as 'Indian Items') are not subject to quantitative restraints. In the case of export of all handloom fabrics and trained items except Category-I, 'Inspection Endorsement by the Textiles Committee on Part 2 of the Combination Form will be required. In respect of the 'India Items' appropriate Certificate issued by the Office of the Development Commissioner (Handicrafts) will be required.

1	2	3
		(iv) Export of garments other than 'Indian Items' shall be in conformity with classification as to categorisation under the bilateral agreement, handloom origin, industrial/ institutional garments as indicated on the sample of garments authenticated by the Textile Committee.
(iii) Export of Textiles and Textiles products made from Cotton, Wool and man-made fibres (excluding jute, silk and flax) to EEC Member States under the Indo-EEC Textile Agreement.	B.47(iii)	<p>(i) Against allocation of export entitlement by :</p> <p>(a) The Cotton Textile Export Promotion Council for fabric and made-ups (excluding woollen fabrics and made-ups).</p> <p>(b) The Apparels Export Promotion Council for garments and knitwear (excluding Woollen knitwear);</p> <p>(c) The Wool and Woollen Export Promotion Council for woollen fabrics, made-ups and woollen knitwear (but excluding woollen garments). Necessary certification on shipping bills will, however, be made by the Cotton Textiles Export Promotion Council for all fabrics and made-ups (including woollen fabrics and made-ups) and in respect of all garments and knitwear (including woollen garments and knitwear), such certification will be made by the Apparels Export Promotion Council</p> <p>(ii) In the matter of allocation of export entitlement, the Export Promotion Councils will observe the guidelines issued by the Ministry of Textiles and will make efforts to ensure reasonable realisation through floor price mechanism.</p> <p>(iii) Handloom fabrics of the cottage industry, handmade cottage industry products made of such handloom, fabrics (other than garments) and traditional folklore Handicraft textile products (India Items) are not subject to quantitative restraint. In the case of Export of all handloom fabrics made ups and an inspection endorsement by the Textiles Committee in Part-2 of the Combination form will be required. In respect of 'India Items', appropriate certificate by the office of the Development Commissioner (Handicrafts) will be required.</p> <p>(iv) Export of garments other than 'India Items' shall be in conformity with classification as to categorisation under the bilateral agreement, handloom origin, industrial institutional garments as indicated on the sample of garments authenticated by the Textiles Committee.</p>
(iv) Export of Textile Products of cotton and man-made fibre to Finland under the Memorandum of understanding between India and Finland.	B.47(iv)	<p>(i) Against allocation of export entitlement by :</p> <p>(a) The Apparels export Promotion Council for garments and knitweares; and</p> <p>(b) The Wool &amp; Woollen Export Promotion Council for woollen Stocks.</p> <p>Necessary certification on shipping bills will however, be made by the Apparels Export Promotion Council for all garments or knitwear products.</p> <p>(ii) In the matter of allocation of export entitlement the Export Promotion Council will observe the guidelines issued by the Ministry of Textiles and will make efforts to ensure reasonable realisation through floor price mechanism.</p>

1	2	3
(v) Export to Norway of certain textile and textile products made of Cotton, Wool and man-made fibres or blend thereof under the agreement between India and Norway	B.47(v)	<p>(iii) Handloom fabrics of the cottage industry, handmade cottage industry products made of such handloom, fabrics (other than blouses and shirts and traditional folklore handicraft textile product) 'India Items' are not subject to quantitative restraints. Export of Handloom Fabrics, made-ups and garments for which specific level is given would require an Inspection Endorsement by the Textiles Committee in part-2 of the Combination Form. In the case of textile products falling under 'India Items' a certificate by the Office of the Development Commissioner (Handicrafts) will be required.</p> <p>(iv) Export of garments other than 'India Items' shall be in conformity with classification as to categorisation under the bilateral agreement, handloom origin, industrial/institutional garments, as indicated on the sample of garments authenticated by the Textiles Committee.</p> <p>(i) Against allocation of export entitlement by:</p> <p>(a) Cotton Textiles Export Promotion Council for made-ups.</p> <p>(b) The Apparel Export Promotion Council for garments and knitwear excluding woollen knitwear.</p> <p>(c) Wool and Woollen Export Promotion Council for woollen fabrics, made-ups and woollen knitwear (but excluding woollen garments).</p> <p>Necessary certification on the shipping bills will be made by the Cotton Textiles Export Promotion Council for made-ups and in respect of garment and woollen knitwear such certification will be made by the Apparel Export Promotion Council.</p> <p>(ii) In the matter of allocation of export entitlement, Export Promotion Council will observe the guidelines issued by the Ministry of Textiles and will make efforts to ensure reasonable realisation through floor price mechanism.</p> <p>(ii) Handloom fabrics of cottage industry handmade cottage industry products made of such fabrics (other than garment items subject to specific limit) for traditional folklore handicraft textile products of the cottage industry (India Items) are not subject to quantitative restraint. In so far as export of handloom made-ups and handloom-garment items which are given an extra level, are concerned, an inspection endorsement by the Textile Committee in Part 2 of the Combination Form will be required. In respect of 'India Items', appropriate Certificate issued by the office of Development Commissioner (Handicrafts) will be required.</p> <p>(iv) Export of garments other than 'India Items' shall be in conformity with classification as to categorisation under the bilateral agreement, handloom origin, industrial/institution garments as indicated on the sample of garments authenticated by the Textile Committee.</p>
(vi) Export of certain Textile Products of cotton, wool and man-made fibre or blends thereof to Sweden under the Indo-Swedish Textile Agreement.	B.47(vi)	<p>(i) Against allocation of export entitlement by:</p> <p>(a) The Cotton Textile Export Promotion Council for made-ups excluding woollen made-ups.</p> <p>(b) The Apparels Export Promotion Council for garments and knitwear (excluding woollen knitwear); and</p>



1

2

3

4

- (c) The Wool and Woollen Export Promotion Council for woollen, made-ups and woollen knitwear.

Necessary Certification on shipping bills will however, be made by the Cotton Textile Export Promotion Council for all made-ups (including woollen made-ups) and by the Apparels Export Promotion Council for all garments and knitwear (including woollen garments and knitwear.)

- (ii) In the matter of allocation of export entitlement, the Export Promotion Councils will observe the guidelines issued by the Ministry of Textiles and will make efforts to ensure reasonable realisation floor price mechanism.

- (iii) Export of Handloom Fabrics and made-ups would require an Inspection Endorsement by the Textile Committee in part-2 of the Combination Form. For export of 'India Items' appropriate Certificate issued by the office of Development Commissioner (Handi-crafts) will be required.

- (iv) Export of garments other than 'India Items' shall be in conformity with classification as to categorisation under the bilateral agreement, handloom origin, industrial/institutional garments as indicated on the sample of garments authenticated by the Textiles Committee.

- (vii) Export to USA of Textiles made from Cotton, Wool, man-made fibres, silk blended and vegetable fibres (excluding jute, and pure silk) under the Indo-US Textile Agreement. B.47(vii)

- (i) Against allocation of export entitlement by :
- (a) The Cotton Textiles Export Promotion Council for fabrics and made-ups (excluding woollen fabrics and made-ups).
  - (b) The Apparels Export Promotion Council for garments and knitwear (excluding woollen knitwear).
  - (c) The Wool and Woollen Export Promotion Council for woollen fabrics, made-ups and woollen knitwear (but excluding woollen garments).

Necessary certification on shipping bills will, however, be made by the Cotton Textile Export Promotion Council for Woollen fabrics and made-ups and in respect of woollen knitwear such certification will be made by the Apparels Export Promotion Council.

- (ii) In the matter of allocation of export entitlement, Export Promotion Councils will observe the guidelines issued by the Ministry of Textiles and will make efforts to ensure reasonable realisation through floor price mechanism.

- (iii) Handloom fabrics of the cottage industry, hand made cottage industry products made of such fabrics (other than garments) and traditional folklore handicraft textile products of the cottage industry (India Items) are not subject to quantitative restraints. In so far as exports of all handloom fabrics/made-ups are concerned an "Inspection Endorsement" by the Textiles committee in Part-2 of Combination Form will be required. In respect of 'India Items' appropriate certificate issued by the Office of the Development Commissioner (Handicraft) will be required.

- (iv) Export of garments other than 'India Items' shall be in conformity with classification as to categorisation under the bilateral agreement, handloom origin, industrial/institutional garments as indicated on the sample of garments authenticated by the Textiles Committee.

1	2	3	4
(viii) Export of Real Madras Handkerchief (RMHK) made on Handloom. B.47(viii)			Export of Real Madras Handkerchief (RMHK) made on Handloom to Cotonou, Lome and Accra (Ghana) will be allowed both under Irrevocable Letter of Credit terms as well as CAD (Cash Against documents) terms subject to declaration by the exporter that the Real Madras Handkerchief exported are made on Handloom. Export of RMHK on CAD terms will be allowed only to the extent the exporter produces a cover from the Export Credit and Guarantee Corporation Ltd. (ECGC).
(ix) Textile Cloth and materials thereof of olive green shade excluding pure silk and artificial silk fabrics and materials thereof (including hosiery). B.47(ix)			Export shall be allowed subject to export contract registered with Apparel Export Promotion Council for garments and subject to registration with Cotton Textile Export Promotion Council for fabrics and made-ups.
48. Wood and Timber, namely :-			
(i) Processed Timber of all species B.48(i)			Export of Processed Timber, all species except Red Sanders Wood will be allowed to all permissible destinations. Processed Timber made out of Red Sanders Wood will be allowed on production of certificate of Origin issued by the Chief Conservator of Forests, Andhra Pradesh or the Chief Conservator of Forests, Tamil Nadu, as the case may be as regards procurement of the timber
(ii) Sandalwood in the form of dust, chips, flakes and powder B.48(ii)			Chips shall be rough, irregular size and shape and of different sizes and with a weight not exceeding 50 grammes each.
(iii) Handicrafts made of Sandal Wood B.48(iii)			Export allowed on production of a certificate from the Regional Officer of the All India Handicrafts Board to the effect that the value addition of Handicraft made of Sandal Wood is a minimum of 300 per cent of the average base price of sandal wood per M.T. announced by the Development Commissioner (Handicrafts) from time to time. Export of such sandal wood handicrafts shall be allowed, which are complete and have no scope further mutilation of raw material. These shall not be semi-finished/rough carved or with superficial surface/etching.
(iv) Machine Finished Sandal Wood Products, B.48(iv) namely :— 1. Visting Cards. 2. Blades for ladies hand fans. 3. Outer cases and dials of watches. 4. Any other product of similar nature meeting the above specification and value addition norms.			The maximum weight in respect of each of the item/products will be 25 gms. per piece and with minimum value addition of 250% for each.

## O.G.L. NO. 4

The canalising Agency mentioned in column 4 may export to any country except to a country to which export is prohibited by any law for the time being in force, the following goods namely :—

S. No.	Item	S. No. as in List 4 of Part 'B' of Schedule I	Canalising Agency and address
1	2	3	4
1.	Caster Oil when exported to Rupees Payment Areas	B.1	State Trading Corporation of India Ltd., Chandralok, 36 Janpath, New Delhi
2.	Chemicals, namely :—		
	(i) Benzene	B.2(i)	Indian Oil Corporation, Indian Oil Bhavan, Janpath, New Delhi.
	(ii) Polythylene (LD)	B.2(ii)	Indian Petrochemical Corporation Limited, P.O. Petrochemicals, Distt. Baroda (Gujarat).
	(iii) Paraffin Wax Type III	B.2(iii)	Balmer Lawrie & Co., 21, Netaji Subhash Road, Calcutta-700001.
3.	Coal and Coke	B.3	Minerals & Metals Trading Corporation, Limited, Express Building, Bahadurshah Zafar Marg, New Delhi.
4.	Colour Picture Tubes and Sub-assemblies of Colour T V containing Colour T V Picture Tubes	B.4	The Electronics Trade and Technology Development Corporation, New Delhi
5.	Ethyl Alcohol or rectified Spirit of any proof degree whether denatured or not	B.5	State Trading Corporation of India Ltd., Chandralok, 36, Janpath, New Delhi.
6.	(i) Exposed Cinematographic Films (Feature Films) including sale of video rights of Indian feature films excluding low budget feature films (produced at a cost not exceeding Rs 20 lakhs)	B.6(i)	National Film Development Corporation, 1st Floor, 13-16, Regent Chambers, Nariman Point, Bombay-400021.
	(ii) Video taped cinema films (including Cassettes).	B.6(ii)	
7.	Gum Karaya	B.7	The Tribal Co-operative Marketing Federation of India Limited (TRIFED), Savitri Sadan II, 2nd Floor, 15, Preet Vihar Community Centre, Vikas Marg, Delhi-110092.
8.	Khandsari Molasses	B.8	State Trading Corporation of India Ltd., Chandralok, 36, Janpath, New Delhi.
9.	Mill Scale Scrap	B.9	Metal Scrap Trading Corporation, 225-F, Acharya Jagdish Bose Road, Calcutta-700020.
10.	Minerals Ores and Concentrates, namely :—	B.10	
	(i) Thorium Ores and Concentrates	B.10(i)	Indian Rare Earths Limited, Sherabano 6th Floor, 111 Maharishi-Karve Road, Bombay-400020.
	(ii) Some other minerals, containing the following substances as accessory ingredients including (a) Columbite, (b) Monazite, (c) Samerskite, (d) Uraniferous Allamite :—	B.10(ii)	
	1. Radium Ores & Concentrates		Kerala Minerals and Metals Limited, Quilon 691001 (Kerala).
	2. Thorium Ores & Concentrates		
	3. Uranium Ores & Concentrates		

1	3	4
<p>4. Uranium bearing tailings left over from ores after extraction of copper or gold Zircon ores and concentrates (including semi precious variety of Zircon Stones)</p> <p>(iii) Granular Silimanite produced by Indian Rare Earths Minerals and Metals Limited and Kerala Mineral and Metals Limited</p> <p>(iv) Iron Ore except Iron Ore of Goa Origin when exported to Japan, South Korea, Taiwan and West Europe.</p> <p>(v) Bitumetal Ore (Black Iron Ore) with manganese contents from 3% upto 10% of Goa Origin</p> <p>(vi) Chrome Ores and concentrates, namely :— (i) Chrome Ore lumps with <math>Cr_2O_3</math> not exceeding 38% (ii) Low silica friable/fine ore with <math>Cr_2O_3</math> not exceeding 52% and silica exceeding 4%</p> <p>(vii) Manganese Ores excluding the following :— (a) Chemically processed Manganese Di-oxide. (b) Lumpy blended Manganese Ore with more than 46% Manganese.</p> <p>(viii) All grades of Bauxite except Calcinad Bauxite.</p> <p>(ix) Iron Ore concentrate prepared by beneficiation and/or concentration of low grade ore containing 40% or less of Fe produced by Kudermukh Iron Ore Company Limited</p> <p>(x) Iron Ore Pellets manufactured by Kudermukh Iron Ore Company Ltd., (KIOCL) out of concentrate produced by it.</p>	<p>B.10(iii)</p> <p>B.10(iv)</p> <p>B.10(v)</p> <p>B.10(vi)</p> <p>B.10(vii)</p> <p>B.10(viii)</p> <p>B.10(ix)</p> <p>B.10(x)</p>	<p>Minerals &amp; Metals Trading Corporation, Express Building, Bahadurshah Zafar Marg, New Delhi</p> <p>Kudermukh Iron Ore Company Limited, (KIOCL) II, Kera Mangla Road, Bangalore.</p>
11. Melasses	B.11	State Trading Corporation of India Ltd., Chanderlok, 36, Janpath, New Delhi
12. Niger Seeds	B.12	1. National Agricultural Co-operative Marketing Federation of India Ltd., (NAFED), NAFED House, 1, Sidharth Enclave, Ashram Chowk, New Delhi-110014 2. Tribal Co-operative Marketing Development Federation of India Limited (TRIFED) Savitri Sadan, II, 2nd Floor, 15, Preet Vihar Community Centre, Vikas Marg, Delhi-11009
13. Onions	B.13	National Agricultural Co-operative Marketing Federation of India Ltd., (NAFED), NAFED House, 1, Sidharth Enclave, Ashram Chowk, New Delhi-110014
<p>14. (i) All Petroleum Products including lubricants, greases and crude oil Lubricating Oil and Greases of Indian Origin</p>	<p>B.14(i)</p> <p>B.14(ii)</p>	<p>Indian Oil Corporation Ltd., Indian Oil Bhavan, Janpath, New Delhi</p>
<p>15. Processed Mica including Mica Blocks, Mica Flakes and splittings of all grades and varieties, excluding unprocessed and fabricated mica Mica Waste (including Factory cuttings) and scrap which is obtained by processing mica and which because of size and colour is considered below the specification of processed mica</p>	<p>B.15(i)</p> <p>B.15(ii)</p>	<p>Mica Trading Corporation of India Ltd., 137, Patliputra Colony, Patna.</p>

1	2	3	4
16.	Railway Wagons, passenger coaches and locomotives.	B.16	Projects & Equipments Corporation of India Ltd., Hansalaya, 15, Barakhamba Road, New Delhi.
17.	Raw Jute, Mesta and Jute Cuttings excluding caddies	B.17	Jute Corporation of India, 1, Shakespear Sarani, Calcutta.
18.	Sugar	B.18	State Trading Corporation of India Ltd., Chanderlok, 36, Janpath, New Delhi.



**EXPORT APPLICATION FORM**  
**FORM A—X**

*Form of Application for Export of controlled Commodities*

**(i) IEC NUMBER**

1. Name of the applicant

2. Address of the applicant

Pin Code

**3. Particulars of the items desired to be exported :**

Sl. No.	Item name	ETC code	Unit of Measurement	Quantity	FOB value in Rs.	Value per unit	Port of Ship-ment	Ultimate destination to which export is desired
			Name Code				Name Code	

**4. Particulars of the applicant**

(a) Year of establishment

(b) Whether the Company is

1	Public Ltd. Co.
2	Private Ltd. Co.
3	Proprietary firm
4	Individual firm
5	Hindu undivided family
6	Body/Association of Individuals
7	Others (Pl. specify)

**(c) Names of Directors/partners/proprietors**

1.

2.

3.

4.

5.

(d) If a private Co., a partnership concern or an individual firm, state whether any of the persons named in (c) above are directors or proprietors of any other company or firm, Yes/No.

**5. Name of Applicant's Bankers****6. If export is desired against ceiling allotted to the applicant, ceiling slip allotments, letter to be furnished**

(i) Number/Files No.

(ii) Date of Issuing ceiling slip

(iii) Name of the Regional Licensing Authority from which the applicant wants the Export licence to be issued.

**7. (i) Has the applicant exported in the past, the commodity now applied for ? Yes/No.**

(ii) Has he any previous experience of export trade ? Yes/No.

If so, the name of the principal commodities exported by applicant in the preceding 2 months should be indicated. If the applicant has been connected with the commodity as a manufacturer or dealer, indicate the volume of production of business.

Sl. No.	Name of the exported item	Item code	Volume of production/business	Value in Rupees

8. Whether applicant is a member of any recognised chamber or trade Association? Yes/No.

If yes, name of the Chamber/Association : \_\_\_\_\_

#### 9. LIST OF ENCLOSURES.

#### DECLARATION :

I/We declare that what has been stated above is correct.

- (i) Signature of the applicant : \_\_\_\_\_
- (ii) Name in block letters : \_\_\_\_\_
- (iii) Designation : \_\_\_\_\_
- (iv) Full Residential address : \_\_\_\_\_
- (v) Date : \_\_\_\_\_

**N.B.** (1) If the applicant is unable to provide an answer against any of the column they should give positive reason for it.

(2) Applicants supplying false or incorrect information will be debarred from receiving licences in future.

(3) Application should be signed by the Proprietor, Partner or Manager, Director of the firm or by any person duly authorised to sign any legal declaration on behalf of the firm. The position held by the person signing the application should be clearly stated.

## FORM B—X

*Application for Licence to Export a Controlled Article by Post*

(i) IEC NUMBER : \_\_\_\_\_

(1) Name of the Applicant : \_\_\_\_\_

(2) Postal Address : \_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_

The undersigned hereby makes application for licence to export by post the under mentioned goods in respect of which the information herein is certified to be true and correct.

(3) Details of goods to be exported:

Sl. No.	Item Name	Item code	Unit of Measurement		Quantity	Value (in Rs.)
			Name	Code		

(4) Name and address of consignee:

(i) Name : \_\_\_\_\_

(ii) Address : \_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_

(5) Whether the goods are for,

1	Trade purpose
2	Personal

6. Post office at which parcels will be placed \_\_\_\_\_

Date: \_\_\_\_\_

(Signature of the applicant)

To

Joint/Deputy Chief Controller of Imports and Exports. \_\_\_\_\_  
(Entry below this line to be left blank by applicant)

## DECISION

Licence No. \_\_\_\_\_ granted for export of above noted articles (in Number. . . . .) parcels.

For Joint/Deputy Chief Controller of Imports and Exports valid for \_\_\_\_\_ months from the date of issue.

## INSTRUCTIONS TO APPLICANTS

1. The form should be presented in duplicate with the particulars duly filled in to the licensing authority and if a licence is granted should be handed over with the parcel at the post office of despatch.

2. While giving the description/quantity and value of the goods against items, the number of parcels and the quantity in each should also be stated.

3. All the parcels covered by a single licence should be posted in one instalment

## JURISDICTION FOR THE PURPOSE OF EXPORT LICENSING

Sl. No.	Licensing authorities	Tel. No.	Jurisdictions
1	2	3	4
1.	The Joint Chief Controller of Imports & Exports, New Central Govt. Offices Building, S.E. Wing, New Marine Lines, Churchgate, Bombay-400 020.	251273	Maharashtra.
2.	The Joint Chief Controller of Imports & Exports, 4, Esplanade East, Calcutta-700 069.	285892	West Bengal, Sikkim and Union Territory of Andaman & Nicobar.
3.	The Joint Chief Controller of Imports & Exports, 197, Peters Road, Royapetah, Madras-600 014.	863317	Tamil Nadu except Kanyakumari, Tirunelveli, Ramanathapuram & Madurai.
4.	The Joint Chief Controller of Imports & Exports, Central Licensing Area, Peerless Building, 6 & 7 Asafali Road New Delhi-110002.	264265 264935	Delhi, Haryana and five districts of Uttar Pradesh namely, Meerut, Ghaziabad Bulandshar, Muzaffarnagar and Sharanpur.
5.	The Joint Chief Controller of Imports & Exports, 6-IV-C, Green Field, Pakhowal, Ludhiana	26484	Punjab excluding the district of Amritsar
6.	The Joint Chief Controller of Imports & Exports, 117/L/444, KAKADEO — Kanpur—208025.	244344 246352	Uttar Pradesh except the areas which are under the jurisdiction of Jt. Chief Controller of Imports & Exports, (CLA), New Delhi and Dy. Chief Controller of Imports & Exports, Varanasi and Moradabad.
7.	The Joint Chief Controller of Imports & Exports, 'A' Block, 11th Floor, Govt. Multistoreyed Building, Laldarwaja, Ahmedabad- 380 001.	350791	Gujarat State excluding areas falling under the jurisdiction of Rajkot and New Kandla Offices
8.	The Joint Chief Controller of Imports & Exports, P.B. No. 7688, 7th Floor, B.W.S.S.B. Wing, Cauvery Bhavan, Bangalore-560 009	215750 211569	Karnataka.
9.	The Deputy Chief Controller of Imports & Exports, Air Cargo Complex Bldg., Shoorwani Road, Srinagar—180 001 (Kashmir)	72257	Jammu & Kashmir
10.	The Deputy Chief Controller of Imports & Exports, Udyog Bhavan, IIIrd Floor, Tilak Marg, Jaipur-302 005.	63604	Rajasthan.
11.	The Deputy Chief Controller of Imports & Exports, 4th Floor, Vikas Manzil, Sagar Sarai, Gulzari Mal Dharamsala Road, Moradabad	26945	Moradabad, Dehradun, Uttar Kashi, Tehri, Garhwal Garhwal, Chamoli, Pithoragarh, Almora, Bijnaur, Nainital and Rampur.
12.	The Deputy Chief Controller of Imports & Exports, IIIrd Floor, Guru Teg Bahadur Complex, T.T. Nagar, Bhopal-462 003.	64323 61303	Madhya Pradesh.
13.	The Deputy Chief Controller of Imports & Exports, Municipal No. SN. 15/121, Rishipattan Marg (1st Floor), Sarnath, Varanasi-221 007 (U.P.)	46045 46056	Varanasi, Mirzapur, Ghazipur, Jaunpur, Azamgarh, Ballia, Deoria, Gorakhpur and Basti.
14.	The Deputy Chief Controller of Imports & Exports, R.G. Baruah Road Gauhati-781 024.	83583	Assam, Arunachal Pradesh, Nagaland and Manipur.
15.	The Deputy Chief Controller of Imports & Exports, Latha Complex, (1st Floor), 5-8-196 to 297 (B), Nampally, Hyderabad-500 001.	237293 231661	Andhra Pradesh excluding areas in the jurisdiction of Asstt. Chief Controller of Imports & Exports, Visakhapatnam

16. The Deputy Chief Controller of Imports & Exports, H. No. 55/62-A, Chhatra Road, Brinkfield, Cochin-682 001.	252 560 381397	Kerala and Union Territory of Lakshadweep.
17. The Assistant Chief Controller of Imports & Exports, CBR Building, Math Road, Amritsar	63591	Amritsar District.
18. The Assistant Chief Controller of Imports & Exports, Sector-35 SCO-288, Chandigarh-160 023.	32314	Himachal Pradesh and Union Territory of Chandigarh.
19. The Assistant Chief Controller of Imports & Exports Administrative Building, Kandla Free Trade Zone, Gaudhidham, (Kutchh-370 230)	23225	Kutchh District of Gujarat and New Kandla Free Trade Zone.
20. The Assistant Chief Controller of Imports & Exports, Desai Building, Bhurindra Road, New Town Hall, Rajkot-360 001.	27530	The District of Gujarat State known as Saurashtra (excluding Kutchh).
21. The Assistant Chief Controller of Imports & Exports, Ashwad Building, Santa-Inez, Panaji, (Goa-403 001).	4968	Goa, Daman and Diu and Dadra and Nagar Haveli
22. The Assistant Chief Controller of Imports & Exports, 205 Bharathi Street, P.B.No. 14, Pondicherry-605 001.	26216 24311	Union Territory of Pondicherry, Karaikal, Mahe and Yanam
23. The Assistant Chief Controller of Imports & Exports, Ground Floor, Biscornann Bhavan, Patna-800 001.	31326	Uttar
24. The Assistant Chief Controller of Imports & Exports, Chauliaganj Naya Bazar, Cuttack-753004	21047	Orissa
25. The Assistant Chief Controller of Imports & Exports, Merello Building, Shillong, Meghalaya-790 001.	23360	Meghalaya, Tripura and Mizoram
26. The Assistant Chief Controller of Imports & Exports, Door No. 43-9-166, First Floor, T.S.N. Colony, Visakhapatnam-530 016	62784	The District of Srikakulam, Visakhapatnam, East Godavari and West Godavari of Andhra Pradesh.
27. The Assistant Chief Controller of Imports & Exports, Sunrise Building, 104, Beach Road, Tuticorin-628 001.	25931	Kanyakumari, Tirunelveli, Ramanathapuram and Madurai.



## EXPORT BAGGAGE RULES

## BONAFIDE PERSONAL BAGGAGE OF A PASSENGER GOING OUT OF INDIA

For the purpose of exemption from export trade control restrictions *bona fide* personal baggage shall cover the following unused and used articles, upto the limits prescribed, provided that the articles are meant for the personal use of the passenger or for the members of his family travelling with him and are not intended for sale or transfer to other parties.

The Wild Life (dead or alive or part thereof or produce therefrom) specified in Part 'A' of Schedule I to the Exports (Control) Order, 1988 shall not be treated as constituting such personal baggage.

**Note :** Export of animal species included in any of the Appendices to the Convention on International Trade in Endangered Species of Wild Fauna and Flora (CITES) shall be subject to regulation under CITES and special examination by the Regional Assistant Director, Wild Life Preservation, Government of India.

## A. Used Articles :—

## (i) Wearing Apparel.

(ii) Personal and household effects such as bed sheets, blankets, towels, Household linen, used foot wear of all kinds, spectacles and sun glasses, cigarette cases and ash trays, Kashmir artware, papier mache articles, small walnut wood articles e.g. stools, small tea tables, a nest of table chairs, camp-cot etc. curtains, table covers, cushion covers, tea cosies, used kitchen utensils of brass, aluminium or copper. Indian curious "Not made of tiger, leopard, or panther or any wild animal's skins included in Part 'A' of Schedule I to the Exports (Control) Order, 1988", buttons and cufflinks, cutlery other than that made of silver, household crockery, earthenware and glassware, leather suit cases, hand bags, harness and saddlery, leather footwear of all sorts, musical instruments of all kinds including gramophones and records, pictures and photographs, framed and unframed postage stamps, printed books, toys, requisities for grammes, sports, aerambulators, toilet requisities, woollen floors, carpets, floor rugs, pashmina shawls and woollen hosiery.

(iii) Cameras, watches, fountain-pens—2 of each per passenger.

(iv) Typewriter—one per adult passenger.

(v) Home cine-equipment, wireless reception sets radios and sewing machine (Foreign or Indian)—one each per family.

(vi) Clocks or timepieces, binoculars, bicycles (Foreign or Indian)—one of each per adult passenger.

(vii) Minor electric appliances e.g. table fan, lamps, kettle, iron plugs, sockets, etc.—within reasonable quantities.

(viii) Professional instruments, apparatus and appliances required by a passenger for his own use, e.g. tools of a craftsman, any instruments of a physician or surgeon which they normally carry with them.

(ix) Domestic silverware and furniture : Normally persons going out of India for a holiday or a short trip will not be allowed to take out domestic silverware or furniture. In other cases, export will be allowed upto the limits or value indicated below :—

- (a) Passengers who have come to India from outside and are leaving the country for good after a prolonged stay, may take out silverware upto Rs. 3,000. The facility will also be allowed to foreigners who have been staying in India for a period of 2 to 3 years or more and thereafter go back to their countries.
- (b) Casual visitors going abroad for short trips, Rs. 200 per head subject to a limit of Rs. 400 per family provided the silverware is in actual use of the passengers.
- (c) Persons going out of the country after a prolonged stay will be allowed to take away the furniture which has been in their use.
- (d) Persons going to live abroad for an indefinite length of time of not less than 6 months will be allowed to take furniture items for their own *bona fide* requirements.

**Note :—**

- (i) Indian National emigrating to foreign countries or going abroad for indefinite stay may be allowed to take out silverwares up to Rs. 2,000 in value with the permission of the Reserve Bank of India
- (ii) Gift articles made of silver will not be allowed to be sent out by Indian Nationals to relatives or friends abroad, irrespective of the value of such gifts.
- (iii) Drugs and medicines Rs. 200 per family.

## B. New Articles :—

- (1) Sewing threads—1 kg. per passenger.
- (2) Dyes and colours, all sorts—500 gm per family.

- (3) Unexposed films—4 spools per passenger provided the passenger is taking out camera.
- (4) Exposed films in reasonable quantities.
- (5) Foodstuffs.

Wheat and wheat flour	9 Kg. per passenger, but not exceeding 36 kg. per family.
Rice	-do-
Pulses	-do-
Edible Oil	-do-
Sugar	4.5 kg. per head but not exceeding 18 kg. per family.
Pepper and Chillies	1 kg. per head but not exceeding 4.5 kg. per family.
Tea and Coffee.	1 kg. of Tea and 2 kg. of Coffee per head.
Butter and Ghee	4.5 kg. per passenger but not exceeding 18 kg. per family.
Cardamom	500 grammes per passenger but subject to 2 kgs. per family of five or more members.

- (5) Chocolates and Chocolate confectionary in reasonable quantities.
- (7) Processed fruit products such as Jams, Marmalades, Jellies and crystallised fruits, syrup and fruits, squashes—in reasonable quantities.
- (8) Other Food-stuffs such as sauces, condiments, curry powder, tamarind, multispices (other than pepper and chillies), cashew-nuts and walnuts—in reasonable quantities.
- (9) Indian sweets and home-made sweets preparations—in reasonable quantities.
- (10) Indian piggery products, viz., lard, bacon and Lam—in reasonable quantities.
- (11) Textile and garments etc. of Indian manufacture only :—
  - (a) Cotton cloth or garments.
  - (b) Silk or art silk cloth or garments
  - (c) Woollen cloth.

There is no restriction on the export of the above-mentioned textile as bonafide baggage provided these are not intended for commercial purposes or sale.

- (d) Knitting wool 2.25 kg. per lady passenger only.
- (12) Zari :—
  - (a) per passenger—2.25 kg
  - (b) per family—4.5 kg.
- (13) Kashmir Artware in reasonable quantities.

- (14) Curios of Indian make, "Not made of tiger, leopard or panther or any wild animals skins included in Part 'A' Schedule I to the Exports (Control) Order, 1988". To tourist without permit, Rs. 500 subject to the condition that goods do not fall under the purview of the Antiquities (Export Control) Act, 1947.

- (15) New kitchen utensils.

Stainless steel and aluminium are decontrolled for export. In case any passenger desires to take the articles in excess of the prescribed limits, he should obtain permit from Assistant Collector, Preventive Department in respect of uncontrolled article or from the Export Trade Control authorities in respect of controlled articles.

- (16) Electric bulbs (foreign or Indian)—1 dozen per family.

- (17) Article made of peacock feathers—in reasonable quantity.

#### C. Arms and Ammunitions :—

(i) Personal arms and ammunition will be allowed to be taken out provided the passenger has either a valid possession licence thereof or is exempted from having such a licence under the Indian Arms Act.

(ii) A person who has purchased bona fide replicas of antique weapons which have been rendered innocuous in India intended for his personal use and desire to carry them upto four pieces only as part of his baggage while leaving India may be allowed to take these with him at the discretion of the customs authorities not below the rank of an Assistant Collector of Customs at the port of departure on production of the Voucher[sale memo certifying that the replicas have been inspected by the competent authorities.

**2. Export Trade Control Restriction.—Controlled articles not covered by the foregoing paragraphs require a licence from the Export Trade Control authorities for their legal Export. The Customs Collector may, however, in his discretion relax the Export Trade Control restriction in respect of the categories of passengers mentioned below to the extent specified against each category provided he is satisfied that (a) the goods are for the bonafide requirements of the passengers and (b) the goods are mainly produced or manufactured in India :—**

**1. Bona fide Foreign Tourists.—**Goods other than those specified in Part A of Schedule I to the Exports (Control) Order, 1988, may be taken to their country of residence, without any monetary limit, on production of documentary evidence to the Customs authorities that the goods have been purchased against payment in foreign exchange. However, silverware will be allowed only upto Rs. 200 per head subject to the limit of Rs. 400 per family.

**II. Passengers other than Foreign Tourists.**—Articles not exceeding Rs. 2000 (two thousand only) in value may be taken out by passengers other than foreign tourists. However, within the above limit, Silverware will be allowed only up to Rs. 200 per head subject to a maximum of Rs. 400 per family.

**3. Commercial Samples.**—Commercial travellers will be allowed to take out commercial samples in reasonable quantities even if they consist of controlled commodities.

**4. Foreign Exchange Regulations.**—

**(i) Indian Currency**

Travellers going out of India have been prohibited from taking with them Indian currency notes and coins except to the limited extent as indicated below :

- (a) For presentational purposes two pieces each of Rs. 50 and Rs. 10 coins with development oriented design in uncirculated quality.
- (b) Persons proceeding to Nepal—Without limit (excluding notes of the denominations of Rs. 100 or higher).
- (c) Deck passengers to Burma, Malaysia, Singapore, Gulf Ports or East Africa—Not exceeding Rs. 20 per person.
- (d) Passengers to Bangladesh, Ceylon or Pakistan—Not exceeding Rs. 20 per person.

**(ii) Foreign Exchange**

(a) Any person proceeding from India may take with him freely foreign exchange in the form of foreign currency notes, coins drafts, travellers cheques or letter of credit obtained from an authorised dealer in foreign exchange provided necessary endorsement in support of the issue of such foreign exchange has been duly made on his passport by the concerned authorised dealer.

(b) General permission has also been granted by the Reserve Bank of India :

- (1) to any person to take to Nepal, currency notes or coins of Nepal without limit.
- (2) to any person, not ordinarily resident in India to take out of India an amount of foreign currency not exceeding the amount brought in by him in foreign currency provided that the amount had been declared by him to the Customs authorities on arrival in India on the prescribed form.
- (3) to any person proceeding outside India other than those proceeding to Bangladesh, Bhutan and Nepal to take out foreign currency notes and coins upto US \$ 20/- or its equivalent per person.

- (4) to any person proceeding to Bangladesh to take out any foreign currency notes and coins upto the equivalent of Indian Rs. 100 per person.

**(iii) Jewellery**

(a) **Nongold jewellery.**—Any person may take out of India at any one time precious stones and jewellery, other than articles made wholly or mainly of gold as indicated below :—

- (i) Travellers to Afganistan, Iran or Gulf Countries in the Middle East—Rs. 2,000 in value.
- (ii) Travellers to any other country or place Rs. 20,000 in value

**Exception**—Any person other than a person domiciled in India may take out with him any precious stones or jewellery brought by him into India on his arrival in the country without limit and precious stones or jewellery other than articles made wholly or mainly of gold purchased by him in India upto a further Rs. 10,000 in value.

(b) **Gold Jewellery.**—General permission has been granted by the Reserve Bank of India to any person permanently resident in India to take at any one time out of India personal jewellery made mainly or wholly of gold upto Rs. 20,000/- in value, which is worn on a person or which forms part of his personal baggage.

**Exception**—Any person not ordinarily resident in India may take out from India, jewellery made mainly or wholly of gold, without limit provided that the jewellery was previously brought by him into India from abroad with the permission of the Customs authorities. Such a person may also take at any one time out of India, jewellery made mainly or wholly of gold upto Rs. 2,000 in value purchased by him in India.

(iv) Gold and articles made of gold other than jewellery.

The export of gold coins, bullion, ingots and articles (other than jewellery) made wholly or mainly of gold is prohibited unless specially permitted by the Reserve Bank of India.

**5. Export of securities.**—The taking or sending of any securities to any place outside India is prohibited, except with the special permission of the Reserve Bank of India.

**6. Export declaration Form.**—All passengers are required to file a Custom Export Declaration form which will be supplied to them free of charge at the time of embarkation by the Customs Officer on duty.

**7. Export Certificate.**—Passengers are advised to obtain export certificates for those articles of personal property which are intended to be reimported into India to ensure that they do not have to pay duty on their subsequent reimport.



## SHIP STORES

PUBLISHED IN THE PART II, SECTION 3, SUB-  
SECTION (ii) OF THE GAZETTE OF INDIA  
DATED 2-8-1975

GOVERNMENT OF INDIA  
MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT  
(TRANSPORT WING)

New Delhi, the 15th July, 1975

NOTIFICATION  
(Merchant Shipping)

S.O. No. 2473. —In pursuance of clause (g) sub-section (2) of section 101 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of

1958), and in supersession of the notification of the Govt. of India in the late Ministry of Transport and Shipping (Transport Wing) published under S.O. No. 2169, dated the 21st June, 1967 the Central Government hereby, fixed the scales of provisions set out in the annexed schedule, to be the minimum scales which shall be supplied to the seamen engaged on ships on the Articles of Agreement approved by the Government of India, with effect from the 1st March, 1975.

## SCHEDULE

Revised scale of Provisions for Seamen signing of Indian Articles of Agreement  
(Foreign Going)

1. Rice (a)	Daily	350	Grms
2. Flour or Atta and bread [bread to be made available daily, when practicable (b)]	Daily of which 80 grams shall be flour or atta,	160	"
3. Dal—Tur, Moong, Masoor or Split Beans (a)	Daily	80	"
4. Fresh Fish (whole) variety to be supplied, where available—six days a week (c)		110	"
5. Fresh Meat (with bones and normal fat—fat not to exceed 1/7th portion—six days a week (d)	"	170	"
6. Vegetables (e)	"	345	"
7. Edible Oil (f)	"	25	"
8. Ghee (Agmark or other good quality)	"	45	"
9. Curry stuff (g)	"	25	"
10. Tamarind or Cocum	"	10	"
11. Salt	"	25	"
12. Pickle or Chutney	"	15	"
13. Butter	"	20	"
14. Jam	"	10	"
15. Tea and/or Coffee (h)	"	10	"
16. Sugar	"	40	"
17. Condensed Milk	"	135	"
18. Chicken—once a week (eviscerated)	"	225	"
19. Eggs	"	1	Number
20. Fruit (six days a week) (i)	"	One whole Piece	"
		115	Grms.
21. Ice Cream—Once a week (when not supplied, fruit will be supplied)	"	115	Grms.
22. Lime Juice	"	13	"
23. Water	Weekly	28	Qrts.
For Tankers			
Fresh Milk (Homogenised or Ultra Heat treated milk) (j).	"	1	Pint

Notes:

When a seaman is ill and off duty, biscuits, tea or coffee and sugar shall be given to him with arrow-root or sago as needed.

- (a) In bad weather, when unable to cook rice and Dal 185 Grams of biscuits and additional 60 Grams of sugar shall be substituted.
  - (b) When Bread is not supplied 160 Grams of flour or atta shall be supplied.
  - (c) When fresh fish is not available tinned fish or pickled herrings shall be supplied in lieu of fresh fish in the proportion 1 : 2.
  - (d) Mutton shall be supplied to seamen who decline to take beef or pork.
  - (e) Out of 345 Grams, 115 Grams, shall be Potatoes, 115 Grams, shall be Onions; 115 Grams. Fresh vegetables like Beans, Brinjals, Brussels, Sprouts, Cabbage, Cauliflower, Ladies Fingers, Capsicum or Peas or suitable available alternatives shall be supplied in order to provide variety.
- As far as possible, Tomatoes should be supplied at least once a week. The same vegetables should not be repeated on more than two consecutive days. When fresh vegetables are not available, dehydrated vegetables can be supplied in the proportion 1 : 4.
- (f) Til or Kardai oil for Bombay Seamen; Mustard oil for Calcutta seamen whenever available; coconut or Groundnut oil otherwise.
  - (g) Out of 25 Grams. of curry stuff, 18 Grams, should consist of red chillies, coriander seeds, turmeric, mustard, dry or green garlic, desicated or dry coconut, and 7 Grams. 'Garam Masala,' i.e. cinnamon, cloves, cardamom, cumin seeds, black pepper, poppy seeds, nutmeg and mace, when fresh coconut is available, it shall be supplied in place of dry or desicated coconut.
- (h) When instant coffee is supplied instead of powder Coffee, it should be in the proportion of 1 : 2 : 4.
  - (i) When large fruit such as Papaya, Water Melon etc. is supplied, it shall be 115 Grams.
  - (j) Where fresh milk is not supplied, 100 Grams. of dried milk will be supplied weekly.
  - (k) During such periods as may be declared periods of foodgrains scarcity by the Director General of Shipping, if and when rice is not available in the quantities required, the daily scale of rice may be reduced in units of 25 grms, and as compensation therefore the scale of other items shall be increased per day as indicated below: —
    - 10 grams of fresh fish, or
    - 5 grams of meat, or
    - 50 grams of dry vegetables, or
    - 25 grams of fresh vegetables.
  - (l) Whenever provisions are issued in tinned containers, the standard packings nearest to the grams weight as per above scale will be accepted by the seamen.

## COLD WEATHER SCALE:

In the cold weather, an additional 10 gms of Tea and/or Coffee, 10 gms. of sugar and 5 grams. of condensed milk shall be supplied daily. No lime Juice will be supplied in cold weather.

The Scale for 'Cold Weather' shall apply —

- (i) In the Northern Hemisphere during the months of October to March inclusive and North of 30° N in the Atlantic Ocean and elsewhere North of 24° N.
- (ii) In the Southern Hemisphere during the months of May to September inclusive and South of 30°S

[No. MSE(9)/75-MT.].

Sd/- D.C. Ahir  
Under Secretary to the Govt. of India.



**RESTRICTION ON FOREIGN PARCELS UNDER  
THE IMPORTS AND EXPORTS (CONTROL)  
ACT, 1947**

In supersession of instructions contained in paragraph I of Director General's Post Office Circular No. 21 dated the 30-12-1970 as amended from time to time, the following revised instruction, which take effect immediately, are published on the accompanying Postal Notice for the information and guidance of all concerned.

2. Export of all articles, with the exception of those mentioned in Schedule I to the Exports (Control) Order, 1968, should be allowed by post without licence to all permissible destinations.

Note:—By 'permissible destinations' is meant countries with which this Administration maintains mail service (letter and parcels) and those countries with which there is no trade ban.

**POSTAL NOTICE**

No. 13 dated 3-12-1973.

In supersession of Postal Notice No. 18 dated December, 1970 the following revised instructions are published for the information and guidance of all concerned.

2. Except for goods included in Schedule I to Exports (Control) Order, 1968, export of other goods as gifts or for commercial purposes by post parcels will be allowed to all permissible destinations without production of licences under the Imports and Exports (Control) Act, 1947.

3. With the exception of what is detailed in sub-para (i) to (x) below items shown in Schedule I to the Exports (Control) Order, 1968 will not be allowed for despatch by post unless they are covered by licences issued by the Export Trade Control Authorities.

- (i) Commercial samples, when covered under OGL No. 2 upto value indicated in Schedule IV to the Exports (Control) Order, 1968.
- (ii) Silver Zari goods, without any monetary limit, whether for commercial purpose or as gift.
- (iii) Hand woven woollen carpets and woollen Chain stitched Rugs shown against item No. 23 in Part B of Schedule I to the Exports (Control) Order, 1968, when exported as gifts without monetary limit.
- (iv) Footwear, all types, shown against item No. 50 in Part B of Schedule I to the Exports (Control) Order, 1968 upto Rs. 200 in value when despatched as gifts.

(v) Handloom stripped bed-spreads known as "Etawah stripes" shown against item No. 21 (i) in Part B of Schedule I to Exports (Control) Order, 1968 upto Rs. 200 in value for each parcel, when despatched as gift.

(vi) Handloom cloth of lungi design of non-fast colours (including those having bleeding properties) and garments made therefrom shown against item No. 21(ii) in Part B of Schedule I to Exports (Control) Order, 1968 upto Rs. 200 in value for each parcel, when despatched as gift.

(vii) Exports of Cotton manufactures to U.K., U.S.A., Austria, West Germany, France, Italy and Benelux countries shown against items Nos. 21 (ii), (iv), (vii), (ix), (x), (xi) and (xii) in Part B of Schedule I to the Exports (Control) Order, 1968 upto Rs. 200 in value for each parcel, when despatched as gift.

(viii) Cellulosic Art Silk Fabrics shown against item No. 21(vi) in Part B Schedule I to the Exports (Control) Order, 1968 upto Rs. 200 in value for each parcel when despatched as gift.

(ix) Nylon Fabrics shown against item No. 21(xii) in Part B of Schedule I to the Exports (Control) Order, 1968 upto Rs. 200 in value for each parcel, when despatched as gift.

(x) Silver coins where: (i) export value is not less than the price of silver contents, (ii) permission of the Reserve Bank of India has been obtained, (iii) antiquity clearance has been obtained from the Archaeological Department of the Ministry of Education for coins more than 100 years old; (iv) the relevant shipping bills are endorsed by competent Customs Officer.

4 Notwithstanding what has been stated above, exports by post will continue to be subject, where necessary, to the P.P. Form and other procedure laid down in the Postal Notice No. 12 dated the 25-5-1951 as amended from time to time regarding restrictions on the export of goods by post to countries outside India under the Foreign Exchange Regulation Act, 1947 (VI of 1947).

5. The provisions of this Postal Notice will also apply to the Exports of goods by air postal parcels, provided the parcels do not exceed 5 (five) kg. in weight.

LIST OF OFFICERS AUTHORISED BY THE GOVERNMENT OF INDIA, MINISTRY OF AGRICULTURE, NEW DELHI  
TO GRANT PHYTO-SANITARY CERTIFICATE FOR EXPORT OF PLANTS AND PLANT MATERIAL WITH THEIR  
ADDRESS

(See sub-paragraph 15 of Section I)

Sl. No.	Central Government/State Governments	Officers with their addresses
1	2	3
I. Central Government		<ol style="list-style-type: none"> <li>1. The Plant Protection Adviser to the Government of India, Ministry of Agriculture, New Delhi, or any person duly authorised by him in this behalf.</li> <li>2. (i) Head of the Division of Entomology. (ii) Head of the Division of Mycology (Indian Agricultural Research Institute, New Delhi, 110012).</li> <li>3. Chief Research Officer and Head of the Division of Forest Protection, Forest Research Institute, Dehradun.</li> <li>4. Director, Central Rice Research Institute, Cuttack, Orissa.</li> <li>5. The Director, National Bureau of Plant Genetic Resources, IARI, New Delhi.</li> <li>6. Director of Research, Coffee Board, Research Station, Balenonnur, Karnataka.</li> <li>7. Director, Potato Research Institute, Simla.</li> <li>8. Senior Research Officer, Entomology Branch, Southern Forest Ringers College and Research Centre, Coimbatore.</li> <li>9. Director, Tea Experimental Station, Tokali.</li> </ol>
II. States		
Andhra Pradesh		<ol style="list-style-type: none"> <li>1. Director of Agriculture, Andhra Pradesh, Hyderabad.</li> <li>2. Plant Protection Specialist, Guntur.</li> </ol>
Assam		<ol style="list-style-type: none"> <li>1. Entomologist, and</li> <li>2. Plant Pathologist to the Government of Assam, Department of Agriculture, Gauhati.</li> </ol>
Bihar		<ol style="list-style-type: none"> <li>1. Entomologist, and</li> <li>2. Plant Pathologist to the Government of Bihar, Mithapur Farm, Patna.</li> <li>3. Plant Pathologist to the Government of Bihar, Agriculture College, Sabour (Bihar).</li> </ol>
Uttar Pradesh		<ol style="list-style-type: none"> <li>1. Entomologist, and</li> <li>2. Plant Pathologist to the Government of Uttar Pradesh, Kanpur.</li> <li>3. Deputy Director, Plant Protection, Lucknow.</li> </ol>
Rajasthan		<ol style="list-style-type: none"> <li>1. Joint Director (Plant Protection) Rajasthan, Jaipur.</li> </ol>
West Bengal		<ol style="list-style-type: none"> <li>1. Entomologist, and</li> <li>2. Mycologist to the Government of West Bengal, State Agricultural Research Institute, 230 Netaji Subhash Road, Regent Park, Calcutta-40.</li> </ol>
Himachal Pradesh		<ol style="list-style-type: none"> <li>1. Director of Agriculture, Department of Agriculture, Himachal Pradesh, Admn., Simla Hills, Simla.</li> </ol>
Sikkim		<ol style="list-style-type: none"> <li>1. Director of Agriculture and Animal Husbandry, Gangtok, Sikkim.</li> <li>2. Forest Manager, Gangtok, Sikkim.</li> </ol>
Andaman and Nicobar Islands		<ol style="list-style-type: none"> <li>1. Director of Agriculture, Andaman &amp; Nicobar Islands, Port Blair.</li> <li>2. Joint Director of Agriculture (C) Andaman and Nicobar Islands, Port Blair.</li> </ol>

1	2	3
		3. Joint Director of Agriculture (P&S) Andaman Nicobar Island, Port Blair,
Goa, Daman & Diu		1. Director of Agriculture, Panjim, Goa. 2. Deputy Director of Agriculture, Panjim, Goa.
Maharashtra		1. Agricultural Officers in the Plant Protection Wing of the Directorate of Agriculture, Pune (Maharashtra)
Gujarat		1. Plant Pathologist to the Government of Gujarat, Ahmedabad. 2. Deputy Director of Agriculture, Department of Agriculture, Ahmedabad. 3. Plant Quarantine Officer, Plant Quarantine Station, Jam Nagar (Gujarat).
Haryana		1. Joint Director of Agriculture, Chandigarh. 2. Locust Control and Plant Protection Officer, Chandigarh.
Jammu & Kashmir		1. Director of Agriculture, J&K, Department of Agriculture, Srinagar.
Kerala		1. Joint Director of Agriculture, Plant Protection, Department of Agriculture, Trivandrum (Kerala).
Madhya Pradesh		1. Entomologist to the Government of Madhya Pradesh, Department of Agriculture, Rewa. 2. Mycologist to the Government of Madhya Pradesh, Agricultural Research Institute, Gwalior.
Tamil Nadu		1. Director, Centre for Plant Protection Studies, Tamil Nadu Agricultural University, Coimbatore.
Karnataka		1. Entomologist and 2. Plant Pathologist to the Government of Karnataka, Department of Agriculture, Bangalore.
Orissa		1. Entomologist and 2. Mycologist to the Government of Orissa, Department of Agriculture, Bhubaneswar
Punjab		1. Entomologist and 2. Plant Pathologist to the Government of Punjab, Government of Agriculture College, Ludhiana.

**AN ILLUSTRATIVE LIST OF OTHER ACTS & ENACTMENTS**

(Sec Paragraph 4 of Section I)

Sl. No.	Name of the Act	Sl. No.	Name of the Act
1.	Indian Post Office Act, 1898.	7.	Tea Act, 1953.
2.	Ancient Monument Preservation Act, 1904.	8.	Drugs and Magic Remedies (Objectionable Advertisements) Act, 1954.
3.	Indian Coffee Act, 1942.	9.	Dangerous Drugs (Import, Export and Transshipment Rules), 1957.
4.	Coir Industry Act, 1942.	10.	Arms Act, 1959 and Arms Rules, 1962.
5.	Foreign Exchange Regulation Act, 1947.	11.	Antiquities and Art Treasures Act, 1972
6.	Dangerous Drugs Act, 1953.	12.	Motor Vehicles International Circulation Rules

